UGC NET/ J.R.F. EXAM

प्रश्न-पत्र III शिक्षाशास्त्र

1. निम्नलिखित में से कौन सा कथन तर्कणावाद का आधार नहीं है?
(A) गणितीय तर्कणा की सहायता से ज्ञान का विकास
(B) प्रथम सिद्धान्तों के रूप में स्वः प्रमाणित सत्य का प्रयोग
(C) सत्य की खोज के लिए इन्द्रिय प्रदत्तों का संकलन
(D) परिपृच्छा की विधि के रूप में आगमनात्मक तर्कणा का प्रयोग

उत्तर- (C)/ व्याख्या प्रश्नानुसार तर्कवाद (Rationalism) का आधार है- गणितीय तर्कणा की सहायता से ज्ञान का विकास करना, प्रथम सिद्धान्तों के रूप में स्व प्रमाणित सत्य का प्रयोग करना, तथा परिपृच्छा (Inquiry) की विधि के रूप में आगमनात्मक तर्कणा का प्रयोग करना। जबकि सत्य की खोज के लिए इंद्रिय प्रदत्तों का संकलन तर्कणवाद का आधार नहीं है।

2. गाँधी का शिक्षा दर्शन :
(A) उद्देश्यों की दृष्टि से प्रकृतिवादी है, विन्यास की दृष्टि से प्रयोजनवादी तथा विधियों की दृष्टि से आदर्शवादी है।
(B) विधियों की दृष्टि से प्रकृतिवादी, विन्यास की दृष्टि से आदर्शवादी तथा उद्देश्यों की दृष्टि से प्रयोजनवादी है।
(C) विन्यास की दृष्टि से प्रकृतिवादी, उद्देश्यों की दृष्टि से आदर्शवादी तथा विधियों की दृष्टि से प्रयोजनवादी है।
(D) विधियों की दृष्टि से यथार्थवादी, विन्यास की दृष्टि से आदर्शवादी तथा उद्देश्यों की दृष्टि से प्रयोजनवादी है।

उत्तर- (C)/ व्याख्या डा० एम० एस० पटेल के कथनानुसार, ''गांधी जी के शिक्षा दर्शन की व्यवस्था प्रकृतिवादी है। उनके उद्देश्य आदर्शवादी है और उनकी विधि एवं कार्यक्रम प्रयोजनवादी है।''

3. एक शैक्षिक सिद्धान्त का प्रतिपादन करते समय निम्नलिखित में से कौन सा क्रम अत्यधिक तर्कणा परक होगा ?
i. एक शिक्षित व्यक्ति की धारणा
ii. शिक्षण-शास्त्रीय प्रविधियाँ
iii. शिक्षा के उद्देश्य
iv. मानव प्रकृति के विषय में पूर्व धारणाएँ

कूट :
(A) i, iv, ii, iii (B) iv, i, iii, ii
(C) iv, ii, iii, i (D) i, iii, iv, ii

उत्तर- (B)/ व्याख्या एक शैक्षिक सिद्धान्त का प्रतिपादन करते समय निम्न क्रम अत्यधिक तर्कणा परक होगा-
(iv) मानव प्रकृति के विषय में पूर्व धारणाएँ
(i) एक शिक्षित व्यक्ति की धारणा
(iii) शिक्षा के उद्देश्य
(ii) शिक्षण शास्त्रीय प्रविधियाँ

4. निम्नलिखित में से कौन सी विचारधारा ज्ञान व मानव मूल्यों पर जोर देती है ?
(A) तार्किक प्रत्यक्षवाद (B) आदर्शवाद
(C) प्रयोजनवाद (D) अस्तित्ववाद

उत्तर- (B)/ व्याख्या आदर्शवादी विचारधारा ज्ञान एवं मानव मूल्यों पर जोर देती है। इसके अनुसार सत्यम्, शिवम् सुदंरम् सर्वोच्च शाश्वत मूल्य है। इन मूल्यों की प्राप्ति ही जीवन का लक्ष्य है।

5. जैन विचारकों द्वारा प्रतिपादित ज्ञान के विभिन्न प्रकारों (स्तरों) का निम्नलिखित में से कौन सा अनुक्रम सही है ?
(A) श्रुतिज्ञान, अवधिज्ञान, मतिज्ञान, कैवल्य, मनःपर्यव
(B) श्रुतिज्ञान, मतिज्ञान, मनःपर्यव, अवधिज्ञान, कैवल्य
(C) मतिज्ञान, श्रुतिज्ञान, अवधिज्ञान, मनःपर्यव, कैवल्य
(D) अवधिज्ञान, मतिज्ञान, श्रुतिज्ञान, कैवल्य, मनःमपर्यव

उत्तर- (C)/ व्याख्या जैन दर्शन में ज्ञान को पाँच स्तरों की एक क्रम व्यवस्था में रखा गया है। सही अनुक्रम है -
(1) मतिज्ञान, (2) श्रुतिज्ञान, (3) अवधिज्ञान,
(4) मन:पर्यव, (5) कैवल्य

6. सिनेमा को निम्नलिखित में से क्या माना जाता है ?
(A) शिक्षा का गैर-औपचारिक अभिकरण
(B) शिक्षा का औपचारिक अभिकरण
(C) शिक्षा का अनौपचारिक अभिकरण
(D) शिक्षा का एक सक्रिय अभिकरण

उत्तर- (C)/ व्याख्या सिनेमा जनसंचार (Mass media) का एक प्रमुख माध्यम है। जनसंचार का मुख्य कार्य अनौपचारिक शिक्षा (Informal Education) परन्तु शिक्षा क्षेत्र में प्रगति के साथ जन संचार माध्यम का शिक्षा के औपचारिक एवं गैर-औपचारिक शिक्षा के लिए भी प्रयोग किया जा रहा है। ये कई प्रकार की होती है।
जैसे - अनुदेशानात्मक फिल्में, दस्तावेजी फिल्में, नाट्य फिल्में, विवरणात्मक फिल्में, समस्या प्रधान फिल्में, आदि।
परन्तु आयोग ने विकल्प (C) शिक्षा का अनौपचारिक अभिकरण माना है।

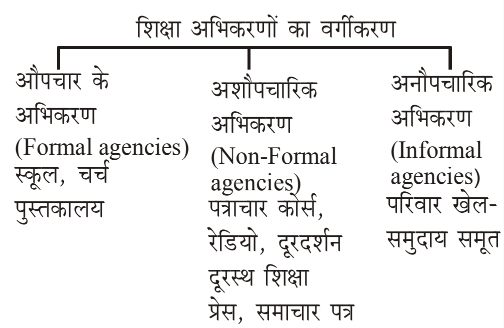

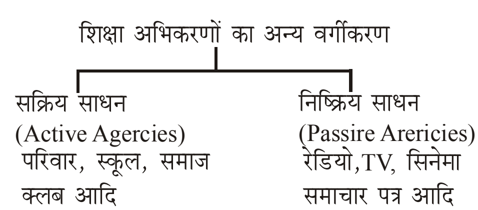

7. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट में से सही विकल्प चुनिए -

सूची-I		सूची-II
a. अनुच्छेद 21 (भारत का संविधान)	i.	जीने का मौलिक अधिकार
b. अनुच्छेद 45 (भारत का संविधान)	ii.	शिक्षा का अधिकार (6 वर्ष तक के वयोवर्ग)
c. अनुच्छेद 51(A) (भारत का संविधान)	iii	निःशुल्क भोजन का अधिकार
d. अनुच्छेद 21(A) (भारत का संविधान)	iv.	अभिव्यक्ति का अधिकार
	v.	माता-पिता/अभिभावकों का बालकों की शिक्षा संबंधी कर्त्तव्य
	vi.	6 से 14 वर्ष के वय-वर्ग के बालकों को शिक्षा का मौलिक अधिकार

कूट समूह :

	a	b	c	d
(A)	i	ii	v	vi
(B)	vi	v	iii	iv
(C)	i	ii	v	iv
(D)	vi	iv	iii	ii

उत्तर- (A)/ व्याख्या सुमेलित है -

	सूची - I	सूची - II
(a)	अनु॰ 21	(i) जीने का मौलिक अधिकार
(b)	अनु॰ 45	(ii) शिक्षा का अधिकार (6 वर्ष तक के वयोवर्ग
(c)	अनु॰ 51 (A)	(v) माता-पिता/अभिभावको का बालकों की शिक्षा संबंधी कर्त्तव्य
(d)	अनु॰ 21 (A)	(vi) 6 से 14 वर्ष के वय-वर्ग के बालकों को शिक्षा का मौलिक अधिकार

8. भारत में ''कॉमन स्कूल प्रणाली' स्थापित करने संबंधी मुद्दा निम्नलिखित में से किससे संबंधित है ?

(A) 'शिक्षा और आधुनिकीकरण' की समस्या
(B) सामाजिक साम्यता (इक्विटी)
(C) राजनीति और शैक्षणिक परिवर्तन
(D) समाज के पिछड़े वर्ग की शिक्षा

उत्तर- (B)/ व्याख्या भारत में ''कॉमन स्कूल प्रणाली'' स्थापित करने संबंधी मुद्दा 'सामाजिक साम्यता' से संबंधित है। इसमें स्कूलों में प्रवेश का आधार जाति, धर्म, लिंग व स्थानीयता आदि नहीं होता है।

9. भारत में समाज के कमजोर वर्गों के लिए शिक्षा के अवसर से संबंधित विधान निम्नलिखित में से किसे उजागर करने का उदाहरण है ?

(A) शिक्षा का राजनीतिक स्वरूप
(B) शिक्षा का सामाजिक स्वरूप
(C) शिक्षा का आर्थिक स्वरूप
(D) शिक्षा का सांस्कृतिक स्वरूप

उत्तर- (A&B)/ व्याख्या भारत में कमजोर वर्गों के लिए शिक्षा के अवसर से संबंधित विधान शिक्षा का राजनीतिक स्वरूप तथा शिक्षा का सामाजिक स्वरूप उजागर करने का उदाहरण है।

10. समूह संरचनाओं का मापन ज्यादातर निम्नलिखित में से किसके आधार पर किया जाता है ?

(A) समाज आरेख
(B) सामूहिक मूल्यनिर्धारण अनुमाप
(C) उपाख्यानिक अभिलेख
(D) सामाजिक नाटक

उत्तर- (A)/ व्याख्या समाज आरेख समाजमिति से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण की एक प्रविधि है। समाजमिति समूह के सामाजिक संरचना का अध्ययन है। समूह के पारस्परिक संबंधों के फलस्वरूप जो रेखाचित्र बनता है उसे समाज आरेख कहते हैं। अत: समूह संरचनाओं का मापन समाज आरेख के आधार पर किया जाता है।

11. निम्नलिखित में से किसके आधार पर वृद्धि और विकास में विभेद नहीं किया जा सकता है ?

(A) शारीरिक (B) गुणात्मक
(C) परिमाणात्मक (D) संवेगात्मक

उत्तर- (D)/ व्याख्या प्रश्नानुसार शारीरिक, गुणात्मक व परिमाणात्मक आधार पर वृद्धि एवं विकास में भेद किया जा सकता है परन्तु संवेगात्मक आधार नहीं।

12. निम्नलिखित में से सही कथन चुनिए :

(A) संकल्पना निर्माण, युक्तिपूर्ण तर्क से पहले आता है।
(B) भाषा विकास, संकल्पना निर्माण से पहले आता है।
(C) युक्तिपूर्ण तक भाषा विकास से पहले आता है।
(D) संवेगात्मक विकास, संकल्पना निर्माण से पहले आता है।

उत्तर- (A)/ व्याख्या संकल्पना निर्माण युक्तिपूर्ण तर्क से पहले आता है क्योंकि व्यक्ति किसी कार्य के विषय में पहले संकल्पनाएँ बनाता है कि कार्य क्या है इसका क्या लाभ व हानि है आदि। इसके बाद वह उस कार्य को करने के लिए या किसी समस्या के समाधान के लिए युक्तिपूर्ण ढंग से तर्क करता है। अन्य तीन कथन तर्कसंगत नहीं है।

13. निम्नलिखित में से किस परिप्रेक्ष्य में वैयक्तिक भिन्नता अधिक संगत होगी ?

(A) शिक्षण-अधिगम व्यवस्था का अभिकल्प तैयार करना।
(B) छात्रों के कार्य निष्पादन का मूल्यांकन करना।
(C) उपचारी कार्यक्रम तैयार करना।
(D) नैदानिक कार्य करना।

उत्तर- (C)/ व्याख्या व्यक्तिगत भिन्नता सार्वभौमिक है। संसार के प्रत्येक प्राणी एक दूसरे से रूप, रंग, आचार, विचार, अभिक्षमता, अभिवृत्ति एवं रुचि आदि में एक दूसरे से भिन्न होते हैं। यहाँ तक की एकाँडी जुड़वा भाई / बहनों ने भी व्यक्तिगत भिन्नता पाई जाती है। शिक्षा की प्रक्रिया में इसका बहुत महत्व है। पाठ्यचर्या तैयार करने, उपचारी कार्यक्रम तैयार करने, एवं शिक्षण विधियों के चयन करने में व्यक्तिगत भिन्नता को महत्व दिया जाता है।

14. जीन पियाजे के अनुसार निम्नलिखित में से किस अवस्था में रूप संक्रियात्मक अवस्था आती है?

(A) शैशवास्था (B) बाल्यावस्था
(C) किशोरावस्था (D) व्यस्कावस्था

उत्तर- (C)/ व्याख्या जीन पियाजे ने बालकों के संज्ञानात्मक विकास को चार भागों में बाँटा है। पियाजे के अनुसार रूप सांक्रियात्मक अवस्था (Formal operational stage) की अवधि 11/12 वर्ष से व्यस्कावस्था तक होती है। अत: यह अवस्था किशोरावस्था की होती है।

15. स्कूलों में शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम किस प्राथमिक रुप में माना जाना चाहिए ?

(A) बालकों की शारीरिक आवश्यकताओं को पूरा करने के रुप में
(B) नियोजित विकासात्मक अनुभवों की शृंखला के रूप में।
(C) शिष्यों के स्वास्थ्य में सुधार लाने के साधन के रूप में।
(D) शैक्षणिक दबाव से राहत के रूप में।

उत्तर- (B)/ व्याख्या स्कूलों में शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम प्राथमिक रूप से नियोजित विकासात्मक अनुभवों की शृंखला के रूप में माना जाना चाहिए।

16. गेस्टाल्ट मनोवैज्ञानिक अधिगम के स्थानान्तरण की व्याख्या किस पद द्वारा करते हैं ?

(A) सामान्यीकरण (B) तत्त्वों की समानता
(C) दूर दृष्टि (D) पक्षान्तरण

उत्तर- (D)/ व्याख्या गेस्टाल्ट मनोवैज्ञानिक अधिगम के स्थानान्तरण की व्याख्या पक्षान्तरण (Transposition) के रूप में करते हैं। पक्षान्तर से तात्पर्य प्राणी द्वारा संबंधात्मक विभेद करने की स्पष्ट क्षमता है। पक्षान्तर सिद्धान्त उद्दीपनों के संबंध को महत्वपूर्ण मानता है। जबकि जुड (Judd) मनोवैज्ञानिक अधिगम के स्थानान्तरण की व्याख्या सामान्यीकरण (Generalization) पद द्वारा करते हैं तथा थार्नडाइक अधिगम अंतरण की व्याख्या समरूप तत्वों के आधार पर करते हैं।

17. अधिगम को प्रभावित करने में कौन सा कारक नहीं है ?

(A) परिपक्वता (B) अभिप्रेरण (C) शिक्षक (D) मित्रता

उत्तर- (D)/ व्याख्या अधिगम को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक हैं- शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य, परिपक्वता, अभिप्रेरणा, रूचि, बुद्धि, वातावरण, परिणाम का ज्ञान, शिक्षक, पाठ्यवस्तु, अधिगम व्यवस्था व प्रक्रिया आदि। जबकि मित्रता अधिगम को प्रभावित करने वाला कारक नहीं है।

18. गैने की अधिक्रमिता में निहित मान्यता है

(A) निम्न स्तरीय अधिगम, अन्य अधिगम प्रकारताओं के समानान्तर चलता है।
(B) निम्न स्तरीय अधिगम, उच्च स्तरीय अधिगम के पूर्व घटित होता है।
(C) उच्च स्तरीय अधिगम, अन्य अधिगम के साथ घटित होता है।
(D) निम्न एवं उच्च स्तरीय अधिगम परस्पर संबंधित नहीं है।

उत्तर- (B)/ व्याख्या गैने ने अपनी पुस्तक 'दी कंडिशन्स ऑफ, लर्निंग, में सीखने के 8 प्रकार का वर्णन किया है। सभी आठों प्रकार के सीखना शृंखलाबद्ध क्रम में होते हैं। ये निम्न स्तरीय में उच्च स्तरीय सीखना के रूप में व्यवस्थित हैं। गैने ने तीसरी अवस्था तक के सीखने को निम्न स्तरीय अधिगम तथा चौथी से ऊपर की अवस्था को उच्च स्तरीय अधिगम कहा। शृंखला में सबसे निम्न स्तरीय अधिगम-संकेत सीखना तथा सबसे उच्च स्तरीय अधिगम समस्या-समाधान सीखना है।

19. सृजनात्मक चिन्तन की प्रक्रिया में व्यक्त रूप से निष्क्रियता को कहा जाता है

(A) प्रेरणा (B) उद्भवन
(C) सामान्यीकरण (D) तैयारी

उत्तर- (B)/ व्याख्या सृजनात्मक चिंतन की प्रक्रिया में व्यक्त रूप से निष्क्रियता को उद्भवन (Invocation) कहा जाता है। जब कई ढंग से कोशिश करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो पाता, तो व्यक्ति अपना ध्यान समस्या से हटा लेता है परन्तु अचेतन रूप से उसके समाधान के बारे में चिंतन जारी रखता है, यह उद्भवन की अवस्था है।

20. अग्रवर्ती व्यवस्थापक प्रतिमान के तहत मुख्य अभिप्रेत है

(A) सृजनशील चिन्तन का विकास
(B) समीक्षात्मक चिन्तन का विकास
(C) बौद्धिक मंच
(D) सूचना प्रक्रमण

उत्तर- (C)/ व्याख्या अग्रवर्ती व्यवस्थापक प्रतिमान (Advance organizer model) के प्रवर्तक डेविड आसुबेल थे। इस प्रतिमान का आधार शाब्दिक प्रचिगम है तथा यह सूचना प्रक्रिया (Information Processing) सिद्धान्त पर आधारित है। इस प्रतिमान के मुख्य केन्द्र बिन्दु है - प्रत्ययों एवं तथ्यों का बोध करना, ज्ञान पुंज में सम्बन्ध स्थापित करना तथा पाठ्य-वस्तु को रोचक एवं सार्थक बनाना।
अत: कहा जा सकता है कि इसका मुख्य अभिप्रेत बौद्धिक (Intellectual Scaffolding) मंच है।

21. व्यक्तित्व के अध्ययन में निम्नांकित में से कौन सा अनुक्रम सर्वाधिक उपयुक्त है?

(A) व्यक्तित्व का विशेषक सिद्धान्त, व्यक्तित्व के प्रारूप सिद्धान्त, मनोविश्लेषणात्मक
(B) व्यक्तित्व का प्रारूप सिद्धान्त, व्यक्तित्व का विशेषक सिद्धान्त, मनोविश्लेषणात्मक
(C) मनोविश्लेषणात्मक, व्यक्तित्व के विशेषक सिद्धान्त, व्यक्तित्व का प्रारूप सिद्धान्त
(D) मनोविश्लेषात्मक, व्यक्तित्व के प्रारूप सिद्धान्त, व्यक्तित्व के विशेषक सिद्धान्त

उत्तर- (B)/ व्याख्या शिक्षा एवं मनोविज्ञान में बालक या व्यक्ति के व्यक्तित्व का अध्ययन बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसके अध्ययन की अनेक विधियाँ हैं जिनमें सर्वाधिक उपयुक्त अनुक्रम इस प्रकार है—

III. व्यक्तित्व का प्रारूप सिद्धान्त
II. व्यक्तित्व के विशेषक सिद्धान्त
I. मनोविश्लेषणात्मक

22. निम्नांकित में से कौन सा कथन व्यक्तित्व को उपयुक्त रूप में वर्णित करता है ?

(A) व्यक्तित्व एक शरीर-क्रियात्मक अवधारणा है।
(B) व्यक्तित्व एक आणविक अवधारणा है।
(C) व्यक्तित्व एक गतिशील अवधारणा है।
(D) व्यक्तित्व एक लोकप्रिय अवधारणा है।

उत्तर- (C)/ व्याख्या व्यक्तित्व व्यक्ति के भीतर उन मनोशारीरिक तंत्रों का (Psycho Physical System) गत्यात्मक संगठन (Dynamic Organization) है जो वातावरण में उसके अपूर्व समायोजन को निधारित करते हैं। अत: व्यक्तित्व शरीर क्रियात्मक अवधारणा नहीं बल्कि मनोशारिक अवधारणा है। व्यक्तित्व आणविक अवधारणा नहीं है बल्कि यह एक व्यस्थित एवं संगठित अवधारणा है।

23. व्यक्तित्व के निम्नांकित विशेषकों में से किसे प्रक्षेपी प्रविधियों द्वारा प्रभावी रुप में मापा जा सकता है?

(A) बर्हिमुखी-अन्तर्मुखी (B) ईमानदारी
(C) मानसिक प्रावरोध (D) संतुलित उपागम

उत्तर- (C)/ व्याख्या व्यक्तित्व के मानसिक प्रावरोध को प्रक्षेपी प्रविधियों द्वारा प्रभावी रूप में मापा जा सकता है। क्योंकि प्रक्षेपी विधि व्यक्तित्व की माप परोक्ष रूप से करती है। इसके सहारे व्यक्ति अचेतन रूप से अपनी मानसिक संघर्षों को प्रक्षेपित करता है।

24. एक छात्र अपने परिवार में स्वच्छता के प्रति अतिरंजित लगाव प्रदर्शित करता है। इसे किसका उदाहरण मानते हुए स्पष्ट किया जा सकता है?

(A) प्रतिगमन (B) अवदमन
(C) उदात्तीकरण (D) प्रतिक्रिया विधान

उत्तर- (D)/ व्याख्या **(A) प्रतिगमन (Regression)** - जब व्यक्ति के अंदर तनाव उत्पन्न होता है तो वह तनाव से मुक्ति पाने के लिए पूर्व अनुभवों की ओर लौट जाता है, यही प्रतिगमन कहलाता है। जैसे एक प्रौढ़ व्यक्ति बच्चों जैसा व्यवहार, रोना, चिल्लाना, आदि शुरू कर देता है।

(B) दमन (Repression)- दमन का अर्थ है इच्छाओं एवं कामनाओं को स्वतंत्र रूप से प्रकट न होने देना।

(C) उद्दात्तीकरण (Sublimation)- उद्दात्तीकरण या शोधन मन की यह मानसिक क्रिया है। जिसके अन्दर व्यक्ति की मूल-प्रवृत्यात्मक शक्ति को ऐसे कृत्रिम पक्ष की ओर मोड़ दिया जाता है। जिसे समाज की स्वीकृति प्राप्त है।

(D) प्रतिक्रिया विधान (Reaction Formation)- प्रतिक्रिया विधान का कार्य मानसिक द्वन्द्व को दूर करना है। यह अचेतन मन की वह क्रिया है जिसमें व्यक्ति अपने व्यक्तित्व में चेतन रूप से ऐसे व्यवहारों, भावनाओं एवं विचारों का निर्माण कर लेता है जो आंशिक रूपों में दमन की हुई इच्छाओं के विपरीत होती है।

अत: एक छात्र अपने परिवार में स्वच्छता के प्रति अतिरंजित लगाव (Excessive Concern) प्रदर्शित करता है, इसे प्रतिक्रिया विधान द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है।

25. भारतीय व्यवस्था में, समंजन की प्रक्रिया को अच्छी तरह दर्शाया जा सकता है -

(A) तनाव प्रबंधन द्वारा (B) तनाव न्यूनीकरण द्वारा
(C) संतुलन की स्थिति द्वारा (D) चिन्ता की स्थिति द्वारा

उत्तर- (C)/ व्याख्या भारतीय व्यवस्था में समंजन की प्रक्रिया को संतुलन की स्थिति द्वारा अच्छी तरह दर्शाया जा सकता है।

26. संकलनात्मक सलाह के आयोजन हेतु निम्नलिखित में से कौन सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है ?

(A) आवश्यकताओं एवं व्यक्तित्व की विशेषताओं का अध्ययन
(B) तकनीकों का चयन
(C) परामर्श की तैयारी
(D) सेवार्थी एवं अन्य संबंधित व्यक्तियों के मत जानना

उत्तर- (A)/ व्याख्या संकलनात्मक सलाह के आयोजन हेतु आवश्यक एवं व्यक्तित्व की विशेषताओं का अध्ययन सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। इसमें परामर्शदाता सर्वप्रथम परामर्शेच्छु के व्यक्तित्व और आवश्यकताओं की ओर ध्यान देता है।

27. किसी स्कूल निर्देशन कार्यक्रम के आयोजन हेतु निम्नलिखित में से किस प्रकार की सेवाएँ अपेक्षित हैं ?

(A) वैयक्तिक, व्यावसायिक, स्थानन, अनुवर्ती
(B) सूचना, परीक्षण, परामर्श, अनुवर्ती
(C) सूचना, निर्देशन, परामर्श, अनुवर्ती
(D) सूचना, परीक्षण, परामर्श, स्थानन

उत्तर- (B)/ व्याख्या किसी स्कूल निर्देशन कार्यक्रम के आयोजन हेतु सूचना, परीक्षण, परामर्श एवं अनुवर्ती प्रकार की सेवाएं अपेक्षित है।

28. समूह निर्देशन के तर्काधार हेतु निम्नलिखित में से कौन स्वीकार्य नहीं है ?

(A) सेवार्थी समूह को उनकी मूल धारणाओं तथा मान्याताओं से परिचय कराना।
(B) अन्तः वैयक्तिक संबंध विकसित करना।
(C) निर्देशन के दौरान तांत्रिक परिवेश को बढ़ावा देना।
(D) बौद्धिक समझ तथा सहयोग को बढ़ावा देना।

उत्तर- (B)/ व्याख्या समूह निर्देशन में निर्देशनकर्त्ता तथा निर्देश प्राप्तकर्त्ता में अन्त: वैयक्तिक सम्बन्ध विकसित नहीं किया जाता क्योंकि इसमें निर्देशन प्राप्त करने वालों की संख्या अधिक होती है इसलिए निर्देशक के लिए यह सम्भव नहीं होता है जबकि व्यक्तिगत निर्देशन व परामर्श में अन्त:वैयक्तिक सम्बन्ध स्थापित किया जाता है।

29. किसी निर्देशन कार्यक्रम में निम्नलिखित में से किसको प्रमुख सेवा माना जाता है?

(A) सूचना सेवा (B) आत्म-तालिका सेवा
(C) स्थानन सेवा (D) परामर्शी सेवा

उत्तर- (D)/ व्याख्या किसी निर्देशन कार्यक्रम में निम्न सेवाओं को शामिल किया जाता है -
सूचना सेवा, मूल्यांकन सेवा, परामर्श सेवा, स्थापन सेवा, पूर्वाभिमुखी सेवा, सुधारात्मक सेवा तथा अनुवर्तन सेवा। इनमें प्रमुख सेवा परामर्शन सेवा (Counselling service) को माना जाता है क्योंकि यह एक अन्त: क्रियात्मक प्रक्रिया होता है जिसमें परामर्शी को परामर्शदाता मदद करके उसे समस्या समाधान करने के योग्य बनाता है।

30. अनिदेशात्मक उपबोधन का प्रमुख प्रयोजन है ?
(A) सेवार्थी दत्त का विश्लेषण (B) संगत कारक का निदान
(C) भावात्मक विमुक्ति (D) स्थानन सेवा

उत्तर- (C)/ व्याख्या अनिदेशात्मक उपबोधन परापर्शेच्छु केन्द्रित एवं स्वतंत्र होता है। इसके बौद्धिक पक्षों की तुलना में संवेगात्मक पक्ष अधिक महत्वपूर्ण है। इसमें संवेगात्मक अवरोध समाप्त किये जाते हैं अत: अनिदेशात्मक उपबोधन (Non-Directire Counselling) का प्रमुख प्रयोजन भावात्मक विमुक्ति है।

31. विजातीय जनसंख्या होने पर निम्नलिखित विधियों में से न्यादर्श प्रक्रिया के लिए कौन सी विधि चुनेंगे ?
(A) यादृच्छिक न्यादर्शन (B) क्रमबद्ध न्यादर्शन
(C) स्तरीकृत न्यादर्शन (D) सुविधापरक न्यायदर्शन

उत्तर- (C)/ व्याख्या विजातीय जनसंख्या होने पर, न्यायदर्श प्रक्रिया के लिए स्तरीकृत न्यायदर्श विधि से न्यायदर्श का चयन करेंगे क्योंकि इसमें शोधकर्ता जीवसंख्या का कुछ ज्ञात विशेषताओं के अनुरूप प्रतिदर्श का चयन करता है। अर्थात पहले जीवसंख्या (Population) को विशेषताओं के आधार पर कई स्तरों में बाँट कर यादृच्छिक ढंग से न्यायदर्श का चयन किया जाता है।

32. जब कई मध्यमानों की तुलना अपेक्षित हो तो वास्तविक रूप से सार्थक अन्तर (HSD) निम्नलिखित में से किस दशा में उपयोगी होगा?
(A) जब 'एफ' का मान सार्थक हो।
(B) जब 'एफ' का मान सार्थक नहीं हो।
(C) (A) और (B) दोनों
(D) न तो (A) ना (B)

उत्तर- (A)/ व्याख्या जब कई मध्यमानों की तुलना अपेक्षित हो तो वास्तविक रूप से सार्थक अन्तर उपयोगी होगा यदि जब 'F' का मान सार्थक हो।
किसी 'F' अनुपात के सार्थक होने का अर्थ है कि उस 'F' अनुपात के केवल संयोगवश प्राप्त होने की सम्भावना अत्यन्त कम है।

33. किसी शोध समस्या के निर्माण हेतु निम्नलिखित में से सर्वश्रेष्ठ स्त्रोत किसे माना जा सकता है?
(A) शोध पर्यवेक्षक से परामर्श।
(B) पुस्तकालय अध्यक्ष से चर्चा करना।
(C) किसी शोध पत्रिका में प्रकाशित शोध लेखों पर चिन्तन करना।
(D) शिक्षा की समस्याओं पर चिन्तन करना।

उत्तर- (C)/ व्याख्या प्रश्नानुसार किसी शोध समस्या के निर्माण हेतु प्रमुख स्रोत है - शोध पर्यवेक्षक से परामर्श द्वारा, शिक्षा की समस्याओं पर चिन्तन द्वारा परन्तु किसी शोध पत्रिका में प्रकाशित शोध लेखों पर चिन्तन करना सर्वश्रेष्ठ स्रोत माना जा सकता है क्योंकि इसमें नयी समस्या की झलक तो मिलती ही है, साथ-ही-साथ उनको सुलझाने में शोधकर्ता को विशेष सहायता मिलती है।

34. शोध में त्रिभुजन पद (TRIANGULATION) निम्नलिखित में से किसे युग्मित करने से संबंधित है?
(A) दो से अधिक न्यादर्शों का योग
(B) अनेक गुणात्मक शोध तकनीकों का योग
(C) प्रदत्त विश्लेषण के लिए बहुत सी मात्रात्मक तकनीक
(D) दो से अधिक शोध अध्ययनों का योग

उत्तर- (B)/ व्याख्या सामाजिक विज्ञानों में अनेक गुणात्मक शोध तकनीकों को प्रदर्शित करने के लिए त्रिभुजन (Triangulation) का प्रयोग किया जाता है। आंकड़ों की वैधता जांच की जाती है। साथ ही विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है।

35. विचलनशीलता की मात्रा सूचित करने के लिए क्रमसूचक प्रदत्तों का उपयुक्त माप ...... होगा।
(A) मानक विचलन मान (B) मानक प्राप्तांक
(C) औसत विचलन मान (D) चतुर्थांश विचलन मान

उत्तर- (D)/ व्याख्या विचलनशीलता की मात्रा सूचित करने के लिए क्रम सूचक प्रदत्तों का उपयुक्त माप चतुर्थांश (Quartile Deviation) विचलन मान होगा।चतुर्थांश विचलन को प्रायः से व्यक्त करते है। किसी आवृति Q वितरण में 75वें शतमतक एवं 25वें शतमतक के बीच की दूरी के मध्य बिन्दु को चतुर्थक (Quartie Diviation) कहते हैं।
यदि वितरण में प्रथम चतुर्थक (Q1) तथा तृतीय चतुर्थक (Q3 का मान ज्ञात हो तो

$$\text{चतुर्थक विचलन } (Q) = \frac{Q_3 \quad Q_1}{2}$$

मानक विचलन प्रमाणिक विचलन (S. D.) किसी वितरण का प्रमाणिक विचलन मध्यमान से विभिन्न प्राप्तांकों के विचलनों के वर्गों के मध्यमान का वर्गमूल होता है।

$$\text{प्रमाणिक विचलन } (\sigma) = \sqrt{\frac{\sum D^2}{N}}$$

मानक प्राप्तांक (Standard Rcose) मानक प्राप्तांक किसी संदर्भ समूह के लिए विभिन्न प्राप्तांकों की सापेक्षिक स्थिति प्रकट विचलन तथा इनके वितरण की प्रकृति पूर्व ज्ञात तथा निश्चित होती है। जैसे जेड प्राप्तांक, टी प्राप्तांक, सी प्राप्तांक तथा नव प्राप्तांक औसत विचलन (Average Deviation)इसे मध्मान विचलन भी कहते हैं। किसी वितरण के मध्यमान से उसके विभि न प्राप्तांकों के विचलनों के मध्यमान को मध्यमान विचलन कहते हैं। मध्यमान विचलन

$$\text{मध्यमान विचलन} = \frac{\sum D}{N}$$

36. प्रयोगशाला प्रयोग में निम्नलिखित में से कौन सा कार्य सर्वाधिक महत्वपूर्ण है?
(A) प्रयोगशाला का व्यवस्थापन
(B) कार्य स्थल का चयन
(C) चरों को नियंत्रित करना
(D) चरों में हेरफेर लाना

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ प्रयोगशाला प्रयोग शोध में शोधकर्ता ऐसी परिस्थिति उत्पन्न करता है जिसमें सभी बहिरंग चर (extraneous variable) नियंत्रित हो जाते है। इसमें स्वतंत्र चरों में शोधकर्ता जोड़-तोड़ करता है। अत: इसमें चरों को नियंत्रित करना सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

37. ऐतिहासिक शोध में बल दिया जाता है

(A) अतीत की घटनाओं के चित्रण पर
(B) वर्तमान एवं अतीत की घटनाओं के चित्रण पर
(C) अतीत से प्रदत्तों के संकलन पर
(D) अतीत से प्रदत्तों के संकलन एवं संगठन पर

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ ऐतिहासिक शोध के तात्पर्य वैसे शोध से होता है जिसमें बीती घटनाओं को रिकार्ड किया जाता है। उसका विश्लेषण किया जाता है। तथा उसकी व्याख्या की जाती है। अत: स्पष्ट है कि इसमें अतीत से प्रदत्तों के संकलन एवं संगठन पर बल दिया जाता है।

38. एक अध्यापक ने स्कूल के कार्यक्रमों में हस्तक्षेप के रूप में कैलोरी युक्त मध्याह्न भोजन की शुरुआत की है। प्रदत्त निर्वचन स्तर पर उस शिक्षक को निम्नलिखित में से कौन सा परीक्षण करना चाहिए?

(A) एकल पुच्छीय परीक्षण
(B) द्विपुच्छीय परीक्षण
(C) एकल पुच्छीय और द्विपुच्छीय दोनों परीक्षण
(D) अप्राचलिक परीक्षण

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ जब शोधकर्त्ता निराकरणीय परिकल्पना का उल्लेख इस ढंग से करता है कि अध्ययन किए जाने वाले समूहों में अन्तर की दिशा भी ज्ञात होती है तो वहाँ ''वन टेल टेस्ट'' एकल-पुच्छीय परीक्षण किया जाता है। प्रस्तुत प्रश्न में अध्ययन किए जाने वाले समूहों में अन्तर की दिशा ज्ञात है। अत: यहाँ एक-पुच्छीय परीक्षण होगा।

39. 'एफ' परीक्षण प्रयुक्त होता है जबकि :

(A) दो स्वतंत्र समूहों की तुलना की जानी है।
(B) दो सहसंबंधी समूहों की तुलना की जानी है।
(C) दो से अधिक स्वतंत्र समूहों की तुलना की जानी हो।
(D) दो से अधिक आश्रित अथवा अनाश्रित समूहों की तुलना की जानी हो।

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ सूचनाओं का सांख्यिकी विश्लेषण करते समय जब दो या दो से अधिक स्वतंत्र्र या आश्रित चरों के समूहों की तुलना करते समय F टेस्ट का प्रयोग किया जाता है।

40. निम्नलिखित में से कौन सी वितरण मुक्त सांख्यिकी है?

(A) 'टी' परीक्षण (B) 'एफ' परीक्षण
(C) पीयर्सन का 'आर' गुणांक (D) काई स्क्वैयर परीक्षण

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ काई स्क्वैयर टेस्ट एक वितरण मुक्त सांख्यिकी है। इसका प्रयोग सभी प्रकार के मापकों के लिए किया जाता है किन्तु जब न्यादर्श जनसंख्या का प्रतिनिधित्व नहीं करता तब काई वर्ग को अधिक उपयुक्त माना जाता है। काई वर्ग (x^2) प्रक्षेपित आवृत्तियों का एक सेट होता है।

41. भारत में प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण हेतु निम्नलिखित में से किसे एक हस्तक्षेप के रुप में प्रयोग में लाया गया है?

(A) सर्वशिक्षा अभियान
(B) सतत और वृहद मूल्यांकन
(C) लैपटॉप का वितरण
(D) पुस्तकों और परिधानों का निशुल्क वितरण

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ भारत में शिक्षा के सार्वभौमिकरण हेतु सर्वशिक्षा अभियान एक हस्तक्षेप के रूप में प्रयोग में लाया गया। सर्वशिक्षा अभियान भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय का एक Flag-ship कार्यक्रम है जिसका लक्ष्य सार्वभौमिक प्रारम्भिक शिक्षा (VEE) को राज्य की सहभागिता से एक निश्चित समय की अवधि में प्राप्त करना है।

42. निम्नलिखित में से कौन सी संस्था भारत में उच्च शिक्षा संस्थाओं का मूल्यांकन करने वाली संस्था है ?

(A) AICTE
(B) NCTE
(C) NAAC
(D) NUEPA

उत्तर- (C)/ व्याख्या/

- NAAC- National Assessment and Accreditation Council (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, UGC द्वारा स्थापित एक स्वायतशासी संस्था है। यह देश में उच्च शिक्षा संस्थाओं का मूल्यांकन करती हैं। इसका गठन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 की सिफारिश के आधार पर 1994 में स्थापित किया गया। इसका मुख्यालय बंगलोर में है।
- AICTE- All India Council for Technical Education (अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्) की स्थापना 1945 में की गई।
- NCTE- National Council for Teacher Education (राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद) का गठन 1973 में केन्द्रीय व राज्य सरकारों की परामर्शदात्री संस्था के रूप में स्थापित किया गया। 1993 में संसद में पारित अधिनियम के आधार पर इसे संवैधानिक दर्जा दे दिया गया।

NUEPA - National University of Educational Planning and Administration
भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा

43. निम्नलिखित में से दूरवर्ती शिक्षा की कौन सी एक विशेषता है?

(A) कोई भी शिक्षा जिसमें कम्प्यूटर शामिल है।
(B) शिक्षक और छात्र ऑफ कैम्पस अवस्थिति से जुड़े होते है।
(C) शिक्षक और अधिगमकर्ता को संबंधित करने हेतु समय और स्थान में लचीलापन।
(D) एक परिसर से दूसरे परिसर में छात्रों का आदान-प्रदान

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ शिक्षक और अधिगमकर्त्ता को सम्बन्धित करने हेतु समय व स्थान में लचीलापन दूरवर्ती शिक्षा की एक प्रमुख विशेषता है। इसमें परम्परागत शिक्षा व्यवस्था की तरह प्रतिदिन स्कूल जाना तथा कठोर समय सारणी का पालन नहीं करना पड़ता, बल्कि पाठ्य-सामग्री, रेडियो, टी.वी. तथा ऑडियो, वीडियो सामाग्रियों द्वारा स्वाधिगम पर बल दिया जाता है।

44. निम्नलिखित में से किस देश में स्कूली शैक्षिक प्रशासन अनन्यरुप से स्थानीय प्राधिकारियों के हाथों में है?
(A) भारत (B) आस्ट्रेलिया
(C) आयरलैण्ड (D) संयुक्त राज्य अमेरिका

उत्तर- (D)/ व्याख्या संयुक्त राज्य अमेरिका में स्कूली शैक्षिक प्रशासन अनन्य रूप से स्थानीय प्राधिकारियों के हाथों में है। जिसे कन्ट्री बोर्ड तथा टाउनशिप कहा जाता है।

45. तुलनात्मक रुप से देखने पर 'व्यावसायिक शिक्षा' और 'शिक्षा का व्यवसायीकरण' निम्नलिखित में से क्या हैं?
(A) एकसमान हस्तक्षेप
(B) असमान हस्तक्षेप
(C) देश की दो शैक्षणिक प्रणाली से संबंधित
(D) वृत्तिक समस्याओं से संबंधित

उत्तर- (B)/ व्याख्या तुलनात्मक रूप से देखने पर 'व्यावसायिक शिक्षा' तथा शिक्षा का व्यावसायीकरण दोनों असमान हस्तक्षेप है क्योंकि व्यावसायिक शिक्षा के द्वारा बच्चों को किसी कला, कौशल का प्रशिक्षण दिया जाता है जबकि शिक्षा के व्यवसायीकरण में शिक्षा व्यवस्था में व्यावसायिक शिक्षा का समावेश करना होता है। वर्तमान समय में शिक्षा के व्यवसायीकरण पर बहुत बल दिया जा रहा है।

46. पाठ्यचर्या के आधारभूत प्रतिमान में पाठ्यचर्या लागू करने वाला प्रत्यक्षतः जिम्मेदार अभिकर्ता है
(A) अधिगमकर्ता (B) अध्यापक
(C) प्रधानाध्यापक (D) अभिभावक

उत्तर- (B)/ व्याख्या पाठ्यचर्या के आधारभूत प्रतिमान में पाठ्यचर्या लागू करने वाला प्रत्यक्षत: जिम्मेदार अभिकर्ता अध्यापक है। चूंकि इस व्यवस्था में शिक्षण कार्य केन्द्रित तथा शिक्षक नियंत्रित होता है। छात्रों की रूचियों क्षमताओं का कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।

47. पाठ्यचर्या के प्रशासनिक प्रतिमान को लागू करने हेतु सर्वाधिक उपयुक्त उपागम में .... जोर दिया जाएगा।
(A) अभिकर्मियों की अधिक्रमता पर
(B) प्रजातांत्रिक मूल्यों पर
(C) भागीदारी आधारित संस्कृति पर
(D) समवर्ती समन्वय पर

उत्तर- (A)/ व्याख्या पाठ्यचर्या के प्रशासनिक प्रतिमान को लागू करने में 'अभिकर्मियों' की अधिक्रमता पर' जोर दिया जाएगा क्योंकि इस प्रतिमान का विश्वास है कि जब कर्मी प्रशिक्षित व कुशल होते हैं तो वे संस्था के उद्देश्यों को अधिकतम प्राप्त करने में सहयोग करते हैं। अत: यह शिक्षकों के प्रशिक्षण से सम्बन्धित है।

48. पाठ्यचर्या के प्रदर्शन-प्रतिमान का अंतिम उद्देश्य है
(A) पाठयचर्या विकास में शिक्षकों द्वारा रणनीतियों का उपयोग करना।
(B) पाठयचर्या क्रियान्वयन में गतिविधि उपागम को बढ़ावा देना।
(C) व्यापक स्तर पर क्रियान्वित हेतु प्रतिपुष्टि प्राप्त करना।
(D) प्रतिमान की व्यवहार्यता दर्शाना।

उत्तर- (C)/ व्याख्या पाठ्यचर्या के प्रदर्शन प्रतिमान का अन्तिम उद्देश्य—पाठ्यचर्या को व्यापक स्तर पर क्रियान्वित हेतु प्रतिपुष्टि प्राप्त करना है। प्रदर्शन प्रतिमान में किसी नवीन पाठ्यचर्या को जनसंख्या के एक छोटे भाग पर प्रशासित किया जाता है फिर उसमें प्रभाव का अध्ययन किया जाता है। यदि पाठ्यचर्या का वह प्रतिमान प्रभावशाली सिद्ध होता है तथा बच्चों को उनके शैक्षिक उद्देश्यों को पूरा करने में सहायक होता है तो शैक्षिक प्रशासक उस पाठ्यचर्या व्यापक स्तर पर लागू करते हैं।

49. संकलनात्मक मूल्यांकन का मूल उद्देश्य यह जानना है कि अधिगमकर्ताओं ने
(A) सभी मध्यावधि परीक्षणों को पास कर लिया है।
(B) वांछित अधिगम परिणाम प्राप्त कर लिए हैं।
(C) सभी परीक्षण और प्रदत्त कार्य पूरे कर लिए हैं।
(D) पूरे पाठ्यक्रम में उपस्थिति दर्शाई है।

उत्तर- (B)/ व्याख्या जब कोई अध्यापक पाठ्यक्रम की समाप्ति पर या शिक्षा सत्र के अंत में छात्रों की समग्र उपलब्धि का मूल्यांकन षटमासिक तथा वार्षिक परीक्षाओं द्वारा करता है, तो इसे संकलनात्मक मूल्यांकन या योगात्मक मूल्यांकन (Summative evaluation) कहते हैं। इसका उद्देश्य कक्षा के सभी छात्रों को उनकी उपलब्धि के आधार पर भेद करके उन्हें उपयुक्त श्रेणी या ग्रेड प्रदान करना है। अर्थात अधिगमकर्ताओं ने वांछित अधिगम परिणाम प्राप्त कर लिए हैं, यह जानना संकलानात्मक मूल्यांकन का मूल उद्देश्य है।

50. प्रभावी रचनात्मक मूल्यांकन हेतु कौन सी नीति प्रासंगिक होगी?
(A) 'प्रतीक्षा करो और देखो' की नीति
(B) 'प्रभावी देखो' की नीति
(C) पूर्णत्व की नीति
(D) अधिगम उपलब्धि के उपयोग और आकलन की नीति

उत्तर- (D)/ व्याख्या संरचनात्मक मूल्यांकन से तात्पर्य ऐसे शैक्षिक कार्यक्रम, शिक्षण विधि, पाठ्यवस्तु, शिक्षण सामग्री से है जिसके आधार पर सुधार करना सम्भव हो। अत: संरचनात्मक मूल्यांकन का मुख्य उद्देश्य तैयार किये जा रहे शैक्षिक कार्यक्रम, पाठ्क्रम की कमियों को इंगित करना तथा उसमें सुधार के उपाय बताना।
अत: प्रभावी रचनात्मक मूल्यांकन हेतु अधिगम उपलब्धि के उपयोग और आकलन की नीति प्रासंगिक होगी।

51. निम्नलिखित में से किस संस्था का प्रमुख कार्य भारत में शिक्षा में योजना व प्रशासन से सम्बद्ध है?
(A) एन.सी.ई.आर.टी
(B) आई.आई.एस.ई.
(C) एन.ई.यू.पी.ए.
'(D) एन.ए.ए.सी.

उत्तर- (C)/ व्याख्या NEUPA (राष्ट्रीय शैक्षिक प्रबन्ध एवं प्रशासन संगठन) का प्रमुख कार्य भारत में शिक्षा योजना व प्रशासन का कार्य करता है। इसकी स्थापना सन् 1962 में की गयी। यह भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित एक संस्था है। यह भारत में शिक्षा से सम्बन्धित योजनाएँ बनाती है तथा शैक्षिक प्रशासन का कार्य भी करती है।

52. एक सुपरिभाषित प्रबंधन को किस बिन्दु पर अधिक बल देना चाहिए?
(A) पर्यवेक्षण
(B) परिनिष्ठित विकास की दृष्टि से संगठनात्मक पक्ष
(C) परिस्थित्यात्मक समस्याएँ
(D) अनुशासनात्मक पक्ष

उत्तर- (B)/ व्याख्या एक सुपरिभाषित प्रबंधन को परिनिष्ठित विकास की दृष्टि से संगठनात्मक पक्ष पर अधिक बल देना चाहिए क्योंकि जब तक किसी संस्था का संगठनात्मक ढाँचा मजबूत नहीं होगा तब तक संस्था अपने निर्धारित उद्देश्यों की पूर्ति भली प्रकार से नहीं कर सकता है।

53. निम्नलिखित में से किस तत्त्व के आधार पर 'नेतृत्व' अत्यन्त प्रभावशाली बन जाता है?
(A) नेतृत्व के व्यक्तित्व लक्षण
(B) अनुगमन करने वालों की अभिप्रेरणा
(C) परिस्थित्यात्मक कारक
(D) नेतृत्व शैली

उत्तर- (A)/ व्याख्या निम्न में से परिस्थितियात्मक कारणों के आधार पर नेतृत्व अत्यन्त प्रभावशाली बन जाता है। एक सफल नेता वही होता है जो स्वयं को परिस्थितियों के आधार पर अनुकूलित कर लेता है। यह सफल नेतृत्व का एक महत्वपूर्ण गुण भी है।

54. पर्यवेक्षण का आधारभूत प्रकार्य क्या होना चाहिए?
(A) विद्यार्थियों के बीच अनुशासन को बनाए रखना।
(B) कार्यालय प्रबंधन सम्बद्ध मामलों की ओर ध्यान देना।
(C) संस्था में रचनात्मक एवं सृजनशील पर्यावरण को विकसित करना।
(D) विद्यालय में नियमों-विनियमों को लागू करना।

उत्तर- (C)/ व्याख्या शैक्षिक प्रशासन के अन्तर्गत पर्यवेक्षण एक महत्वपूर्ण कार्य है। यह कार्य संस्था के प्रबंधक अथवा प्रधानाचार्य द्वारा किया जाता है। संस्था में रचनात्मक तथा सृजनशील पर्यावरण को विकसित करना पर्यवेक्षण का आधारभूत प्रकार्य होना चाहिए।

55. विद्यालय प्रधानाचार्य का प्रमुख उत्तरदायित्व क्या है?
(A) निदेशात्मक कार्यक्रम को संगठित करना।
(B) निर्देशात्मक कार्यक्रम को नेतृत्व प्रदान करना।
(C) अभिभावकों की आलोचनाओं को सुनना।
(D) अनुशासनात्मक समस्याओं का समाधान करना।

उत्तर- (B)/ व्याख्या विद्यालय का प्रधानाचार्य, विद्यालय का एक महत्वपूर्ण शैक्षिक प्रशासक होता है। प्रबन्धकीय तथा संस्थागत आदेशानुपालन के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी प्रधानाचार्य की ही होती है। निर्देशात्मक कार्यक्रम को नेतृत्व प्रदान करना स्कूल के प्रधानाचार्य का महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व है।

56. कुडेर रिचर्डसन प्राक्कलन निम्नलिखित में से किसके परीक्षण के लिए प्रयुक्त होता है?
(A) वास्तविकता (B) विश्वसनीयता (C) वैधता (D) व्यापकता

उत्तर- (B)/ व्याख्या फ्रेडरिक कुडेर तथा एम. डब्लू. रिचर्डसन ने अपने शोधों के आधार पर परीक्षण के आन्तरिक संगति विश्वसनीयता ज्ञात करने के लिए कई सूत्रों का प्रतिपादन किये। इन सूत्रों में सूत्र संख्या 20 और 21 सबसे अधिक लोकप्रिय है। परीक्षण की विश्वसनीयता निकालने के लिए इसमें परीक्षण को दो बराबर-बराबर आधे भाग में बाँटने की जरूरत नहीं होती।

57. सूची I और सूची II को सुमेलित कीजिए और दिए गए विकल्पों में सही कूट चुनिए :

सूची-I	सूची-II
i. उपलब्धि परीक्षण	a. भविष्यसूचक वैधता
ii. अभियोग्यता परीक्षण	b. विषयवस्तु वैधता
iii. व्यक्तित्व परीक्षण	c. मानदंड सापेक्ष वैधता
iv. कार्य निष्पादन परीक्षण	d. समवर्ती वैधता
	e. रचनात्मक वैधता

कूट :

	i	ii	iii	iv
(A)	b	c	d	a
(B)	a	b	e	c
(C)	b	a	e	d
(D)	d	b	c	e

उत्तर- (C)/ व्याख्या सुमेलित है -

सूची -I	सूची -II
(i) उपलब्धि परीक्षण	(b) विषय वस्तु वैधता
(ii) अभियोग्यता परीक्षण	(a) भविष्य सूचक वैधता
(iii) व्यक्तित्व परीक्षण	(c) रचनात्मक वैधता
(iv) कार्य निष्पादन परीक्षण	(d) समवर्ती वैधता

58. रचनात्मक मूल्यांकन का मुख्य प्रयोजन है
(A) विषय-वस्तु के मूल्यांकन का बोझ कम करना।
(B) सतत मूल्यांकन करना।
(C) विद्यार्थियों ने किस हद तक सीखा है, उसका मूल्यांकन करना।
(D) विद्यार्थियों को और अधिक ज्ञान प्राप्त करने में सहायता देना।

उत्तर- (D)/ व्याख्या शैक्षिक कार्यक्रम के दौरान या शिक्षा सत्र के बीच समय-समय पर छात्रों की उपलब्धि का मूल्यांकन करना रचनात्मक मूल्यांकन (Formatting evaluation) कहलाता है। इस मूल्यांकन का उद्देश्य छात्र द्वारा अर्जित सम्प्राप्ति का आंकलन करके उसमें आवश्यक सुधार करना है। इसका उद्देश्य छात्रों तथा अध्यापकों को पृष्ठ-पोषण (Feedback) प्रदान करना है।

अत: इसका मुख्य प्रयोजन विद्यार्थियों को और अधिक ज्ञान प्राप्त करने में सहायता देना है।

59. निम्नलिखित को प्रक्रियात्मक दृष्टि से सही क्रम में सजाइएँ और सही कूट चूनिएः
a. पद विश्लेषण
b. पद लेखन
c पद चयन
d. पद प्रयत्न
e. विश्वसनीयता

कूट :

(A)	a	c	b	d	e
(B)	b	d	a	c	e
(C)	e	b	d	a	c
(D)	b	a	d	e	c

उत्तर- (B)/ व्याख्या किसी मनोवैज्ञानिक या शैक्षिक परीक्षण के निर्माण का सही क्रम है -
1. पद लेखन (Item writing)
2. पद प्रयत्न (Item Tryout)
3. पद विश्लेषण (Item analysis)
4. पद चयन (Item Selection)
5. विश्वसनीयता (Reliability)

चूकिं परीक्षण निमार्ण के चरणों को 7 भागों में बांटा गया है-
1. परीक्षण की योजना
2. एकांत लेखन
3. प्रारम्भिक क्रियान्वयन
4. विश्वसनीयता
5. वैधता
6. मानक
7. मैन्युअल तैयार करना।

60. शक्ति परीक्षण की संज्ञा दिए जाने का कारण यह है कि इसमें.....की स्क्रीनिंग पर जोर दिया जाता है।

(A) परीक्षार्थियों का रूझान (B) परीक्षार्थियों की अभिरुचि
(C) परीक्षार्थी की योग्यता (D) परीक्षार्थी का संदर्श

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ शक्ति परीक्षण (Power Test) की संज्ञा दिये जाने का कारण यह है कि इसमें परीक्षार्थी की योग्यता की स्क्रीनिंग पर जोर दिया जाता है।
शक्ति परीक्षण वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिसमें परीक्षण के सभी एकाशों का उत्तर देने का पर्याप्त समय छात्रों को दिया जाता है। एकांशों का कठिनाई स्तर उच्च होता है। इस परीक्षण का उद्देश्य यह जाँचना होता है कि छात्र को किसी वस्तु, घटना, चीज आदि के बारे में कितना ज्ञान है।

61. फ्लैंडर के अन्तः क्रिया विश्लेषण का प्रयोग करते समय निम्नलिखित में से किस पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है?

(A) कक्षा का माहौल (B) शिक्षु का व्यवहार
(C) शिक्षक का व्यवहार (D) कक्षा में अन्तः क्रिया

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ फ्लैंडर के अन्त: क्रिया विश्लेषण का प्रयोग कक्षा में शिक्षक के व्यवहारों या क्रियाओं के अध्ययन की प्रविधि है। व्यवहारों का अध्ययन निरीक्षण के माध्यम से किया जाता है। अत: इसमें शिक्षक के व्यवहार पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। कक्षा में यह विधि शिक्षक के व्यवहार का वस्तुनिष्ठ ढंग से निरीक्षण करती है।

62. क्रमादिष्ट शिक्षण में किस शिक्षण प्रतिमान का प्रयोग किया जाता है?

(A) श्रेण्य अनुकूलन (B) संक्रियात्मक अनुकूलन
(C) यांत्रिक अनुकूलन (D) अनुदेशात्मक अनुकूलन

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ क्रमादिष्ट शिक्षण या अभिक्रमित अनुदेशन (Programmed Instruction) में सक्रिया अनुबद्ध अनुक्रिया शिक्षण प्रतिमान (Operant conditioning Model of teaching) का प्रयोग किया जाता है। इस प्रतिमान का विकास वी० एफ० स्किनर ने किया। स्किनर ने इसे चयन एवं संयोजन के आधार पर इस प्रतिमान का विकास किया।

63. मानदंड संदर्भित परीक्षण (सी आर टी) के द्योतक के रूप में निम्नांकित में से क्या अधिमान्य माप होगा?

(A) शतमक रैंक (B) मानक प्राप्तांक
(C) निर्देश चिन्ह परीक्षा (D) विचलन प्राप्तांक

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ मानक सन्दर्भित परिक्षण (CRT) के द्योतक के रूप में निर्देश चिन्ह परीक्षा एक अधिमान्य माप होगा। किसी भी प्रमाणिक या मानक सन्दर्भित पैमाने में विश्वसनीयता, वैधता, मानक व्यापकता आदि गुणों का निहित होना अनिवार्य है।

64. भारत में दूरवर्ती शिक्षा आंदोलन के विकास में निम्नांकित में से सही क्रम क्या है?

(A) पत्राचार पाठ्यक्रम, दूरवर्ती अभिगम, मुक्त अधिगम, मुक्त विश्वविद्यालय
(B) पत्राचार पाठ्यक्रम, मुक्त अधिगम, ई-अधिगम, दूरवर्ती पाठ्यक्रम
(C) होम डिलीवरी, पत्राचार पाठ्यक्रम, मुक्त अधिगम, परोक्ष अधिगम
(D) होम डिलीवरी, मुक्त अधिगम, पत्राचार पाठ्यक्रम, परोक्ष अधिगम

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ भारत में दूरवर्ती शिक्षा आंदोलन के विकास में सही क्रम है -
पत्राचार पाठ्यक्रम, दूरवर्ती अधिगम, मुक्त अधिगम, मुक्त विश्वविद्यालय

65. कोई शिक्षक अपनी कक्षा में पढ़ाए गए विषय की ओर अपने विद्यार्थियों की अभिवृत्ति पर चिन्तन मनन करता है। यह निम्नांकित में से किस कार्यकलाप के लिए उपयुक्त है?

(A) अधिगम की पूर्व संक्रियात्मक अवस्था
(B) अधिगम की अन्तः संक्रियात्मक अवस्था
(C) अधिगम की पश्च संक्रियात्मक अवस्था
(D) अधिगम की अन्तर्ध्यान अवस्था

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ शिक्षण की प्रक्रिया का व्यवस्थित विश्लेषण 3 अवस्थाओं द्वारा किया जाता है -
(1) शिक्षण की पूर्व क्रिया अवस्था (Pre. Active stage of teaching)
(2) शिक्षण की अन्त: क्रिया अवस्था (Interactive stage of teaching)
(3) शिक्षण की पश्च-क्रिया अवस्था (Post Active Stage of teaching)

- पूर्व क्रिया अवस्था में शिक्षक शिक्षण की योजना बनाता है। इसे शिक्षण नियोजन अवस्था भी कहते हैं। जैसे - शिक्षण उद्देश्य का निर्धारण, पाठ्यवस्तु के संबंध में निर्णय, शिक्षण युक्तियों का चुनाव आदि।
- शिक्षण को अन्त: क्रियात्मक अवस्था में शिक्षक तथा छात्र आमने सामने होते हैं। इस अवस्था में वे सभी व्यवहार, क्रियाएं व वस्तुएं निहित होती है जिसका उपयोग शिक्षक कक्षा में करते हैं।
- शिक्षण की क्रिया पश्चात अवस्था में शिक्षक जब अपना कार्य समाप्त कर लेता है तब वह जानना चाहता है कि जो कुछ उसने पढ़ाया है, उसका प्रभाव छात्रों पर क्या हुआ? छात्रों में कौन से व्यवहार में परिवर्तन हुआ?
अत: कोई शिक्षक अपनी कक्षा में पढ़ाए गये विषय की ओर अपने विद्यार्थियों की अभिवृत्ति पर चिन्तन-मनन करता है, तो यह अधिगम की पश्च संक्रियात्मक अवस्था के लिए उपयुक्त है।

66. संकेत भाषा एक

(A) संपूर्ण भाषा है। (B) पूर्ण लिपि है।
(C) बोली है। (D) व्याकरण रहित भाषा है।

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ संकेत भाषा एक सम्पूर्ण भाषा है। यह भाषा अर्थ सूचित करने के लिए श्रवणीय ध्वानि पैटर्न में बोलने के बदले एक दृश्य के रूप में सांकेतिक पैटर्न सचांरित करती है- जिसमें बोलने वाले के विचारों को धाराप्रवाह रूप से व्यक्त करने के लिए, हाथ के आकार विन्यास और संचालन हाथों या शरीर और चेहरे के हाव-भावों का एक साथ उपयोग किया जाता हैं।

67. श्रवण बाधित बच्चों के शैक्षिक हस्तक्षेप में निम्नांकित में से क्या सम्मिलित है?

(A) भाषा विकास
(B) पाठयचर्या अनुकूलन
(C) अवधारणा विकास
(D) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (D)/ व्याख्या श्रवण बाधित बच्चे उन बच्चों को कहा जाता है जो सुन नहीं पाते हैं। ऐसे बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है क्योंकि इन्हें सामान्य बच्चों की तरह नहीं पढ़ाया जा सकता है। भाषा विकास, पाठयचर्या अनुकूलन तथा अवधारणा का विकास श्रवण बाधित बच्चों के शैक्षिक हस्तक्षेप के अन्तर्गत आते हैं।

68. मुखवर्तिता से अभिप्राय है

(A) मौखिक भाषा
(B) बहु सांवेदिक उत्प्रेरण
(C) श्रावणिक प्रशिक्षण का मौखिक रूप
(D) सहज रूप से वार्तालाप की योग्यता

उत्तर- (C)/ व्याख्या श्रावणिक प्रशिक्षण के मौखिक रूप को मुखवर्तिता के रूप में जाना जाता है। विशेष बच्चों के भाषा प्रशिक्षण में इसकी सहायता ली जाती है।

69. जब कोई व्यक्ति बहु संज्ञानात्मक निःशक्तता से ग्रस्त हो किन्तु किसी एक पृथक कौशल में प्रवीण हो, तो उसे निम्नांकित में से किसकी संज्ञा दी जाती है?

(A) रियुमैन संलक्षण
(B) एस्पर्गर योग्यता
(C) बौद्धिक विलगता
(D) सेवेंट संलक्षण

उत्तर- (D)/ व्याख्या जब कोई व्यक्ति बहुसंज्ञानात्मक नि:शक्तता से ग्रस्त हो किन्तु किसी एक पृथक कौशल में प्रवीण हो, तो उसे सेवेंट संरक्षण (Savant syndrome) कहते हैं।

70. शोधपरक अध्ययन के आधार पर सामान्यतः यह देखा गया है कि समस्यात्मक विद्यार्थियों से निम्नांकित युक्तियों के माध्य से निपटा जा सकता है, इनमें सर्वाधिक उपयुक्त युक्ति क्या है?

(A) दण्ड
(B) पुरस्कार
(C) शुद्धिपरक प्रति पुष्टि
(D) असफलता

उत्तर- (C)/ व्याख्या समस्यात्मक बालक या विद्यार्थी वे होते हैं जो कक्षा में समस्या उत्पन्न करते हैं जिसकी वजह से अन्य छात्रों तथा अध्यापकों को अधिगम में हस्तक्षेप उत्पन्न हो जाता है। समस्यात्मक बालकों को अन्य बालकों के साथ शिक्षण देना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसमें अध्यापक को मनोवैज्ञानिक विधियों का प्रयोग करना पड़ता है। जिसमें शुद्धिपरक प्रतिपुष्टि सर्वाधिक उपयुक्त मनोवैज्ञानिक युक्ति है।

71. निम्नांकित में से संस्थानों के उस युग्म की पहचान कीजिए जो भारत में शिक्षा के व्यावसायिक विकास के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं है :

(A) एन सी ई आर टी और एस सी ई आर टी
(B) डी आई ई टी और आई ए एस ई
(C) एन सी टी ई और यू जी सी
(D) सी एस आई आर और आई सी एस एस आर

उत्तर- (D)/ व्याख्या भारत में व्यावसायिक शिक्षा के विकास के लिए प्रत्यक्ष रूप से निम्नलिखित संस्था युग्म उत्तरदायी है—

I. NCERT और SCERT
II. DIET और IASE
III. NCTE और UGC

जबकि CSIR और ICSSR का शिक्षा के व्यावसायिक विकास से कोई प्रत्यक्ष सम्बन्ध नहीं है।

72. भारत में राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा पाठयक्रम फ्रेमवर्क (2009) निम्नांकित में से किसके द्वारा तैयार किया गया था?

(A) एन सी ई आर टी
(B) एन यू ई पी ए
(C) एन सी टी ई
(D) नैक (एन ए ए सी)

उत्तर- (C)/ व्याख्या भारत में राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा पाठयक्रम फ्रेमवर्क (2009) NCTE के द्वारा तैयार किया गया। NCTE एक ऐसी संस्था है जिसका मुख्य कार्य शिक्षक शिक्षा की पाठयचर्या का निर्माण करना, उनको लागू करना तथा शिक्षक शिक्षा का नियमन व नियन्त्रण करना है। यह सेवापूर्व तथा सेवाकालीन दोनों प्रकार के शिक्षक शिक्षा से सम्बन्धित है।

73. संकाय सुधार कार्यक्रम निम्नांकित में से किसके निमित्त है?

(A) प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक
(B) पूर्व प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक
(C) माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक
(D) महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के शिक्षक

उत्तर- (D)/ व्याख्या संकाय सुधार कार्यक्रम का सम्बन्ध उच्च शिक्षा से है। जिसमें विषयवार संकाय (Department) होते हैं। शिक्षा व्यवस्था को सुधारने का कार्य संकाय वार किया जाता है। अत: संकाय सुधार कार्यक्रम महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के शिक्षकों के निमित्त है।

74. राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद् (NCTE) की स्थापना निम्नांकित में से किस उद्देश्य से की गई थी?

(A) शिक्षा का सार्वभौमीकरण
(B) शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार
(C) भारत में शिक्षकों का सशक्तिकरण
(D) शैक्षिक शोध को प्रोत्साहन

उत्तर- (B)/ व्याख्या NCTE भारत सरकार की एक संस्था है जिसकी स्थापना राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद अधिनियम 1993 के अन्तर्गत 17 अगस्त 1995 को की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है। इसके अलावा यह समूचे भारत में अध्यापक शिक्षा की प्रणाली को नियोजित और समन्वित विकास करना, अध्यापक शिक्षा प्रणाली में मानदण्ड तथा मानकों का विनियमन तथा उन्हें समुचित रूप से बनाए रखना है।

75. शिक्षक के व्यवहार में अप्रत्यक्षता निम्नांकित में से किससे संबंधित है?

(A) कक्षा में अभिप्रेरण
(B) साथी समूहों की अन्तर्ग्रस्तता
(C) विद्यार्थियों का अधिगम परिणाम
(D) शिक्षक के प्रस्तुतीकरण की प्रभाविता

उत्तर- (C)/ व्याख्या शिक्षक व्यवहार में अप्रत्यक्षता का सम्बन्ध विद्यार्थियों के अधिगम परिणाम से है। अध्यापक, छात्रों के अधिगत परिणामों को अधिकाधिक बढ़ाने के लिए विषय-वस्तु से सम्बन्धित अनेक रणनीतियाँ बनाता है।

व्याख्यात्मक हल — JUNE : 2014

UGC NET/ J.R.F. EXAM

प्रश्न-पत्र II शिक्षाशास्त्र

1. निम्नलिखित में से कौन सा उद्देश्य शिक्षा-दर्शन का उद्देश्य नहीं है?
(A) अध्यापन कार्य का व्यवसायीकरण करना।
(B) छात्रों के प्रति अध्यापक के प्रेम और उन पर अध्यापक के नियंत्रण में वृद्धि करना।
(C) शैक्षिक प्रक्रिया की आधारिक पूर्व धारणाओं की विवेचनात्मक जाँच करना।
(D) अध्यापन कार्य में मूल्यों तथा लक्ष्यों का स्पष्टीकरण करना।

उत्तर- (B) व्याख्या छात्रों के प्रति अध्यापक के प्रेम और उन पर अध्यापक के नियंत्रण में वृद्धि करना, शिक्षा दर्शन के उद्देश्य नहीं है, अपितु यह शिक्षा क्या और को निर्धारित करने का प्रयास करती है। यह विषयों को आलोचनात्मक परीक्षण करती हैं अध्यापक एवं विद्यार्थियों के परस्पर सम्बन्धों आदि का निर्धारण करती है।

2. भारत में 'समान शैक्षिक अवसर' वाक्यांश का अर्थ है
(A) उच्च शिक्षा प्राप्ति के सभी बच्चों के लिए समान अवसर
(B) प्रत्येक बच्चे के लिए शैक्षिक अवसरों की समानता
(C) जिस प्रकार की शिक्षा बच्चों के लिए उपलब्ध है, उसमें प्रत्येक बच्चे को समान अवसर
(D) जिस प्रकार की शिक्षा के लिए कोई बच्चा उपयुक्त है, उसके लिए उसे समान अवसर

उत्तर- (D) व्याख्या शैक्षिक अवसरों की समानता का सामान्य अर्थ है देश के सभी बच्चों को बिना किसी भेद-भाव के शिक्षा प्राप्त करने के समान अवसर एवं समान सुविधाएँ प्रदान करना। साथ ही देश के सभी बच्चों को शिक्षा उनकी रूचि, रूझान, योग्यता, क्षमता और आवश्यकतानुसार सुलभ कराना, और उनकी इस शिक्षा प्राप्त करने में आने वाली कठिनाइयों का निवारण करना है।
अत: भारत में समान शैक्षिक अवसर वाक्यांश का अर्थ है - जिस प्रकार की शिक्षा के लिए कोई बच्चा उपयुक्त है, उसके लिए उसे समान अवसर।

3. ''प्रकृति'' के अनुसार शिक्षित करने का अर्थ है
(A) जीवन में कृत्रिम के उलट, प्राकृतिक की ओर वापस जाना।
(B) मानव विकास के प्राकृतिक नियमों के अनुसार शिक्षित करना।
(C) प्राकृतिक नियमों का अध्ययन करना तथा उन्हें शैक्षिक प्रक्रिया पर लागू करना।
(D) उपर्युक्त सभी सही हैं।

उत्तर- (D) व्याख्या 'प्रकृति' के अनुसार शिक्षित करने का अर्थ है -
(1) जीवन में कृत्रिम के उलट, प्राकृतिक की ओर वापस जाना।
(2) मानव विकास के प्राकृतिक नियमों के अनुसार शिक्षित करना।
(3) प्राकृतिक नियमों का अध्ययन करना तथा उन्हें शैक्षिक प्रक्रिया पर लागू करना।

4. फ्रोएबेल का शिक्षण उसके इस विश्वास से विकसित हुआ कि
(A) शिक्षा का लक्ष्य आत्मानुभूति है।
(B) आध्यामित्क अर्थ समस्त परिघटनाओं, यहाँ तक कि खेल में भी छिपा है।
(C) शिक्षा की विधि को स्व-सक्रियतापूर्ण होना चाहिए।
(D) उपर्युक्त सभी उत्तर सही हैं।

उत्तर- (D) व्याख्या फ्रोबेल का शिक्षा के सम्बन्ध में यह विश्वास था कि—
(1) शिक्षा का लक्ष्य आत्मानुभूति है।
(2) आध्यात्मिक अर्थ समस्त परिघटनाओं यहाँ तक कि खेल में भी छिपा है।
(3) शिक्षा की विधि को स्व सक्रियतापूर्ण होना चाहिए।

5. डिवी महोदय के सिद्धांत में, हम सोचते कैसे हैं
(A) एकमात्र प्रयोगात्मक विधि का उपयोग होता है।
(B) खोज की तर्कमूलक विधि का एकमात्र उपयोग होता है।
(C) किसी भी विधि द्वारा उत्पन्न विचार का अनिवार्यतः अनुभव में परीक्षण किया जाना चाहिए।
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (C) व्याख्या जॉन डिवी के अनुसार शिक्षा अनुभवों के सतत पुनर्निर्माण द्वारा जीने के प्रक्रिया है। शिक्षा अनुभवों की, अनुभवों द्वारा, और अनुभवों के लिए होनी चाहिए। अनुभव की वास्तविक ज्ञान का एकमात्र साधन है। यह 'ज्ञान, ज्ञान के लिए' की धारणा पर विश्वास नहीं करते। यह उस ज्ञान पर विश्वास करते है जो उपयोगी हो और अनुभव द्वारा प्राप्त किया जाए। प्रयोगात्मक विधि ज्ञान प्राप्ति का सर्वोत्तम साधन है।

6. ज्ञानमीमांसा के दृष्टिकोण से
(A) प्रकृतिवादी कहते हैं कि सत्य को व्यक्तिनिष्ठ साधनों की अपेक्षा वस्तुनिष्ठ साधनों से प्राप्त किया जाना चाहिए।
(B) आदर्शवादी, मानव को प्रकृति का एक भाग बनाकर, मानव तथा प्रकृति के द्वैतवाद को अस्वीकार करते हैं।
(C) यथार्थवादी यह मानते हैं कि तर्कमूलक चिंतन-मनन तथा प्रकटन के माध्यम से सत्य तक पहुँचा जाता है।
(D) व्यावहारिकतावादी कहते हैं कि मनुष्य जैविक क्रमविकास का उत्पाद है।

उत्तर- (D) व्याख्या व्यवहारवादी ज्ञान मीमांसा के अनुसार मनुष्य जैविक क्रम विकास का उत्पाद है। अर्थात् मनुष्य का विकास क्रमबद्ध रूप से धीरे-धीरे वर्षों में हुआ है। ये मनुष्य के विकास की जीव वैज्ञानिक दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं। डार्विन के विकासवाद को व्यावहारिकतावाद ने स्वीकार किया है। इनका मानना था कि मनुष्य अचानक से इस पृथ्वी पर नहीं आया बल्कि इसके विकास का एक क्रमबद्ध व विस्तृत इतिहास है।

7. मध्यमा प्रतिपदा किसका एक मूलभूत सिद्धांत है?
(A) जैन दर्शन (B) बौद्ध दर्शन
(C) वेदान्त दर्शन (D) सांख्य दर्शन

उत्तर- (B)/ व्याख्या मध्यमा प्रतिपदा बौद्ध दर्शन का एक मूलभूत सिद्धान्त है क्योंकि बुद्ध ने उपदेश दिया कि न तो ब्राह्मणों द्वारा प्रतिपादित कर्मकाण्ड पालन में सुख है और न चर्वाकों द्वारा प्रतिपादित इंद्रिय भोग में सुख है, सुख तो इन दोनों के बीच में ही हो सकता है। इसलिए बुद्ध के मार्ग को मध्यम प्रतिपदा मार्ग कहा जाता है।

8. समग्र शिक्षा की संकल्पना किसका योगदान है?
(A) अरबिंदो
(B) जे. कृष्णमूर्ति
(C) मौलाना अबुल कलाम आजाद
(D) ऐनी बेसन्ट

उत्तर- (A)/ व्याख्या समग्र शिक्षा (Integral Education) की संकल्पना श्री अरविंदों ने दिया है। अरविंदों के अनुसार एक ऐसी शिक्षा जो मनुष्य का भौतिक प्राणिक मानसिक अन्तरात्मिक और अध्यात्मिक विकास करे, सम्पूर्ण शिक्षा (Integral Education) कहलाती है। इनके शब्दों में - ''शिक्षा मानव के मस्तिष्क और आत्मा की शक्तियों का निर्माण करती है और उसमें ज्ञान, चरित्र और संस्कृति को जागृत करती है।''

9. जैन ज्ञान-मीमांसा में ज्ञान की पाँच अवस्थाओं के पदानुक्रम पर विचार किया गया है, ज्ञान के विभिन्न स्तरों का निम्नलिखित में से कौन सा उपयुक्त क्रम है?
(A) मति, श्रुति, मनःपर्याव, अवधि, कैवल्य
(B) श्रुति, मति, अवधि, मनःपर्याव, कैवल्य
(C) मति, श्रुति, अवधि, मनःपर्याव, कैवल्य
(D) कैवल्य, अवधि, मनःपर्याव, श्रुति, मति

उत्तर- (C)/ व्याख्या जैन ज्ञान-मीमांसा में ज्ञान को पाँच स्तरों की एक क्रम व्यवस्था में रखा जाता है।
उपयुक्त क्रम है -
(1) मति (2) श्रुति (3) अवधि
(4) मन:पर्याय (5) कैवल्य

(1) -मतिज्ञान - यह सबसे साधारण ज्ञान है, जिसे ज्ञानेन्द्रियों के माध्यम से जाना जाता है।
(2) -श्रुतिज्ञान - श्रुति या शब्द ज्ञान वह ज्ञान है जिन्हें चिन्हों, प्रतीकों या शब्दों से जाना जाता है।
(3) -अवधि ज्ञान - जो ज्ञान स्थान और काल की सीमाएं पार कर जाता है, उसे अवधि ज्ञान या अतीन्द्रिय बोध कहते हैं।
(4) -मनः पर्याय ज्ञान - इस प्रकार का ज्ञान व्यक्ति को वर्तमान तथा अतीत के विचारों और अन्य व्यक्तियों के मनोभावों को जानने में सहायता करता है।
(5) -कैवल्य ज्ञान - यह उच्चतम और सर्वाधिक विस्तृत सम्पूर्ण ज्ञान है यह सर्वज्ञाता और सर्वशक्तिमान है। इसे केवल उन लोगों द्वारा प्राप्त किया जा सकता है जिन्होंने कर्म के बंधन से स्वयं को मुक्त कर लिया है।

10. सूची-I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची-II
a. कैवल्य	i. पंचकोश
b. जीवन मुक्ति	ii. बौद्ध दर्शन
c. निर्वाण	iii जैन दर्शन
d. आनन्द	iv. वेदान्त
	v. इस्लाम परम्परा

कूट :

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	i	v
(B)	iii	v	ii	iv
(C)	v	iii	ii	i
(D)	iii	iv	ii	i

उत्तर- (D)/ व्याख्या सुमेलित है -

सूची - I	सूची - II
(a) कैवल्य	(iii) जैन दर्शन
(b) जीवन मुक्ति	(iv) वेदान्त
(c) निर्वाण	(ii) बौद्ध दर्शन
(d) आनन्द	(i) पंच कोश

जैन दर्शन का अंतिम उद्देश्य कैवल्य की प्राप्ति है।
वेदान्त दर्शन का अंतिम उद्देश्य जीवन मुक्ति है।
बौद्ध दर्शन का अंतिम उद्देश्य निर्वाण की प्राप्ति है तथा पंचकोश का अंतिम उद्देश्य आनन्द की प्राप्ति है।

11. 'पेडागोजी ऑफ ऑप्रेस्ड' का लेखक कौन हैं?
(A) पॉलो फ्रीरे (B) बर्ट्रेण्ड रसेल
(C) जे. कृष्णामूर्ति (D) जॉन डीवी

उत्तर- (A)/ व्याख्या 'पेडागोजी आफ आप्रेस्ड' के लेखक पॉलो फ्रीरे हैं। ये ब्राजील के शिक्षाविद् तथा दर्शनिक थे। वे क्रिटिकल शिक्षण के पक्षधर थे। उनकी पुस्तक Pedagogy of Oppressed बहुत प्रसिद्ध रही और क्रिटिकल शिक्षण आन्दोलन की आधारभूत पुस्तक है।

12. इवान इलिच किसके लिए विख्यात हैं?
(A) आजीवन अधिगम (B) जीवन कौशल शिक्षा
(C) डि-स्कूलिंग सोसाइटी (D) दूरवर्ती शिक्षा

उत्तर- (C)/ व्याख्या इवान इलिच डि-स्कूलिंग सोसाइटी के लिए विख्यात हैं। सामान्यत: निर्विद्यातीयकरण (Deschooling) का तात्पर्य है ऐसा समाज जहाँ ऐसी कोई संस्था न हो जिसे हम विद्यालय कहते हैं अर्थात स्कूल मुक्त समाज। स्कूल मुक्त समाज की अवधारणा 1970 के दशक में एक अमरीकी विद्वान इवान इलिच ने सबसे पहले दी थी उन्होंने अपनी पुस्तक डी स्कूलिंग सोसाइटी (Deschooling society) जो 1971 में अमेरिका में प्रकाशित हुई थी, में ऐसे समाज की कल्पना की है, जो स्कूल विहीत है।

13. संस्कृति निम्नलिखित में से क्या नहीं है?
(A) निरन्तर प्रवाह
(B) संचयी
(C) प्राथमिक रूप से भौतिकवादी
(D) विकास में असमान

उत्तर- (C)/ व्याख्या प्रत्येक समाज की अपनी-अपनी संस्कृति होती है। समाजशास्त्रियों ने मूल रूप से संस्कृति को दो भागों में बाँटा है। भौतिक संस्कृति तथा अभौतिक संस्कृति। भौतिक संस्कृति वह होती है जो मूर्त रूप से दिखाई देती है तथा इसके निर्माण में मनुष्य का योगदान होता है। भौतिक संस्कृति को ही सभ्यता कहा जाता है। जैसे—वस्त्र, आभूषण, खान-पान आदि।
अभौतिक संस्कृति ही वास्तविक संस्कृति है। इसका स्वरूप अमूर्त होता है। जैसे कला, संगीत, धर्म, भाषा आदि।

14. जीवन कौशल शिक्षा की आवश्यकता किस लिए है?
(A) अपनी संस्कृति से अनुकूलन
(B) व्यावसायिक कार्यक्षमता बढ़ाना
(C) सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देना
(D) जीवन में चुनौतियों का प्रभावशाली रूप में सामना करना

उत्तर- (D)/ व्याख्या जीवन में चुनौतियों का प्रभावशाली ढंग से सामना करने के लिए जीवन कौशल शिक्षा की अत्यंत आवश्यकता है।

15. संस्कृतीकरण की प्रक्रिया किससे संबंधित है?
(A) सामाजिक नियंत्रण (B) सामाजिक स्तरीकरण
(C) सामाजिक गतिशीलता (D) सामाजिक परिवर्तन

उत्तर- (C)/ व्याख्या हमारे भारतीय समाज में सांस्कृतिक दृष्टि से कुछ वर्ग उच्च माने जाते हैं और कुछ निम्न माने जाते हैं, शिक्षा प्राप्त करने और ऊँचे पदों पर पहुँचने के बाद निम्न वर्गीय लोग उच्च वर्गीय लोगों की संस्कृति को ग्रहण कर अपने को उच्च वर्ग में प्रतिस्थापित करते हैं। इस प्रक्रिया को समाजशास्त्रीय भाषा में संस्कृतीकरण (Cultoracisation) कहते हैं। अत: यह प्रक्रिया सामाजिक गतिशीलता से संबंधित है।

16. निम्नलिखित का विवेचनात्मक आकलन कीजिए:
अभिकथन (A): शिक्षा शांति एवं सौहार्द्र को बढ़ावा देती है।
कारण (R): कक्षा में जनतांत्रिक सिद्धांतों का पालन किया जाता है।
कोड :
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(B) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(C) केवल (A) सही है।
(D) केवल (R) सही है।

उत्तर- (A)/ व्याख्या कथन A के अनुसार—'शिक्षा शान्ति और सौहार्द को बढ़ावा देती है।'—जो कि सत्य है। कथन R के अनुसार—'कक्षा में जनतांत्रिक सिद्धान्तों का पालन किया जाता है।' उपर्युक्त कथन भी सत्य है क्योंकि कक्षा में व्यक्तिगत भिन्नता से युक्त अनेक बच्चे होते हैं और अध्यापक जाति, धर्म, लिंग व स्थानीयता को ध्यान में रखे बिना सभी पर समान ध्यान देता है। अत: कथन A और R दोनों सत्य हैं।

17. संस्कृतिग्रहण किसकी प्रक्रिया है?
(A) महत्त्वपूर्ण लोगों की संस्कृति को अपनाना।
(B) अपने व्यक्तित्व में अपनी संस्कृति को हृदयंगम करना।
(C) संस्कृति और परम्पराओं का एकीकरण करना।
(D) अन्य संस्कृतियों की प्रथाओं और मूल्यों को स्वीकार करना।

उत्तर- (B)/ व्याख्या अपने व्यक्तित्व में अपनी संस्कृति को हृदयंगम करना, अपने परिवार, समाज में अपनी-अपनी संस्कृति सीखना व ग्रहण करना संस्कृति ग्रहण (Encultration) कहलाता है।

18. निम्नलिखित का विवेचनापूर्ण आकलन कीजिए:
अभिकथन (A): शिक्षा, आधुनिकीकरण के दरवाजे को खोलने की कुंजी है।
कारण (R): प्रौद्योगिकी का विकास लोगों के बीच अन्योन्यक्रिया सुगम बनाती है।
कोड :
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(B) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(C) केवल (A) सही है,परन्तु (R) गलत है।
(D) केवल (R) सही है।

उत्तर- (A)/ व्याख्या कथन (A) शिक्षा आधुनिकीकरण के दरवाजे को खोलने की कुञ्जी है। यह कथन सत्य है क्योंकि शिक्षा द्वारा व्यक्ति ने नवीन विचारधारा को ग्रहण करने की क्षमता तथा उनका नेतृत्व करने की योग्यता प्रदान करती है।
कथन (R) प्रौद्योगिकी का विकास लोगों के बीच अन्योन्य-क्रिया को सुगम बनाती है। यह कथन भी पूर्ण सत्य है क्योंकि आज लोगों के बीच जो भौतिक दूरियाँ कम हुई हैं वह विज्ञान व प्रौद्योगिकी की देन है।

19. सूची-I में विद्वानों के नाम तथा सूची-II में अध्ययन के क्षेत्र दिए गए हैं। इन्हें सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची-II
a. मार्ग्रेट मीड	i. संस्कृति अंतराल
b. विलियम ओगबर्न	ii. संस्कृति तथा किशोरावस्था
c. वेरियर एल्विन	iii संस्कृतीकरण
d. एम.एन. श्रीनिवास	iv. जनजातिवाद
	v. धर्म

कूट :

	a	b	c	d
(A)	i	iv	iii	v
(B)	ii	i	iv	iii
(C)	iii	ii	i	iv
(D)	iv	iii	i	v

उत्तर- (B)/ व्याख्या सुमेलित है -

सूची - I	सूची - II
(a) माग्रेड मीड	(ii) संस्कृति तथा किशोरावस्था
(b) विलियम ओगबर्न	(i) संस्कृति अंतराल
(c) वेरियर एल्विन	(iv) जनजाति वाद
(d) एम०एन० श्रीनिवास	(iii) संस्कृतीकरण

20. समाज की एक उप-व्यवस्था के रूप में शिक्षा किस प्रकार सहायता करती है?
(A) ज्ञान-समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति में
(B) समाजिक रीति-रिवाजों और परम्पराओं को संरक्षित करने में
(C) वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय प्रगति के माध्यम से समाज के रूपान्तरण में
(D) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (D)/ व्याख्या शिक्षा को समाज की एक उपव्यवस्था के रूप में भी जाना जाता है। शिक्षा समाज की उपव्यवस्था के रूप में निम्नलिखित प्रकार से सहायता करती है—

I. ज्ञान समाज की आवश्यकता की पूर्ति।
II. सामाजिक रीति-रिवाज और परम्पराओं को संरक्षित करने में।
III. वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय प्रगति के माध्यम से समाज के रूपान्तरण में
IV. सभ्यता एवं संस्कृति के हस्तान्तरण करने में।

21. शिक्षा में मनोविज्ञान का मुख्य योगदान किसमें निहित है?

(A) उन लक्ष्यों को परिभाषित करना जिनकी प्राप्ति के लिए अध्यापक को प्रयास करना चाहिए।
(B) अध्यापन की सशक्त रूप में सफल विधियों एवं प्रक्रियाओं की पहचान करना।
(C) अध्यापन कला के लिए वैज्ञानिक आधार प्रदान करना।
(D) विविध शैक्षिक प्रक्रियाओं की सापेक्षिक प्रभावशीलता की तुलना करना।

उत्तर- (C)/ व्याख्या शिक्षा में मनोविज्ञान का मुख्य योगदान अध्यापन कला के लिए वैज्ञानिक आधार प्रदान करना।

22. मनुष्यों में व्यक्तिगत भिन्नताओं के निर्धारक तत्त्वों का सम्बन्ध है

(A) केवल उनके वातावरण में अंतर से
(B) केवल उनकी आनुवांशिकता में अन्तर से
(C) उनकी आनुवांशिकता तथा वातावरण दोनों में अन्तर से
(D) आनुवांशिकता के कारकों तथा वातावरण के कारकों के बीच अन्योन्यक्रिया से

उत्तर- (D)/ व्याख्या मनुष्यों में व्यक्तिगत भिन्नताओं के निर्धारक तत्वों का सम्बन्ध आनुवांशिकता के कारकों तथा वातावरण के कारकों के बीच अन्योन्यक्रिया से है।

23. निम्नलिखित में से कौन सा अभिलक्षण अपसारी चिन्तन के लिए उपयुक्त नहीं है?

(A) विचारों में नमनीयता
(B) विचारों में नवीनता
(C) विचारों में शुद्धता
(D) विचारों में प्रवाह

उत्तर- (C)/ व्याख्या अपसारी चिंतन (Divergent thinking) सृजनात्मक चिंतन का प्रमुख गुण है। इसमें व्यक्ति समस्या के भिन्न-भिन्न पहलुओं पर भिन्न-भिन्न दिशाओं में चिंतन करता हैं इसके अन्तर्गत निम्न प्रमुख तत्व आते हैं-

1. धाराप्रवाहिता (Fluency)
2. लचीलापन (Flexibility)
3. भौलिकता (Originatity)
4. विस्तारण (Elaboration)

अत: स्पष्ट है कि विचारों में शुद्धता अपसारी चिंतन के लिए उपयुक्त नहीं है।

24. अनुसन्धान से यह बार-बार स्पष्ट हुआ है कि किसी दिये गये शैक्षिक कार्य में तत्परता का सर्वोत्तम एकल संसूचक है

(A) आई.क्यू.(बुद्धि लब्धि) (B) ए.क्यू.(उपलब्धि सूचकांक)
(C) ई.क्यू. (भावुकता सूचकांक)(D)एम.ए. (मानसिक आयु)

उत्तर- (D)/ व्याख्या

बुद्धिलब्धि (IQ) -मानसिक आयु (MA) तथा तैथिक आयु (CA) का एक ऐसा अनुपात है जिसमें 100 का गुणा कर प्राप्त किया जाता है।

$$\text{बुद्धिलब्धि (IQ)}=\frac{\text{मानसिक आयु (MA)}}{\text{तैथिक आयु (CA)}}\times 100$$

उपलब्धि सूचकांक (AQ) - उपलब्धि सूचकांक (लब्धि) छात्र की शैक्षिक आयु (EA) तथा मानसिक आयु (MA) के अनुपात में 100 से गुणा करने पर प्राप्त होती है।

$$\text{उपलब्धि सूचकांक (AQ)}=\frac{\text{शैक्षिक आयु (EA)}}{\text{मानसिक आयु (MA)}}\times 100$$

भावुकता सूचकांक - (EQ) भावुकता सूचकांक को संवेगात्मक बुद्धि भी कहते हैं। अत: संवेगात्मक बुद्धि से तात्पर्य संवेगों से सही ढंग से निपटने की संज्ञानात्मक क्षमता से होता है। यह संवेगों को समझने, अभिव्यक्त करने तथा लक्ष्य की प्राप्ति हेतु उनका प्रबंधन करने की योग्यता है।

मानसिक आयु - (MA) मानसिक आयु व्यक्ति के मानसिक विकास की अवस्था को बताती है। बिने के अनुसार मानासिक आयु किसी के मानसिक विकास की वह अभिव्यक्ति है, जो उसके द्वारा किये जा सकने वाले मानसिक कार्यों से ज्ञात की जा सकती है तथा जिनकी उस आयु विशेष के लिए सामान्य बालकों से सफलतापूर्वक करने की अपेक्षा रहती है।

अत: किसी दिए गए कार्य में तत्परता का सर्वोत्तम एकल सूचकांक मानसिक आयु (MA) है।

25. अभिप्रेरणा-परक सेट का सही अनुक्रम कौन सा है?

(A) लक्ष्य निर्देशित व्यवहार, लक्ष्य प्राप्ति, सहज प्रवृत्ति, संतुष्टि
(B) सहज प्रवृत्ति, लक्ष्य निर्देशित व्यवहार, लक्ष्य प्राप्ति, संतुष्टि
(C) सहज प्रवृत्ति, संतुष्टि, लक्ष्य प्राप्ति, लक्ष्य निर्देशित व्यवहार
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (B)/ व्याख्या अभिप्रेरणात्मक चक्र या सेट के तीन प्रमुख क्रमिक तत्व है -

1. आवश्यकता (Need)
2. चालक (Drive)
3. प्रोत्साहन/लक्ष्य (Incentive of goal)

आवश्यकता अन्तर्नोद को जन्म देती है अन्तर्नोद बढ़े हुए तनाव की स्थिति है, जो प्राणी को क्रिया करने के लिए अग्रसित करता है। प्रोत्साहन बाह्य वातावरण की कोई वस्तु है जो आवश्यकता की संतुष्टि करती है।

अत: अभिप्रेरणा परक सेट का सही अनुक्रम है-

1. सहज प्रवृत्ति
2. लक्ष्य निर्देशित व्यवहार
3. लक्ष्य प्राप्ति
4. संतुष्टि

26. सार्थक सामग्री को शीघ्रता से क्यों सीखा जा सकता है, इसका कारण यह है कि

(A) शिक्षार्थी के ऊबने की सम्भावना कम होती है।
(B) इसका सम्बन्ध शिक्षार्थी के पूर्व अनुभव से होता है।
(C) इसमें अविच्छिन्नता होती है तथा अर्थ अंतर्भूत होता है।
(D) यह अधिक प्रभावी अंतरण का अवसर देता है।

उत्तर- (B) व्याख्या सार्थक सामग्री को शीघ्रता से इसलिए सीखा जा सकता क्योंकि इसका संबंध शिक्षार्थी के पूर्व अनुभव है -

27. अभिकथन (A): एक स्थिति 'अ' में प्राप्त प्रशिक्षण को दूसरी स्थिति 'ब' में अंतरित किया जा सकता है।
कारण (R): क्योंकि वे दो स्थितियाँ 'अ' तथा 'ब' अर्थपूर्ण हैं।
कोड :

(A) अभिकथन (A) सही है।
(B) कारण (R) सही है।
(C) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही है।
(D) अभिकथन (A) सही है, परन्तु कारण (R) सही नहीं है।

उत्तर- (D) व्याख्या कथन A सही है परन्तु (R) कारण सही नहीं है क्योंकि अधिगम अंतरण सामान्यता दो समान स्थितियों में होता है। जब दोनों में समरूप तत्व समान हो। या व्यक्ति कुछ सामान्य नियमों को परिस्थिति A में सीख लेता है तो परिस्थिति B में अवतरण करता पाया जाता है।

28. एक समस्या बालक वह है

(A) जिसके पास कोई न सुलझी समस्या हो।
(B) जिसकी कमजोर आनुवंशिकता हो।
(C) जिसका गृह-वातावरण कमजोर हो।
(D) जिसके अभिभावक अति-संरक्षणात्मक हो।

उत्तर- (A) व्याख्या एक समस्यात्मक बालक वह होता है जो अपने सभी कार्यों में समस्या का अनुभव करता है तथा उसे पूरा करने में उसे दूसरों की मदद व निर्देशन की जरूरत होती है। ऐसे बालक कक्षा में अध्यापक के लिए भी समस्या का कारण होते हैं। समस्यात्मक बालकों की पहचान व उनको उचित निर्देशन व परामर्श उपलब्ध कराया जाय तो इनको सामान्य बालकों के साथ समवेसन करके शिक्षा दिया जा सकता है।

29. प्रच्छन्न अधिगम की संकल्पना का प्रतिपादक कौन हैं?

(A) हलु (B) पियाजे (C) टॉलमैन (D) स्किनर

उत्तर- (C) व्याख्या प्रच्छन्न अधिगम (Latent Learning) को अव्यक्त सीखना भी कहते हैं। अव्यक्त सीखना से तात्पर्य वैसे सीखने से होता है जो प्राणी के व्यवहार द्वारा तब तक अभिव्यक्त नहीं होता है जब तक कि उसकी अभिव्यक्ति के लिए अनुकूल परिस्थिति न बन जाए।
टॉलमैन ने अपने अधिगम सिद्धान्त में अव्यक्त अधिगम की चर्चा की है टॉलमैन के लुप्त / अव्यक्त अधिगम के अनुसार कभी-कभी अधिगम तो होता है परन्तु पुरस्कार या पुनर्वलन न मिलने के कारण ऐसा अधिगम निष्पादन के रूप में अभिव्यक्त नहीं हो पाता है। टॉलमैन ने अपने अधिगम सिद्धान्त भुलभुलैया (Maxi) में इसका प्रयोग किया है।

30. दण्ड एक

(A) नकारात्मक प्रबलक है। (B) सकारात्मक प्रबलक है।
(C) कैसा भी प्रबलक नहीं है। (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं है।

उत्तर- (C) व्याख्या दण्ड न तो नकारात्मक प्रबलक है न ही सकारात्मक प्रबलक है क्योंकि नकारात्मक प्रबलक व सकारात्मक प्रबलक दोनों के प्रयोग से अनुक्रिया की दर बढ़ जाती है जबकि दण्ड किसी अवांछित अनुक्रिया के घटित होने की प्रार्यकता को कम करता है। अत: यह किसी प्रकार प्रबलक नहीं है।

31. अभिकथन (A): कभी-कभी विद्यालय के छात्र शरारती, उपद्रवी, विद्रोही अथवा विमुख हो जाते हैं।
कारण (R): ऐसा उन्हें अनुपयुक्त कार्य भार देने या उनसे अनुचित अपेक्षाएँ रखने के कारण होता है।
कोड :

(A) केवल अभिकथन (A) सही है।
(B) केवल कारण (R) सही है।
(C) अभिकथन (A) सही है, परन्तु कारण (R) गलती है।
(D) अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही है।

उत्तर- (D) व्याख्या कभी - कभी अध्यापक बच्चों पर अनुपयुक्त कार्य भार दे देते हैं या उनसे अनुचित अपेक्षाएँ रखने लगते हैं जिसके कारण बच्चों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और वे शरारती, विद्रोही अथवा विमुख हो जाते हैं। अत: कथन (A) तथा (R) दोनों सत्य है। A का कारण (R) पूर्णत: सत्य है।

32. अंतिम विश्लेषण के रूप में कक्षा में अभिप्रेरणा की कुंजी क्या है?

(A) विषयवस्तु में अंतर्निहित अभिरूचि
(B) अध्यापक का व्यक्तित्व तथा उसका सम्प्रेषण कौशल
(C) कक्षा का संवेगात्मक वातावरण
(D) पाठ्यचर्यापरक अनुभवों का औचित्य

उत्तर- (D) व्याख्या शिक्षा एक सोद्देश्यपूर्ण प्रक्रिया है। अध्यापक जिस पाठ्यचर्या को बच्चों के सम्मुख प्रस्तुत करता है उसका भी एक विशिष्ट उद्देश्य होता है। छात्र ध्यानपूर्वक कक्षा में शिक्षक द्वारा पढ़ाए जा रहे प्रकरण को ग्रहण करें इसके लिए अध्यापक बच्चों को अभिप्रेरित करता है। शिक्षक छात्रों को बताता है कि प्रस्तुत प्रकरण का उसके जीवन में क्या महत्व है। अत: पाठ्यचर्या परक अनुभवों का औचित्य कक्षा में छात्रों के अभिप्रेरणा की कुंजी है।

33. रोशा का 'प्रक्षेपी परीक्षण' किसके मापन हेतु अभिकल्पित है?

(A) अचेत प्रयोजन (B) स्वप्न
(C) सचेत अभिलाषा (D) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (A) व्याख्या रोशा का प्रक्षेपी परीक्षण अचेतन प्रयोजन मापन हेतु अभिकल्पित है।
स्विट्जरलैण्ड के मनोचिकित्सक हरमन रोर्शारव ने स्याही धब्बा परीक्षण का निर्माण 1921 में किया। इसके द्वारा व्यक्तित्व का मापन परोक्ष रूप से किया जाता है। यह सामान्यत: व्यक्ति के अचेतन मन का मापन करती है। इसमें कुल 10 कार्ड होते है जिस पर स्याही के धब्बे होते है। स्याही से बने चित्र अस्पष्ट वं असंरित होते हैं।

34. **'आद्य प्ररूप' की संकल्पना किसकी देन है?**
(A) फ्रॉयड (B) अरीति
(C) वैलेस (D) युंग

उत्तर- (D)/ व्याख्या आद्य प्ररूप (Arche type) की संकल्पना युंग की देन है। युंग के अनुसार व्यक्ति के अचेतन मन में व्यक्तित्व से संबंधित वे तत्व होते हैं जो पूर्वजों के वंशानुक्रम द्वारा ग्रहण किये जाते हैं। युंग ने अचेतन मन की सामग्री को Arche type नाम से संबोधित किया है। इसकी अभिव्यक्ति व्यक्तियों के स्वप्न एवं कल्पना चिंतन (Fantasies) में होता है। कुछ प्रमुख आदि प्रारूप निम्न है -
1. परसोना (Persona)
2. एनीमा तथा एनीमस (Anima & Animus)
3. छाया (Shadow)
4. आत्मन (Self)

35. **स्तर I तथा स्तर II की बुद्धिमत्ता के सिद्धांत का प्रतिपादन किसने किया था?**
(A) जेन्सेन
(B) गिलफोर्ड
(C) कैटेल
(D) आइसेंक

उत्तर- (A)/ व्याख्या

वैज्ञानिक		सिद्धान्त
जेन्सेन	-	स्तर 1 तथा स्तर 2 या सहचर्यात्मक क्षमता (Associative abilities) और संज्ञानात्मक क्षमता का बुद्धि सिद्धान्त
गिलफोर्ड	-	त्रिविमीय सिद्धान्त (three directional theory) या बुद्धि की संरचना सिद्धान्त (SI theory)
कैटेल	-	तरल-ठोस बुद्धि सिद्धान्त (Fluid- crystallized intelligence theory)
आइसेंक	-	व्यक्तित्व का जैविक शीलगुण सिद्धान्त (Biological trait theory of personality)

36. **एक गैर-सरकारी संगठन ने, ग्राम पंचायत में प्राथमिक स्तर के विद्यालयों में नए छात्रों के नामांकन तथा पुराने छात्रों के विद्यालय-विरत नहीं होने पर अभियान उपागम के प्रभाव का अध्ययन किया। यह किसका उदाहरण है?**
(A) वर्णनात्मक अध्ययन
(B) क्षेत्र प्रयोग
(C) कार्योत्तर अनुसंधान
(D) ऐतिहासिक अनुसंधान

उत्तर- (B)/ व्याख्या **(A) वर्णनात्मक अध्ययन (Descriptive study) -** वर्णनात्मक शोध वैसे शोध को कहा जाता है, जिसमें वर्तमान स्थितियों को रिकार्ड किया जाता है, विश्लेषण किया जाता है तथा उसकी व्याख्या की जाती है। ऐसे शोध में मूल रूप से क्या है (What is) का वर्णन करता है।
(B) क्षेत्र प्रयोग (Field Experiment) - क्षेत्र प्रयोग एक ऐसा शोध है जिसमें प्रयोगकर्ता एक या एक से अधिक स्वतंत्र चरों में जोड़-तोड़ वास्तविक परिस्थिति में करता है जिसमें बहिरंग चरों का अधिकतम नियंत्रण होता है। अर्थात ऐसे शोध स्कूल, फैक्ट्री, कोर्ट, दफ्तर आदि वास्तविक परिस्थितियों में किया जाता है।
(C) कार्योत्तर अनुसंधान (Ex-post facto research)- ऐक्स पोस्ट फैक्टो शोध से तात्पर्य वैसे शोध से होता है, जिसमें प्रयोगकर्ता किसी प्रभाव के आधार पर उसके संभावित् कारणों का पता लगाने की कोशिश करता हैं अर्थात इसमें घटना घट चुकने के बाद शोधकर्ता शोध प्रारम्भ करता है। इसमें स्वतंत्र चर में कोई जोड़-तोड़ नहीं कर सकता है।
(D) ऐतिहासिक अनुसंधान (Historical research)- ऐतिहासिक शोध से तात्पर्य वैसे शोध से होता है, जिसमें बीती घटनाओं का रिकार्ड किया जाता है, उसका विश्लेषण किया जाता है तथा उसकी व्याख्या की जाती है। अर्थात इसमें मूलत: क्या था (What was) का वर्णन करता है।

37. **किसी प्रयोगकर्ता ने प्रयोगपरक तथा नियंत्रण समूह दोनों का पूर्व-परीक्षण किया तथा यह पता लगाया कि इन समूहों के पूर्व-परीक्षण के माध्य प्राप्तांक में अंतर है। स्वतंत्र चरों के प्रभाव के अध्ययन में इस अंतर को जाँचने के लिए निम्नलिखित में से किस सांख्यिकीय प्रविधि का उपयोग किया जा सकता है?**
(A) प्रसरण का विश्लेषण (B) टी-टेस्ट
(C) प्रतिगमन विश्लेषण (D) सह-प्रसरण विश्लेषण

उत्तर- (D)/ व्याख्या उपर्युक्त प्रयोग में चरों के प्रभाव के अध्ययन में अन्तर जानने के लिए सह-प्रसरण विश्लेषण सांख्यिकी प्रविधि का उपयोग किया जाएगा क्योंकि सह-प्रसरण विश्लेषण के प्रयोग द्वारा प्रयोगात्मक तथा नियन्त्रण समूह दोनों का पूर्व परिक्षण तथा उनके समूहों के माध्यों में प्राप्तांकों के अन्तर की जाँच की जाती है।

38. **निम्नलिखित में से किस अवस्था में प्रतिचयन त्रुटि का आकलन नहीं किया जा सकता?**
(A) सरल यादृच्छिक प्रतिचयन
(B) स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिचयन
(C) व्यवस्थित प्रतिचयन
(D) कोटा प्रतिचयन

उत्तर- (D)/ व्याख्या प्रतिदर्श और जनसंख्या प्राचल के अंतर को प्रतिचयन त्रुटि कहते हैं। चूँकि कोटा प्रतिदर्शन में शोधकर्ता मनमाने ढंग से प्रतिदर्श का चयन करता है।

39. **निम्नलिखित में से कौन एक अप्रायिकता प्रतिचयन प्रविधिनहीं है?**
(A) स्नोबॉल सैंपलिंग
(B) स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिचयन
(C) सांयोगिक प्रतिचयन
(D) सप्रयोजन प्रतिचयन

उत्तर- (B)/ व्याख्या व्यवहारपरक शोधों में प्रयुक्त होने वाले प्रतिदर्शन को मूलत: दो भागों में बाँटा जाता है-

(A) संभाविता / प्रायिकता प्रतिदर्शन (Probability Sampling)

(B) असंभाविता / अप्रायिकता प्रतिदर्शन (Non-Probability Sampling)

संभाविता प्रतिदर्शन के निम्नांकित 3 प्रमुख प्रकार है-

(1) साधारण यादृच्छिक प्रतिदर्शन (Simple random sampling)

(2) स्तरित यादृच्छिक प्रतिदर्शन (Stratified random sampling)

(3) क्षेत्र या गुच्छ प्रतिदर्शन (Areaorclustir sampling)

अप्रायिकता प्रतिदर्शन के प्रमुख प्रकार है -

(1) कोटा प्रतिदर्शन (Quota sampling)

(2) प्रासंगिक प्रतिदर्शन (Incidental sampling)

(3) उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन (Purposive sampling)

(4) क्रमबद्ध प्रतिदर्शन (Systematic sampling)

(5) हिमकंदुक प्रतिदर्शन (Snowball sampling)

(6) संतृप्ति प्रतिदर्शन (Saturation sampling)

(7) घनी भूत प्रतिदर्शन (Dense sampling)

अत: स्पष्ट है कि स्तरित यादृच्छिक प्रतिदर्शन संभावित प्रतिदर्शन की एक प्राविधि है न कि अप्रायिकता प्रतिदर्शन की।

40. निम्नलिखित में से कौन सा चर विशेष रूप से असतत है?

(A) उपलब्धि

(B) बुद्धि

(C) अभिवृत्ति

(D) लक्षण

उत्तर- (D)/ व्याख्या मात्रात्मक चर को दो भागों में बांटा जा सकता है-

(1) सतत चर (Continuous variables)

(2) असतत चर (Discrete varibales)

● सतत चर वे चर है जिनके लिए किन्ही भी दो मानों के बीच का प्रत्येक मान धारण करना सम्भव होता है। चर प्राय: सतत चर होते है। जैसे उपलब्धि, बुद्धि, अभिवृत्ती इत्यादि।

● असतत चर को खण्डित चर भी कहते हैं यह वे चर हैं जिनके लिए किन्हीं दो मानों के बीच के प्रत्येक मान धारण करना सम्भव नहीं होता है। जैसे - परिवार में बच्चों की संख्या, पुस्तक में पृष्ठें की संख्या, विद्यालय में कमरों की संख्या, व्यक्तियों का लक्षण जैसे धर्म के आधार पर वर्गीकरण, पेशे के आधार पर वर्गीकरण आदि।

अत: लक्षण विशेष रूप से असतत चर है।

41. निम्नलिखित में से कौन एक अ-प्राचलिक जाँच है?

(A) टी-टेस्ट

(B) एफ-टेस्ट

(C) x^2 - टेस्ट

(D) z - टेस्ट

उत्तर- (C)/ व्याख्या पूर्वकल्पनाओं के आधार पर सांख्यिकी को दो भागों में बाँटा गया है -

(1) प्राचलिक सांख्यिकी (Parametric statistics)

(2) अप्राचलिक सांख्यिकी (Non- Parametric statistics)

● अप्राचलिक सांख्यिकी वे सांख्यिकी हैं जो जीवसंख्या जिससे कि प्रतिदर्श लिया जाता है, के बारे में कुछ शर्तो पर आधारित होता है। ऐसी 3 प्रमुख शर्ते हैं-

(1) प्रतिदर्श का चयन यादृच्छिक विधि से किया गया हो।

(2) जीव संख्या सामान्य रूप से वितरित हो।

(3) चर की माप अंतराल मापनी पर संभव हो।

● अप्राचलिक सांख्यिकी वे है जो जीवसंख्या जिनसे कि प्रतिदर्श लिया जाता है, के बारे में कोई खास शर्त नहीं रखती है। इसलिए इसे वितरण मुक्त सांख्यिकी कहते हैं। उदा० - माध्यिका (Median), शततमक (Piruntics), स्पीयरमैन काई वर्ग (x2.test) कोटि अंतर विधि मान विटनी यू परीक्षण आदि

प्राचालिक सांख्यिकी के उदा० - टी परीक्षण (t. test), एफ परीक्षण (F. test), माध्य (Mean), मानक विचलन (SD), आदि।

अत: स्पष्ट है कि काई वर्ग परीक्षण (x^2.test) एक प्रकार का अप्राचलिक जांच है क्योंकि प्रतिदर्श के चयन में किसी शर्त का पालन नहीं किया जाता है।

42. दो चरों के बीच सहसंबंध के गुणांक का परिसर क्या है?

(A) 0 से + 1 (B) + 1 से - 1

(C) 0 से - 1 (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं-

उत्तर- (B)/ व्याख्या दो चरों के बीच सहसंबंध के गुणांक का परिसर +1 से - 1 के बीच होता है।

-1.0 -.9 -.8 -7. -.6 -.5 -.4 -.3 -.1 0

+.1 +.2 +.3 +4. +.5 +.6 +.7 +.8 +.9 +.1

सहसंबंध गुणांक विस्तार

43. प्रसरण का सर्वाधिक स्थायी माप क्या है?

(A) रेंज (B) माध्य विचलन

(C) मानक विचलन (D) चतुर्थक विचलन

उत्तर- (C)/ व्याख्या प्रसार, चतुर्थांक विचलन, माध्य विचलन तथा मानक विचलन चारों ही समूह की विचलनशीलता को प्रदर्शित करते हैं। परन्तु चूँकि मानक विचलन सभी प्राप्तांकों के ऊपर आधारित होता है जिसके कारण यह सर्वाधिक स्थायी तथा विश्वसनीय सूचना प्रदान करता है अपने स्थायित्व एवं विश्वसनीयता के कारण मानक विचलन सबसे अधिक प्रयोग में आने वाला विचलनशीलता गुणांक है। तथा प्रसार विचलनशीलता का सर्वाधिक, सरल परन्तु सबसे कम परिष्कृत गुणांक है।

44. निम्नलिखित में से कौन एक आनुमानिक सांख्यिकी है?

(A) अंकगणितीय माध्य (B) मानक विचलन

(C) हरात्मक माध्य (D) एनोवा

उत्तर- (D)/ व्याख्या एनोवा (Analysis of variance) जिसे हिन्दी में प्रसरण विश्लेषण कहते हैं, एक आनुमानिक सांख्यिकी है। अनुमानित सांख्यिकी हमें बतलाती है कि एक प्रतिदर्श के प्राप्तांकों के आधार पर मिले सांख्यिकी उस बड़े जनसंख्या का किस सीमा तक प्रतिनिधित्व करता है जिससे वह प्रतिदर्श लिया गया था। अर्थात इसके द्वारा प्रतिदर्श आंकड़े के आधार पर जीवसंख्या के गुणों के बारे में अनुमान लगाया जाता है। अन्य उदाहरण - सी० आर० परीक्षण, टी परीक्षण, काई वर्ग परीक्षण आदि।
जबकि माध्य, मानक विचलन, सहसंबंध गुणांक एक वर्णनात्मक सांख्यिकी (Descriptive statistics) है जिसका उद्देश्य संख्यात्मक तथ्यों (Numerical facts) का साधारण ढंग से वर्णन करना होता है। इससे किसी प्रकार का कोई अनुमान नहीं निकाला जाता है।

45. **निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :**

	सूची -I		सूची-II
a.	प्रयोगमूलक	i.	आलोचना
b.	ऐतिहासिक	ii.	नियंत्रण
c.	केस अध्ययन	iii	व्याख्यात्मक
d.	नृजाति-वर्णन	iv.	गहन
		v.	अंतः प्रज्ञात्मक

कूट :

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	iv	v
(B)	i	ii	v	iii
(C)	iii	i	iv	v
(D)	ii	i	iv	iii

उत्तर- (D)/ व्याख्या सुमेलित है -

सूची - I	सूची - II
(a) प्रयोगमूलक (Experimental)	(ii)नियंत्रण (control)
(b) ऐतिहासिक (Historical)	(i)आलोचना (Criticism)
(c) केस अध्ययन (Case study)	(iv)गहन (Intensive)
(d) नृजाति वर्णन (Ethnography)	(iii)व्याख्यात्मक (Interpretatire)

46. **छात्रों की वर्तनी में सुधार हेतु शिक्षक द्वारा कक्षा मे संचालित शोध किस वर्ग मे आता है?**
(A) विशुद्ध शोध/अनुसंधान
(B) गुणात्मक शोध/अनुसंधान
(C) परिमाणात्मक शोध/अनुसंधान
(D) क्रिया निष्ठ शोध/अनुसंधान

उत्तर- (D)/ व्याख्या छात्रों की वर्तनी में सुधार हेतु शिक्षक द्वारा कक्षा में संचालित शोध क्रियानिष्ठ शोध (Action Research) के अन्तर्गत आता है क्योंकि क्रियात्मक शोध परिस्थितिगत शोध है। इसके तहत किसी विशिष्ट संदर्भ में समस्या का निदान एवं समाधान प्राप्त करने की कोशिश की जाती है दूसरे शब्दों में, यह मौके पर किया गया वह अध्ययन है जिसका प्रयोग किसी तात्कालिक परिस्थिति में मूर्त समस्या के सम्बंध में किया जाता है। इसमें शोधकर्ता विद्यालय के अध्यापक, प्रधानाचार्य , प्रबंधक स्वयं होते हैं।

47. **समूह गतिकी में अनुसंधान कार्य का संचालन किसके अंतर्गत आएगा?**
(A) मानवमिति (B) जीवमिति
(C) ज्यामिति (D) समाजमिति

उत्तर- (D)/ व्याख्या समूह गति की (Group dynamics) से तात्पर्य समूह के विशेषकर छोटे समूह के उन बलों एवं प्रभावों से होता है जिनसे सदस्यों का व्यवहार एक निश्चित दिशा में परिवर्तित होता है।
समूह गतिकी में शोध कार्य का संचालन समाजमिति (Sociometry) के अंतर्गत आएगा क्योंकि समाजमिति सामाजिक पसन्द तथा समूहगत विशेषताओं के मापन की एक विधि है। समाजमितीय प्रश्नों के लिए प्राप्त उत्तरों से तीन प्रकारों का समाजमितीय विश्लेषण अर्थात समाजमितीय सारणी (Sociometric Matrix) समाजमितीय आरेख (Sociogram), तथा समाजमितीय गुणांक (Sociometric Index) के रूप में किया जा सकता है।

48. **भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के कारणों तथा नतीजों का अध्ययन किस प्रकार के अनुसंधान के अंतर्गत रखा जाएगा?**
(A) कार्योत्तर अनुसंधान (B) ऐतिहासिक अनुसंधान
(C) सहसंबंधपरक अध्ययन (D) घटनाविज्ञान संबंधी अध्ययन

उत्तर- (B)/ व्याख्या भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के कारणों तथा नतीजों का अध्ययन ऐतिहासिक शोध के अंतर्गत रखा जायेगा इसलिए ऐतिहासिक शोध में बीती घटनाओं का रिकार्ड किया जाता हैं उसका विश्लेषण किया जाता है। तथा उसकी व्याख्या की जाती है। ताकि उनसे एक सही सामान्यीकरण किया जा सके।

49. **निम्नलिखित में से कौन स्थानाश्रित औसत है?**
(A) माध्य (B) माध्यिका
(C) बहुलक (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (B)/ व्याख्या माध्यिका (Median) केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप का एक प्रकार है। यह समूह को दो बराबर भाग में इस प्रकार बांटता है कि एक भाग के सारे प्राप्तांक उससे छोटे होते हैं तथा दूसरे भाग के सारे प्राप्तांक उससे बड़े होते हैं। यह प्राप्तांकों के क्रम पर विचार करता है तथा इस पर प्राप्तांकों के बीच के अंतर का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है इसलिए कुछ विद्वानों के द्वारा साथ माध्यिका को स्थिति केन्द्रीय मान (Positional Central Value) या स्थानाश्रित औसत के नाम से भी पुकारा जाता है।

50. **टेस्ट-रीटेस्ट किसके निर्धारण की विधि है?**
(A) वैधता (B) विश्वसनीयता
(C) व्यवहार्यता (D) वस्तुनिष्ठता

उत्तर- (B)/ व्याख्या परीक्षण-पुनर्परीक्षण (Test retest) विधि विश्वसनीयता निर्धारण की एक विधि है। इस विधि में परीक्षण को एक ही प्रतिदर्श पर दो बार क्रियान्वयन किया जाता है। इस तरह एक ही परीक्षण प्राप्ताकों को दो सेट प्राप्त हो जाते हैं बाद में इन दोनों सेट में सहसंबंध ज्ञात कर लिया जाता है। यही परीक्षण का विश्वसनीयता गुणांक कहलाता है।

व्याख्यात्मक हल

JUNE : 2014

UGC NET/ J.R.F. EXAM

प्रश्न-पत्र III शिक्षाशास्त्र

1. तर्कबुद्धिवाद एक आंदोलन था जिसने हिमायत की थी

(A) विशुद्ध तर्क की शक्ति में आस्था की
(B) नवीन विज्ञान के साथ गिरजा-धर्म सिद्धांतों के सामंजस्य की
(C) चर्च के लिए अरस्तू सम्मत प्राधिकार के प्रतिस्थापन की
(D) उपर्युक्त में से किसी की नहीं

उत्तर-(A)/ व्याख्या तर्क बुद्धिवाद एक ऐसा दार्शनिक आन्दोलन था जिसने ज्ञान के परम्परागत स्वरूप पर प्रश्न-चिन्ह खड़ा कर दिया। ज्ञान की नवीन कसौटी पर कसकर स्वीकार करने की परम्परा की शुरुआत की। इसकी प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं—

I. विशुद्ध तर्क की शक्ति में आस्था
II. ज्ञान को विज्ञान की कसौटी पर कसना।
III. अनुभव सिद्ध ज्ञान में आस्था

2. शिक्षाप्रद अनुभव

(A) प्रयोजनवादी को, केवल तभी वांछनीय है जब यह छात्रों को समग्ररूप से स्वीकार्य हो।
(B) यथार्थवादी को, केवल तभी वांछनीय है जब यह छात्रों के लिए आनंददायक और व्यावहारिक हो।
(C) आदर्शवादी को, केवल तभी वांछनीय है जब यह तात्कालिक लक्ष्यों की प्राप्ति में प्रभावकारी हो।
(D) पुनर्रचनावादी को, केवल तभी वांछनीय है जब वह छात्रों को जीवन निर्वाह हेतु कमाई करने में सक्षम बनाता हो।

उत्तर- (A)/ व्याख्या प्रयोजनवादी दार्शनिक शिक्षाप्रद अनुभव को तभी मानते थे जब वह सभी छात्रों को समग्र रूप से स्वीकार्य हो क्योंकि प्रयोजनवादी जीवन के किसी पूर्व निर्धारित सत्य में आस्था नहीं रखते हैं। इनके अनुसार समय के साथ मानव आवश्यकताएँ व उनके उद्देश्य बदलते रहते हैं। इसी विचारधारा के कारण इसे फलवाद भी कहा जाता है।

3. जैन दर्शन के अनुसार निम्नलिखित में से कौन शिक्षा का एक उद्देश्य नहीं है?

(A)सम्यक् ज्ञान (उचित ज्ञान)(B)सम्यक् संकल्प (उचित संकल्प)
(C)सम्यक् दर्शन (उचित आस्था)(D)सम्यक् चरित्र (उचित आचरण)

उत्तर- (B)/ व्याख्या जैन दर्शन के अनुसार शिक्षा के निम्न तीन उद्देश्य है-

(1) सम्यक् ज्ञान (2) सम्यक् दर्शन
(3) सम्यक् चरित्र

सम्यक् ज्ञान अर्थात जैन धर्म व दर्शन का सही ज्ञान।

- सम्यक् दर्शन अर्थात तीर्थकरों में विश्वास
- सम्यक् चरित्र अर्थात सम्यक् दर्शन व ज्ञान के अनुसार
- चारित्रिक गुणों को जीवन में अपनाकर आत्मा को कर्म (पुदगल) से मुक्त कर कैवल्य ज्ञान प्राप्त करना।

अत: सम्यक् संकल्प जैन दर्शन के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य नहीं है।

4. समाज में स्तरीकरण किस पर आधारित है?

(A) शक्ति, सम्पत्ति तथा प्रतिष्ठा
(B) संस्कृति, जाति तथा वर्ग
(C) शिक्षा, अधिगम तथा सशक्तिकरण
(D) अभिप्रेरण, गतिशीलता तथा भौतिक स्वामित्व

उत्तर- (A+B)/ व्याख्या समाज में लोगों को वर्गीकृत ही नहीं किया जाता वरन् इन श्रेणियों को ऊँचे-नीचे क्रम में भी रखा जाता है। उच्चता एवं निम्नता की श्रेणियों में व्यवस्थित करने की प्रक्रिया सामाजिक स्तर की प्रक्रिया कहलाती है।

सामाजिक स्तरीकरण का आधार सामाजिक असमानता है। समाज में स्तरीकरण के आधार निम्न है-

(1) आयु (2) लिंग (3) जाति
(4) व्यवसाय (5) धन (6) राजनैतिक शक्ति

5. सामाजिक परिवर्तन, परिवर्तन है

(A) सामाजिक संबंधों में (B) सामाजिक उपलब्धियों में
(C) सामाजिक मूल्यों में (D) सभ्यता में

उत्तर- (A)/ व्याख्या सामाजिक परिवर्तन का अर्थ है कि समाज की अपनी संरचना, उसके अपने व्यवहार प्रतिमान और उसकी अपनी कार्य विधियों में परिवर्तन।

मैकाइवर और पेज ने सामाजिक परिवर्तन को सामाजिक सम्बन्धों में होने वाले परिवर्तन के रूप में परिभाषित किया है। ''समाजशास्त्री के रूप में हमारा प्रत्यक्ष सम्बन्ध केवल सामाजिक सम्बंधों से होता है। इस दृष्टि से हम केवल सामाजिक संम्बधों में होने वाले परिवर्तन को ही सामाजिक परिवर्तन मानेगें।

वैसे सामाजिक जीवन के किसी भी पक्ष में किसी भी प्रकार के परिवर्तन को सामाजिक परिवर्तन कहा जा सकता है।

आयोग ने इसका उत्तर विकल्प 'A' माना है।

6. समाजीकरण में शिक्षक को भूमिका निभानी चाहिए

(A) अभिकर्ता की (B) प्रशासक की
(C) परामर्शदाता की (D) उपर्युक्त सभी की

उत्तर- (A)/ व्याख्या समाजीकरण में शिक्षक को अभिकर्ता की भूमिका निभानी चाहिए।

7. आनुवांशिकता के वास्तविक वाहक हैं

(A) गुणसूत्र (B) जीन्स
(C) सेल का केंद्रीय भाग (D) डी एन ए

उत्तर- (B)/ व्याख्या आनुवांशिकता के वास्तविक वाहक जीन्स होते हैं ये जीन्स क्रोमोसोम्स में पाये जाते हैं जीन्स में आनुवांशिक गुण संचित होते हैं। जीन्स में दो प्रमुख जैविक अणु होते है जिन्हे DNA तथा RNA कहते हैं। अत: जीन्स द्वारा ही मूलत: आनुवांशिक गुणों का संचरण होता है।

8. सामाजिक विकास अनिवार्यतः विषय है।
(A) सामाजिक व्यवस्था की माँग के प्रति समनुरूपता
(B) सामाजिक सुरक्षा तथा स्वीकार्यता की उपलब्धि
(C) सामाजिक व्यवस्था के साथ अपने उद्देश्यों का एकीकरण
(D) सामाजिक कौशलों का विकास

उत्तर- (C)/ व्याख्या सामाजिक विकास अनिवार्यत: सामाजिक व्यवस्था के साथ अपने उद्देश्यों का एकीकरण का विषय है।

9. प्रगति एवं विकास की प्रक्रिया का सर्वोत्तम वर्णन कौन सा विकल्प करता है?
(A) यह पूर्णतया भौतिक और शारीरिक हैं।
(B) यह आनुवांशिकता द्वारा पूर्व-निर्धारित होता है।
(C) इसके सभी पहलू अत्यंत अंतर्संबंधित होते हैं।
(D) यह अनिवार्यतः एक वैयक्तिक परिघटना है और एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भिन्न होती है।

उत्तर- (C)/ व्याख्या प्रगति एवं विकास की प्रक्रिया में इनके सभी पहलू अत्यंत अंर्तसंबधित (highway related) होते है।

10. प्रज्ञा की संरचना (एस.आई.मॉडल) का विकास किसने किया?
(A) थर्सटन (B) गिलफोर्ड
(C) स्पियरमैन (D) गार्डनर

उत्तर- (B)/ व्याख्या गिलफोर्ड ने 1967 में बुद्धि प्रज्ञा सरंचना सिद्धान्त दिया इसे बुद्धि का त्रिविमीय सिद्धान्त भी कहा जाता है।
- थर्स्टन ने बुद्धि का समूह कारक (Group factor) सिद्धान्त 1938 में दिया।
- स्पियरमैन ने 1904 में बुद्धि का द्विकारक सिद्धान्त दिया
- गार्डनर ने 1983 में बहुबुद्धि सिद्धान्त किया।

11. एक बुद्धिमान बालक का अभिलक्षण है
(A) सर्जनात्मक एवं अपसारी चिंतन
(B) आलोचनात्मक एवं अभिसारी चिंतन
(C) आलोचनात्मक, सर्जनात्मक तथा अभिसारी चिंतन
(D) उपर्युक्त सभी

उत्तर-(B)/ व्याख्या आलोचनात्मक एवं अभिसारी चिन्तन से युक्त होना एक बुद्धिमान बालक के अभिलक्षण हैं। ऐसे बालक किसी वस्तु या घटना का आलोचनात्मक मूल्यांकन कुशलता पूर्वक कर लेते हैं। ऐसे बालकों में किसी समस्या के समाधान के लिए अभिसारी चिन्तन द्वारा उसे हल करने में योग्य होते हैं।

12. रचनावादी अधिगम (कंस्ट्रक्टिविस्ट लर्निंग) का पक्षधर कौन हैं?
(A) जीन पियाजे (B) लेव विगोत्सकी
(C) बी. एफ. स्किनर (D) कोलहर

उत्तर- (B)/ व्याख्या

मनोवैज्ञानिक	अधिगामा सिद्धान्त
(1) जीन पियाजे	-अधिगम का संज्ञात्मक सिद्धान्त के पक्षधर
(2) लेन विगोत्सकी	-रचनावादी अधिगम के पक्षधर
(3) वी० एफ० स्किनर	-उदीपन-अनुक्रिया पुनर्वलन सिद्धान्त के पक्षधर
(4) कोहलर	-अधिगम के संज्ञानात्मक सिद्धान्त केपक्षधर

13. आइसेंक ने व्यक्तित्व की माप किसके आधार पर की थी?
(A) प्रकार तथा विशेषक (B) केवल प्रकार
(C) केवल विशेषक (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (A)/ व्याख्या आइसेंक ने व्यक्तित्व की माप प्रकार विशेषक के आधार पर की। आइसेंक ने कारक विश्लेषण प्रविधि के द्वारा व्यक्तित्व की कुछ विमाओं को ज्ञात करके उनके आधार पर व्यक्तित्व की संरचना को स्पष्ट करने का प्रयास किया है। वर्गीय उपागम में व्यक्तियों को व्यक्तित्व के आधार पर किसी प्रकार विशेष में रखा जाता है जबकि विमीय उपागम में विभिन्न शीलगुणों की विमाओं पर एक छोर से दूसरे छोर के बीच कही पर रखा जाता है।

14. व्यक्तित्व के मानवतावादी सिद्धांत का पक्षधर कौन हैं?
(A) मैकडुगल (B) मास्लो
(C) रोजर्स (D) गिलफोर्ड

उत्तर- (B)/ व्याख्या व्यक्तित्व के मानवतावादी सिद्धान्त का पक्षधर मास्लो है। अब्राहम मास्लो को मानवतावादी मनोविज्ञान का आध्यात्मिक जनक कहा जाता है। उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व का विकास व्यक्ति के अन्दर उपस्थित अभिप्रेरकों के द्वारा संगठित ढंग से होता है। मानव अभिप्रेरक मूलत: जन्मजात होते हैं और इन्हें वरीयता के आधार पर आरोही पदानुक्रम के रूप में व्यवस्थित किया जा सकता है।
व्यक्तित्व के मानवतावादी सिद्धान्त के प्रबल समर्थक कार्ल रोजर्स भी थे। रोजर्स ने अपने व्यक्तिव के सिद्धान्त में आत्मन के बारे में तथा दूसरे के बारे में व्यक्तिगत विचारों का अध्ययन किया है। इनके सिद्धान्त को आत्म सिद्धान्त या व्यक्ति केन्द्रित सिद्धान्त माना जाता है।

15. सूची -I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए:

सूची -I		सूची-II	
a.	फ्रायड	i.	निदेशात्मक उपबोधन
b.	विलियम्सन	ii.	मुक्त साहचर्य
c.	रोजर्स	iii	फ्री व्हिलिंग
d.	गॉर्डन	iv.	अनिदेशात्मक उपबोधन
		v.	संकलक उपबोधन

कूट :

	a	b	c	d
(A)	i	iii	iv	v
(B)	ii	i	v	iv
(C)	ii	i	iv	iii
(D)	iii	ii	i	v

उत्तर- (C)/ व्याख्या सुमेलित है -

सूची - I	सूची - II
(a) फ्रायड	(ii) मुक्त साहचर्य
(b) विलियम्सन	(i) निदेशात्मक उपबोधन
(c) रोजर्स	(iv) अनिदेशात्मक उपबोधन
(d) गार्डन	(v) फ्री व्हिलिंग

16. निःशक्त बच्चों के साथ कार्य करते समय परामर्शदाता के लिए यह आवश्यक है कि वह विद्यालय आधारित सेवाओं को बढ़ाएँ। ऐसा करके परामर्शदाता निम्नलिखित को कार्य सौंपता है

(A) जाँचकर्ता को
(B) सहकर्ता को
(C) मनोविज्ञानी को
(C) समन्वयक को

उत्तर-(B)/ व्याख्या नि:सक्त बच्चों के साथ कार्य करते समय परामर्शदाता विद्यालय आधारित सेवाओं को बढ़ाने के लिए यह आवश्यक है कि वह सहकर्त्ता को कार्य सौंपता है जिससे की बालक को आवश्यकतानुसार समय-समय पर सहायता प्राप्त होती रहे।

17. मार्गदर्शन की मनश्चिकित्सा विधि में निम्नलिखित शामिल होता हैः

(A) संचयी अभिलेख के प्रयोग पर बल देना।
(B) उपबोध्य (काउंसली) को सलाह देते हुए सहयोग देना।
(C) विद्यार्थी की योग्यता में विश्वास रखना कि वह अपनी समस्या का स्वयं समाधान करेगा।
(D) क्या विद्यार्थी को परामर्श देने की कोई विकर्षक विधि है।

उत्तर-(C)/ व्याख्या मार्गदर्शन की मनश्चिकित्सा विधि में विद्यार्थी की योग्यता में विश्वास रखा जाता है कि वह अपनी समस्या का समाधान स्वयं कर लेगा। इसीलिए मार्गदर्शन कार्यक्रम में छात्र को उसकी समस्या को विस्तारपूर्वक स्पष्ट कर दिया जाता है जिससे कि वह उसका समाधान स्वयं निकाले।

18. विद्यार्थी को परामर्श देते समय अध्यापक को चाहिए कि वह

(A) प्रायः बोलने की योजन बनाएँ।
(B) विद्यार्थी के साथ घनिष्ठता स्थापित करें।
(C) उसे जानकारी देने से बचें।
(D) उसकी समस्या के समाधान की जिम्मेदारी लें।

उत्तर-(B)/ व्याख्या परामर्श देते समय अध्यापक को चाहिए कि वह विद्यार्थी के साथ घनिष्ठता स्थापित करें क्योंकि जब तक अध्यापक विद्यार्थी का विश्वास नहीं जीत पाएगा तब तक वह अध्यापक से अपनी समस्या के बारे में खुलकर चर्चा नहीं करेगा बल्कि वह कुछ बातों को छुपाने की कोशिश करेगा और असहज महसूस करेगा। अत: मार्गदर्शन व परामर्श की सफलता के लिए यह आवश्यक है कि परामर्शदाता व प्राप्तकर्त्ता में आपसी तालमेल हो।

19. प्रयोगमूलक अनुसंधान की प्राक्कल्पना का निरूपण कब किया जाता है?

(A) प्रयोग से पहले
(B) प्रयोग के दौरान
(C) प्रयोग के बाद
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (A)/ व्याख्या प्रयोगमूलक अनुसंधान की प्राक्कल्पना का निरूपपण प्रयोग से पहले किया जाता है।
शैक्षिक शोध का स्वरूप चाहे प्रयोगात्मक हो या अप्रयोगात्मक हो, शोध समस्या का चयन हो जाने के बाद शोधकर्ता प्राक्कल्पना का प्रतिपादन करता है।
एक प्रयोगात्मक शोध की रूप-रेखा निम्न होती है
(1) प्रयोग का शीषर्क
(2) साहित्य का सर्वे
(3) समस्या को निश्चित करना
(4) प्राक्कल्पना तैयार करना
(5) चरों को परिभाषित करना
(6) उपकरण
(7) चरों का नियंत्रण करना
(8) डिजाइन का चयन करना
(9) प्रयोज्यों का चयन व आवंटन
(10) प्रयोगात्मक कार्य विधि
(11) मूल्यांकन
(12) रिपोर्ट तैयरा करना
(13) सामायीकरण

20. निराकरणीय प्राक्कल्पना की जाँच में टाइप-I त्रुटि तब उत्पन्न होती है जब अनुसंधानकर्त्ता

(A) सही होने पर भी इसे अस्वीकृत कर देता है।
(B) गलत होने पर भी इसे स्वीकार कर लेता है।
(C) (A) तथा (B) दोनों
(D) न (A) न ही (B)

उत्तर- (A)/ व्याख्या निराकरणीय परिकल्पना (Null hypothesis) की जांच में टाइप - I त्रुटि तब उत्पन्न होती है जब अनुसंधाकर्ता सही होने पर भी इसे अस्वीकृत कर देता है। इसे अल्फा त्रुटि भी कहा जाता हैं दूसरी तरफ यदि परिस्थिति ऐसी होती है कि जहाँ शोधकर्ता निराकरणीय प्राक्कल्पना को गलत रहने पर भी उसे स्वीकार करता है। इस तरह की त्रुटि को टाइप - II त्रुटि या बीटा त्रुटि कहा जाता है।

21. निम्नलिखित में से कौन सा गलत है?
प्राक्कल्पना का निरूपण ------- का उपयोग कर किया जा सकता है।

(A) स्थापित सिद्धांतों (B) पूर्व-अनुसंधान के निष्कर्षों
(C) अनुसंधानकर्त्ता के अनुभव (D) उसी अध्ययन के निष्कर्षों

उत्तर- (D)/ व्याख्या प्राक्कल्पना का निरूपण न तो अनायास होता है और न शून्य में। प्राक्कल्पना निर्माण करते समय शोधकर्ता को उसे बनाने के पीछे निहित तर्काधार (Rationale) भी देना होता है।
परिकल्पना निर्माण के कुछ प्रमुख स्रोत निम्न है -
(1) संबंधित साहित्य का अध्ययन करके।
(2) अनुसंधानकर्ता के पूर्व अनुभव।
(3) स्थापित सिद्धान्तों।
(4) सूक्ष (Insight)
(5) सांस्कृतिक विरासत
(6) परिसंवाद द्वारा
(7) पूर्व अनुसंधान के निष्कर्षों के आधार
जबकि प्राक्कल्पना का निरूपण उसी अध्ययन के निष्कर्षों का उपयोग कर नहीं किया जा सकता।

22. एक अनुसंधानकर्ता ने एकसमान अभिकल्प को अपनाते हुए 300 विषयों के साथ एक प्रयोग करने के बजाय प्रत्येक 100 विषयों के साथ तीन प्रयोग किए हैं। इसे निम्नलिखित में से किसके रूप में जाना जाता है?

(A) पुनरावृत्ति (B)कार्य-साधन (C)पर्यवेक्षण (C)विधिमान्यकरण

उत्तर-(A)/ व्याख्या जब किसी शोध में एक ही प्रतिदर्श पर पहले से ही प्राप्त परिणाम का सत्यापन किया जाता है तो इसे पुनरावृत्ति कहते हैं। शिक्षाशास्त्र तथा मनोविज्ञान में इस प्रकार के शोध प्राय: किए जाते हैं।

23. निम्नलिखित में से कौन सी सहज जाँच की विशेषता नहीं है?

(A) आँकड़ों का त्रिभुजन (B) क्षेत्र में लंबे समय तक रहना
(C) (A) और दोनों (B) (D) अभिवृत्ति मापनी

उत्तर-(D)/ व्याख्या अभिवृत्ति मापनी सहज जाँच की विशेषता नहीं है बल्कि यह एक प्रकार का परिक्षण है।

24. ऐतिहासिक आँकड़ों की आंतरिक आलोचना से तात्पर्य है

(A) आँकड़ों के स्रोत्र की प्रामाणिकता स्थापित करना।
(B) आँकड़ों की विषयवस्तु की विधिमान्यता स्थापित करना
(C) (A) और दोनों (B)
(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (A)/ व्याख्या ऐतिहासिक शोध के दौरान प्राथमिक एवं द्वितीय स्रोतों से आधार सामग्री तथा प्रदत्तों के संकलन के उपरान्त उसकी समालोचना की जाती है।
प्राथमिक एवं द्वितीय स्रोतों से प्राप्त आधार-सामग्री की समालोचना की प्रक्रिया को दो प्रकारों वाह्य समालोचना तथा आंतरिक समालोचना में बाँटा जा सकता है।
बाह्य समालोचना (External critisisism) - वाह्य समालोचना का उद्देश्य संकलित आधार-सामग्री की मौलिकता या प्रमाणिकता को सुनिश्चित करना होता है।
आंतरिक समालोचन (Internal criticism) - ऐतिहासिक प्रदत्तों की वाह्य समालोचना के द्वारा आधार-सामग्री की प्रमाणिकता स्थापित हो जाने के बाद उसकी आन्तरिक समालोचना की जाती हैं आंतरिक समालोचना से तात्पर्य उसमें वर्णित पाठ्यवस्तु की विश्वसनीयता, सत्यता व प्रमाणिकता की जांच करने से होता है। अर्थात आंकड़ों की विषय वस्तु की विधिमान्यता स्थापित करना आंतरिक आलोचना कहलाती है।

25. प्राथमिक विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन योजना का प्रारम्भ किया गया

(A) नामांकन में वृद्धि के लिए
(B) समुदाय की सहभागिता के लिए
(C) शिक्षकों को व्यस्त रखने के लिए
(D) रोजगार में वृद्धि के लिए

उत्तर- (A)/ व्याख्या प्राथमिक विद्यालय में मध्यान्ह भोजन योजना भारत सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा 15 अगस्त 1995 से लागू है। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके नामांकन एवं नियमित उपस्थिति को प्रोत्साहित करना है।

26. यू.एस. के शिक्षा विभाग का विभागीय अंग है

(A) विद्यालयी समाचार
(B) विद्यालयी जीवन
(C) शिक्षक
(D) विद्यालय और समाज

उत्तर-(B)/ व्याख्या अमेरिका में विद्यालयी जीवन शिक्षा विभाग का विभागी अंग माना जाता है। यहाँ (USA) पर शिक्षा की जिम्मेदारी स्थानीय सरकार करती है। अत: यहाँ कि शिक्षा में व्यावसायिकता के साथ-साथ स्थानीय आवश्यकताओं से प्रभावित होती है।

27. संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) में व्यावसायीकरण में संलग्न मुख्य अभिकरण है

(A) प्राइवेट इंटरप्राइज सिस्टम (निजी उद्यम संस्थान)
(B) अमेरिका का श्रम विभाग
(C) औपचारिक शिक्षा व्यवस्था
(D) उपर्युक्त सभी

उत्तर-(D)/ व्याख्या संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) की शिक्षा की प्रमुख विशेषता इसका व्यवसायपरक होना है। यहाँ पर व्यावसायिक शिक्षा, शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर दी जाती है तथा निम्न स्तर का मध्य स्तर से, तथा मध्य स्तर की शिक्षा का उच्च स्तर की व्यावसायिक शिक्षा से घनिष्ठतम रूप से सम्बन्धित होती है। USA में व्यवसायीकरण में संलग्न प्रमुख संस्थाएँ निम्न हैं—

I. प्राइवेट इण्टरप्राइज सिस्टम (प्राइवेट उद्यम संस्थान)
II. अमेरिका का श्रम विभाग।
III. औपचारिक शिक्षा व्यवस्था।

28. मूल पाठ्यचर्या किस पर बल नहीं देती?

(A) प्रजातांत्रिक प्रक्रियाओं (B) समस्या-समाधान
(C) विषय-वस्तु का सुपरिभाषित पिण्ड
(D) विभिन्न विषय-वस्तु का एकीकरण

उत्तर-(B)/ व्याख्या पाठ्यचर्या उद्देश्यों के प्राप्ति का एक साधन होती है। मूल पाठ्यचर्या बालक को उसके उद्देश्यों को प्राप्त कर उसकी समस्या समाधान पर बल देती है। इसके अलावा बालक में कुछ गौड़ उद्देश्य भी होते हैं जिसके लिए विद्यालयों में पाठ्य सहगामी क्रियाओं का आयोजन किया जाता है।

29. मूल पाठ्यचर्या में क्या होता है?

(A) ऐसी विषय-वस्तु जिसे बच्चे विद्यालय में अनिवार्यतः सीखें
(B) विद्यालय अधिकारियों द्वारा नियत विषय
(C) विद्यालय के कार्यक्रम में सकल अनुभव
(D) अध्यापकों द्वारा तैयार की गई इकाइयाँ एवं पाठयोजना

उत्तर-(C)/ व्याख्या मूल पाठ्यचर्या में विद्यालय के अन्तर्गत सभी कार्यक्रम तथा सकल अनुभव सम्मिलित किए जाते हैं। कक्षा-शिक्षण या पाठ्य सहगामी क्रियाएँ जिनका आयोजन—कक्षा में या कक्षा से बाहर किया जाता है आदि सभी की रचना का आधार मूल पाठ्यचर्या ही है।

30. क्रियात्मक पाठ्यचर्या के अभिकल्प में रुचि रखने वाले पाठ्यचर्या निर्माता को किसकी समझ की आवश्यकता होती है?

(A) शिक्षा दर्शन (B) मनोवैज्ञानिक सिद्धांत
(C) शिक्षकीय प्रक्रियाएँ (D) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (D)/ व्याख्या क्रियात्मक पाठ्यचर्या के अभिकल्प में रूचि रखने वाले पाठ्यचर्या निर्माता को शिक्षा दर्शन, मनोवैज्ञानिक सिद्धान्त तथा शैक्षिक प्रक्रियाएं साथ ही तकनीकी समझ की आवश्यकता होती है।

31. प्रशासन के क्षेत्र में नौकरशाहीपरक (ब्यूरोक्रेटिक) उपागम का आरंभ किसने किया?

(A) एफ.डब्ल्यू. टेलर (B) एम. वेबर
(C) मेरी पार्कर (D) एल्टन मेयो

उत्तर- (B)/ व्याख्या प्रशासन के क्षेत्र में नौकरशाही परक उपागम का आरंभ जर्मन समाजशास्त्री मैक्स बेबर (1864-1920) के द्वारा किया गया। इन्होंने संस्थाओं की संरचना को महत्व दिया। इन्होंने नौकरशाही को प्रशासनिक संस्था का एक रूप माना। इन्होंने संस्था की एक पिरामिड के रूप में कल्पना की जिसमें सत्ता उच्चतम पद में रहती है। तथा ऊपर से नीचे की ओर सीधी जाती है।

32. शैक्षिक नियोजन का संबंध किससे है?

(A) शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सर्वोत्तम कार्य-पद्धतिका चयन करना।
(B) अध्यापकों की भरती करना।
(C) नियत मानकों के आधार पर कार्य निष्पादन की जाँच करना।
(D) अधीनस्थ कर्मियों को अभिप्रेरित करना।

उत्तर- (A)/ व्याख्या शैक्षिक नियोजन का संबंध शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सर्वोत्तम कार्य पद्धति का चयन करना है। शैक्षिक नियोजन की निम्न विशेषताएं हैं -
(1) नियोजन चिन्तन की प्रक्रिया है।
(2) यह भावी जीवन हेतु उपलब्ध साधनों के माध्यम से उत्तम विकल्पों का चुनाव है।
(3) नियोजन उद्देश्य प्रगति के विभिन्न विकल्पों में उत्तम विकल्पों का चुनाव है।

33. विद्यालय पर्यवेक्षक का दायित्व है

(A) विद्यालय के विकास में सहायक होना।
(B) कक्षा-अध्यापन का प्रेक्षण करना और यदि आवश्यक हो तो सुधार हेतु सुझाव देना।
(C) अध्यापन-अधिगम सामग्री विकसित करना।
(D) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (D)/ व्याख्या विद्यालय पर्यवेक्षक का क्षेत्र बहुत व्यापक है। इनके मुख्य कार्य क्षेत्र निम्न हैं -
(1) विद्यालय के सामान्य प्रशासन में सहायक होना।
(2) शिक्षण कार्य को श्रेष्ठतम बनाने में सहायक।
(3) अध्यापन अधिगम सामग्री विकसित करना।
(4) विद्यालय के शैक्षिक विकास में सहायक होना।
(5) शैक्षिक अनुसंधान में सहायक होना।

34. मानव-संबंध उपागम के अंतर्गत निम्नलिखित में से किस वक्तव्य का पक्षपोषण किया गया है?

(A) यदि पर्यवेक्षक सख्त हो तो मनुष्य अधिक काम करता है।
(B) मनुष्य उत्तम अन्तरवैयक्तिक संबंधों को महत्त्व देता है।
(C) मनुष्य के लिए रुपया-पैसा एकमात्र अभिप्रेरक है।
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (B)/ व्याख्या मानव संबंध उपागम के अन्तर्गत इस बात का पक्षपोषण किया गया है कि मनुष्य उत्तम अन्तरवैयक्तिक संबंधों को महत्व देता है।

35. निम्नलिखित में से कौन, शैक्षिक वित्त का स्रोत नहीं है?

(A) सार्वजनिक कोष (B) स्थानीय निकायों का कोष
(C) शिक्षा कर (C) सहायता कोष

उत्तर- (D)/ व्याख्या सार्वजनिक कोष, स्थानीय निकायों का कोष, शिक्षा कर शैक्षिक वित्त का स्रोत है जबकि सहायता कोष शैक्षिक वित्त का स्रोत नहीं है।

36. निम्नलिखित में से कौन पर्यवेक्षण की प्रविधि नहीं है?

(A) विद्यालय का दौरा (B) औचक दौरा
(C) वार्षिक दौरा (D) एक्सकर्सन विजिट

उत्तर- (D)/ व्याख्या विद्यालय दौरा, औचक दौरा, तथा वार्षिक दौरा पर्यवेक्षण की प्रविधियाँ है जबकि एक्सकर्सन विजिट पर्यवेक्षण की प्रविधि नहीं है।

37. वैज्ञानिक प्रबंधन का जनक है

(A) एफ. डब्ल्यू. टेलर (B) हेनरी फेयोल
(C) सेंट एटिने (D) डब्ल्यू. विल्सन

उत्तर- (A)/ व्याख्या शैक्षिक प्रशासन का वैज्ञानिक प्रबन्धन का जनक फ्रेडरिक डब्लू टेलर हैं। एफ० डब्लू० टेलर ने जो मिडवेल और बेंथलेहम स्टील कम्पनियों में इंजीनियर थे 1880 के बाद एवं 1900 के प्रारम्भ में प्रबंध का एक सैद्धान्तिक दृष्टिकोण विकसित किया जो वैज्ञानिक प्रबंध के नाम से प्रचलित हुआ। यह दृष्टिकोण 6 महत्वपूर्ण नियमों पर आधारित था जिसके विषय मे कहा गया कि यदि प्रबन्ध में लागू किया जाए तो संस्था के लक्ष्यों की प्राप्ति उपलब्ध मानव एवं राष्ट्रीय संसाधनों के प्रयोग को अधिक से अधिक प्रभावशाली बनाया जा सकता है।
हेनरी फेयोल प्रशासनिक प्रक्रिया के जन्मदाता माने जाते हैं।

38. नियोजन की परिभाषा इस रूप में किसने दी है कि 'इसका पूर्व-निर्णय लेना कि क्या करना है, कैसे करना है, इसे किसे करना है और कब करना है'?

(A) मैक्स वेबर (B) एल्टन मेयो
(C) कुंट्ज (D) एफ. टेलर

उत्तर-(C)/ व्याख्या "इसका पूर्व-निर्णय लेना कि क्या करना है, कैसे करना है, इसे किसे करना है और कब करना है?" नियोजन की उपर्युक्त परिभाषा कुंटज महोदय ने दी है।

39. प्रभावशील परिणाम पाने के लिए पर्यवेक्षक को निम्नलिखित में से किस उपागम का अनुसरण करना चाहिए?

(A) दल उपागम
(B) आधुनिक उपागम
(C) पारम्परिक उपागम
(D) प्रशासनिक उपागम

उत्तर- (A)/ व्याख्या प्रभावशाली परिणाम पाने के लिए पर्यवेक्षक को दल उपागम (Team Approach) का अनुसरण करना चाहिए।

40. अध्यापक प्रायः पढ़ाने के दौरान और/या उसके तत्काल बाद विद्यार्थियों से प्रश्न पूछता है, ताकि उनके अधिगम का मूल्यांकन किया जा सके और उसके अनुसार अगला पाठ पढ़ाया जा सके। यह निम्नलिखित में से किसका उदाहरण है?

(A) संकलनात्मक मूल्यांकन
(B) निर्माणात्मक मूल्यांकन
(C) समवर्ती मूल्यांकन
(D) नैदानिक मूल्यांकन

उत्तर- (B)/ व्याख्या **संरचनात्मक/निर्माणात्मक मूल्यांकन (Formative evaluation)** - पाठ की किसी इकाई का शिक्षण समाप्त करने के बाद शिक्षक, छात्रों के समक्ष कुछ ऐसे प्रश्नों को प्रस्तुत करता है, जिससे उसे यह जानकारी हो सकें कि छात्रों ने उस इकाई (विषय) को कितना सीखा हैं। इससे शिक्षक को यह भी जानकारी हो जाती है कि उसकी शिक्षण कितनी प्रभावशाली है। अत: शिक्षक प्रतिपुष्टि प्राप्त करके अपनी पूर्ववर्ती शिक्षण विधि में अपेक्षित सुधार करता है। अत: शिक्षक जब कक्षा में शिक्षण कार्य करते समय प्रश्नों द्वारा छात्रों की उपलब्धि का मूल्यांकन करता है, तो इसे संरचनात्मक मूल्यांकन कहते हैं।

संकलनात्मक मूल्यांकन (Summative evaluation)- संकलनात्मक मूल्याकन का अर्थ किसी पूर्व विकसित शैक्षिक कार्यक्रम, पाठ्यक्रम, शिक्षण विधि की उपयुक्तता की जांच करना है। इसमें सुधार या संशोधन करना सम्भव नहीं है।

निदानात्मक मूल्यांकन (Diagnostic evaluation) - उपलब्धि परीक्षा के बाद, कमजोर छात्रों की अध्ययन में क्या-क्या कठिनाइयाँ हैं, वे कहां गलती करते हैं, किस प्रकार की गलती करते हैं तथा क्यों करते हैं आदि। इस प्रकार यही पता लगाना निदान कहलाता हैं। अत: किसी विषय में छात्रों की कठिनाइयों एवं कमजोरियों का पता लगाने के लिए जो मूल्यांकन किया जाता है, निदानात्मक मूल्यांकन कहलाता है।

41. अध्यापक शिक्षा संस्थाओं में प्रवेश के लिए उम्मीदवारो के चयन हेतु आयोजित किया जाने वाला अध्यापक पात्रता परीक्षण निम्नलिखित में से किसका उदाहरण है?

(A) नियोजन परीक्षण
(B) अभिक्षमता परीक्षण
(C) अभिवृत्ति परीक्षण
(D) उपलब्धि परीक्षण

उत्तर- (B)/ व्याख्या अध्यापक शिक्षा संस्थाओं में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों के चयन हेतु आयोजित किया जाने वाला अध्यापक पात्रता परीक्षण अभिक्षमता परीक्षण (Aptitude test) कहलाता है। क्योंकि अभिक्षमता परीक्षण द्वारा किसी विशिष्ट क्षेत्र में व्यक्ति की अन्तर्निहित क्षमता को मापा जाता है। अभिक्षमता एक प्रकार की अन्त: शक्ति (Potential) होती हैं यह अर्जित एवं जन्मजात दोनो हो सकती है।

- उपलब्धि परीक्षण द्वारा यह मापा जाता है कि शिक्षण या प्रशिक्षण दिये जाने के बाद व्यक्ति ने कितनी निपुणता अमुक क्षेत्र में हासिल की है।
- अभिवृत्ति परीक्षण (Attitude test) द्वारा व्यक्ति का किसी वस्तु, या व्यक्ति या परिस्थिति के प्रति एक विशिष्ट प्रकार के दृष्टिकोण को मापा जाता है, जो उस वस्तु व्यक्ति या परिस्थिति के प्रति व्यक्ति के अनुभव आधारित विचारों को इंगित करता है।

42. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षाओं को निम्नलिखित में से किसके रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है?

(A) मापदंड संदर्भित परीक्षण (B) निकष संदर्भित परीक्षण
(C) (A) और (B) दोनों (D) (A) और (B) में से कोई नहीं

उत्तर- (A)/ व्याख्या केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षाओं को मापदंड संदर्भित परीक्षण (Norm Referenced Test) के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है क्योंकि मापदंड संदर्भित परीक्षण द्वारा किसी छात्र की अन्य छात्रों के सापेक्षिक स्थिति ज्ञात की जाती है जबकि निकष संदर्भित मापन (Criterion referenced test) द्वारा छात्र द्वारा अर्जित ज्ञान की निरपेक्ष स्थिति का वर्णन किया जाता है। मानक संदार्भित परीक्षण द्वारा उत्तीर्ण एवं अनुत्तीर्ण जैसे निर्णय लिए जाते हैं।

43. निम्नलिखित में से कौन सा तरीका किसी प्रघटना विशेष में किसी की रुचि का मूल्यांकन करने के लिए अत्यधिक समुचित है?

(A) प्रश्नावली (B) मापनी
(C) परीक्षण (D) सूची

उत्तर- (D)/ व्याख्या रूचियों को मापने की विधियों के आधार पर रूचियों को 4 भागों में बांटा गया है। सुपर के अनुसार रूचियों के ये चार प्रकार - (1) अभिव्यक्ति रूचियाँ (2) प्रदर्शित रूचियाँ (3) आंकलित रूचियाँ तथा (4) सूचित रूचियाँ। इनमें से प्रथम 3 प्रकार की रूचियों की जानकारी अवलोकन, साक्षात्कार, प्रश्नावली परीक्षण मापनी से प्राप्त परिणामों की व्याख्या करके जाना जा सकता है जबकि चतुर्थ प्रकार की रूचियों का मापन विशेष रूप से तैयार किए गए प्रमापीकृत रूचि सूचियों (Standarized Interest Inventories) के द्वारा किया जाता है जैसे - एडवर्ड के स्ट्रोंग की स्ट्रोंग व्यावसायिक रूचि प्रपत्र, क्रूडर का क्रूडर प्राथमिकता रिकार्डस अत: रूचि सूची किसी प्रघटना विशेष में किसी की रूचि का मूल्यांकन करने के लिए अत्यधिक समुचित है।

44. निम्नलिखित में से कौन सा मद-विश्लेषण से संबंधित नहीं है?

(A) मद दुर्बोधता सूचकांक (B) मद विभेदन सूचकांक

(C) विश्वसनीयता गुणांक

(D) अध्यापन प्रयासों के लिए मद की संवेदनशीलता

उत्तर- (C)/ व्याख्या मद विश्लेषण या एकांश विश्लेषण (Item Analysis) एक ऐसी प्रविधि है जिससे एकांशों की वैधता तथा उसकी प्रभावशीलता का अध्ययन किया जाता है। एकांश विश्लेषण के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं -

(1) एकांशों की कठिनता स्तर (Item difficulty) का पता लगाना।

(2) एकांशों की विभेदन शक्ति (Discrimination power) का पता लगाना।

(3) बहुविकल्पी एकांशों की आसधकों (Distractors) की प्रभावशीलता का पता लगाना।

(4) अध्यापन प्रयासों के लिए एकांश की संवेदनशीलता का पता लगाना।

विश्वसनीयता गुंणाक द्वारा परीक्षण की विश्वसनीयता ज्ञात की जाती है। यह परीक्षण प्राप्तांक का एक विशेष गुण है। विश्वसनीयता परीक्षण प्राप्तांकों के बीच संगति की मात्रा को कहा जाता है।

45. कुमारी रीमा ने 5 बिंदु मापन में निम्नलिखित विषयों में इस प्रकार ग्रेड प्राप्त किए : अंग्रेजी में ए; विज्ञान में डी और सामाजिक विज्ञान में ए उसके ग्रेड बिंदु का औसत (जी पी ए) होगा?

(1) 5 (2) 3 (3) 4 (4) 3.5

उत्तर- (C)/ व्याख्या

A = 5 अंक

B = 4 अंक

D = 2 अंक

A = 5 अंक

उसके ग्रेड बिन्दु का औसत $= \frac{5+4+2+5}{4}$

$= \frac{16}{4} = 4$

46. निम्नलिखित में से कौन सा गुणात्मक आँकड़ा विश्लेषण से संबंधित नहीं है?

(1) अक्षाकार संकेतीकरण

(2) अधि विश्लेषण (Meta Analysis)

(3) पूर्णतया सघन विवरण

(4) ज्ञापन लेखन

उत्तर- (B)/ व्याख्या अक्षाकार संकेतीकरण (Axial coding) पूर्णतया सघन विवरण (Rich thick description) तथा ज्ञापन लेखन (Writing Memos) गुणात्मक आंकड़ा विश्लेषण से संबंधित है। जबकि अधि विश्लेषण (Meta Analysis) मात्रात्मक आंकड़ों विश्लेषण से संबंधित है।

47. ''बुद्धिलब्धि (आई क्यू) के परिकलन का सूत्र है

(1) $\frac{\text{सी ए}}{\text{एम ए}} \times 100$ (2) $\frac{\text{एम ए}}{\text{सी ए}} \times 100$

(3) $\frac{\text{सी ए}}{100} \times \text{एम ए}$ (4) $\frac{100}{\text{एम ए}} \times \text{सी ए}$

उत्तर- (B)/ व्याख्या बुद्धि लब्धि (IQ) मानसिक आयु (MA) तथा शैक्षिक आयु (Chronological Age) का एक ऐसा अनुपात है जिसमें 100 से गुणा कर प्राप्त किया जाता है। इसलिए इसे अनुपात बुद्धि लब्धि भी कहा जाता है।

$$\text{बुद्धि लब्धि} = \frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{शैक्षिक आयु}} \times 100$$

$$IQ = \frac{MA}{CA} \times 100$$

48. मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के लिए मापदंड उनकी निम्नलिखित अवस्था में विकसित किए जाते हैं:

(a) अनुवाद के समय (b) निर्माण के समय

(c) मानकीकरण के समय (d) संचालन के समय

उत्तर- (C)/ व्याख्या मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के लिए मापदंड उनके मानकीकरण के समय विकसित किये जाते है।

49. ''शैक्षिक प्रौद्योगिकी, शिक्षा और प्रशिक्षण की आवश्यकताओं के लिए आधुनिक कौशल और प्रविधि का अनुप्रयोग है।'' यह कथन निम्नलिखित में से किसका है?

(1) अनविन (2) टी. साकामातो

(3) लेथ (4) सेटर

उत्तर-(A)/ व्याख्या ''शैक्षिक प्रौद्योगिकी शिक्षा और प्रशिक्षण की आवश्यकताओं के लिए आधुनिक कौशल व प्रविधि का उपयोग है।'' शैक्षिक तकनीकी की उपर्युक्त परिभाषा अनविन महोदय ने दी है।

50. शिक्षण और प्रशिक्षण की समझ और कौशलों के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण संकल्पना है

(1) योजना (2) निदर्शन

(3) मूल्यांकन (4) कार्य विश्लेषण

उत्तर- (D)/ व्याख्या शिक्षण और प्रशिक्षण की समझ और कौशलों के विकास के लिए कार्य विश्लेषण (Task Analysis) एक महत्वपूर्ण संकल्पना है।

51. अन्योन्यक्रियात्मक वीडियो का निम्नलिखित में से क्या सही नहीं है?

(1) वीडियो चित्रों का प्रस्तुतिकरण

(2) सी ए आई सामग्री का प्रस्तुतिकरण

(3) तैयार किए गए कार्यक्रम के अनुदेश के सिद्धांतों का उपयोग

(4) अधिगम, शिक्षण की तुलना में सार्थक हो जाता है।

उत्तर-(D)/ व्याख्या अन्योन्यक्रियात्मक वीडियो के अन्तर्गत पाठ्य सामग्री को वीडियो चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है। इसका सम्बन्ध CAI सामाग्री से है। इसके सम्बन्ध में शिक्षण अधिगम की तुलना में सार्थक हो जाता है यह सत्य नहीं है।

52. किसी पोस्टर का शाब्दिक घटक क्या है?

(1) दृश्य (2) शीर्षक
(3) चित्ररूप (4) उपर्युक्त सभी

उत्तर-(B)/ व्याख्या कक्षा-सम्प्रेषण के अनेक माध्यम हैं। इसमें पोस्टर के माध्यम से विषय-वस्तु का प्रस्तुतिकरण करना भी एक प्रमुख संचार माध्यम है। इसका शाब्दिक घटक पोस्टर का शीर्षक होता है क्योंकि पोस्टर का शीर्षक शब्दों में लिखा होता है बाकी सन्देश चित्र के माध्यम से छिपा दिया जाता है।

53. बाह्य प्रोग्रामन अनुदेशों को निम्नलिखित रूप में भी जाना जाता है:

(a) रेखीय प्रोग्रामन अनुदेश
(b) आंतरिक प्रोग्रामन अनुदेश
(c) अन्योन्यक्रियात्मक प्रोग्रामन अनुदेश
(d) क्राउडेरियन प्रोग्रामन अनुदेश

उत्तर- (a) /व्याख्या वाह्य प्रोग्रामन अनुदेशों को रेखीय प्रोग्रामन अनुदेश के रूप में भी जाना जाता है। इसके प्रतिपादक वी० एफ० स्किनर है। स्कीनर महोदय का कहना है कि इसमें सीखना यांत्रिक न होकर प्रेरणादायक तथा चिन्तन मुक्त होता है। इसे निश्चित क्रियाशीलता, सरल रेखा अभिक्रम भी कहा जाता है।

शाखीय अभिक्रम (Branching Programme) जिसके प्रवर्तक अमेरिका के नारमन क्राउडर हैं, को अरेखीय तथा आंतरिक प्रोग्रामन अनुदेश कहते हैं।

54. निम्नलिखित में से कौन सा आधारिक अध्यापन मॉडल का घटक नहीं है?

(a) शिक्षण का उद्देश्य
(b) शिक्षण की प्रक्रिया
(c) शिक्षण का मूल्यांकन
(d) कार्यनिष्पादन मूल्यनिरूपण

उत्तर- (C)/ व्याख्या आधारित अध्यापन माण्डल का विकास राबर्ट ग्लेसर ने सन 1962 में किया। इस प्रतिमान के अन्तर्गत शिक्षण अधिगम की उपलब्धि पर केन्द्रित होती है इस शिक्षण प्रतिमान के अनुसार शिक्षण प्रक्रिया को 4 भागों में विभाजित किया गया है। वे हैं -

(1) अनुदेशात्म्क उद्देश्य (Instructional Objectives)
(2) प्रारम्भिक व्यवहार (Entiring behavior)
(3) अनुदेशात्मक प्रक्रिया (Instructional proceder)
(4) निष्पादन मूल्यांकन (Performance Evaluation Assessment)

अत: शिक्षण का मूल्यांकन आधारित अध्यापन मॉडल का घटक नहीं है।

55. कॉलम - A को कॉलम - B के साथ सुमेलित कीजिए:

कॉलम - A	कॉलम - B
(a) श्रव्य-दृश्य साधन	(i) साफ्टवेयर
(b) व्यवहार प्रौद्योगिकी	(ii) हार्डवेयर
(c) तैयार किए गए कार्यक्रम के अनुदेश	(iii)प्रबंधन प्रौद्योगिकी
(d) प्रशिक्षण मनोविज्ञान	(iv) प्रणाली विश्लेषण
	(v) इन्टरनेट

कूट :
(1) (a) और (i)
(2) (a) और (ii)
(3) (c) और (iv)
(4) (d) और (i)

उत्तर-(B)/ व्याख्या श्रव्य साधन = हार्डवेयर

56. दूरवर्ती शिक्षार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में निम्नलिखित में से कौन सा तत्त्व योगदान देता है?

(a) विद्यार्थी को दिए गए कार्य का उत्तर
(b) पाठ्यक्रम की सामग्री
(c) व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर-(D)/ व्याख्या दूरवर्ती शिक्षा एक ऐसी शिक्षा प्रणाली है जिसमें छात्र व अध्यापक के बीच भौतिक दूरी होती है। इस लिए संचार के साधनों द्वारा अध्यापक और छात्र के बीच अन्त: क्रिया होती है। इसमें योगदान देने वाले तत्व निम्नवत् हैं—

I. विद्यार्थी को दिए गए कार्य का उत्तर
II. पाठ्यक्रम की सामाग्री
III. व्यक्तिगत सम्पर्क कार्यक्रम

57. सूक्ष्म-अध्यापन के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

(a) यह अध्यापन की विधि है।
(b) इसमें मूल अध्यापन कौशल है।
(c) प्रत्येक कौशल का अलग-अलग अभ्यास किया जाता है।
(d) प्रश्न-पूछना सूक्ष्म-अध्यापन का एक घटक है।

उत्तर- (A)/ व्याख्या सूक्ष्म अध्यापन प्रशिक्षण के क्षेत्र में एक नियंत्रित अभ्यास की प्रक्रिया है। यह शिक्षक प्रशिक्षण की एक प्रयोगशालीय एवं विश्लेषण विधि है न कि अध्यापन की एक विधि है। इसमें प्रत्येक शिक्षण कौशल का अलग-अलग अभ्यास किया जाता है।

प्रो० बी० के०. पासी के अनुसार - ''सूक्ष्म शिक्षण एक प्रशिक्षण विधि है जिसमें छात्राध्यापक किसी एक शिक्षण कौशल का प्रयोग करते हुए थोड़ी अवधि के लिए, छोटे छात्र समूह को कोई एक सम्प्रत्यय पढ़ाता है।''

सूक्ष्म शिक्षण के प्रमुख घटक है- प्रस्तावना कौशल व्याख्यान कौशल, उद्दीपन परिवर्तन कौशल प्रश्न पूछना कौशल श्यामपट्ट लेखन कौशल।

58. विशेषज्ञ अध्यापक के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण चुनौती है

(a) निःशुल्क बच्चों की पहचान और मूल्यांकन
(b) अनुकल्प पाठ्यक्रियात्मक क्रियाकलाप का अध्यापन
(c) जनता, माता-पिता और समकक्ष समूह का संवेदीकरण
(d) विशेषज्ञ कक्ष सेवा और सहायक साधनों को स्थापित करना।

उत्तर- (B)/ व्याख्या विशेषज्ञ अध्यापक के लिए अनुकल्प पाठ्यक्रियात्मक क्रियाकलाप (Teaching plans currmoatuar Achtiniutes) का अध्ययन सबसे महत्वपूर्ण

59. भारतीय पुनर्वास परिषद् के अनुसार एकीकृत शिक्षा कार्यक्रम में दृष्टि-बाधित बच्चों के अध्यापन में अध्यापक-विद्यार्थी अनुपात है।

(a) 1 : 10 (b) 1 : 8
(c) 1 : 6 (d) 1 : 1

उत्तर-(B)/ व्याख्या भारतीय पुनर्वास परिषद (RCI) के अनुसार स्वीकृत शिक्षा कार्यक्रम में दृष्टिबाधित बच्चों के अध्यापन में अध्यापक विद्यार्थी का अनुपात 1 : 8 है।

60. सूची - I में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अधिनियम और घोषणाएँ दी गई हैं और सूची - II में उन घोषणाओं और अधिनियमों के वर्ष दिए गए हैं। सूची - I को सूची - II से सुमेलित कीजिए:

सेट - I	सेट - II
(a) अंतर्राष्ट्रीय निःशक्त जन वर्ष (आई. वाई. डी. पी.)	(i) 1990
(b) सबके लिए शिक्षा संबंधी विश्व सम्मेलन (इ एफ ए)	(ii) 1992
(c) निःशक्तता वाले विद्यार्थी (पी. डब्ल्यू. डी) अधिनियम	(iii) 1995
(d) भारतीय पुनर्वास परिषद (आर.सी.आई.) अधिनियम	(iv) 1981
	(v) 1986

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(i)	(iii)	(v)
(2)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(3)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(4)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)

उत्तर- (C)/ व्याख्या सुमेलित है -

	सूची - I (राष्ट्रीय/अंतराष्ट्रीय अधिनियम)	सूची - II (वर्ष)
(a)	अंतराष्ट्रीय नि:शक्त जन वर्ष (I.Y.D.P)	(iv) 1981
(b)	सबके लिए शिक्षा संबंधी विश्व सम्मेलन (EFA)	(i) 1990
(c)	नि:शक्तता वाले विद्यार्थी (PWD) अधिनियम	(iii) 1995
(d)	भारतीय पुनर्वास परिषद (RCI) अधिनियम	(ii) 1992

61. तीन ऐसे निवारक क्रियाकलाप हैं जिन्होंने मंदितमना बच्चों की ओर जनता का ध्यान आकर्षित किया है। निम्नलिखित में से कौन गलत है?

(A) मानसिक रूप से मंदित बालकों के राष्ट्रीय संस्थान के माध्यम से आवश्यक विज्ञापन देना।
(B) समाचार-पत्र, रेडियो, टेलीविजन आदि जैसे सार्वजनिक मीडिया के माध्यम से मंदितमना बालकों की पारिस्थितिकी संबंधी जानकारी का प्रसार।
(C) निधि और परिवार को शृंखलाबद्ध करने के लिए अपने प्रयास करने हेतु माता-पिता और हितबद्ध जनता को एक स्थान पर लाना।
(D) प्रयासों का समन्वय करने और प्रसार करने के लिए राष्ट्रीय स्तर के संगठनों का सुदृढ़ करना।

उत्तर-(A)/ व्याख्या मानसिक रूप से मंदित बालकों के राष्ट्रीय संस्थान के माध्यम से आवश्यक विज्ञापन देना जिससे कि मंदितमना बच्चों की ओर जनता का ध्यान आकर्षित हो, यह एक गलत तरीका है।

62. सामान्य बच्चों के साथ पढ़ने वाले निःशक्त बच्चों का ऐसा न्यूनतम प्रतिबंधित पर्यावरण संबंधी कार्यक्रम, जिसे विशेषज्ञ अध्यापक द्वारा सहयोग दिया जाता है, होता है

(1) विशेष विद्यालय कार्यक्रम
(2) एकीकृत शिक्षा कार्यक्रम
(3) समावेशी शिक्षा कार्यक्रम
(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर-(B)/ व्याख्या सामान्य बच्चों के साथ पढ़ने वाले नि:शक्त बालकों को विशेषज्ञ अध्यापक के सहयोग से एकीकृत शिक्षा कार्यक्रम द्वारा सहयोग दिया जाता है। एकीकृत शिक्षा कार्यक्रम एक ऐसा कार्यक्रम है जिसमें एक विशेष अध्यापक सामान्य व नि:शक्त बच्चों को एक साथ शैक्षिक कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर उपलब्ध कराता है।

63. विधिक अंधता को निम्नलिखित के रूप में परिभाषित किया गया है:

(a) सर्वोत्तम सुधार के बाद बेहतर आँख में 20/180 दृष्टि तीव्रता
(b) सर्वोत्तम सुधार के बाद बेहतर आँख में 20/70 दृष्टि तीव्रता
(c) सर्वोत्तम सुधार के बाद बेहतर आँख में 20/200 दृष्टि तीव्रता
(d) सर्वोत्तम सुधार के बाद बेहतर आँख में 20/100 दृष्टि तीव्रता

उत्तर- (C)/ व्याख्या दृष्टि दोष (Visual defects) या दृष्टि क्षति (Visual Impairment) का कानूनी अर्थ के अनुसार दृष्टि दोष को दृष्टि तीक्ष्णता (Visual amity) के मापन के आधार पर परिभाषित किया गया है। दृष्टि तीक्ष्णता से तात्पर्य दी गई विशेष दूरी पर वस्तुओं के आकार व अन्य पहलुओं को स्पष्ट रूप से देखने व विभेदित करने की क्षमता से है। यदि किसी छात्र की दृष्टि तीक्ष्णता 20/200 या उससे भी कम (चश्मा देने के बाद)है तो इसे कानूनी तौर पर अंधे (Legally blind) समझा जाता है। कानूनी अंधापन का अर्थ पूर्ण अंधापन (total blindness) नहीं होता है।

64. **श्रवण-बाधिता के लिए सर्वोच्च निकाय है**
(1) लिटिल फ्लावर कान्वेंट का अध्यापक प्रशिक्षण केंद्र
(2) भारतीय पुनर्वास परिषद्
(3) अखिल भारतीय वाक् और श्रवण संस्थान
(4) अली यावर जंग राष्ट्रीय श्रवण-बाधिता संस्थान

उत्तर-(D)/ व्याख्या श्रवण बधितों के लिए सर्वोच्च निकाय—अलीयावर जंग राष्ट्रीय श्रवण बंधिता संस्थान है। इसकी स्थापना 9 अगस्त 1983 को की गयी थी। यह संस्थान सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के अधीन एक स्वयत्त संगठन है। यह संस्थान मुम्बई के बान्द्रा में स्थित है। इसका क्षेत्रिय केन्द्र कोलकाता (1984), नई दिल्ली—(1986), सिकन्दराबाद (1986) तथा भुवनेश्वर (1986) में स्थापित किया गया है।

65. **पुनः स्थापन कार्य में सबसे महत्त्वपूर्ण चुनौती है**
(1) जोड़ों की पूरी गतिशीलता या गति की सीमा।
(2) प्रभावित अंग में माँसपेशियों की शक्ति में सुधार होना।
(3) समुचित प्रशिक्षण द्वारा प्रभावित अंग का कार्य करना।
(4) यदि आवश्यक हो तो खपची या कैलिपर लगाना।

उत्तर-(A)/ व्याख्या पुनः स्थापन कार्यक्रम की सबसे महत्वपूर्ण चुनौती जोड़ों की पूरी गतिशीलता या गति की सीमा प्रदान करना या पहले जितना शक्ति से कार्य करने की निरन्तरता को प्राप्त करना है।

66. **निम्नलिखित सूची -I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:**

	सूची -I		सूची-II
a.	आधे शरीर की दुर्बलता	i.	एकांगघात
b.	एक अंग की दुर्बलता	ii.	अधरांगघात
c.	धड़ सहित सभी चार अंगों की दुर्बलता	iii	पक्षाघात
d.	दोनों निचले अंगों की दुर्बलता	iv.	चतुरंगघात
		v.	मधुमेह-रोगी

कूट :

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iii	v
(B)	iii	i	iv	ii
(C)	i	ii	iii	v
(D)	iv	iii	i	ii

उत्तर- (B)/ व्याख्या सुमेलित है -

सूची - I	सूची - II
(a)आधे शरीर की दुर्बलता	(iii)पक्षाघात (Hemiplegia)
(b)एक अंग की दुर्बलता	(i) एकांगघात (Monopdegia)
(c)धड़ सहित सभी चार अंगों की दुर्बलता	(iv)चतुरंगघात (Quadriple)
(d)दोनो निचले अंगों की दुर्बलता	(ii)अधरांगघात (Paraplegia)

67. **भारत की नियति उसकी कक्षाओं में आकार-ग्रहण कर रही है (डेस्टिनी ऑफ इंडिया इज टेकिंग शेप इन हर क्लासरूम) यह किसमें कहा गया है?**
(1) शिक्षा आयोग (1964-1966)
(2) शिक्षा की राष्ट्रीय नीति (1986)
(3) राष्ट्रीय ज्ञान आयोग (2005)
(4) विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग (1948-49)

उत्तर- (A)/ व्याख्या भारत की नियति उसकी कक्षाओं में आकार ग्रहण कर रही है यह बात कोठारी कमीशन (1964-66) के रिपोर्ट में कही गई हैं 14 जुलाई 1964 को भारत सरकार ने डॉ० दौलत सिंह कोठारी की अध्यक्षता ने शिक्षा आयोग का गठन किया।

68. **राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 11 नवम्बर को किसकी स्मृति में मनाया जाता है?**
(1) सर्वपल्ली राधाकृष्णन
(2) मौलाना अबुल कलाम आजाद
(3) जाकिर हुसैन
(4) महात्मा गांधी

उत्तर- (B)/ व्याख्या मौलाना अबुल कलाम आजाद की स्मृति में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 11 नवम्बर को मनाया जाता है। अबुल कलाम आजाद स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री थे। अत: उनके जन्म दिन को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

69. **अध्यापक शिक्षा संस्थानों का प्रत्यायन किसके द्वारा किया जाता है?**
(1) एन.सी.ई.आर.टी. (2) एन.सी.टी.ई.
(3) एन.ए.ए.सी. (4) एन.यू.ई.पी.ए.

उत्तर- (C)/ व्याख्या अध्यापक शिक्षा संस्थानों का प्रत्यायन NAAC - (National Assessment and accreditation council) (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद) द्वारा किया जाता है। नैक का गठन यू०जी०सी०ने उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन एवं प्रत्यायन करने के लिए किया। यह एक स्वायतशासी संस्था है।

70. **समाकलित अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम किसके द्वारा प्रदान किया जाता है?**
(a) शिक्षा के स्व-वित्तपोषित महाविद्यालयों द्वारा
(b) भारत के मुक्त विश्वविद्यालयों द्वारा
(c) राज्य शिक्षा संस्थानों द्वारा
(d) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों द्वारा

कूट :(1) (a) और (d) (2) (b) और (c)
(3) (a) और (c) (4) (a) और (b)

उत्तर- (D)/ व्याख्या समकालित अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम (Integrated Teacher education Programme) NCERT के क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों द्वारा प्रदान किया जाता है। देश में कुल 4 RIEs है जो अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर तथा मैसूर में है जो इण्टर बाद B4 वर्षीय समकालित कार्यक्रम तथा B4 वर्षीय समाकालित B.Sc. B.ED कार्यक्रम तथा 4 वर्षीय समकालित B.A. B.ED कार्यक्रम संचालित करते हैं।

71. **निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए:**

	सूची -I		सूची-II
a.	शिक्षा की व्यष्टिकृत प्रणाली	i.	केलर
b.	अनुभव-शंकु	ii.	एडगर डेल
c.	योजनाबद्ध अनुदेश	iii	हर्बर्ट
d.	उपदेशात्मक उपकरण	iv.	स्किनर
		v.	क्राउडर

कूट :

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iv	v
(B)	iii	i	iv	ii
(C)	ii	i	iv	iii
(D)	iv	iii	ii	v

उत्तर- (A)/ व्याख्या सुमेलित है -

सूची - I	सूची - II
(A) शिक्षा की व्यष्टिकृत प्रणाली (Personalised system of edu.)	-केलर
(B) अनुभव कोन (Cone of experience)	-एडगर डेल
(C) योजना बद्ध अनुदेश (Programmes Instruction)	-स्किनर
(D) उपदेशात्मक उपकरण (Didactic Apparatus)	-क्राउडर

72. **अध्यापन व्यवसाय के आरम्भ में अध्यापक की सफलता का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण एक कारक है**

(a) व्यक्तित्व तथा कक्षा से समायोजन की योग्यता

(b) जीवन के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति तथा दृष्टिकोण

(c) मौखिक प्रवाह तथा संगठनात्मक योग्यता

(d) सक्षमता तथा व्यावसायिक आचार

उत्तर- (A)/ व्याख्या अध्यापन व्यवसाय के आरम्भ में अध्यापक की सफलता का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण एकल कारक व्यक्तित्व तथा कक्षा से समायोजन की योग्यता है।

73. **जब बच्चे कक्षा मे शरारती तथा अवज्ञाकारी हो तो अध्यापक को जाँचना चाहिए**

(1) छात्रों की घरेलू पृष्ठभूमि

(2) कक्षा में बाहरी तत्त्वों का प्रभाव

(3) अध्यापन विधियाँ तथा विषय-ज्ञान

(4) विद्यालय में सह-पाठ्यकारी तथा अन्य आकर्षण

उत्तर- (C)/ व्याख्या जब बच्चे कक्षा में शरारती तथा अवज्ञाकारी हो तो अध्यापक को अध्यापन विधियाँ एवं विषय ज्ञान को जाँचना चाहिए और अध्यापक को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि कहीं उसकी शिक्षण विधि मे दोष तो नहीं है या उसका विषय ज्ञान पर्याप्त नहीं हैं क्योंकि ऐसा होने पर बच्चे अनुशासनहीनता करते हैं।

74. **अक्षमतापूर्ण बच्चों के साथ कार्य करने वाले अध्यापक को उनके नाम किसके साथ पंजीकृत कराना चाहिए?**

(1) एन.सी.टी.ई. (2) आर.आई.ई.

(3) एन.सी.ई.आर.टी. (4) आर.सी.आई.

उत्तर- (D)/ व्याख्या अक्षमतापूर्ण बच्चों के साथ कार्य करने वाले अध्यापक को उनके नाम भारतीय पुनर्वास परिषद (Rehabilitation council of India - RCI) के साथ पंजीकृत कराना चाहिए। RCI का गठन 1993 में हुआ RCI का विशेष शिक्षा में कार्य करने वाले अध्यापकों, व्यवसायिकों, कर्मिकों विकलांग व्यक्तियों को एक केन्द्रीय पुनर्वास पंजिका पंजीकृत करने का भी कार्य करती है।

75. **अध्यापन में कार्य विश्लेषण (टास्क एनालिसिस) में आवश्यकता होती है**

(1) अंतर्वस्तु तथा शिक्षणशास्त्र

(2) प्रौद्योगिकी तथा मूल्यांकन

(3) (A) तथा (B) दोनों

(4) उपर्युक्त में से किसी की नहीं

उत्तर- (C)/ व्याख्या अध्यापन में कार्य विश्लेषण में अन्तर्वस्तु (Content) तथा शिक्षण शास्त्र साथ ही प्रौद्योगिकी तथा मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। इसमें शिक्षक की विषय वस्तु से सम्बन्धित ज्ञान तथा शिक्षक द्वारा प्रयुक्त शैक्षिक तकनीकी का मूल्यांकन किया जाता है।

UGC NET/ J.R.F. EXAM

प्रश्न-पत्र II शिक्षाशास्त्र

1. हिंदू, बौद्ध और जैन धर्मों में समान लक्षण यह है कि ये सभी विश्वास करते हैं कि

(A) यह संसार मिथ्या है। (B) ईश्वर का अस्तित्व
(C) आत्मा (D) कर्म और पुनर्जन्म

उत्तर-(D)/व्याख्या हिन्दू, बौद्ध और जैन धर्मों में समान लक्षण यह है कि ये सभी कर्म पुनर्जन्म में विश्वास करते हैं।

हिन्दू धर्म के अनुसार कर्म का नियम निश्चित है। मनुष्य का जन्म, शरीर और जीवन उसके कर्म द्वारा निर्धारित होता है। मनुष्य अपने कर्मों के अनुसार सुख और दु:ख का अनुभव करता है। कर्मों के बंधन के कारण आत्मा को प्राय: मनुष्य का रूप धारण करना होता है। जब मृत्यु आती है तो आत्मा अपने भौतिक शरीर का त्याग कर देती है। ओर नए शरीर में प्रवेश कर जाती है जन्म और मृत्यु के चक्र को पुनर्जन्म का चक्र कहते हैं।

बौद्ध धर्म के अनुसार बुद्ध को विश्वास था कि एक शाश्वत नियम के अनुसार मनुष्य जो इस जीवन में करता है, उसका फल अगले जीवन में भुगतता है। बुद्ध को जन्म और पुनर्जन्म के सिद्धान्त में विश्वास था।

जैन धर्म कर्म पर अत्यधिक बल देता है। इसका विश्वास है कि मनष्यों का जीवन पुनर्जन्म और कर्म के अनुसार गढ़ा जाता है। वर्ग का परिणाम अगले जन्म में आना ही है।

हिन्दू धर्म, बौद्ध धर्म तथा जैन धर्म के अनुसार 'जैसा तुम बोओगे, वैसा फल पाओगे।'

2. ज्ञान-मीमांसा का अर्थ है

(A) स्टेम सैल रिसर्च
(B) ज्ञान की प्रकृति का अध्ययन
(C) मूल्यों की प्रकृति का अध्ययन
(D) संसार की प्रकृति का अध्ययन

उत्तर- (B)/व्याख्या ज्ञान मीमांसा (Epistemology) दर्शन का एक अध्ययन क्षेत्र है। इसमें मानव बुद्धि, ज्ञान के स्वरूप, ज्ञान की सीमा, ज्ञान की प्रमाणिकता, ज्ञान प्राप्त करने के साधन, ज्ञान प्राप्त करने की विधियाँ, सत्य-असत्य प्रमाण की व्याख्या आती है।

3. भारतीय दर्शन में 'प्रमाण' का अर्थ है

(A) शपथ (B) माप (C) आश्वासन (D) ज्ञान स्रोत

उत्तर- (D)/व्याख्या भारतीय दर्शन में प्रमाण का अर्थ ज्ञात स्रोत है। प्रमाण का अर्थ है किसी पदार्थ को उसी रूप में जानना जिसमें वह है। प्रमाण द्वारा प्राप्त ज्ञान के दो प्रकार हैं (1) परोक्ष (2) अपरोक्ष। दोनों के बीच केवल सापेक्षिक अंतर है। अपरोक्ष ज्ञान किसी वस्तु का सही ज्ञान है। यह मन या इंद्रियों के माध्यम से जीव या आत्मा को प्राप्त होता है।

4. जैनियों की जीवन शैली के लिए निम्नलिखित में से कौन सा स्रोत सामग्री प्रदान करता है?

(A) धम्मपद (B) कर्म कांड
(C) त्रिपिटक (D) त्रि-रत्न

उत्तर- (D)/व्याख्या जैनियों की जीवन शैली के लिए त्रिरत्न स्रोत सामग्री प्रदान करता है। जैन धर्म का अन्तिम उद्देश्य मोक्ष की प्राप्ति है। मोक्ष (निर्वाण) की प्राप्ति निम्नलिखित तीन सिद्धान्तों का पालन करके हो सकती है (1) सही विश्वास (2) सही ज्ञान (३) सही आचरण। इन तीन सिद्धान्तों को त्रिरत्न कहते हैं।

(1) सही विश्वास- इसका अर्थ है कि जैनियों को 24 तीर्थंकरों में आडिग विश्वास होना चाहिए।

(2) सही ज्ञान- इसका अर्थ है तीर्थंकरों के प्रवचनों का पूर्ण ज्ञान।

(3) सही आचरण- इसका अर्थ है अनुनायियों को अच्छे आचरण का जीवन व्यतीत करना चाहिए।

धम्मपद तथा त्रिपिटक बौद्ध धर्म से संबंधित हैं तथा कर्मकांड वैदिक धर्म से संबंधित है।

5. वेदान्त के मत समर्थक हैं

(A) धर्म, अर्थ और मोक्ष (B) अद्वैत, द्वैत और विशिष्टद्वैत
(C) हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म और जैन धर्म (D) कट्टरवादी और अशास्त्रीय

उत्तर- (B)/व्याख्या वेदान्त के मत समर्थक अद्वैत, द्वैत और विशिष्ट द्वैत है। वे सभी चिन्तन धाराएं जिनका उद्गम वेदों से है, वेदान्त के अन्तर्गत आते हैं। वेदान्त शाखा के आदि प्रवर्तक शंकराचार्य थे। इनके वेदान्त दर्शन को अद्वैत वेदान्त कहते हैं। वेदान्त दर्शन की अन्य शाखाएं हैं - विशिष्टा द्वैत, द्वैतुशुद्धा द्वैत, द्वैताद्वैत आदि।

6. एक अनुसंधानकर्ता बाढ़ पीड़ितों सम्बन्धी अध्ययन करने में रुचि रखता है। इसके लिए निम्नलिखित में से कौन सी नमूना चयन विधि उसके लिए उपयुक्त होगी

(A) यादृच्छिक नमूना चयन विधि
(B) स्तरीय नमूना चयन विधि
(C) सुव्यवस्थित नमूना चयन विधि
(D) सोद्देश्य नमूना चयन विधि

उत्तर- (D)/व्याख्या एक अनुसंधानकर्त्ता बाढ़ पीड़ितों संबंधी अध्ययन में रुचि रखता है। इसके लिए सोद्देश्य नमूना चयन विधि (Purposive sampling) उपयुक्त होगी क्योंकि इसमें शोधकर्त्ता उन व्यक्तियों को प्रतिदर्श के रूप में शामिल करता है जिन्हें वह समझता है कि वह जीवसंख्या (Population) को सही-सही प्रतिनिधित्व करता है।

अन्य विकल्पों की व्याख्या -

यादृच्छिक नमूना चयन विधि (Random Sampling) - यह जीवसंख्या से व्यक्तियों को चुनने का एक ऐसा ढंग है जिसमें जीवसंख्या के प्रत्येक व्यक्ति को चुने जाने की संभावना बराबर होती है। किसी एक व्यक्ति का चयन किसी भी तरह से अन्य दूसरे व्यक्ति के चयन से जुड़ा नहीं होता है।

स्तरीय नमूना चयन विधि (Stratified sampling) - यह प्रतिदर्शन की वह विधि है जिसमें शोधकर्त्ता जीवसंख्या की कुछ खास विशेषताओं के अनुरूप प्रतिदर्श का चयन करता है।

सुव्यस्थित नमूना चयन विधि (Systimatic sampling) - सुव्यस्थित नमूना व्यक्तियों की पूर्व निर्धारित सूची से प्रत्येक व्यक्ति को चयन करते हुए उनका एक समूह तैयार करने की प्रक्रिया को कहा जाता है।

7. सूची-I में प्रदत्त मापक स्तरों को इस प्रकार सुमेलित कीजिए कि सूची-II में वे उचित सांख्यिकी द्वारा प्रयुक्त हो सकें :

	सूची -I		सूची-II
a.	नाममात्र स्केल (मापनी)	i.	ज्यामिति माध्य
b.	क्रमसूचक मापनी	ii.	आवृति वितरण
c.	अन्तराल मापनी	iii	मध्य और कोटि सहसम्बन्ध
d.	अनुपात मापनी	iv.	माध्य, मानक वितरण एवं सह सम्बन्ध

कूट :

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	ii	i
(B)	i	iii	ii	iv
(C)	ii	iii	iv	i
(D)	i	iv	iii	ii

उत्तर- (C)/ व्याख्या सूची-I और सूची-II सुमेलित है -

	सूची-I (मापन का स्तर)		सूची-II (सांख्यिकी प्रविधियाँ)
(a)	नाममात्र मापनी (Nominal scales)	**(ii)**	आवृत्ति वितरण
(b)	क्रमसूचक मापनी (Ordinal scales)	**(iii)**	मध्य और कोटि सह-संबंध (Median & Rank Correlation)
(c)	अंतराल मापनी (Irrterval scales)	**(iv)**	माध्य, मानक, विचलन, सहसंबंध
(d)	अनुपात मापनी (Ratio scales)	**(i)**	ज्यामिति माध्य

8. निम्नलिखित में से लड़कों और लड़कियों में गणितपरक उपलब्धि में विभेदों की जाँच के लिए कौन सा परीक्षण प्रयुक्त किया जा सकता है?

(A) सह-सम्बन्धात्मक परीक्षण
(B) टी-टेस्ट
(C) काई स्क्वैयर टेस्ट
(D) प्रसरण का विश्लेषण

उत्तर-(B)/व्याख्या लड़कों एवं लड़कियों में गणितपरक उपलाब्धि में विभेद की जाँच के लिए टी-टेस्ट ('t' Test) प्रयुक्त किया जा सकता है क्योंकि 't' Test दो माध्यों के बीच के अन्तर की सार्थकता की जाँच करने का एक महत्त्वपूर्ण प्राचालिक सांख्यिकी हैं । यह दो माध्यों के अंतर तथा इस अंतर के मानक त्रुटि का एक अनुपात होता है।

अन्य विकल्पों की व्याख्या-

सह संबंध परीक्षण में दो चरों पर के प्राप्तांकों में निहित संबंधों को ज्ञात किया जाता है।

काई वर्ग परीक्षण का प्रयोग प्राय: यह निश्चित करने के लिए किया जाता है कि क्या प्रेषित आवृत्तियों (observed frequencies) का सेट ऐसा है जो मात्र संयोग परिवर्तनों के कारण उन आवृत्तियों से भिन्न है जो किसी तरह के सिद्धान्त के आधार पर प्रत्याशित (Expected) है।

प्रसरण विश्लेषण (Analysis of variance) को संक्षेप में एनोवा (ANOVA) कहते हैं। इसके द्वारा दो या दो से अधिक समूहों के माध्यों के अंतर की सार्थकता की जाँच की जाती है।

9. दो चरों X और Y में सार्थक धनात्मक सह-सम्बन्ध है। इसका अर्थ है

(A) X, Y में परिवर्तन लाता है।
(B) Y, X में परिवर्तन लाता है।
(C) X तथा Y विपरीत दिशाओं में एक साथ परिवर्तित होते हैं।
(D) X तथा Y एक ही दिशा में एक साथ परिवर्तित होते हैं।

उत्तर-(D)/व्याख्या दो चरों X और Y में सार्थक धनात्मक सहसंबंध है। इसका अर्थ है X तथा Y एक ही दिशा में एक साथ परिवर्तित होते हैं। धनात्मक सहसंबंध दो चरों के बीच ऐसा संबंध होता है कि एक में किसी तरह का परिवर्तन होने से दूसरे में भी ठीक उसी तरह का परिवर्तन होता है। जैसे- आयु में वृद्धि के साथ-साथ परिपक्वता में वृद्धि होना।

10. ''शिक्षा एवं समाज दो परस्पर सहायक संस्थाएँ हैं जो अन्तर-सम्बन्धित हैं, एक के बिना दूसरा फल-फूल नहीं सकता।'' इसका क्या कारण है?

(A) शिक्षा समाज को जीवित रखती है, संस्कृति को बनाये रखती है और नई संस्कृति को जन्म देती है और मानवीय मूल्यों को सिखाती है।
(B) शिक्षा सामाजिक विभाजनों को समाप्त करने में सहायक होती है और शासन को चलाने के लिए नेतृत्व को जन्म देती है।
(C) शिक्षा लोगों को स्वःरोजगार के योग्य बनाती है।
(D) शिक्षा समाज को आधुनिक और सभ्य बनाती है।

उत्तर-(A)/व्याख्या ''शिक्षा एवं समाज दो परस्पर सहायक संस्थाएं हैं जो अन्तर संबंधित हैं, एक के बिना दूसरा फल-फूल नहीं सकता।'' इसका कारण है कि शिक्षा समाज को जीवित रखती है, संस्कृति को बनाए रखती है और नई संस्कृति को जन्म देती है और मानवीय मूल्यों को सिखाती है।

11. 'अलगाव' को एक व्याप्त सामजिक समस्या के रूप में सर्वप्रथम किसने उजागर किया?

(A) आदर्शवाद	(B) व्यावहारिकतावाद
(C) मार्क्सवाद	(D) यथार्थवाद

उत्तर-(C)/व्याख्या 'अलगाव' को एक व्याप्त सामाजिक समस्या के रूप में सर्वप्रथम मार्क्सवाद ने उजागर किया।

12. शैक्षिक समाज विज्ञान की विषयवस्तु क्या है?

I. **सामाजिक प्रक्रियाएँ और सामाजिक परिवर्तन**
II. **सामाजिक व्यवहार और सामाजिक नियन्त्रण**
III. **सामाजिक संगठन और सामाजिक समस्या**
IV. **विधिपालिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका**

कूट :
(A) I, II और III	(B) IV, I और II
(C) III, IV और I	(D) II, III और IV

उत्तर- (A)/ व्याख्या शैक्षिक समाज विज्ञान (Educational Sociology) शिक्षा के सिद्धान्त और प्रयोग के साथ संबंधित समाजशास्त्र के सिद्धान्तों का अध्ययन है। जार्ज पेने के अनुसार ''शैक्षिक समाज विज्ञान से तात्पर्य उस विज्ञान से है जो उन संस्थाओं, सामाजिक समूहों तथा सामाजिक प्रक्रियाओं अर्थात् सामाजिक संबंधों की व्याख्या करता है जिसमें और जिसके द्वारा व्यक्ति अनुभव प्राप्त करता है और अनुभवों का गठन करता है।''

अत: इसकी विषयवस्तु है - सामाजिक प्रक्रियाएं, सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक व्यवहार, सामाजिक नियन्त्रण, सामाजिक संगठन और सामाजिक समस्या आदि।

13. प्राथमिक स्कूलों में दोपहर का भोजन की योजना लागू करने का क्या अभिप्राय था?

(A) प्राथमिक स्कूल के अध्यापकों को कार्य में लगाये रखना।
(B) प्राथमिक स्कूलों के दाखिले में वृद्धि करना।
(C) रसोइयों को रोजगार मुहैया करना।
(D) बच्चों को प्रत्येक दिन एक जून का भोजन देना।

उत्तर- (B)/ व्याख्या दोपहर का भोजन की योजना भारत सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा 15 अगस्त, 1995 से प्राथमिक विद्यालयों में लागू की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके नामांकन तथा नियमित उपस्थिति को प्रोत्साहित करना है। प्रारम्भ में कक्षा 1 से 5 तक के सरकारी, परिषदीय, राज्य सरकार द्वारा सहायता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों जिनकी उपस्थिति 80 प्रतिशत है, उन्हें हर महीने 3 किलो गेहूँ या चावल दिए जाने का प्रावधान था लेकिन 1 सितम्बर, 2004 से सुप्रीम कोर्ट के आदेश से पका पकाया भोजन प्राथमिक विद्यालयों में उपलब्ध कराये जाने की व्यवस्था की गई।

14. समाजीकरण पद से क्या अभिप्राय है?

(A) सामाजिक सेवा की गतिविधियों में भाग लेना।
(B) समाज के सदस्यों के बीच अन्तर-क्रियाएँ और मूल्यों को सीखना।
(C) जनसंचार माध्यम द्वारा लोगों को समाज के भ्रष्टाचार से मुक्त बनाने के लिए निर्देश देना।
(D) लोगों को मन्त्रणा देना कि वे अपने बच्चों को जिम्मेदार सामाजिक नागरिक बनायें।

उत्तर- (B)/ व्याख्या समाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति एवं व्यक्ति और व्यक्ति एवं समाज के बीच अन्त:क्रिया होती है और व्यक्ति समाज की भाषा, रहन-सहन, खान-पान, एवं आचरण की विधियाँ और रीति-रिवाज सीखता है और इस प्रकार उस समाज में समायोजन करता है।

15. 'हीनयान' बौद्ध धर्म के किन मत समर्थकों का है?

(A) थिरावड़ा (B) वज्रयान (C) तांत्रिक (D) दीक्षणीय

उत्तर-(A)/ व्याख्या बौद्ध धर्म के दो रूप हैं - हीनयान और महायान। हीनयान वह सम्प्रदाय है जो बुद्ध की भौतिक शिक्षाओं को ही मानता है। वह सिरावड़ा मत समर्थकों का है। इसके विपरित महायान वह सम्प्रदाय है जो बुद्ध की मौलिक शिक्षाओं के साथ-साथ भक्ति में भी विश्वास करता है।

16. सत्य की कसौटी है सम्बद्धता जो है

(A) अस्तित्ववाद (B)आदर्शवाद (C)मार्क्सवाद (D) प्रकृतिवाद

उत्तर- (B)/ व्याख्या उपर्युक्त विचार आदर्शवाद का है। आदर्शवाद का मानना था कि सत्य ज्ञान वह होता है जो चिन्तन के फलस्वरूप प्राप्त होता है, अत: चिन्तनजन्य ज्ञान ही सत्य होता है क्योंकि यह हमें विचारों से प्राप्त होता है और विचार अपने में अपरिवर्तनशील और एतदर्श सत्य होते हैं। इस सत्य ज्ञान के लिए प्लेटो नैतिक जीवन पर बल दिया है और नैतिक जीवन की प्राप्ति के लिए विवेक पर।

17. तत्त्व मीमांसा का अर्थ है

(A) भौतिकी की एक शाखा
(B) अन्तिम यथार्थ की प्रकृति को जानने का प्रयास
(C) धातुओं की भौतिकी
(D) मौसम की भौतिकी

उत्तर- (B)/ व्याख्या तत्त्व मीमांसा (metaphysics) दर्शन का एक बहुत व्यापक क्षेत्र है। इसमें सृष्टि संबंधी तत्त्व ज्ञान और आत्मा संबंधी तत्त्व ज्ञान एवं ईश्वर संबंधी तत्त्व ज्ञान आते हैं। इसमें सृष्टि-सृष्टा , आत्मा-परमात्मा, जीव-जगत एवं जन्म-मरण की व्याख्या के साथ-साथ वास्तविक सौन्दर्य की विवेचना की जाती है। अत: तत्त्व मीमांसा का अर्थ अंतिम यथार्थ की प्रकृति को जानने का प्रयास है।

18. भारतीय दर्शन के समर्थकों (स्कूलों) में दो मूलभूत विभाजन हैं।

(A) वेदान्त और बौद्ध (B) अद्वैत और द्वैत
(C) आस्तिक एवं नास्तिक (D) कट्टरवादी एवं अशास्त्रीय

उत्तर-(C&D)/ व्याख्या भारतीय दर्शन के समर्थकों में दो मूलभूत विभाजन है - आस्तिक दर्शन और नास्तिक दर्शन। अस्तिक दर्शन का प्रचलित अर्थ है ऐसा व्यक्ति जो ईश्वर में विश्वास करता है। उसे ईश्वरवादी कहते हैं। नास्तिक शब्द का अर्थ है जो ईश्वर में विश्वास नहीं करता है। भारतीय दर्शन के केवल उन्हीं विचारों को आस्तिक दर्शन कहा जाता है जिनका वेदों के प्राधिकार में विश्वास नहीं होता, उन्हें नास्तिक दर्शन कहते हैं।

भारतीय दर्शन के नास्तिक वर्ग में (1) चर्वाक (2) जैन और (3) बुद्ध पद्धतियाँ शामिल हैं जबकि आस्तिक वर्ग में (1) वेदान्त (2) मीमांसा (3) योग (4) सांख्य (5) वैशेषिक और न्याय पद्धतियाँ शामिल हैं।

आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन को ही क्रमश: कट्टरवादी (Orthodox) तथा अशास्त्रीय (Heterodox) दर्शन कहते हैं।

19. जैन मतानुसार शिक्षा का अन्तिम लक्ष्य है

(A) अहिंसा (B) त्याग (C) मुक्ति (D) लोकोपकारी

उत्तर- (C)/ व्याख्या जैन मतानुसार शिक्षा का अंतिम लक्ष्य मुक्ति है। जीव अपने कर्मों के मेल के साथ पदार्थ को ग्रहण करता है और इस प्रकार स्वयं को पदार्थ से ढक लेता है इस प्रकार जीव के साथ पदार्थ का मिलाप बन्धन का कारण है और पदार्थ से इसका अलगाव मुक्ति है। बंधन का मुख्य कारण अज्ञानता है।

20. बौद्ध धर्म में शिक्षा प्रारम्भ करने को कहा जाता है

(A) विद्यारम्भ् (B) उपनयानम् (C) पाबज्जा (D) उपरामपद

उत्तर- (C)/ व्याख्या बौद्ध धर्म में शिक्षा आरम्भ करने को पबज्जा संस्कार कहा जाता है। इस संस्कार में विनयपिटक के अनुसार छात्र अपने सिर के बाल मुंड़ाता था, पीले वस्त्र धारण करता था, अपने मठ में रह रहे भिक्षुओं के चरणों में माथा टेकता था और फिर निम्नलिखित शब्दों को तीन बार दोहराने के लिए पालथी मार कर बैठ जाता था -

(1) बुद्धम शरण गच्छामि (2) धर्मम शरणं गच्छामि (3) संघम शरण गच्छामि। फिर उसे 10 नियामों का पालन करने के लिए आदेश दिया जाता था। जबकि उपनयन संस्कार वैदिक कालीन शिक्षा की प्रमुख विशेषता थी। बालक को शिक्षा के लिए गुरु के पास ले जाना ही उपनयन संस्कार कहलाता है। बालक का उपनयन संस्कार हो जाने पर वह गुरुकुल में प्रवेश करता था। प्रवेश के उपरान्त जिस दिन बालक की शिक्षा का आरम्भ होता था, उस समय उसका विद्यारम्भ सस्कार किया जाता था।

21. एक अनुसंधानकर्त्ता आधुनिकीकरण के सम्बन्ध में किशोरों के दृष्टिकोण को जानना चाहता है, इसके लिए निम्नलिखित में से किस प्रकार का परीक्षण उसके लिए उपयुक्त होगा?

(A) प्रक्षेपी प्रविधि (B) साक्षात्कार
(C) लिकर्ट स्केल (D) समाजमिति

उत्तर-(C)/व्याख्या एक अनुसंधानकर्ता आधुनिकीकरण के संबंध में किशोरों के दृष्टिकोण को जानना चाहता है इसके लिए लिकर्ट स्केल परीक्षण उपयुक्त होगा क्योंकि लिकर्ट स्केल द्वारा अभिवृत्ति (Attitude) का मापन किया जाता है। इसका निर्माण लिकर्ट ने 1932 में किया था। विभिन्न वस्तुओं, व्यक्तियों, संस्थाओं, स्थितियों, योजनाओं आदि के प्रति व्यक्ति विशेष के विचार व पूर्व धारणाएं ही उस व्यक्ति की अभिवृत्तियों का निर्धारण करते हैं।

जबकि प्रक्षेपी विधि द्वारा व्यक्ति के अचेतन पक्ष का मापन किया जाता है। समाजमिति द्वारा किसी समूह के सदस्यों के पारस्परिक संबंधों तथा उनके स्वीकरण अस्वीकरण, पसंदगी तथा नापसंदगी का अध्ययन किया जाता है तथा साक्षात्कार आमने-सामने किया गया एक संवादोचित्र आदान-प्रदान है जहाँ एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से कुछ सूचनाएं प्राप्त करता है।

22. निम्न में से विसर्जन माप के रूप में कौन सा सही नहीं है?

(A) चतुर्थक विचलन (B) परास (रेंज)
(C) मानक विचलन (D) नमूना चयन त्रुटि

उत्तर- (D)/ व्याख्या वे सभी मापें जो किसी समूह के प्राप्तांकों के फैलाव (Dispersion) अथवा वैभिन्नता को बताती है विचलनशीलता के मान या विसर्जन मान (Masses of Dispersion) कहलाती है। साधारण: विचलनशीलता के तीन मानों का प्रयोग किया जाता है - प्रसार (Range), चतुर्थांक विचलन (Quartile Deviation) तथा मानक विचलन (Standard deviation) जबकि नमूना चयन त्रुटि प्राचल तथा सांख्यिकी से संबंधित है।

23. एक अनुसंधानकर्त्ता ने 25 व्यक्तियों के साक्षात्कार के आधार पर एक रिपोर्ट तैयार की। इसे अनुसंधान की किस कोटि में रखा जा सकता है?

(A) परिमाणात्मक (B)गुणात्मक (C)ऐतिहासिक (D)वैज्ञानिक

उत्तर- (B)/ व्याख्या एक अनुसंधानकर्ता ने 25 व्यक्तियों के साक्षात्कार के आधार पर एक रिपोर्ट तैयार की। इसे अनुसंधान के गुणात्मक कोटि में रखा जा सकता है।

24. संसद द्वारा हाल ही पारित शिक्षा अधिकार अधिनियम हमारे संविधान के किस अनुच्छेद का विस्तार है?

(A) 13 (B) 15 (C) 45 (D) 55

उत्तर-(C)/व्याख्या संसद द्वारा हाल में पारित शिक्षा अधिकार अधिनियम हमारे संविधान के अनुच्छेद 45 का विस्तार है। 86 वें संविधान संशोधन (2002) द्वारा इज निदेशक, तत्त्व को स्वतंत्रता के अधिकार के अन्तर्गत मूल अधिकार की स्थिति प्रदान की गई। अनु. 21 (क) के अनुसार राज्य 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बालकों के लिए नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का उपबन्ध करेगा। यह अधिकार 1 अप्रैल, 2010 से लागू किया गया है।

25. बच्चों में अन्तर-सांस्कृतिक समझ के विकास के लिए अध्यापक को निम्नलिखित में से कौन सी अनिवार्य आवश्यकता है?

I. **कई संस्कृतियों एवं उपसंस्कृतियों के सम्बन्ध में ज्ञान होना।**
II. **प्रगतिशील एवं खुले दिमाग का होना।**
III. **पावन और धार्मिक हो।**
IV. **कक्षा में संचार कौशल हो।**

प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए।

कूट :(A) I और II (B) II और III
(C) III और IV (D) IV और I

उत्तर-(D)/व्याख्या बच्चों में अन्तर सांस्कृतिक समझ के विकास के लिए अध्यापक को कई संस्कृतियों एवं उपसंस्कृतियों के संबंध में ज्ञान तथा कक्षा में संचार कौशल की योग्यता होना अनिवार्य आवश्यकता है।

26. 'पारिस्थितिक अनुकूलन' और 'प्राकृतिक अनुकूलन' में कौन सा स्पष्ट अन्तर है?

I. **पारिस्थितिक अनुकूलन बाह्य पर्यावरण से समायोजन बिठाना है।**
II. **पारिस्थितिक अनुकूलन वायु यंत्रों के प्रयोग द्वारा कमरे के तापमान में अन्तर लाना है।**
III. **प्राकृतिक अनुकूलन है नए प्रसंगों की आवश्यकताओं के अनुसार दृष्टिकोण में परिवर्तन लाना।**
IV. **पारिस्थितिक अनुकूलन बाह्य है, प्राकृतिक अनुकूलन आन्तरिक है।**

प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए।

कूट :(A) I, II और III (B) II, III और IV
(C) III, IV और I (D) IV, I और I

उत्तर- (C)/ व्याख्या पारिस्थितिक अनुकूलन और प्राकृतिक अनुकूलन में निम्न अन्तर हैं—

I. पारिस्थितिक अनुकूलन वाह्य पर्यावरण के साथ समायोजन बैठाता है।
II. प्राकृतिक अनुकूलन है नए प्रसंगों की आवश्यकताओं के अनुसार दृष्टिकोण में परिवर्तन लाना।
III. पारिस्थितिक अुकूलन बाह्य है, प्राकृतिक अनूकूलन आन्तरिक है।

27. अन्तर्निरीक्षण पद्धति में किसका अभाव है?

(A) विश्वसनीयता(B)वैधता (C)वस्तुपरकता(D)उपर्युक्त सभी

उत्तर- (D)/ व्याख्या अन्तर्निरीक्षण का तात्पर्य है 'अपने आप में देखना'। इस विधि में व्यक्ति स्वयं अपनी मानसिक प्रक्रियाओं का निरीक्षण, विश्लेषण और वर्णन करता है। अन्तर्निरीक्षण विधि के निम्नलिखित दोष होते हैं –

(1) मानसिक प्रक्रियाओं का निरीक्षण असंभव है क्योंकि वे अस्पष्ट चंचल तथा आस्थिर होती हैं और उनमें शीघ्रता से परिवर्तन होता है।
(2) इसमें व्यक्ति स्वयं ही निरीक्षक एवं अनुभवकर्त्ता होता है। यह कार्य परस्पर विरोधी है।
(3) इस विधि द्वारा प्राप्त ज्ञान आत्मगत होता है।

अत: इस विधि में विश्वसनीयता, वैधता तथा वस्तुपरकता का अभाव होता है। आज इस विधि को वैज्ञानिक नहीं माना जाता है तथा इसका प्रयोग बहुत कम होता है।

28. **निम्नलिखित में से किस विचारक ने कहा था - ''साक्षरता अपने आप में शिक्षा नहीं है साक्षरता शिक्षा का केवल एक साधन है।''?**

(A) जे.कृष्णामूर्ति (B) स्वामी विवेकानन्द
(C) श्री अरविन्द (D) महात्मा गांधी

उत्तर-(D)/व्याख्या गांधी जी के अनुसार साक्षरता अपने आप में शिक्षा नहीं साक्षरता न तो शिक्षा का अन्त है और न ही आरम्भ। यह न तो ज्ञान है और न ही ज्ञान का माध्यम। यह तो केवल एक साधन है जिसके द्वारा लोगों को शिक्षित किया जाता है।

29. **प्रकृतिवाद ने किस शिक्षण विधि को जन्म दिया?**

(A) खोज विधि (B) खेल विधि
(C) वैज्ञानिक विधि (D) प्रोजेक्ट विधि

उत्तर- (B)/व्याख्या प्रकृतिवादी शिक्षा देने के लिए खेल विधि को महत्त्व देते हैं। खेल बच्चे को सबसे अधिक आकर्षित करती है। खेल ही बच्चे को पूर्ण आत्माभिव्यक्ति में सहायता देती है। अत: रचनात्मक शिक्षा की प्राकृतिक तथा सर्वोत्तम विधि खेल-कूद ही मानी जाती है। प्रकृतिवादी प्रत्यक्ष अनुभव द्वारा सीखने पर बल देते हैं। प्रकृतिवाद ने जिस विधि को जन्म दिया उसे 'ह्यूरिस्टिक विधि' के नाम से जाना जाता है। यह विधि आगमनात्मक विधि का एक रूप है जिसमें छात्र को एक अन्वेषक की भूमिका निभानी पड़ती है।

30. **निम्नलिखित में से सही उत्तर का चयन कीजिए : 'दर्शन' का अर्थ है**

(A) जीवन में निराशाओं को झेलते हुए स्वयं को सांत्वना देना।
(B) एक प्रकार का धर्म
(C) मूलभूत और अन्तिम प्रश्नों का उत्तर ढूँढ़ने का प्रयास
(D) अपमिश्रित तर्क

उत्तर-(C)/व्याख्या दर्शनशास्त्र ज्ञान की वह शाखा हे जिसमें सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड के अंतिम सत्य एवं मानव के वास्तविक स्वरूप, सृष्टि-सृष्टा, आत्मा-परमात्मा, जीव-जगत, ज्ञान-अज्ञान, ज्ञान प्राप्त करने के साधन और मनुष्य के करणीय तथा अकरणीय कर्मों की तार्किक विवेचना किया जाता है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के शब्दों में ''दर्शन सत्य के स्वरूप की तार्किक विवेचना है।'' अत: दर्शन का अर्थ है मूलभूत और अंतिम प्रश्नों का उत्तर ढूँढ़ने का प्रयास।

31. **भारतीय दर्शन में सर्वाधिक वैरागी मत है**

(A) बौद्ध धर्म (B) जैन धर्म
(C) वेदान्त (D) सांख्य

उत्तर-(B)/व्याख्या भारतीय दर्शन में सर्वाधिक वैरागी मत जैन धर्म का है। जैन धर्म में जैन संन्यासियों के लिए पांच महाव्रत तथा गृहस्थ लोगों के लिए भी पांच अनुव्रत निर्धारित किए गए हैं। जैन संन्यासियों के लिए व्रत बहुत कठोर है पर गृहस्थ लोगों के लिए व्रत इतने कठोर नहीं है पर समय-समय पर गृहस्थियों को 3 कठोर व्रत भी निर्धारित हैं।

जैन धर्म में तपस्या एवं व्रतों का विशेष महत्त्व है। अनिश्चित समय का व्रत रखकर अपने जीवन का अन्त करना जैन धर्म में अच्छा माना जाता है।

32. **जैन परम्परा में तीर्थंकरों की संख्या है**

(A) 10 (B) अनगिनत
(C) 24 (D) 100

उत्तर-(C)/व्याख्या जैन परम्परा में तीर्थंकरों की संख्या 24 है। वर्धमान जो महावीर के नाम से लोकप्रिय है, को जैन धर्म का संस्थापक माना जाता है। जैनियों के अनुसार वह 23 तीर्थंकरों के बाद आए थे। उनमें से सर्वप्रथम ऋषभदेव थे। इस प्रकार महावीर को 24 वाँ तीर्थंकर माना जाता है।

33. **'विनय पिटक' का विषय है**

(A) बौद्ध संघ के लिए आचरण-पद्धति
(B) जैन-साधुओं के लिए नम्र व्यवहार के नियम
(C) हिंदू संन्यासियों के नम्र व्यवहार के नियम
(D) सम्राट अशोक के शिलालेख

उत्तर-(A)/व्याख्या बौद्ध धर्म के संस्थापक, महात्मा बुद्ध ने किसी पुस्तक को स्वयं नहीं लिखा। उनके अनुयायियों ने उनकी मृत्यु के 100 वर्षों बाद उनके उपदेशों को संकलित किया। इस संकलन को त्रिपिटक कहते हैं जिनके तीन रूप (पिटक) है :
(1) विनय पिटक - इसमें संघ के लिए आचरण या व्यवहार है।
(2) सुप्त पिटक - इसमें धार्मिक उपदेश एवं संवाद है।
(3) अभिधम्म पिटक- इसमें महात्मा बुद्ध के मुख्य उपदेशों के वर्णन और उनका दार्शनिक विचार निहित है।

34. **निम्नलिखित में से विखण्डन का स्थिर माप कौन सा है?**

(A) परास (रेंज) (B) चतुर्थक विचलन
(C) औसत विचलन (D) मानक विचलन

उत्तर-(D)/व्याख्या वे सभी मापें जो किसी समूह के प्राप्तांकों के फैलाव (Dispersion) अथवा वैभिन्नयता को बताती है विचलनशीलता के मान कहलाती हैं। परास, चतुर्थक विचलन औसत विचलन तथा मानक विचलन चारों ही समूह की विचलनशीलता को प्रदर्शित करते हैं। जिसमें प्रसार सबसे सरलता व शीघ्रता से ज्ञात किया जा सकने वाला विचलनशीलता गुणांक है तथा सबसे कम परिष्कृत गुणांक है। तथा मानक विचलन सर्वाधिक स्थायी तथा विश्वसनीय सूचना प्रदान करता है क्योंकि यह सभी प्राप्तांकों के ऊपर आधारित होता है। समस्त प्राप्तंकों के मध्यमान से विचलनों के वर्गों के औसत के वर्गमूल को मानक विचलन कहते हैं। अपने स्थायित्व तथा विश्वसनीयता के कारण मानक विचलन सबसे अधिक प्रयोग में आने वाला विचलनशीलता गुणांक है।

35. **समष्टि के प्रत्येक दृष्टान्त के अनुभव पर आधारित निष्कर्ष पर पहुँचने की विधि को कहते हैं**

(A) वैज्ञानिक विधि (B) निगमनात्मक विधि
(C) अनुगमनात्मक विधि (D) द्विभाषीय विधि

उत्तर-(C)/व्याख्या समष्टि के प्रत्येक दृष्टान्त के अनुभव पर आधारित निष्कर्ष पर पहुंचने की विधि को अनुगमनात्मक विधि (Inductive Method) कहते हैं

36. सकारात्मक अनुसंधान अधिगम का पक्षपोषक था

(A) फ्रांसिस बेकन (B) स्टेनले और कॉम्पबेल
(C) अगस्त काम्टे (D) बाब्बिट

उत्तर-(C)/व्याख्या सकारात्मक अनुसंधान अधिगम का पक्षपोषक अगस्त काम्टे था। इन्हें समाजशास्त्र का जनक भी कहा जाता है।।

37. किसी पवित्र पुस्तक में लिखा गया विषय पाठकों द्वारा सही माना जाता है। ज्ञान प्राप्ति की इस विधि को कहते हैं

(A) दृढ़ता विधि (B) सत्ताधिकार विधि
(C) अन्तर्बोध विधि (D) विज्ञान की विधि

उत्तर- (B)/व्याख्या किसी पवित्र पुस्तक में लिखा गया विषय पाठकों द्वारा सही माना जाता है। ज्ञान प्राप्ति की इस विधि को सत्ताधिकार विधि (Authority) कहते हैं।

38. एक अध्यापक ने विद्यार्थियों को T.A.T. दिया ताकि उनकी निम्न पहचान की जा सके :

(A) उपलब्धि की (B) अभिज्ञता की
(C) व्यक्तित्व की (D) अभिवृत्ति की

उत्तर-(C)/व्याख्या प्रासंगिक अन्तर्बोध परीक्षण (Thematic Apperception Test = TAT) प्रक्षेपीय ढंग से व्यक्तित्व मापने की एक विधि है। इसकी रचना सन 1935 में मार्गन तथा मुर्रे ने की थी। इसमें कुल 31 कार्ड होते हैं। जिनमें से 30 कार्डों पर अस्पष्ट काले सफेद रंग के चित्र बने होते हैं, जबकि एक कार्ड सादा होता है। इस परीक्षण की आधारभूत मान्यता है कि जब व्यक्ति के सम्मुख कोई अस्पष्ट सामाजिक परिस्थिति प्रस्तुत की जाती है तथा उससे उस परिस्थिति के अनुरूप कोई कल्पनात्मक कहानी बनाने के लिए कहा जाता है तो उस कहानी के विभिन्न पात्रों के द्वारा वह व्यक्ति अपने व्यक्तित्व की विशेषताओं को अप्रत्यक्ष रूप से अभिव्यक्त कर देता है।

39. एक श्रेणी के अध्यापक ने अपने सभी विद्यार्थियों से कहा कि जब सभी विद्यार्थी गुरुत्त्व सिद्धान्त को आत्मसात कर लें, तभी वे इसकी परीक्षा दें। यह किस परीक्षण का उदाहरण है?

(A) मानक प्रासंगिक परीक्षण (B) साध्यता परीक्षण
(C) समाकलित परीक्षण (D) मापदण्ड प्रासंगिक परीक्षण

उत्तर-(D)/व्याख्या एक श्रेणी के अध्यापक ने अपनी सभी विद्यार्थियों से कहा कि जब सभी विद्यार्थी गुरुत्व सिद्धान्त को आत्मसात कर लें, तभी वे इसकी परीक्षा दें। यह मापदण्ड प्रासांगिक परीक्षण (Criterions Referenced Test) का उदाहरण है क्योंकि यह शिक्षण उद्देश्यों से संदार्भित मापन है। इसके अंतर्गत देखा जाता है कि छात्रों ने निर्धारित उद्श्यों को किस सीमा तक प्राप्त कर लिया है। उसे वांछित स्तर संबंधित मापन, पाठ्य वस्तु संदर्भित मापन भी कहा जाता है।

जबकि मानक संदर्भित परीक्षण द्वारा किसी छात्र द्वारा किसी विषय में अर्जित कुल ज्ञान का मापन किया जाता है तथा समाकालित परीक्षण द्वारा किसी पूर्व निर्मित शैक्षिक कार्यक्रम योजना या सामग्री की समग्र वांछनीयता ज्ञात की जाती है।

40. जब किसी दिशा रहित परिकल्पना सम्बन्धी कथन कहना है तो सार्थकता का परीक्षण होना चाहिए

(A) एक टेल (B) दो टेल
(C) (A) और (B) दोनों (D) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (B)/ व्याख्या नल परिकल्पना की अभिव्यक्ति दो ढंग से की जा सकती है। दिशात्मक अभिव्यक्ति तथा अदिशात्मक अभिव्यक्ति। जैसे माना कि कोई शोधकर्ता व्यक्तियों के दो समूहों में बुद्धि में अंतर का अध्ययन करना चाहता है जिसके लिए शोध परिकल्पना इस तरह बनाता है - समूह 'अ' समूह 'ब' से बुद्धि में श्रेष्ठ है। इस शोध परिकल्पना से वह नल, परिकल्पना दो तरह से तैयार कर सकता है। समूह 'अ' तथा समूह 'ब' की बुद्धि में कोई अन्तर नहीं है या समूह 'ब' बुद्धि में समूह 'अ' से श्रेष्ठ है। पहली परिकल्पना दिशारहित परिकल्पना तथा दूसरी को दिशात्मक परिकल्पना कहते हैं।

दिशारहित परिकल्पना (Non-Directional Hypothesis) के लिए सार्थकता परीक्षण द्विपार्श्व परीक्षण (Two-tailed test) तथा दिशात्मक परिकल्पना हेतु एक पार्श्व परीक्षण (One-tailed test) किया जाता है। दिशारहित परिकल्पना की जांच के लिए Two-tailed test प्रयोग किया जाता है क्योंकि माध्यों का अंतर धनात्मक दिशा तथा ऋणात्मक दिशा दोनों में ही होने की संभावना हैं

41. प्रकृतिवाद और व्यावहारिकतावाद में गम्भीर अन्तर है इनमें महत्त्व प्रदान करना

(A)उद्देश्यों में(B)विधियों में(C)सामाजिक प्रसंग में(D)मूल्याँकन में

उत्तर-(A)/व्याख्या प्रकृतिवाद और व्यावहारिकता में गंभीर अंतर है उद्देश्यों में महत्त्व प्रदान करना। प्रकृतिवादियों शिक्षा के निश्चित उद्देश्य निर्धारित किये हैं जैसे -

(1) मूल प्रवृत्तियों का मार्गान्तरीकरण और उदात्तीकरण
(2) जीवन संघर्ष के लिए शक्ति एवं योग्यता का विकास
(3) मनुष्य को पर्यावरण के अनुकूल बनाना।
(4) पूर्ण जीवन की तैयारी
(5) व्यक्ति का वैयक्तिक विकास

जबकि प्रयोजनवादी पूर्व निश्चित आदर्श एवं मूल्यों में विश्वास नहीं करते। उनका कहना है कि मनुष्य का प्राकृतिक एवं सामाजिक वातावरण सदैव बदलता रहता है और इस बदलते हुए पर्यावरण में मानव नित्य नए अनुभव करता है और नए-नए आदर्श तथा मूल्यों का निर्माण करता है, इसलिए शिक्षा के उद्देश्य निश्चित नहीं किए जा सकते।

42. लोगों के सामाजिक व्यवहार को विनियमित करने के लिए समाज के पास कौन से नियन्त्रण हैं?

I. रीतिरिवाज, लोक जीवन और संगठन
II. कानून और सजा **III. चिन्तन एवं प्रार्थना**
IV. धार्मिक शास्त्र पढ़ना

प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए।

कूट :(A) I और II (B) II और III
(C) III और IV (D) IV और I

उत्तर-(A)/व्याख्या लोगों के सामाजिक व्यवहार को विनियमित करने के लिए समाज के पास नियंत्रण के कई साधन हैं जैसे- रीति-रिवाज, लोक जीवन संगठन, कानून और सामाजिक दण्ड।

43. संस्कृति से क्या अभिप्राय है?

(A) समाज के सदस्य के रूप में मनुष्य ने जो कुछ प्राप्त किया है, उसका संयुक्त समग्र।
(B) परिधान और भोजन में नफासत
(C) सभ्यता तो घरों में आधुनिक इलेक्ट्रिक यन्त्रों से चिह्नित होती है।
(D) कम्प्यूटरों, मोबाइल फोन, इन्टरनेट इत्यादि का प्रयोग

उत्तर- (A) व्याख्या संस्कृति से तात्पर्य है - समाज के सदस्य के रूप में मनुष्य ने जो कुछ प्राप्त किया है, उसका संयुक्त समग्र। ओटावे के अनुसार - 'किसी समाज की संस्कृति से अर्थ उस समाज की सम्पूर्ण जीवन पद्धति से होता है। ''मैकाइवर एवं पेज के अनुसार- ''संस्कृति हमारे रहन-सहन की विधियों और विचारों, हमारे दैनिक कार्यों-कला, साहित्य, धर्म और आमोद-प्रमोद के साधनों में हमारी प्रकृति की अभिव्यक्ति है।''

44. बाल एकीकृत विकास सेवाओं का उद्देश्य क्या है?

I. 6 वर्ष तक के बच्चों के पौष्टिकता एवं स्वास्थ्य स्थिति में सुधार लाना।
II. देश में बाल मृत्यु दर को घटाना।
III. बच्चों को गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक शिक्षा प्रदान करना।
IV. बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए स्वास्थ्य देखभाल केन्द्रों का प्रबन्ध करना।

प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए।

कूट :(A) I और II (B) II और III
(C) III और IV (D) IV और I

उत्तर- (A) व्याख्या बाल एकीकृत विकास सेवाओं का उद्देश्य है 6 वर्ष तक के बच्चों के पौष्टिकता एवं स्वास्थ्य स्थिति में सुधार लाना तथा देश में बाल मृत्यु दर को घटाना।

नोट :-निम्न गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और इस आधार पर प्रश्न संख्या 45 से 50 तक के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक दिन, हर रोज़ हम आदमियों और जानवरों को मरते हुए देखते हैं। मगर प्रत्येक मनुष्य यही सोचता है कि वह सदैव जीवित रहेगा। इससे बड़ा आश्चर्य क्या होगा? इस आशय का एक गद्यांश महाभारत में आता है। सभी धर्म यह प्रयास करते हैं कि वे मनुष्य को मृत्यु को समझने में सहायक हों। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था- ''जब तक मृत्यु है, तब तक धर्म भी विद्यमान रहेगा।

फिर भी, यह सामान्य ज्ञान की बात है कि मृत्यु से पावन एवं अपावन, दोनों प्रकार के व्यक्ति डरते हैं।'' गाल बेलो, नोबल साहित्य पुरस्कार विजेता, ने कहा था - ''सभ्यता की त्रासदी इसमें है कि नश्वर प्राणी मरने से डरते हैं। इतिहास के पन्नों में स्थान बनाने का संघर्ष नश्वरता से दो-चार होने का प्रयत्न है। नार्मन ओ. ब्राउन ने अपनी विद्वतापूर्ण पुस्तक 'मृत्यु के विरुद्ध जीवन : इतिहास की मनोविश्लेषात्मक मीमांसा' में सारांश पेश किया है कि यदि भविष्य में मानव जाति को जीवित रहना है तो उससे यह अनिवार्य अपेक्षा है कि हम प्रत्येक भावी पीढ़ी में यह जागरूकता पैदा करें कि वह मरने के इच्छुक रहें और मरने को तैयार।

यह निश्चय ही शैक्षिक अनुसंधान के लिए एक चुनौती है। हम पाठ्यक्रम को इस प्रकार से विकसित करें जिससे प्रत्येक व्यक्ति जीवन-चक्र की अनुवृत्ति के आवश्यक उतार-चढ़ाव और जीवन की अनुवृत्ति में रसों को मोम की तरह पिघलते समय में संजोने के योग्य हों और ह्रास-युक्त पड़ाव में परिपक्व हो जाएँ।

45. महाभारत के अनुसार सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है?

(A) लोग मरते हैं।
(B) जानवर मरते हैं।
(C) जानवर और लोग जीवित रहते हैं।
(D) मृत्यु प्रत्येक व्यक्ति के लिए अवश्यंभावी है, इस तथ्य को स्वीकार करने में असफल होना।

उत्तर- (D) व्याख्या मृत्यु प्रत्येक व्यक्ति के लिए अवश्यंभावी है, इस तथ्य को स्वीकार करने में असफल होना।

46. निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन सही नहीं है?

(A) मृत्यु को स्वीकार करने में धर्म हमारी सहायता करता है।
(B) धर्म हमें उचित ढंग से मरने और जीने की विधि सिखलाने का प्रयास करता है।
(C) अपना धर्म प्रत्येक अनुयायी को समय पर मृत्यु को स्वीकार कराने में सफल रहता है।
(D) धर्म के कारण ही मृत्यु का अस्तित्व है।

उत्तर- (D) व्याख्या धर्म के कारण ही मृत्यु का अस्तित्व है।

47. सभ्यता की त्रासदी किसमें है?

(A) मृत्यु
(B) वे सुविधाएँ जो जीवन-प्रत्याक्षा को बढ़ाती हैं।
(C) जनसंख्या में वृद्धि
(D) मनुष्य की सदैव जीवित रहने की इच्छा

उत्तर- (D) व्याख्या मनुष्य की सदैव जीवित रहने की इच्छा।

48. ''इतिहास के पन्नों में स्थान बनाने के लिए संघर्ष'' का भाव है

(A) अक्षय प्रसिद्धि के लिए संघर्ष
(B) इतिहास पुस्तकों का लेखन
(C) स्थान-शिल्पों में दाखिल होने का प्रयास करना
(D) पहलवान बनने का प्रयास करना

उत्तर- (A) व्याख्या अक्षय प्रसिद्धि के लिए संघर्ष

49. नार्मन ओ ब्राउन की पुस्तक किस विषय पर है?

(A) जीवन (B) मृत्यु
(C) इतिहास (D) जीवन एवं मृत्यु के बीच संघर्ष

उत्तर- (D) व्याख्या जीवन एवं मृत्यु के बीच संघर्ष।

50. इस गद्यांश का अनिवार्य संदेश यह अभिव्यंजना करता है :

(A) जीवन का उत्सव मनाइए।
(B) मृत्यु का उत्सव मनाइए।
(C) जीवन-चक्र की अनुवृत्ति।
(D) होने और न होने को सीखना।

उत्तर- (D) व्याख्या होने और न होने को सीखना

UGC NET/ J.R.F. EXAM

प्रश्न-पत्र III शिक्षाशास्त्र

1. जब एक प्रयोगात्मक शोध की उपलब्धियों को लक्ष्य-समष्टि के लिए सामान्यीकृत किया जाता है तो उसको कहते हैं

(A) आन्तरिक वैधता
(B) समपातीय वैधता
(C) बाह्य वैधता
(D) भविष्यपरक वैधता

उत्तर- (C)/ व्याख्या प्रयोगात्मक शोध की प्रायोगिक वैधता दो प्रकार की होती है - (1) आंतरिक वैधता (Internal Validity) (2) वाह्य वैधता (External Validity)

(1) आंतरिक वैधता - आंतरिक वैधता से तात्पर्य प्रयोगात्मक परिस्थिति में प्रयोगकर्त्ता द्वारा बहिरंग चरों को नियंत्रित करने की सीमा से होता है।

(2) वाह्य वैधता - वाह्य वैधता से तात्पर्य सामान्यीकरण करने के लाभ से होता है। सामान्यीकरण का अर्थ प्रयोग के प्राप्त परिणामों को जीवसंख्या (Population) के अधिक से अधिक सदस्यों के लिए सही ठहराने से होता है।

अत: जब एक प्रयोगात्मक शोध की उपलब्धियों को लक्ष्य समष्टि (Target Population) के लिए सामान्यीकृत किया जाता है तो उसको वाह्य वैधता (External Validity) कहते हैं।

2. निम्नलिखित में से कौन पाठ्यक्रम के लिए आधार प्रदान करता है?

(A) सामाजिक प्राथमिकताएँ, सरकार और संसाधन
(B) दर्शनशास्त्र, समाजशास्त्र और मनोविज्ञान
(C) अध्ययन सामग्री, प्रशिक्षण सुविधाएँ और सामाजिक आवश्यकताएँ
(D) शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार

उत्तर- (B)/ व्याख्या पाठ्यक्रम समाज की आवश्यकताओं एवं उनकी पूर्ति से सहसम्बन्धित होती है। समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इसका निर्माण, संगठन एवं विकास किया जाता है। पाठ्यक्रम निर्माण के मुख्य रूप से 4 आधार होते हैं -

(1) दार्शनिक आधार
(2) सामाजिक आधार/समाजशास्त्री आधार
(3) मनोवैज्ञानिक आधार
(4) वैज्ञानिक आधार

3. निम्नलिखित में से कौन सा कक्षा IX के शब्द रचना के मूल्याँकन का उदाहरण है?

(A) त्रैमासिक परीक्षा
(B) छमाही परीक्षा
(C) वार्षिक परीक्षा
(D) मध्यकालिक परीक्षा

उत्तर- (C)/ व्याख्या मिचैल स्क्रीवेन ने सन् 1967 में मूल्याँकन की भूमिका के आधार पर मूल्याँकन को दो भागों में बांटा है - संरचनात्मक मूल्याँकन (Formative Evaluation) तथा योगात्मक मूल्याँकन (Summative Evaluation)।

संरचनात्मक मूल्याँकन से तात्पर्य किसी ऐसे शैक्षिक कार्यक्रम, योजना, प्रक्रिया या सामग्री आदि के मूल्याँकन से है, जिसमें सुधार करना सम्भव हो। इसमें शिक्षा सत्र के बीच समय-समय पर छात्रों की उपलब्धि का मूल्याँकन किया जाता है।

उदाहरण- मूल्याँकन त्रैमासिक परीक्षा, छमाही परीक्षा, मध्यकालिक परीक्षा,पाठ्य पुस्तक के प्रारम्भिक प्रारूप का मूल्याँकन आदि।

योगात्मक मूल्याँकन से तात्पर्य शिक्षा सत्र या पाठ्यक्रम की समाप्ति या शैक्षिक कार्यक्रम के अंत में छात्रों की उपलब्धि का मूल्याँकन करना है। इसका उद्देश्य छात्र की उपलब्धि का आंकलन करके आगामी कक्षा में प्रोन्नत करने या न करने का निर्णय लेना है। यह किसी योजना, कार्यक्रम या सामग्री का समग्र वांछनीयता ज्ञात करने की प्रक्रिया है।

उदाहरण- वार्षिक परीक्षा, पाठ्यवस्तु, प्रवेश परीक्षा, पाठ्यक्रम आदि का मूल्याँकन आदि।

4. स्मृति और विस्मृति की प्रक्रिया के अध्ययन की निम्नलिखित विधियों में से किस विधि के लिए बहु-विकल्पी प्रश्न उदाहरण हैं?

(A) पुनःस्मरण
(B) पुनर्शिक्षण
(C) अभिज्ञान
(D) पुनर्रचना

उत्तर- (C)/ व्याख्या स्मृति और विस्मृति की प्रक्रिया के अध्ययन की प्रमुख विधियाँ हैं - पुन: स्मरण (Recall) अभिज्ञान (Recognition) पुन: सीखना (Re-learning) तथा पुनर्रचना (Reconstruction)

पुन: स्मरण विधि में पूर्व सीखे गए विषय को व्यक्ति अपने सामने से हटा देता है तथा उसकी अनुपस्थिति में ही उसे बोलकर या लिखकर उसका प्रत्याहान (Recall) करता है।

अभियान (Recognition) विधि में सीखे गए विषय को उससे मिलते-जुलते विषय के साथ मिलाकर व्यक्ति के सामने उपस्थित किया जाता है और व्यक्ति को पूर्व सीखे गए विषय की पहचान करनी होती है।

पुन: सीखना (Re-Learning) विधि में व्यक्ति एक निश्चित कसौटी तक सीख लेता है। इसके कुछ दिन या कुछ घंटे बीतने के बाद उसी विषय या पाठ को उसी कसौटी तक पुन: सीखता है।

पुनर्रचना विधि में व्यक्ति पूर्व सीखे गए विषय या पाठ को कुछ समय अन्तराल के बाद व्यक्ति के सामने एक यादृच्छिक क्रम (Random order) में प्रस्तुत किया जाता है। व्यक्ति को इन एकांशों को फिर उसी क्रम में पुनर्निर्माण करने को कहा जाता है।

अत: स्पष्ट है कि बहुविकल्पीय प्रश्न स्मृति एवं विस्मृति की अध्ययन की अभिज्ञान विधि का उदाहरण है क्योंकि इसमें पूर्व सीखे गए विषय की पुन: पहचान करनी होती है।

5. उच्च संगठन अवधारणा का विकास किसने किया?

(A) ब्रूनर (B) असुबेल
(C) एरिक्सन (D) कोहलबर्ग

उत्तर- (B)/ व्याख्या उच्च संगठन अवधारणा (Advance Organised) का विकास डेविड असुबेल ने किया। इसका आधार शाब्दिक अधिगम है तथा यह सूचना प्रक्रिया के सिद्धान्त पर आधारित है ब्रूनर ने सम्प्रत्यय उपलब्धि प्रतिमान (Concept Attainment Model) का विकास किया। एरिक्सन अहम् मनोविज्ञान (Ego Psychology) के संस्थापक माने जाते हैं तथा कोहलबर्ग ने नैतिक विकास का सिद्धान्त दिया है।

6. स्ट्रांग के वोकेशनल इंटरेस्ट ब्लैंक टेस्ट में हैं

(A) 100 मद
(B) 200 मद
(C) 300 मद
(D) 400 मद

उत्तर- (*)/व्याख्या स्ट्रांग (1919) ने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय एक व्यावहारिक रुचि प्रपत्र का निर्माण किया जिसका प्रकाशन 4 रूपों में हुआ। (1) पुरूषों के लिए (2) स्त्रियों के लिए (3) विद्यार्थियों के लिए और (4) विद्यालय न जाने वालों के लिए। इस रुचि प्रपत्र में कुल 420 पद थे। बाद में उसने अपने रुचि प्रपत्र के चारों प्रारूपों में से 20 घटा कर कुल 400 पद ही शामिल किए । यह संशोधन 1938 में हुआ।

7. निम्नलिखित में से सही क्रम कौन सा है जो मास्लो के आवश्यकता अधिक्रम के अधीन आता है?

(A) स्वःप्रत्यक्षीकरण, बचाव, प्रेम, प्रतिष्ठा
(B) शारीरिक आवश्यकता, स्वःप्रत्यक्षीकरण, प्रतिष्ठा, बचाव
(C) शारीरिक आवश्यकता, बचाव, प्रेम, प्रतिष्ठा
(D) शारीरिक आवश्यकता, प्रतिष्ठा स्वःप्रत्यक्षीकरण, प्रेम

उत्तर-(C)/व्याख्या अब्राहम मास्लों ने 1954 में अभिप्रेरणा का मांग सिद्धान्त का प्रतिपादन किया जिसे आवश्यकता अधिक्रम (Hierarchy of Needs) भी कहते हैं। इस सिद्धान्त के अनुसार जब प्राणी अपने अस्तित्व के लिए आवश्यक किसी वस्तु की कमी या मांग महसूस करता है तो वह उसे प्राप्त करने के लिए अभिप्रेरित हो जाता है। मास्लों ने मांगों को इनकी प्रबलता के आधार पर बनाये पदानुक्रम के रूप में वर्गीकृत किया जो एक निश्चित क्रम में होते हैं।

मास्लों द्वारा संस्तुत मांगों का यह पदानुक्रम निम्नवत् है - (1) जैविकीय मांग (Physiological Needs) (2) सुरक्षा मांग (Safety Needs) (3) प्रेम न तदीत्व की आवश्यकता (Love and Belongingnesse Needs) (4) सम्मान मांग (Esteem Needs) (5) स्व: प्रत्यक्षीकरण (Self Actualization)

8. वेब-2 प्रौद्योगिकियाँ जो बहु-ज्ञान अर्जन में सहायक होती हैं, वे हैं

(A) यू ट्यूब (B) फेसबुक
(C) विक्कीपीडिया (D) उपरोक्त सभी

उत्तर- (D)/ व्याख्या वैज्ञानिक व तकनीकी प्रगति के फलस्वरूप ज्ञान प्राप्ति के साधनों में विस्तार हुआ। इसी विकास क्रम में वेब-2 प्रौद्योगिकी बहुत महत्वपूर्ण साधन है। वेब-2 के प्रयोग से ज्ञान की प्राप्ति की सीमा का विस्तार यह सम्पूर्ण संसार है। इसके प्रयोग से पूरे विश्व के लोग कहीं से भी ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। कुछ प्रमुख वेब-2 प्रौद्योगिकी निम्नलिखित हैं—

(i) यू ट्यूब
(ii) फेसबुक
(iii) विक्कीपीडिया
(iv) गूगल आदि।

9. संतांत्रिकी (साइबरनेटिक्स) का सर्वप्रथम प्रयोग किसने किया?

(A) नॉरबर्ट वीनर (B) कलाडे ई. शानन
(C) वारन वीवर मॉडल (D) अरस्तू

उत्तर-(A) /व्याख्या संतांत्रिकी या सम्प्रेषण नियंत्रण (Cybernetics) प्रशासन करने की एक व्यवस्था या प्रारूप है। यह प्रणाली सिद्धान्त का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष है। यह सम्प्रेषण एवं नियंत्रण दोनों से सम्बंधित है। 'Cybernetics' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग नॉरबर्ट वीनर (Norberto Wiener) ने सन् 1948 में किया था। साइबर नेटिम्स को पृष्ठपोषण मनोविज्ञान भी कहा जाता है।

10. निम्न में से शिक्षा में कौन सा संधासन सम्मिलित नहीं है?

(A) मानव संसाधन (B) सामग्री सम्बन्धी संसाधन
(C) जल संसाधन (D) वित्तीय संसाधन

उत्तर- (C)/ व्याख्या निम्नलिखित संसाधनों में जल संसाधन शिक्षा के संसाधनों में नहीं आता है। जल एक प्राकृतिक संसाधन है। शिक्षा के प्रमुख संसाधन निम्न हैं—

(i) मानव संसाधन
(ii) सामाग्री सम्बन्धी संसाधन
(iii) वित्तीय संसाधन आदि।

11. प्रघटना विज्ञान एक विधि है जिसका मूलतः प्रयोग होता है

(A) शैक्षिक अनुसंधान में (B) दार्शनिक अनुसंधान में
(C) ऐतिहासिक अनुसंधान (D) प्रायोगिक अनुसंधान में

उत्तर-(B) /व्याख्या सन् 1913 में प्रसिद्ध जर्मन दार्शनिक एडमण्ड हर्सल ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक Ideas: Introduction to Pure Phenomenology में पहली बार Phenomenology शब्द का प्रयोग किया है। हर्सल के अनुसार प्रघटना विज्ञान (Phenomenology) एक दार्शनिक एवं वैज्ञानिक प्रणाली है। यह पद्धति प्रकृति में व्याप्त संरचनाओं और संबंधों को समझने के लिए निरीक्षण, विवरण और वर्गीकरण की तकनीकियों का प्रयोग करती है।

12. अनुसंधान में यथावत परिस्थिति का किसके द्वारा अध्ययन किया जा सकता है?

(A) प्रयोगिक अनुसंधान में (B) सर्वेक्षण अनुसंधान में
(C) ऐतिहासिक अनुसंधान में (D) प्रघटनात्मक अनुसंधान में

उत्तर-(B)/व्याख्या अनुसंधान में यथावत् स्थिति का अध्ययन सर्वेक्षण अनुसंधान में किया जाता है। क्योंकि इसमें स्वाभाविक परिस्थिति में किसी क्षेत्र, समूह या संस्था की वर्तमान स्थिति को जानने, विश्लेषित करने की विधि है।

13. निम्न में से विसर्जन माप के रूप में कौन सा सही नहीं है?

(A) चतुर्थक विचलन (B) परास (रेंज)
(C) मानक विचलन (D) नमूना-चयन त्रुटि

उत्तर-(D)/व्याख्या वे सभी मापें जो किसी समूह के प्राप्तांकों के फैलाव (Dispersion) अथवा वैभिन्नयता को बताती है विसर्जन माप या विचलनशीलता के मान कहलाती है। प्रमुख विसर्जक माप है - परास, चतुर्थक विचलन, औसत विचलन तथा मानक विचलन। नमूना चयन त्रुटि विर्सजन मान नहीं है।

14. अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा का सुझाव निम्नलिखित ने दिया है :

(A) एन.सी.टी.ई. (B) एन.ए.ए.सी.
(C) एन.पी.ई.आर.सी. (D) एन.सी.ई.आर.टी.

उत्तर-(C)/व्याख्या 1990 में आचार्य राममूर्ति की अध्यक्षता में राष्ट्रीय शिक्षा नीति समीक्षा (NPERC) का गठन किया गया। NPERC ने सुझाव दिया कि अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा (Selection Test) होना चाहिए। विश्वविद्यालय ग्रेड या अंकों के आधार पर प्रवेश नहीं दिया जाना चाहिए।

15. एन.सी.टी.ई. की स्थापना पार्लियामेंट के एक्ट द्वारा हुई

(A) 1975 में (B) 1995 में (C) 1996 में (D) 1986 में

उत्तर-(B)/व्याख्या राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (National Council of Teacher Education NCTE) दिनांक 17 अगस्त, 1995 को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद अधिनियम 1993 (1993 की संख्या 73) के अनुसरण में एक स्वायत्त निकास के रूप में स्थापित किया गया।

16. विश्वसनीयता गुणांक ऋणात्मक नहीं हो सकता क्योंकि

(A) यह सहसम्बन्ध गुणांक का वर्ग होता है।
(B) ऋणात्मक विश्वसनीयता निरर्थक होती है।
(C) यह परीक्षण का स्वयं से सहसम्बन्ध होता है।
(D) यह अलग-अलग पहलू नहीं मापता।

उत्तर-(C)/व्याख्या विश्वसनीयता गुणांक ऋणात्मक हो सकता क्योंकि यह परीक्षण का स्वयं से सहसंबंध होता है। चुंकि परीक्षण प्राप्तांकों की विश्वसनीयता ज्ञात करने के लिए उसी परीक्षण के प्राप्तांकों का दो सेट होता है जिनके बीच सहसंबंध ज्ञात किया जाता है। अत: विश्वसनीयता परीक्षण का आत्म सहसंबंध होता है। (Reliability is the Self correlation of a test)

17. निम्न में से किसको विश्वसनीयता का पर्यायवाची नहीं माना जा सकता है?

(A) परिशुद्धता (B) सूक्ष्मता
(C) निर्भरता (D) प्रासंगिकता

उत्तर-(D)/व्याख्या प्रासांगिकता को विश्वसनीयता का पर्यायवाची नहीं माना जा सकता है।

18. गतिशीलता एवं अभिन्यास प्रशिक्षण किससे सम्बद्ध हैं?

(A) श्रवण दोष वाले विद्यार्थी
(B) मानसिक रूप से पिछड़े विद्यार्थी
(C) दृष्टिदोष वाले विद्यार्थी
(D) सीखने की अक्षमता वाले विद्यार्थी

उत्तर- (C)/ व्याख्या गतिशीलता एवं अभिन्यास प्रशिक्षण का सम्बन्ध दृष्टि दोष वाले विद्यार्थियों से है। दृष्टि दोष वाले दिव्यांग छात्रों को उनकी दैनिक समस्याओं के समाधान के लिए एक विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसमें—उन्हें चलने, फिरने, आस-पास की वस्तुओं के बारे में अनुमान लगाने तथा किसी व्यक्ति या जानवर की आहट पहचानने से सम्बन्धित प्रशिक्षण दिया जाता है। इसे गतिशीलता एवं अभिन्यास प्रशिक्षण के नाम से जाना जाता है।

19. कितनी बुद्धि-लब्धि वाले को जड़-बुद्धि कहा जाता है?

(A) 100-125 (B) 0-25 (C) 120-160 (D) 60-90

उत्तर- (B)/ व्याख्या मनोवैज्ञानिकों ने बुद्धि लब्धि (IQ) की गणना के आधार पर व्यक्ति की वृद्धि को निम्न वर्गों में रखा है –

	बुद्धि लब्धि वर्ग	–	बुद्धि वर्ग
(1)	140–200 तक	–	प्रतिभाशाली (Genious)
(2)	120–140 तक	–	प्रखर बुद्धि (Very superior)
(3)	110–120 तक	–	उत्कट बुद्धि (superior)
(4)	90–110 तक	–	सामान्य बुद्धि (Average)
(5)	80–90 तक	–	मन्द बुद्धि (Dull)
(6)	70–80 तक	–	निर्बल बुद्धि (Feeble minded)
(7)	50–60 तक	–	मूर्ख (Moron)
(8)	25–50 तक	–	मूढ़ (rembecile)
(9)	25 से नीचे	–	जड़ (Idiot)

20. राष्ट्रीय ज्ञान आयोग के अध्यक्ष कौन हैं?

(A) डी.एस.कोठारी (B) अमर्त्य सेन
(C) सेम पित्रोदा (D) अजीम प्रेमजी

उत्तर- (C)/ व्याख्या राष्ट्रीय ज्ञान आयोग के अध्यक्ष सैम पित्रोदा हैं।

21. अद्वैत वेदांत में ज्ञान (प्रमाणों) के स्त्रोत हैं

(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) छह

उत्तर-(D)/व्याख्या अद्वैत वेदांत के प्रवर्तक शंकराचार्य माने जाते हैं। शंकराचार्य ने ज्ञान प्राप्ति के तीन स्रोत बतायें हैं - प्रत्यक्ष, अनुमान तथा शब्द। बाद के समर्थकों ने उपमान, अर्थापत्ति और अनुपब्धि तीन और स्रोत उसमें जोड़ दिए। अत: अद्वैत वेदांत में ज्ञान के 6 स्रोत हैं।

22. अस्तित्ववादियों द्वारा प्रशंसित मूल्य है

(A) स्वतन्त्रता (B) आत्मज्ञान
(C) प्रकृति से समरसता (D) प्रामाणिकता

उत्तर- (D)/व्याख्या अस्तित्ववादी स्वतंत्रता, आत्मज्ञान तथा प्रकृति से समरसता आदि मूल्यों में विश्वास नहीं करते बल्कि ये ज्ञान की प्रमाणिकता में विश्वास करते हैं। अस्तित्ववादी उन्हीं ज्ञान, मूल्यों एवं वस्तुओं को सत्य मानते थे जिनका इस संसार में वास्तविक अस्तित्व हो और उनका अस्तित्व आनुभविक रूप से प्रमाणित हो।

23. सामाजिक रूप से पिछड़े परिवार की निर्धन ग्रामीण लड़की को उच्च अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति मिलती है और बाद में वह किसी नगर में उच्च वेतन वाली नौकरी पा जाती है तो यह शिक्षा के निम्नलिखित बनने का उदाहरण नहीं है :

(A) सामाजिक गतिशीलता का साधन
(B) लैंकिग न्याय का साधन
(C) भौगोलिक गतिशीलता का साधन
(D) सामाजिक स्तरीयता का साधन

उत्तर- (D)/व्याख्या यदि किसी निर्धन परिवार की ग्रामीण लड़की उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त कर एक उच्च वेतन वाली नौकरी पा जाती है तो यह शिक्षा के सामाजिक स्तरीयता के साधन का उदाहरण होगा। क्योंकि शिक्षा का एक प्रमुख उद्देश्य व्यक्ति की सामाजिक स्थिति का उन्नयन करना भी है। प्रस्तुत प्रश्न में लड़की शिक्षा के द्वारा अपना सामाजिक उन्नयन करती है। अत: यह शिक्षा के सामाजिक उन्नयन के उद्देश्य को पूरा कर रही है।

24. उच्च शिक्षा में और सरकारी नौकरियों में सीटों के आरक्षण की नीति निम्नलिखित का उदाहरण है :

(A) प्रायोजित गतिशीलता (B) प्रतियोगी गतिशीलता
(C) सांस्कृतिक गतिशीलता (D) भौगोलिक गतिशीलता

उत्तर-(A)/व्याख्या उच्च शिक्षा में और सरकारी नौकरी में सीटों के आरक्षण की नीति प्रायोजित गतिशीलता (Sponsored mobility) का उदाहरण है।

25. परामर्शदाता 'अभिलेखन की टिप्पणी' और 'अंकों के लिए टिप्पणी' में क्या करता है?

I. **'अभिलेखन की टिप्पणी' में परामर्शदाता बहु-आयामी कैमरे की भाँति कार्य करता है।**
II. **'अभिलेखन की टिप्पणी' में परामर्शदाता सभी सूचनाओं का अभिलेखन करता है और ऐसा करते हुए वह ग्राहक की विमनस्यकता की ओर ध्यान नहीं देता।**
III. **अंकों के लिए टिप्पणी में परामर्शदाता ऐसा करते हुए ग्राहक की ओर ध्यान नहीं देता।**
IV. **अंकों के लिए टिप्पणी में परामर्शदाता दिमाग का मूल्यांकन करता है जबकि वह ग्राहक के व्यवहार को भी देखता है।**

प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए।
कूट :

(A) I और IV (B) II और III
(C) I और III (D) III और IV

उत्तर-(A)/व्याख्या परामर्शदाता 'अभिलेखन की टिप्पणी' में परामर्शदाता बहुआयामी कैमरे की भाँति कार्य करता है तथा अंकों के लिए टिप्पणी में परामर्शदाता दिमाग का मूल्यांकन करता है जबकि वह ग्राहक के व्यवहार को भी देखता है।

26. रूबरू होकर किया गया अनौपचारिक संवाद ग्राहक और उसकी समस्याओं सम्बन्धी जानकारी एकत्रित करने की सर्वोत्तम तकनीक है, कैसे ?

(A) इससे ग्राहक और उसकी समस्या संबंधी प्रत्यक्ष जानकारी लेने में सहायता मिलती है।
(B) ग्राहक के साथ साक्षात्कार का आयोजन और साक्षात्कार करना बड़ा आसान है।
(C) साक्षात्कार की वीडियोग्राफी की जा सकती है।
(D) यह लचकीली है और इसमें ग्राहक सहज रहता है।

उत्तर-(A)/व्याख्या रूबरू होकर किया गया अनौपचारिक संवाद ग्राहक और उसकी समस्याओं संबंधी जानकारी एकत्रित करने की सर्वोत्तम तकनीकी है क्योंकि इससे ग्राहक और उसकी समस्या संबंधी प्रत्यक्ष जानकारी लेने में सहायता मिलती है।

27. 'पाठ्यक्रम' शब्द से आप क्या समझते हैं?

(A) किसी शैक्षिक संस्थान द्वारा प्रस्तावित अध्ययन के विषय
(B) शिक्षा के एक स्तर के लिए उत्तीर्ण होने हेतु पूरा किया जाने वाला सैद्धांतिक और व्यावहारिक पाठ्यक्रम
(C) निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शैक्षिक संस्थाओं द्वारा अधिगम और अन्य अनुभवों का व्यवस्थित कार्य
(D) विभिन्न विषयों और व्यावहारिक पाठ्यक्रमों और परियोजना/शोध-निबंध का निर्धारित पाठ्यक्रम

उत्तर- (C)/ व्याख्या पाठ्यक्रम (Curriculum) शब्द का अर्थ उन सभी क्रियाओं एवं परिस्थितियों से होता है जिनका नियोजन एवं सम्पादन विद्यालय द्वारा बालकों के विकास के लिए किया जाता है। अत: पाठ्यक्रम केवल विद्यालय शिक्षण विषयों तक ही सीमित नहीं होता है अपितु विद्यालय में नियोजित एवं सम्पादित सभी क्रियाओं को शामिल किया जाता है जो बालक के विकास में सहायक होती है।

28. पाठ्यक्रम की उप-प्रणाली के रूप में कक्षा में शिक्षा के अनुप्रयोग के समय प्रणाली विश्लेषण की क्या उपयोगिता है?

I. **यह कक्षा में शिक्षा के अभिकल्प को विशिष्ट रूप में तैयार करने में सहायक होता है।**
II. **यह विद्यमान शिक्षा संबंधी अभिकल्प की प्रभावकारिता का मूल्याँकन करने में सहायक होता है ।**
III. **परिणामों का सत्यापन करने और फीडबैक लेने में अध्यापक के लिए सहायक होता है।**
IV. **कक्षा में शिक्षा की समीक्षा की आदर्श विधि के रूप में सहायक होता है।**

प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए।

कूट :

(A) III, IV और I (B) I, II और III
(C) IV, I और II (D) II, III और IV

उत्तर- (B)/ व्याख्या पाठ्यक्रम की उप-प्रणाली (Sub system) के रूप में कक्षा में शिक्षा के अनुप्रयोग के समय प्रणाली विश्लेषण की निम्नलिखित विशेषता है—

(i) यह कक्षा में शिक्षा के अभिकल्प को विशिष्ट रूप में तैयार करने में सहायक होता है।
(ii) यह विद्यमान शिक्षा सम्बन्धी अभिकल्प की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने में सहायक होता है।
(iii) परिणामों का सत्यापन करने और फीडबैक लेने में अध्यापक के लिए सहायक होता है।

29. परीक्षण जिनमें व्यक्तियों की भाषा के प्रयोग की आवश्यकता नहीं है परन्तु उनके उत्तर क्रियाओं के रूप में होते हैं, उन्हें कहते हैं

(A) मौखिक परीक्षण (B) गैर-मौखिक परीक्षण
(C) निष्पादन परीक्षण (D) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर-(C)/ व्याख्या

(A) मौखिक परीक्षण (Verbal Test) - मौखिक/शाब्दिक परीक्षण उस परीक्षण को कहा जाता है जिसमें लिखित भाषा का प्रयोग निर्देश देने तथा परीक्षणों के प्रश्नों में किया जाता है।

(B) गैर-मौखिक परीक्षण (Non-Verbal Test) - गैर मौखिक परीक्षण या अशाब्दिक परीक्षण वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिसमें भाषा अर्थात् शब्दों, वाक्यों, तथा संख्या का प्रयोग निर्देश में निश्चित रूप से होता है परन्तु उनके प्रश्नों में प्रयोग नहीं होता।

(C) निष्पादन परीक्षण (Performance Test) - निष्पादन परीक्षण वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिसमें भाषा का प्रयोग निर्देश में हो भी सकता है या चित्राभिनय (Pantomime) तथा हाव-भाव द्वारा निर्देश देने पर भाषा का प्रयोग नहीं भी हो सकता है। परन्तु ऐसे परीक्षणों के एकांशों में भाषा का प्रयोग बिलकुल ही नहीं होता है और परीक्षार्थी के सामने कुछ वस्तुएं वास्तविक रूप में उपस्थित की जाती हैं, जिनका परिचालन या जोड़-तोड़ कर परीक्षार्थी को उन्हें सही करना पड़ता है। इसे क्रियात्मक परीक्षण भी कहते हैं।

30. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा दिये गये कूट में से सही उत्तर चुनिए।

सूची -I (मनोवैज्ञानिक परीक्षण)	सूची-II (मनोवैज्ञानिक)
a. बुद्धि परीक्षण	i. रोसेक
b. अभिरुचि परीक्षण	ii. टोरांस
c. व्यक्तित्व परीक्षण	iii बिनेट
d. सृजनात्मक परीक्षण	iv. स्ट्रांग
	v. लिकर्ट

कूट :

	a	b	c	d
(A)	iii	ii	i	v
(B)	v	ii	iv	iii
(C)	iv	iii	ii	i
(D)	iii	iv	i	ii

उत्तर-(D)/ व्याख्या सूची I और सूची II सुमेलित है -

सूची - I (मनोवैज्ञानिक परीक्षण)	सूची - II (मनोवैज्ञानिक)
(a) बुद्धि परीक्षण	(iii) बिनेट
(b) अभिरुचि परीक्षण	(iv) स्ट्रांग
(c) व्यक्तित्व परीक्षण	(i) रोसेक
(d) सृजनात्मकता परीक्षण	(ii) टोरांस

31. निम्नलिखित में से कौन सा अन्तर-वैयक्तिक भेद का उदाहरण नहीं है?

(A) बालक का रंग काला है। (B) बालक मोटा है।
(C) बालक को आलू पसंद है। (D) बालक की नाक तीखी है।

उत्तर-(C)/ व्याख्या एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में विभिन्नता को अन्तर-वैयक्तिक विभिन्नता कहते हैं। एक व्यक्ति का दूसरे व्यक्ति की अपेक्षा लम्बा होना, अधिक गोरा होना, अधिक बुद्धि का होना आदि अन्तर वैयक्तिक भेद के उदाहरण हैं। अंतर वैयक्तिक विभिन्नता कई प्रकार की है जैसे शारीरिक विकास, मानसिक विकास, अंतर, सांवेगिक विभिन्नता, सामाजिक विकास में भेद आदि।

32. पहचान बनाम भूमिका संभ्रम किस अवस्था की विशिष्टता है?

(A) बाल्यावस्था (B) किशोरावस्था
(C) शिशु अवस्था (D) प्रारम्भिक बाल्यावस्था

उत्तर- (B)/ व्याख्या पहचान बनाम भूमिका संभ्रम (Identity vs Confusion) इरिम्सन के सिद्धान्त की पांचवी अवस्था है। जिसकी अवधि 12 साल से 18 साल की होती है यह किशोरावस्था की अवस्था होती है। इस अवस्था में किशोरों में यह जानने की प्राथमिकता बनी होती है कि वे कौन हैं, वे किसलिए हैं और वे अपने जिदंगी में कहाँ जा रहे हैं। इसे इरिम्सन ने पहचान (Identity) की संज्ञा दी है। किशोर को बहुत सारे नयी भूमिकाएं करनी होती है। किसी कारणवश, किशोर भिन्न-भिन्न भूमिकाओं की खोज नहीं कर पाते तो वे अपनी पहचना के बारे में संभ्रांति (Confusion) की स्थिति में होते हैं।

33. शिक्षण में बहु-मीडिया उपागम के प्रभावी होने का मूल्यांकन किससे किया जा सकता है?

(A) परीक्षण द्वारा (B) सर्वेक्षण
(C) मामला-अध्ययन (D) देशान्तरीय अध्ययन

उत्तर- (A)/ व्याख्या शिक्षण में बहु-मीडिया उपागम के प्रभावी होने का मूल्यांकन परीक्षण (Experiment Method) द्वारा किया जा सकता है। क्योंकि इसमें शोधकर्त्ता/प्रयोगकर्त्ता स्वतंत्र चर में जोड़-तोड़ (Manipulation) करके उसके प्रभाव का अध्ययन करता है। जबकि सर्वेक्षण द्वारा वास्तविक स्थिति में व्यक्तियों की मनोवृत्ति, मत आदि का अध्ययन किया जाता है। मामला अध्ययन (Case-studies) में किसी एक व्यक्ति, समाज, घटना का गहराई से विश्लेषण किया जाता है। देशान्तरीय अध्ययन (Longitudinal studies) का प्रयोग व्यक्ति के विकासात्मक अध्ययन में किया जाता है।

34. 1974-75 एन.सी.ई.आर.टी. ने सेवारत विज्ञान के प्राथमिक स्कूल अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए रेडियो-विजन लैसन और टेलीविजन चर्चा एवं क्रिया-कलाप दिखाये। यह उदाहरण है

(A) एकीकृत उपागम (B) समूह-उन्मुखी उपागम
(C) बहु-मीडिया उपागम (D) टीम शिक्षण उपागम

उत्तर- (C) व्याख्या बहुमीडिया उपागम का अर्थ बहुत से माध्यमों के प्रयोग से नहीं है वरन् बहुत से माध्यमों तथा विद्यालयों के उपयुक्त सुनियोजित उपयोग से है।

अत: प्रश्नगत उदाहरण बहुमीडिया उपागम का है।

35. आर्थिक योजना का महत्त्वपूर्ण उद्देश्य क्या है?

(A) योजनाबद्ध विकास (B) गरीबी उन्मूलन
(C) समग्र रोजगार (D) प्रतिव्यक्ति अधिक आय

उत्तर- (A) व्याख्या आर्थिक योजना का महत्त्वपूर्ण उद्देश्य योजनाबद्ध विकास है।

36. प्रणाली विश्लेषण का किससे सम्बन्ध है?

(A) निविष्टि पक्ष (B) उत्पाद पक्ष
(C)प्रक्रिया पक्ष (D)संसाधन पक्ष

उत्तर- (B) व्याख्या प्रणाली विश्लेषण शिक्षा को उत्पादन प्रणाली का स्तर प्रदान करता है तथा शिक्षा को एक उत्पादन के रूप में स्थापित करने का प्रयास करता है। इसमें प्रणाली आवश्यकताओं, साधनों, प्रणाली तत्त्वों, उनके कार्यों, प्रक्रियाओं का विश्लेषण किया जाता है। यह विश्लेषण अदा, प्रदा प्रक्रिया तथा परिवेश के संदर्भ में किया जाता है।

अत: प्रणाली विश्लेषण उत्पाद पक्ष से संबंधित है।

37. उपचार करने के पश्चात् प्रायोगिक अनुसंधान में बाह्य चरों का नियन्त्रण किस तकनीक द्वारा हो सकता है?

(A) सांख्यिकीय प्रतिगमन (B) परीक्षणोत्तर
(C) वन-वे अनोवा (D) एनेलैसिस ऑफ कोवरीयन्स

उत्तर- (D) व्याख्या उपचार करने के पश्चात् प्रायोगिक अनुसंधान में वाह्य चरों का नियंत्रण सह प्रसरण विश्लेषण (Analysis of co-variance) द्वारा हो सकता है।

38. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सुमेलित नहीं है?

(A) प्रोडक्ट मोमेंट सहसम्बन्ध का गुणांक	r
(B) काई स्क्वैयर	X^2
(C) बहु-सहसम्बन्ध	R
(D) मानक विचलन	P

उत्तर- (D) व्याख्या मानक विचलन को S.D. या s (ग्रीक अक्षर सिगमा) से व्यक्त करते हैं न कि ρ (रो) से। ρ (Rho) से श्रेणी क्रम सहसंबंध गुणांक (Rank order correlation coefficient) को व्यक्त किया जाता है। अन्य विकल्प सुमेलित है।

39. जनसंख्या का सर्वेक्षण निम्नलिखित के समतुल्य है :

(A) जनगणना सर्वेक्षण (B) प्रदर्श सर्वेक्षण
(C) समूह सर्वेक्षण (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (A) व्याख्या जनसंख्या का सर्वेक्षण जनगणना सर्वेक्षण (Census survey) के समतुल्य है। जनगणना द्वारा देश की जनसंख्या का तथा उसकी विशेषताओं का अनुमान लगाया जाता है। केन्द्रीय स्तर पर शीर्ष अधिकारी महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कहलाता है जो पूरे देश की जनगणना कार्यों का निर्देशन करता है।

40. ''लर्निंग - द ट्रेज़र विदइन'' नामक पुस्तक के लेखक हैं

(A) जे.एस.राजपूत (B) एन.बेन्नेट
(C) जे.डेलोर्स (D) जे.हलक

उत्तर- (C) व्याख्या ''लर्निंग-द ट्रेजर विदइन'' (Learning The Treasure within) नामक पुस्तक के लेखक जे.डेलोर्स हैं। यह पुस्तक 1996 में प्रकाशित हुई इसमें डेलोर्स आयोग ने शिक्षा के 4 स्तम्भ की बात की है (1) जानने के लिए अधिगम (2) करने के लिए अधिगम (3) मिलकर रहने के लिए अधिगम (4) विकसित होने के लिए अधिगम।

41. ऑपरेशन ब्लैक-बोर्ड कार्यक्रम शुरू किया गया था निम्न में से किससे सुधार के लिए?

(A) अध्यापक शिक्षा (B) प्राथमिक शिक्षा
(C) माध्यमिक शिक्षा (D) उच्च शिक्षा

उत्तर- (B) व्याख्या आपरेशन ब्लैक बोर्ड कार्यक्रम योजना अवरोधन में सुधार लाने तथा प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए 1987-88 में केन्द्र सरकार द्वारा शुरू की गई।

42. एक शोधकर्त्ता अपने शोध में प्रयुक्त सभी परीक्षणों का कारक विश्लेषण करता है, इसका अर्थ है कि वह यह जानना चाहता है

(A) विषयवस्तु वैधता (B) कसौटी सम्बन्धित वैधता
(C) संरचनात्मक वैधता (D) पूर्वानुमानात्मक वैधता

उत्तर- (C) व्याख्या

(A) विषयवस्तु वैधता (Content validity) - एक संभावित क्षेत्र को जिस सीमा तक एक परीक्षण मापता है, वही उसकी विषयवस्तु वैधता कहलाती है। किसी परीक्षण में विषयवस्तु वैधता हेतु एकांश वैधता तथा प्रतिदर्शन वैधता होना अनिवार्य है।

(B) कसौटी सम्बन्धित वैधता (Criterion Validity) - इस तरह की वैधता ज्ञात करने में परीक्षण को किसी वाह्य कसौटी (External criterion) के साथ सहसंबंधित किया जाता है।

(C) संरचनात्मक वैधता (Construct validity) - संरचना वैधता को कारक वैधता (Factorial Validity) या शीलगुण वैधता (Trait Validity) भी कहा जाता है। इसमें किसी परीक्षण की वैधता को एक संरचना (Construct) के रूप में आंका जाता है। अत: यदि एक शोधकर्त्ता अपने शोध में प्रयुक्त सभी परीक्षणों का कारक विश्लेषण करता है, इसका अर्थ है कि वह संचरनात्मक वैधता जानना चाहता है।

(D) पूर्वानुमानात्मक वैधता -(Predictive Validity)- पूर्वानुमानात्मक या भविष्यवाची वैधता में परीक्षण को किसी ऐसी कसौटी के साथ सहसंबंधित किया जाता है, जो वर्तमान समय में उपलब्ध न होकर भविष्य में उपलब्ध हो पाता है। यह भविष्यवाचक परीक्षण प्राप्तांकों तथा बाद में प्राप्त कसौटी प्राप्तांकों का सहसंबंध है।

43. विशेष शिक्षा कोर्सों का नियंत्रण किसके द्वारा किया जाता है?
(A) भारतीय विशेष शिक्षा परिषद
(B) भारतीय पुनर्वास परिषद
(C) राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद
(D) भारतीय मेडिकल परिषद

उत्तर- (B)/ व्याख्या विशेष शिक्षा कोर्सों (Spacial Education Courses) का नियंत्रण भारतीय पुनर्वास परिषद् (Rehabilitation Council of India-RCI) के द्वारा किया जाता है। भारतीय पुनर्वास परिषद् एक सांविधिक निकाय के रूप में 22 जून, 1993 को अस्तित्व में आई। RCI विकलांगता वाले व्यक्तियों के पुनर्वास एवं शिक्षा की व्यवस्था करती है। नीतियों एवं कार्यक्रमों को विनियमित करती है। यह विभिन्न पाठ्यक्रमों (नि:शक्त व्यक्तियों हेतु) को चलाने वाली संस्थाओं एवं विश्वविद्यालयों को मान्यता प्रदान करती है।

44. श्रवण दोष वाले विद्यार्थियों को आवश्यकता होती है
(A) श्रवण प्रशिक्षण की (B) भाषा प्रशिक्षण की
(C) वाणी प्रशिक्षण की (D) उपरोक्त सभी

उत्तर- (D)/ व्याख्या श्रवण संबंधी दोष से ग्रसित बालक दो प्रकार के होते हैं - पूर्व बहरापन (Complete deafness) तथा आंशिक बहरापन (Partial deafness)। ऐसे विद्यार्थियों को श्रवण प्रशिक्षण, भाषा प्रशिक्षण, वाणी प्रशिक्षण, आदि की आवश्यकता होती है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए सम्पूर्ण संचार के उपागम पर विशेष तौर पर हस्त संचार पर प्रावधान पर बल डाला जाता है। चिन्ह भाषा, सांकेतिक भाषा के प्रयोग पर जोर दिया जाता है।

45. नवोदय विद्यालयों का मुख्य उद्देश्य है शिक्षा देना
(A) ग्रामीण प्रबुद्ध छात्रों को (B) शहरी छात्रों को
(C) केवल लड़कियों को (D) ग्रामीण छात्रों को

उत्तर- (A)/ व्याख्या भारत सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों को अच्छी आधुनिक शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से सन् 1985-86 में देश के प्रत्येक जिले में नवोदय विद्यालय स्थापित करने की योजना प्रारम्भ की। इन विद्यालयों के प्रबन्धन एवं संचालन के लिए नवोदय विद्यालय समीति की स्थापना की गई।

46. शिक्षा के चार स्तम्भों का विचार किस संस्था ने दिया था?
(A) UNICEF (B) UNESCO (C) NCTE (D) UGC

उत्तर- (B)/ व्याख्या शिक्षा के चार स्तम्भों का विचार ळच्िंण्ध संस्था ने दिया। यूनेस्कों की अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा आयोग डेलॉर्स आयोग ने 1993-96 द्वारा शिक्षा के 4 स्तम्भ निम्न हैं-
(1) जानने के लिए अधिगम (Learning to Know)
(2) करने के लिए अधिगम (Learning to do)
(3) मिलकर रहने के लिए अधिगम (Learning to live together)
(4) विकसित होने के लिए अधिगम (Learning to be)
यूनेस्कों की डेलॉर्स रिपोर्ट के अनुसार शिक्षा आजीवन शिक्षा के 4 स्तम्भों पर आधारित होने चाहिए।

47. शिक्षा के उद्देश्यों का निकट सम्बन्ध है
(A) तत्त्व मीमांसा से (B) मूल्य मीमांसा से
(C) तर्क से (D) ज्ञान मीमांसा से

उत्तर- (B)/ व्याख्या शिक्षा के उद्देश्यों का मूल्य मीमांसा से निकट संबंध है क्योंकि शिक्षा के उद्देश्य में साधन है, जिनके द्वारा जीवन के मूल्यों तक पहुँचा जा सकता है। जीवन का लक्ष्य मोक्ष की प्राप्ति है तो शिक्षा का उद्देश्य भी यही होना चाहिए। मूल्य शिक्षा के उद्देश्यों में दिखाई देता है।

48. सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की अधिकतम सीमा उच्चतम न्यायालय द्वारा तय की गई है
(A)19 प्रतिशत(B)22 प्रतिशत (C)49 प्रतिशत(D)50 प्रतिशत

उत्तर- (D)/ व्याख्या उच्चतम न्यायालय द्वारा सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 प्रतिशत तय की गई है।

49. स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सरकार द्वारा महिलाओं की शिक्षा के संबंध में गठित की जाने वाले पहली समिति है
(A) डॉ. राधाकृष्ण आयोग (B) मुदालियर आयोग
(C) श्री श्रीप्रकाश समिति (D) डॉ. दुर्गाबाई देशमुख समिति

उत्तर- (D)/ व्याख्या स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत सरकार ने मई 1958 में महिलाओं की शिक्षा के संबंध में एक राष्ट्रीय समीति का गठन किया। जिसकी अध्यक्ष श्री मती दुर्गाबाई देशमुख को बनाया गया। दुर्गाबाई देशमुख समीति ने अपनी रिपोर्ट 1959 में प्रकाशित की। 4 नवम्बर 1948 को डा. राधा कृष्णन की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग का गठन किया गया। 23 सितम्बर 1952 को डा. मुदालियर की अध्यक्षता में माध्यमिक शिक्षा आयोग का गठन किया गया। सन् 1959 में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा श्री प्रकाश की अध्यक्षता में धार्मिक तथा नैतिक शिक्षा समीति का गठन किया गया।

50. उल्लिखित वस्तुनिष्ठ प्रकार के परीक्षणों का अनुप्रयोग करके सामान्य व्यक्तियों को किस प्रकार की मार्गदर्शी सेवा प्रदान की जा सकती है?
(A) उपचारात्मक और निवारक
(B) निवारक और विकासात्मक
(C) विकासात्मक और उपचारात्मक
(D) सामान्य मार्गदर्शन और परामर्श

उत्तर- (B)/ व्याख्या उल्लिखित वस्तुनिष्ठ प्रकार के परीक्षणों का अनुप्रयोग करके सामान्य व्यक्तियों को निवारक और विकासात्मक मार्गदर्शी सेवा प्रदान की जा सकती है।

51. स्कूलों में मार्गदर्शी सेवाओं के प्रबन्ध के लिए सर्वाधिक अनिवार्य आवश्यकताएँ क्या हैं?
(A) मार्गदर्शन एवं परामर्श कक्ष
(B) विद्यार्थियों के मूल्यांकन के लिए मानकीकृत परीक्षण
(C) समय
(D) वृत्तिक योग्यता-प्राप्त और पर्याप्त प्रशिक्षित कार्मिक

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ स्कूलों में मार्गदर्शी सेवाओं के प्रबन्ध के लिए सर्वाधिक अनिवार्य आवश्यकताएँ वृत्तिक योग्यता-प्राप्त और पर्याप्त प्रशिक्षित कार्मिक हैं। क्योंकि अयोग्य निर्देशन के द्वारा निर्देशन प्राप्त करने से अच्छा है कि निर्देशन हो ही नहीं। हमारे देश में अभी तक प्रशिक्षित शिक्षकों तथा प्रशिक्षित निर्देशकों का अभाव है।

52. मेच्ड पेयर द्वारा निम्न में से किस शोध में समूहों को समान (बराबर) किया जाता है?

(A) सर्वेक्षण शोध (B) प्रयोगात्मक शोध
(C) सामाजिक शोध (D) रुझानात्मक शोध

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ प्रयोगात्मक शोध में समूहों को मेच्ड पेयर (Matched pairs) द्वारा समान किया जाता है। चुंकि प्रयोगात्मक शोध नियंत्रित परिस्थिति में की जाती है। इसमें विशेष चरों में जोड़-तोड़ (Manipulation) किया जाता है। जोड़ तोड़ का प्रभाव तभी पता चलेगा जब दोनों समूह समेल (Matched) हो तथा तभी स्वतंत्र चर तथा आश्रित चर के बीच कारण तथा परिणाम संबंध स्थापित हो पायेगा।

53. निम्नलिखित में से कौन सा पाठ्यक्रम के रचनात्मक मूल्यॉंकन का मामला है?

(A) पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले संबंधित पाठ्यक्रम का मूल्यॉंकन करना।
(B) विद्यार्थियों और अध्यापकों से मूल्य निरूपण करवा कर संबंधित पाठ्यक्रम का मूल्यॉंकन।
(C) विद्यार्थियों, अध्यापकों और माता-पिता के विचार एकत्र करके और फीडबैक मुहैया करवा कर संबंधित पाठ्यक्रम का मूल्यॉंकन।
(D) विद्यार्थियों के कार्य-निष्पादन के आधार पर अध्यापकों द्वारा संबंधित पाठ्यक्रम का मूल्यॉंकन।

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ रचनात्मक मूल्याँकन (Formative Evaluation) से तात्पर्य ऐसे शैक्षिक कार्यक्रम, शिक्षण विधि, पाठयक्रम, पाठयवस्तु आदि से है जिसके आधार पर सुधार करना सम्भव होता है। इसका उद्देश्य किसी कक्षा के छात्रों के लिए किसी विषय का पाठयक्रम निर्माण करते समय उसके प्रारम्भिक प्रारूप का मूल्याँकन कर उसकों अंतिम रूप देने के पूर्व इसमें वांछित सुधार किया जा सके। अत: विद्यार्थियों, अध्यापकों और माता-पिता के विचार एकत्र करके और फीडबैक मुहैया करवा कर संबंधित पाठयक्रम का मूल्याँकन रचनात्मक मूल्याँकन कहलाता है।

54. एक अध्यापक सरल रेखा को सिखाने हेतु किसी विशेष दिशा में कई बिन्दु लगाता है - यह उदाहरण है

(A) नैकट्य विधि (B) पूर्ति का सिद्धान्त
(C) साझा दिशा का सिद्धान्त (D) सरलता का सिद्धान्त

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ यदि कक्षा में पढ़ाते समय अध्यापक सरल रेखा को सिखाने हेतु किसी विशेष दिशा में कई बिन्दु लगाता है तो यह साझा दिशा के सिद्धान्त का उदाहरण होगा।

55. अँगूठा चूसने वाला बच्चा उदाहरण है

(A) प्रतिगमन (B) आक्रमकता
(C) विस्थापन (D) विनिवर्तन

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ अँगूठा चूसने वाला बच्चा उदाहरण है प्रतिगमन (Regression) का क्योंकि प्रतिगमन जीवन में समझ में न आने वाली समस्या के प्रति की गयी प्रतिक्रिया है जो बाल्यावस्था की प्रतिक्रिया के आधार पर होती है। यह संघर्ष से भागने का तारीका है।

आक्रामकता (Aggression) से तात्पर्य उस उपाय से होता है जिसमें व्यक्ति आवश्यकताओं की पूर्ति में बाधा पहुंचाने वाले व्यक्ति या वस्तु को चोट या क्षति पहुँचाकर अपने मानसिक तनाव को कम करना चाहता है।

विस्थापन (Displacement) में जो प्रक्रिया जहाँ दिखाई जानी चाहिए उसको वहाँ न दिखाकर कहीं और दिखाया जाता है।

विनिवर्तन (Withdrawal) में व्यक्ति दुखद या तनाव उत्पन्न करने वाली परिस्थितियों से अपने को अलग कर लेता है। ऐसे व्यक्ति को पलायनवादी कहा जाता है।

56. एक बच्चा जो 'डॉग' को 'गॉड' पढ़ता है वह किस प्रकार की अधिगम अक्षमता से ग्रसित है?

(A) पठन दोष (B) लिखन दोष
(C) गति समन्वय दोष (D) गठन दोष

उत्तर- (A)/ व्याख्या/

(A) पठन दोष (Dyslexia) - से ग्रसित बालक, बोलने में कठिनाई का अनुभव करते हैं। उच्चारण में कठिनाई होती है। ऐसे बालक Sound और थ्यूी के बीच में संबंध नहीं पाते।
(B) लिखन दोष (Dysgraphia) - से ग्रसित बालक शब्दों या अक्षरों को ठीक से नहीं बना पाता।
(C) गति समन्वय दोष (Dyspraxia) - से ग्रसित बालक को आने-जाने में कठिनाई होती है। बालक के तंत्रिकाओं की गड़बड़ी की वजह से यह विकार होता है।
(D) गठन दोष (Dysplasia) -

57. मानक परीक्षण की दो अत्यधिक आवश्यक विशिष्टताएँ हैं

(A) वस्तुनिष्ठता एवं विश्वसनीयता
(B) विश्वसनीयता एवं वैधता
(C) विश्वसनीयता एवं उपयोगिता
(D) व्यावहारिकता एवं उपयोगिता

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ मानक परीक्षण वे परीक्षण होते हैं जिनकी रचना पद विश्लेषण (Item analysis) के आधार पर की गई हो। तथा परीक्षण के मानक, वैधता, विश्वसनीयता प्रशासन के ढंग तथा अंकन की विधि पूर्व निर्धारित हो। अत: मानक परीक्षण की दो अत्यधिक आवश्यक विशिष्टताएँ विश्वसनीयता तथा वैधता हैं।

58. शिक्षण मीडिया के प्रति गुणात्मक मूल्याँकन किसके द्वारा हो सकता है?

(A) माप (B) मूल्याँकन (C) व्याख्या (D) वर्णन

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ शिक्षण मीडिया के प्रति गुणात्मक मूल्याँकन मूल्याँकन के द्वारा हो सकता है क्योंकि मूल्याँकन मूल्य निर्धारण की एक प्रक्रिया है। यह मापन से अधिक व्यापक है। मूल्याँकन में व्यक्ति या समाज या दोनों की दृष्टि से क्या अच्छा है का विचार निहित होता है।

59. शिक्षा का सार्वजनिक उद्देश्य क्या है?

(A) विमुक्ति (B) समग्र विकास (C) आचरण (D) व्यवसाय

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ शिक्षा का सार्वजनिक उद्देश्य व्यक्ति का समग्र विकास है। अर्थात् बालक का शारीरिक, मानसिक, सांवेगिक, सामाजिक नैतिक विकास आदि से होता है।

60. शैक्षिक निगरानी का मुख्य लक्ष्य क्या है?

(A) प्रशासन (B) निर्णय लेने की क्षमता
(C) शैक्षिक सेवाएँ (D) अनुशासन को बनाये रखना

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ शैक्षिक निगरानी (Educational Supervision) एक सेवा कार्य है। जो मुख्यत: निर्देश व उसकी उन्नति से संबंधित है। यह प्रत्यक्ष रूप से शिक्षण तथा सीखने की प्रक्रिया और उन तत्त्वों से संबंधित है जो इन प्रक्रियाओं में निहित है। ये तत्त्व-शिक्षक, छात्र, पाठ्यक्रम, सामाजिक एवं भौतिक वातावरण आदि।

61. निम्नलिखित में से प्रायोगिक अनुसंधान में कौन सा परिवर्तन नियंत्रित होता है ?

(A) स्वतन्त्र परिवर्त (B) मध्यमार्गी परिवर्त
(C) आश्रित परिवर्त (D) बाह्य परिवर्त

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ प्रायोगिक शोध में शोधकर्त्ता उन सभी चरों का पता लगाता है तथा नियंत्रित करने की कोशिश करता है जो आश्रित चर (Dependent variables) को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे चरों को बहिरंग चर (Extraneous variables) कहा जाता है। इस पर नियंत्रण संभव नहीं हो पाता है।

स्वतंत्र चर (ID) वह चर होता है जिसमें शोधकर्त्ता जोड़-तोड़ (Manipulation) करके उसके प्रभाव का अध्ययन करता है।

मध्यवर्ती चर (Moderate variables) वे चर होते हैं जिन चरों के विभिन्न स्तरों पर वह आश्रित चर पर स्वतंत्र चर के प्रभाव का अध्ययन करता है।

आश्रित चर (DV) वे चर कहलाते हैं जिन पर स्वतंत्र चर (IV) का प्रभाव पड़ता है। अत: स्वतंत्र चर के कारण व्यवहार में आये वे परिवर्तन जिन्हें शोधकर्त्ता मापता है आश्रित चर कहलाते हैं।

62. निम्नलिखित में से ऐसा कौन सा उपाय है, जिसका उपयोग गहन डेटा संग्रहण में किया जा सकता है?

(A) परीक्षण (B) साक्षात्कार (C) मापन माप (D) प्रेक्षण

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ साक्षात्कार का प्रयोग गहन डेटा संग्रहण में किया जाता है। इसमें प्रयोज्यों से प्रत्यक्ष सम्पर्क कर सूचनाएँ संकलित की जाती हैं। इसके द्वारा अनेक ऐसी गुप्त तथा व्यक्तिगत सूचनाएं प्राप्त हो सकती हैं जो मापन के अन्य उपकरण से प्राय: प्राप्त नहीं हो पातीं। अत: बहुपक्षीय तथा गहन अध्ययन हेतु साक्षात्कार विधि बहुत उपयोगी है।

63. निगमनात्मक कारण निम्नलिखित में सहायक होते हैं :

(A) प्रदर्श चयन (B) परिकल्पना जुटाना
(C) समस्या अभिनिर्धारण (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ निगमनात्मक तर्क (Deductive reasoning) परिकल्पना (Hypothesis) जुटाने में सहायक होते हैं। मैकग्यूगन के अनुसार ''सामान्य रूप से वैसी परिकल्पनाएं जिनसे बहुत से महत्त्वपूर्ण अनुमितियाँ (Deductive) की जाती है, अधिक गुणकारी परिकल्पना मानी जाती है।'' परिकल्पना न अधिक विशिष्ट होनी चाहिए न अधिक सामान्य बल्कि बीचो-बीच की होनी चाहिए क्योंकि इससे अधिकतम यथार्थ अनुमिति (Relevant Deductions) प्राप्त हो जाती है।

64. निम्नलिखित में से किस समिति ने शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में सुधार करने की सिफारिश की है?

(A) रेड्डी समिति
(B) रामामूर्ति समिति
(C) यशपाल समिति
(D) मेहरोत्रा समिति

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ सन् 1990 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 की समीक्षा हेतु आचार्य राममूर्ति की अध्यक्षता में 17 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। इस समिति ने शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में निम्नलिखित सुधार करने की सिफारिश की थी।

(1) सेवाकालीन तथा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम को अलग-अलग बनाया जाए।
(2) शिक्षक शिक्षा की प्रथम डिग्री पत्राचार माध्यम से प्रदान नहीं की जानी चाहिए।
(3) शिक्षक प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षु माडल का प्रयोग किया जाए।
(4) शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के शिक्षकों को नया रूप दिया जाना चाहिए।
(5) जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों को अपना अनुसंधान तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की पूर्ण स्वायत्तता प्रदान की जानी चाहिए।

65. प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण का अर्थ है

(A) सभी को शिक्षा
(B) सभी लड़कियों को शिक्षा
(C) सभी बच्चों को मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा
(D) 6-14 वर्ष के बच्चों के लिए मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण का अर्थ है 6-14 वर्ष के बच्चों के लिए मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा। प्राथमिक स्तर पर सार्वभौमीकरण से अभिप्राय सार्वभौमिकता के सभी तत्त्वों से है। बच्चों को केवल विद्यालय में प्रवेश ही नहीं देना है या उनके लिए सुविधाएं ही प्रदान नहीं करनी है बल्कि प्रवेश लिए हुए बच्चों के अपव्यय एवं अवरोधन को भी रोकना है।

66. तार्किक समता आधारित विश्वसनीयता किस विधि द्वारा ज्ञात की जाती है?

(A) परीक्षण-पुनः परीक्षण
(B) समानान्तर फोर्म
(C) अर्द्ध विच्छेदन विधि
(D) K-R विधियाँ

उत्तर- (D)/ व्याख्या तार्किक समता आधारित विश्वसनीयता का प्रतिपादन कूडर तथा रिचार्डसन ने की। इस विधि के प्रयोग के लिए कूडर रिचार्डसन ने अनेक सूत्रों का प्रतिपादन किया जिनमें से दो सूत्र K-R-20 तथा K-R-21 अधिक प्रचलित है। इसमें परीक्षण को दो बराबर-बराबर भाग में बांटने की जरूरत नहीं होती। इस विधि में परीक्षण के विभिन्न पदों का पारस्परिक संबंध एवं पदों का सम्पूर्ण परीक्षण से सह-सम्बन्ध ज्ञात किया जाता है। इसे आंतरिक संगति गुणांक भी कहते हैं। इस विधि के प्रयोग की मान्यता है कि परीक्षण के सभी पद समजातीय हो।

67. निम्न में से कौन सा मिलान सही नहीं है?

(A) कक्षा के क्रमांक - मात्रात्मक मापनी
(B) समूह में सापेक्ष क्रम - क्रमात्मक मापनी
(C) क्रिकेट खिलाड़ियों की लम्बाई - वर्णात्मक मापनी
(D) छात्रों का भार मापनी - अनुपातात्मक

उत्तर- (C)/ व्याख्या क्रिकेट खिलाड़ियों की लम्बाई वर्णात्मक मापनी या अन्तरित मापनी (Interval Scale) द्वारा मापन नहीं होता है बल्कि छात्रों की लम्बाई तथा भार आदि का मापन करके अंक प्रदान करना आनुपातिक मापनी द्वारा किया जाता है। शेष विकल्प सुमेलित है।

68. सीखने की अक्षमता का सम्बन्ध है

(A) घटिया वातावरण सीखने की अक्षमता का कारक है।
(B) सीखने की अक्षमता का सम्बन्ध मानसिक पिछड़ेपन से है।
(C) सीखने की अक्षमता का सम्बन्ध भावात्मक विघ्नों से है।
(D) सीखने की अक्षमता वाले बच्चों को इंद्रियगोचर समस्याएँ होती हैं।

उत्तर- (D)/ व्याख्या सीखने की अक्षमता शब्द से अभिप्राय उन दशाओं से है जो मस्तिष्क में चोट लगने तथा मस्तिष्क का सुचारु रूप से कार्य करने में अक्षम होने, बोलने में अक्षम, लिखने में अक्षम आदि अनेक कारणों में से एक या अधिक कारणों से अधिगम में कठिनाई का अनुभव करता है उसे अधिगम निर्योग्य बालक कहा जाता है। अत: सीखने की अक्षमता का संबंध सीखने वाले बच्चों को इंद्रियगोचर (Perceptual) समस्याएं होती हैं।

69. अध्यापक शिक्षा को किस देश में तकनीकी शिक्षा समझा जाता है?

(A) यू.एस.ए.
(B) यू.के.
(C) यू.एस.एस.आर.
(D) भारत

उत्तर- (A)/ व्याख्या संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) में अध्यापक शिक्षा एक तकनीकी शिक्षा के रूप में समझा जाता है। यू.एस.ए. की शिक्षा व्यवस्था में व्यवसाय की शिक्षा को बहुत महत्व दिया जाता है। शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर व्यावसायिक व तकनीकी शिक्षा दिया जाता है। डॉक्टरी, इंजीनियरिंग आदि की भाँति पूर्व सेवाकालीन अध्यापक शिक्षा को भी तकनीकी शिक्षा के अन्तर्गत रखा गया है।

70. IGNOU (इग्नू) किस वर्ष में स्थापित की गई थी?

(A) 1964 (B) 1985 (C) 1992 (D) 2002

उत्तर- (B)/ व्याख्या इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) की स्थापना 1985 में दिल्ली में की गई थी। अन्य मुख्य मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष निम्नलिखित है -
(1) प्रथम मुक्त विश्वविद्यालय (आन्ध्रप्रदेश) - 1982
(2) कोटा मुक्त विश्वविद्यालय (राजस्थान) - 1987
(3) नालन्दा मुक्त विश्वविद्यालय (बिहार) - 1987
(4) यशवन्त राव चव्हाण मुक्त वि.वि. (महाराष्ट्र) - 1989
(5) भोज मुक्त विश्वविद्यालय (म.प्र.) - 1991
(6) राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय (उ.प्र.) - 1999

71. बौद्ध धर्म में मुक्ति के मार्ग के .... हैं।

(A) दो सोपान (B) चार सोपान
(C) छह सोपान (D) आठ सोपान

उत्तर- (D)/ व्याख्या बौद्ध धर्म में मुक्ति के मार्ग के आठ सोपान हैं जिसे अष्टांग मार्ग कहा जाता है। ये हैं -
1. सम्यक् दृष्टि 2.सम्यक् संकल्प 3. सम्यक वचन 4.सम्यक् कर्म 5. सम्यक् जीव 6. सम्यक् व्यायाम 7. सम्यक् स्मृति 8. सम्यक् समाधि।

72. एक आधुनिक भारतीय शिक्षाशास्त्री जो अत्यन्त प्रकृतिवादी था - वह था

(A) स्वामी विवेकानंद (B) रविन्द्रनाथ टैगोर
(C) श्री अरविन्द (D) जे. कृष्णामूर्ति

उत्तर- (B)/ व्याख्या आधुनिक भारतीय शिक्षा शास्त्री रविन्द्र नाथ टैगोर प्रकृतिवादी थे।

73. निम्नलिखित में से कौन सा सही नहीं है? अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के कारण

(A) तेजी से स्तरीकरण
(B) अधिक खुला सामाजिक ढाँचा
(C) अपेक्षाकृत अधिक गतिशीलता
(D) शैक्षिक अवसर का अधिक समानीकरण

उत्तर- (D)/ व्याख्या अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के कारण शैक्षिक अवसरों का और अधिक समाजीकरण होगा। अर्थव्यवस्था के उदार होने पर देश की जनसंख्या को अपनी व्यक्तिगत उन्नति व शिक्षा का समान अवसर प्राप्त होगा जिसके कारण सभी को समान शिक्षा मिल सकेगी।

74. **बहु-परामर्श से क्या अभिप्राय है?**

(A) वृत्तिक कोंसुलों और पैरा-वृत्तिक कोंसुलों द्वारा परामर्श

(B) एक लघु सजातीय समूह अथवा दो या अधिक व्यक्तियों को दिया हुआ परामर्श

(C) वृत्तिक कोंसुलों, पैरा-वृत्तिक कोंसुलों और मीडिया द्वारा परामर्श

(D) किसी ग्राहक को उसकी जटिल और बहु-समस्याओं के लिए दिया गया परामर्श

उत्तर- (C) व्याख्या निर्देशन एवं परामर्श के अनेक साधन व सिद्धान्त हैं। आवश्यकता के आधार पर ये अनेक प्रकार के होते हैं। वृत्तिक कोसुलो, पैरा वृत्तिक कोसुलो और मीडिया द्वारा दिया गया परामर्श बहु-परामर्श के नाम से जाना जाता है। परामर्श को व्यक्तिगत तथा सामूहिक दो प्रकारों में भी विभाजित किया जाता है।

75. **सूची-I की मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए तथा दिये गये कूट में से सही उत्तर चुनिए।**

	सूची -I	सूची-II
a.	संरचनावाद	i. प्रौद्योगिकी आधारित अधिगम की रूपावली
b.	मचान बाँधना	ii. यथार्थ में संसार स्कूल में पढ़ने जैसा नहीं है।
c.	स्थिति अधिगम	iii जो सीखने वालों को स्वतन्त्रता से उन्नति करने की अनुमति दे।
d.	स्थिरक अनुदेश	iv. एक विचार जो सीखने वाले की भूमिका पर बल देता और कहता है कि उसे आत्मसात करने और सूचना को जानने में सफलता प्राप्त हो।
		v. सीखने वाला संज्ञानात्मक एवं अनुसंज्ञानात्मक कार्यविधि सीखता है।

कूट :

	a	b	c	d
(A)	iv	ii	iii	v
(B)	ii	iii	i	iv
(C)	iv	iii	ii	i
(D)	i	ii	iii	v

उत्तर- (C) व्याख्या सूची I और सूची II सुमेलित है -

	सूची - I (मनोवैज्ञानिक परीक्षण)		**सूची - II (मनोवैज्ञानिक)**
(a)	संरचनावाद (Constructivism)	**(iv)**	एक विचार जो सीखने वाले की भूमिका पर बल देता और कहता है कि उसे आत्मसात करने और सूचना को जानने में सफलता प्राप्त हो।
(b)	मचान बाँधना (Scaffolding)	**(iii)**	जो सीखने वालों को स्वतंत्रता से उन्नति करने की अनुमति दे।
(c)	स्थिति अधिगम (Situated learning)	**(ii)**	यथार्थ में संसार स्कूल में पढ़ने जैसा नहीं हैं।
(d)	स्थिरक अनुदेश (Anchored Instruction)	**(i)**	प्रौद्योगिकी आधारित अधिगम की रूपावली

UGC NET/ J.R.F. EXAM
प्रश्न-पत्र II शिक्षाशास्त्र

1. 'अन्तर-आलोचन' किस अनुसंधान का अपेक्षित सोपान है?

(a) प्रयोगात्मक अनुसंधान (b) ऐतिहासिक अनुसंधान
(c) वर्णनात्मक अनुसंधान (d) दार्शनिक अनुसंधान

उत्तर- (B) व्याख्या ऐतिहासिक अनुसंधान में आँकड़ों का संग्रह करने के बाद उन आँकड़ों की सत्यता की जाँच के लिए उन आँकड़ों की आलोचना की जाती है। ये आलोचना दो तरह से किया जाता है- एक अन्तर आलोचना तथा दूसरा वाह्य आलोचना। अन्तर आलोचना का उद्देश्य यह ज्ञात करना है कि क्या लेखक विषय के साथ न्याय कर पाया है या नहीं?

2. कौन सा नमूना चयन तकनीक विषमजातीय जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने वाल नमूना प्राप्त करने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त रहेगा ?

(a) स्तरीकृत यादृच्छिक नमूना(b) कोटा नमूना
(c) सोद्देश्य नमूना (d) आकस्मिक नमूना

उत्तर- (A) व्याख्या विषमजातीय जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने वाला नमूना प्राप्त करने की सबसे उत्तम विधि स्तरीकृत यादृच्छिक न्यादर्शन विधि है। यह न्याय दर्शन की एक सम्भावित विधि है। इसमें जीवसंख्या की कुछ ज्ञात गुण या विशेषताओं के आधार पर उन्हें कुछ भागों में बाँट दिया जाता है इसके पश्चात् प्रत्येक स्तर से न्यादर्श चयन की कोशिश की जाती है। जैसे किसी महाविद्यालय के छात्रों को बी.ए. , एम.ए. , बी.एड. , बी.एस.सी. आदि स्तरों में बाँट- कर प्रत्येक स्तर से न्यादर्श किया जाता है।

3. काई-स्क्वेयर टेस्ट (परीक्षण) उदाहरण है

(a) प्राचलिक परीक्षण (b) गैर-प्राचलिक परीक्षण
(c) वर्णनात्मक परीक्षण (d) सर्वेक्षण परीक्षण

उत्तर- (B) व्याख्या काई स्क्वायर (χ^2) एक गैर प्राचलिक परीक्षण है। इसका प्रयोग कार्ल पियर्सन ने सर्वप्रथम सन् 1960 में किया था।

4. उच्च विश्वसनीयता वाला परीक्षण निम्न में से किसके लिए आवश्यक है ?

(a) अध्यापक द्वारा निर्मित परीक्षण के लिए
(b) शोधकार्य हेतु परीक्षण के लिए
(c) छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर वर्गीकरण के लिए
(d) परामर्श सेवा प्रदान करने के लिए

उत्तर- (C) व्याख्या छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर वर्गीकरण करने के लिए उच्च स्तर की विश्वसनीयता वाले परीक्षण की आवश्यकता होती है।

5. निम्न में से किसको अधिगम सिद्धांतों पर अग्रणी कार्य के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया ?

(a) आर.एम.गायने (b) जे.एस.ब्रूनर
(c) लेव वाइगोट्स्की (d) इवान पावलोव

उत्तर- (D) व्याख्या अधिगम सिद्धान्तों में अग्रणी कार्य करने के लिए इवान पी. पावलोव को सन् 1904 में नोबेल पुरस्कार दिया गया।

6. पियाजे के अनुसार, मनुष्यों में संज्ञानात्मक विकास चार महत्वपूर्ण पड़ावों में होता है। इन पड़ावों के सही क्रम का चयन कीजिए

(a) पूर्व-संक्रियात्मकता, औपचारिक संक्रियात्मकता,तर्क बुद्धि संक्रियात्मकता, संवेदीतंत्रिक संक्रियात्मकता
(b) संवेदीतंत्रिक संक्रियात्मकता, तर्क बुद्धि संक्रियात्मकता, औपचारिक संक्रियात्मकता, पूर्व-संक्रियात्मकता
(c) औपचारिक संक्रियात्मकता, संवेदीतंत्रिक संक्रियात्मकता, पूर्व -संक्रियात्मकता, तर्क बुद्धि संक्रियात्मकता
(d) संवेदीतंत्रिक संक्रियात्मकता, पूर्व- संक्रियात्मकता,तर्कबुद्धि संक्रियात्मकता, औपचारिक संक्रियात्मकता

उत्तर- (D) व्याख्या पियाजे के अनुसार संज्ञानात्मक विकास के चार महत्वपूर्ण पड़ाव क्रमश: इस प्रकार हैं-

I- संवेदनात्मक गामक अवस्था (0 से 2 वर्ष)
II- पूर्व संक्रियात्मक अवस्था (2 से 7 वर्ष)
III- मूर्त संक्रिया अवस्था (7 से 11 वर्ष)
IV- औपचारिक संक्रिया अवस्था (11 से 15 वर्ष)

7. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा दिये गये कूट में से सही उत्तर चुनिए ।

सूची-I		सूची-II
a. कार्ल रोजर	i.	कार्यक्षेत्र सिद्धान्त
b. कर्ट लेविन	ii.	सामाजिक अधिगम सिद्धान्त
c. बन्डुरा	iii.	स्वः सिद्धान्त
d. ब्रूनर	iv.	मनोवैज्ञानिक विश्लेषणात्मक सिद्धान्त
	v.	संज्ञानात्मक सिद्धान्त

कूटः

	a	b	c	d
(1)	iii	iv	ii	v
(2)	ii	i	v	iii
(3)	i	ii	iv	v
(4)	iii	i	ii	v

उत्तर- (d)/व्याख्या

मनोवैज्ञानिक	-	संबन्धित सिद्धान्त
(a) कार्ल रोजर	-	(iii) स्व: सिद्धान्त
(b) कुर्ट लेविन	-	(i) कार्य क्षेत्र सिद्धान्त
(c) बन्डूरा	-	(ii) सामाजिक अधिगम सिद्धान्त
(d) ब्रूनर	-	(v) संज्ञानात्मक सिद्धान्त

8. पावलोव के कुत्तों की लार ग्रन्थियों से सम्बन्धित प्रयोग में CS (अस्वाभाविक उद्दीपक) था

(a) भोजन का स्वाद
(b) भोजन के स्वाद के प्रति लार बहना
(c) घंटी की अवाज
(d) घंटी की आवाज के प्रति लार बहना

उत्तर- (c)/व्याख्या पावलोव के कुत्तों के लार ग्रन्थियों से सम्बन्धित प्रयोग में CS (अस्वाभाविक उद्दीपक) घण्टी की आवाज थी। एक समय ऐसा आया जब कुत्ते ने अस्वाभाविक उद्दीपक पर स्वाभाविक अनुक्रिया प्रकट किया।

9. कोहलर ने विकसित किया

(a) S-R बोण्ड सिद्धान्त (b) इनसाइट सिद्धान्त
(c) फील्ड सिद्धांत (d) कन्डीशनिंग सिद्धान्त

उत्तर- (b)/व्याख्या कोहलर अधिगम के संज्ञानवादी विचारधारा के समर्थक व प्रतिपादक थें। उन्होंने अधिगम के अन्तर्दृष्टि का सिद्धान्त दिया। इसे इनसाइट या सूझ के सिद्धान्त के नाम से भी जाना जाता है। उन्होने यह प्रयोग सुल्तान नामक चिम्पैंजी पर किया था।

10. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही नहीं है ?

(a) बहु-बुद्धि सिद्धान्त - गिलफोर्ड
(b) क्लासिकी अनुबन्धन सिद्धान्त - पावलोव
(c) मनो-सामाजिक सिद्धान्त - एरिकसन
(d) अर्थपूर्ण मौखिक अधिगम - आसुबेल

उत्तर- (a)/व्याख्या निम्न युग्मों में से युग्म a सत्य नहीं है क्योंकि बहु बुद्धि सिद्धान्त गिलफोर्ड ने नहीं दिया है बल्कि इसे सिद्धान्त के प्रतिपादक होवर्ड गार्डनर हैं।

11. आचरण शिक्षा के सम्बन्ध में शैक्षिक समाज- शास्त्रियों का क्या मत है ?

(a) आचरण शिक्षा मात्र घर और धार्मिक संगठनों के घेरे में आती है ।
(b) आचरण शिक्षा को धार्मिक एवं साम्प्रदायिक सिद्धान्तों के बिना दिया जाना संभव नहीं है।
(c) आचरण शिक्षा को सर्वोत्तम ढंग से निपटने के लिए लक्षित व्यक्तियों को बने बनाये निर्णय दिये जाएँ ।
(d) आचरण शिक्षा में नैतिक समस्याओं पर प्रत्यक्ष चर्चा होनी चाहिए ।

उत्तर- (d)/व्याख्या आचरण शिक्षा के सम्बन्ध में शैक्षिक समाजशास्त्रियों का मत है कि आचरण शिक्षा में नैतिक समस्याओं पर प्रत्यक्ष चर्चा होनी चाहिए जिससे बच्चों का नैतिक विकास उचित रूप से किया जा सके।

12. ''क्रई देशों में आजकल, रक्षा क्षेत्र को छोड़, शिक्षा में निवेश ही एकमात्र सबसे बड़ी मद है।'' इसका सामजिक औचित्य क्या है ?

I. वैश्वीकरण के अधीन शिक्षा अत्यावश्यक माँग हो गई है।
II. शिक्षा सामाजिक बुराइयों के लिए रामबाण है।
III. शिक्षा 'राजतन्त्र की स्थापना के लिए अस्वार्थी एवं समर्थ नेता पैदा करती है ।
IV. शिक्षा सभी के लिए सुरक्षा, समृद्धि और सामाजिक मंगल को जुटाने में सहायता करती है।

कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए ः

कूटः (a) I और III (b) II और IV
(c) I और II (d) III और IV

उत्तर- (b)/व्याख्या ''कई देशों में आजकल, रक्षा के क्षेत्र को छोड़, शिक्षा में निवेश ही एकमात्र सबसे बड़ा निवेश है।'' उपर्युक्त कथन के निम्न सामाजिक औचित्य हैं-
(I) शिक्षा सामाजिक बुराइयों के लिए रामबाण है।
(II) शिक्षा सभी के लिए सुरक्षा, समृद्धि और सामाजिक माँग को जुटाने में सहायता करती है।

13. भारत में स्वतन्त्रता से पूर्व जाति भेदभाव का निम्नलिखित में से कौन सा मुख्य कारक था ?

(a) धर्म (b) निर्धनता
(c) अंग्रेजी शिक्षा (d) पारिवारिक व्यवसाय

उत्तर- (d)/व्याख्या भारत में स्वतंत्रता से पूर्व जातिय भेदभाव का मुख्य कारक पारिवारिक व्यवसाय (कर्म) था। कालान्तर में इसका आधार जन्म बन गया। वर्तमान में भारत की एकता व अखण्डता के लिए महत्व से बड़ा बाधक है।

14. निगमनात्मक तर्कणा सहायक होती है

(a) अनुसंधान रिपोर्टिंग (b) परिकल्पना के निर्माण में
(c) सामग्री (डेटा) विश्लेषण में (d) साधनों की तैयारी में

उत्तर- (b)/व्याख्या निगमनात्मक तर्कणा शोध के दौरान परिकल्पना के निर्माण में सहायक होती है। शिक्षा तथा मनोविज्ञान के अनुसंधानों में इसका बहुताय प्रयोग किया जाता है।

15. निम्न में से कौन से प्रकार का यह लक्ष्य होता है कि नई परिकल्पनाओं की उत्पत्ति की जाए ?

(a) स्वरूप (b) निगमनात्मक
(c) आगमनात्मक (d) कोई सही नहीं है।

उत्तर- (c)/व्याख्या अनुसंधान प्रक्रिया के दौरान नवीन प्राकल्पनाओं के निर्माण में आगमानात्मक तर्कणा का प्रयोग किया जाता है। इसमें विभिन्न दृष्टान्तों के माध्यम से एक नवीन निष्कर्ष पर पहुँचा जाता है।

16. निम्न में से अनुसंधान अध्ययन की साध्यता को किस प्रकार में देखा जाए ?

(a) सम्भाव्य नैतिक मामले
(b) अनुसंधानकर्त्ता के लिए अपेक्षित कार्य
(c) अनुसंधान के लिए अपेक्षित लागत और समय
(d) उपरोक्त सभी

उत्तर- (d)/ व्याख्या अनुसंधान एक उद्देश्यपूर्ण वक्रबद्ध प्रक्रिया है अनुसंधान अध्ययन की साध्यता (सम्भावना) को निम्न प्रकाश में देखा जाये-
A- सम्भाव्य नैतिक मामले
B- अनुसंधानकर्त्ता के लिए अपेक्षित कार्य कौशल
C- अनुसंधान के लिए अपेक्षित लागत और समय

17. निम्न में से कौन - सा नामात्मक- मापनी के विभिन्न बिन्दुओं को दिए गए चिन्हों का एक गुण नहीं है?

(a) कोई मात्रात्मक अर्थ नहीं
(b) नाम अथवा लेबल के अलावा कुछ नहीं
(c) परिमाण के अनुसार क्रमबद्ध करना
(d) गणितीय विधियों का प्रयोग नहीं।

उत्तर- (c)/ व्याख्या परिमाण के अनुसार क्रमबद्ध करना नामात्मक मापनी का गुण नहीं है बल्कि यह क्रमबद्ध मापनी का गुण है। नामात्मक मापनी में शोधकर्ता संख्या या अंक का प्रयोग करके व्यक्तियों वस्तुओं या समूहों की पहचान या उनका नामकरण करने के लिए करता है। इसे वर्गीकृत मापनी भी कहते हैं।

18. व्यवहारवाद पर आधारित अधिगम सिद्धान्तवादी इस विश्वास को मानते हैं कि

(a) बालक प्रकृति से सीखने वाला है।
(b) वातावरण व्यक्ति को बदल सकता है।
(c) सभी प्रकार का व्यवहार सीखा जा सकता है।
(d) प्रत्येक व्यक्ति सब कुछ सीख सकता है।

उत्तर- (c)/ व्याख्या व्यवहारवाद पर आधारित अधिगम सिद्धान्तवादियों का विश्वास है कि- सभी प्रकार का व्यवहार सीखा जाता है। ये व्यवहार का अध्ययन करने के लिए बहिदर्शन विधि का प्रयोग करते हैं।

19. ब्रूनर ने संज्ञानात्मक विकास के तीन महत्वपूर्ण पड़ाव की पहचान की । निम्नलिखित में से इन पड़ावों के सही क्रम का चयन कीजिए

(a) प्रतिकात्मक, अनुप्रतीकात्मक एनेक्टिव, (इन्द्रियों द्वारा प्राप्य ज्ञान को क्रियाओं से प्रकट करना)
(b) अनुप्रतीकात्मक,प्रतीकात्मक, एनेक्टिव
(c) एनेक्टिव, अनुप्रतीकात्मक, प्रतीकात्मक
(d) प्रतीकात्मक, एनेक्टिव, अनुप्रतीकात्मक

उत्तर- (c)/ व्याख्या ब्रूनर के संज्ञानात्मक विकास के तीन महत्वपूर्ण पड़ावों का सही क्रम इस प्रकार है-
(I) क्रियात्मक अवस्था (Enactive stage)
(II) प्रतिविम्बात्मक अवस्था (Iconic stage)
(III) संकेतात्मक अवस्था (Symbolic)

20. आर्मी बीटा परीक्षण उदाहरण है

(a) वैयक्तिक मौखिक बुद्धि परीक्षण
(b) समूह गैर- मौखिक बुद्धि परीक्षण
(c) समूह मौखिक बुद्धि परीक्षण
(d) निष्पादन परीक्षण

उत्तर- (b)/ व्याख्या आर्मी बीटा परीक्षण- एक समूह गैर मौखिक परीक्षण (अशाब्दिक सामूहिक) है। इसका निर्माण हेनरी ओटिस ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान किया था।

21. निम्न पर गम्भीरता से विचार कीजिए :

अभिकथन (A) :- किशोरावस्था तनाव और तूफानों की अवस्था है।
तर्क (R) :- इसमें ज्ञानार्जित करने और उसका प्रयोग करने का सामर्थ्य शिखर पर होता है ।

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही है, परन्तु (R)सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है,परन्तु (R)गलत है।
(d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

उत्तर- (b)/ व्याख्या कथन A तथा कथन R दोनों सत्य है। किन्तु कथन R कथन A की सही व्याख्या नहीं है। क्योंकि यह बात सत्य है कि किशोरावस्था ज्ञानार्जन करने व उसका प्रयोग करने का सामर्थ्य शिखर पर होता है किन्तु इस अवस्था की तनाव व तूफान इस सामर्थ्य के लिए जिम्मेदार नहीं है।

22.''जिन प्रतिक्रियाओं को सीखने के उपरान्त संतुष्टि प्राप्त होती है, उन्हें सीख लिया जाता हैं ''

(a) अभ्यास का नियम (b) प्रभाव का नियम
(c) तत्परता का नियम (d) सापेक्षता का नियम

उत्तर- (b)/ व्याख्या जिन प्रक्रियाओं को सीखने के उपरान्त संतुष्टि प्राप्त होती है उन्हे आसानी से सीख लिया जाता है। यह थार्नडाइक के सीखने के प्रभाव का नियम के अन्तर्गत आता है। इसमें उद्दीपक महत्वपूर्ण नहीं होता बल्कि अनुक्रिया द्वारा परिणाम महत्वपूर्ण होता है।

23. स्परेंजर का प्रकार- विज्ञान व्यक्ति के किस पक्ष पर आधारित हैं?

(a) रुचि (b) शरीर संरचना (c)व्यवहार(d) दृष्टिकोण

उत्तर- (a)/ व्याख्या स्परेंजर का प्रकार विज्ञान व्यक्ति के ''रुचि'' पर आधारित है।

24. समाजीकरण पद से क्या भाव है?

(a) सामाजिक एवं सेवी संगठनों द्वारा ग्रामीण निरक्षर जनों को अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने के लिए प्रभावित करना।
(b) उनके घरों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने के लिए विज्ञापनों सहित मीडिया को सूचनाएँ पहुँचाना।
(c) समाज के सदस्यों के बीच अन्तर - क्रिया बनाना और मानवीय मूल्यों को ग्रहण करना।
(d) सामाजिक सेवा गतिविधियों में भाग लेना।

उत्तर- (c)/ व्याख्या सामाजीकरण पद से तात्पर्य है कि समाज के सदस्यों के बीच अन्त:क्रिया बनाना और मानवीय मूल्यों को ग्रहण करना। यह मानव विकास का एक महत्वपूर्ण पक्ष है।

25. समाजशास्त्र का जनक किसे जाना जाता है ?
(a) अगस्त काम्टे (b) मैकाईवर
(c) रॉबर्ट पेन (d) टाल्कॉट पारसन

उत्तर- (a)/व्याख्या समाजशास्त्र का जनक अगस्ट कॉम्टे को माना जाता है। यह एक फ्रान्सीसी विचारक थें। इनका जन्म 19 जनवरी 1798 को हुआ था।

26.निम्नलिखित में से कौन सा श्रेणी/स्कूल के सामाजिक कार्यों की पूर्ति के लिए स्वस्थ वातावरण होने का संकेत देता है ?
(a) अहस्तक्षेप और राजतन्त्र के बीच समझौते वाला प्रजातन्त्र
(b) प्रत्यायन एवं आज्ञा के बीच समझौते वाला प्रजातन्त्र
(c) अहस्तक्षेप
(d) लोकतन्त्र

उत्तर- (b)/व्याख्या प्रत्यायन एवं आज्ञा के बीच समझौते वाला प्रजातंत्र, किसी स्कूल के सामाजिक कार्यों की पूर्ति के लिए स्वस्थ्य वातावरण के होने का संकेत देता है।

27. निम्न में से कौन सी अनुसंधान सम्बन्धी प्रतिज्ञाप्ति से आप सहमत नहीं हैं?
(a) अनुसंधान शिक्षण की गुणवत्ता में वृद्धि करता है।
(b) अनुसंधान अनेक समस्याओं का समाधान ढूँढने में सफल रहता है।
(c) अनुसंधान मात्र कार्मिक उपलब्धि है।
(d) अनुसंधान समाज की समाजिक उन्नति में योगदान देता है।

उत्तर- (c)/व्याख्या अनुसंधान मात्र एक कार्मिक उपलब्धि है- यह कथन अनुसंधान की विशेषता नहीं क्योंकि अनुसंधान कार्य का उद्देश्य काफी व्यापक होता है। इसका उद्देश्य निम्न हैं- विकल्प ABD लिख लें।
(a) अनुसंधान शिक्षण की गुणवत्ता में वृद्धि करता है।
(b) अनुसंधान अनेक समस्याओं का समाधान ढूँढने में सफल रहता है।
(d) अनुसंधान समाज की समाजिक उन्नति में योगदान देता है।

28.निम्नलिखित में से कौन सा गैर-प्राचलिक परीक्षण है?
(a) सह-प्रसरण विश्लेषण (b) प्रसरण विश्लेषण
(c) मध्यम परीक्षण (d) क्रांतिक अनुपात

उत्तर- (c)/व्याख्या मध्यम परीक्षण (median test) एक गैर प्राचलिक परीक्षण है। इसके अलावा शतमक, स्पीयरमैन, कोटि अन्तर विधि, केण्डाल विधि मान विटनी यू परीक्षण आदि भी गैर प्राचलिक परीक्षण के अन्तर्गत आते हैं।

29. किसी मापक-यन्त्र की वैधता तथा विश्वसनीयता के लिए निम्न में से कौन सा कथन सही है ?
(a) विश्वसनीय परीक्षण वैध भी होता है।
(b) वैधता, विश्वसनीयता की गारन्टी नहीं है।
(c) वैधता तथा विश्वसनीयता में सम्बन्ध नहीं है ।
(d) वैध परीक्षण विश्वसनीय अवश्य होगा ।

उत्तर- (d)/व्याख्या एक वैध परीक्षण अवश्य ही विश्वसनीय होगा। जबकि विश्वसनीयता के लिए वैधता कोई आवश्यक शर्त नहीं है।

30. व्यवहारवादी विचारधारा के अनुसार एक अध्यापक होता है
(a) ज्ञान का भण्डार
(b) कक्षा-कक्ष का नेता
(c) बच्चों की अधिगम क्रियाओं का पर्यवेक्षक
(d) उचित अधिगम-परिस्थितियों का निर्माता

उत्तर- (d)/व्याख्या व्यवहारवादी विचारधारा के अनुसार एक अध्यापक उचित अधिगम परिस्थितियों का निर्माता होता है। क्योंकि व्यवहारवादी सीखने में वातावरण की भूमिका को महत्वपूर्ण मानते हैं।

31. सीखने का सामजिक सिद्धान्त के प्रतिपादक कौन हैं ?
(a) थार्नडाइक (b) स्पीयरमैन
(c) एलबर्ट बान्ड्रा (d) वांटसन

उत्तर- (a+c)/व्याख्या थार्नडाइक व एल्बर्ट बान्ड्रा दोनों ही सीखने के सामाजिक सिद्धान्त के प्रतिपादक है।

32.अभ्यास के नियम द्वारा छात्रों में विकसित होती है
(a) परिश्रम की आदत (b) बुद्धि
(c) अन्तर्दृष्टि (d) समस्या समाधान क्षमता

उत्तर- (d)/व्याख्या अभ्यास के द्वारा छात्रों में समस्या समाधान की क्षमता विकसित होती है। यह नियम थार्नडाइक के अभ्यास के नियम पर आधारित है।

33. निम्नलिखित में से किन विद्यार्थियों को अध्यापक के ध्यान की आवश्यकता है ?
(a) अन्तर्मुखी (b) मंदगति से सीखने वाला
(c) गुणी (d) उपरोक्त सभी

उत्तर- (d)/व्याख्या एक कक्षा में व्यक्तिगत भिन्नताओं वाले अनेक छात्र होते हैं। अध्यापकों के लिए यह आवश्यक है कि वे व्यक्तिगत भिन्नताओं को ध्यान में रखते हुए कक्षा के सभी बच्चों पर समान ध्यान देना चाहिए।

34. निम्न में से कौन सी घटना नकारात्मक पुनर्बलन का उदाहरण है ?
(a) दण्ड देना (b) पुरस्कार को रोक लेना
(c) दर्दनाक उद्दीपन को दूर करना (d) अत्यधिक पुरस्कार देना

उत्तर- (b)/व्याख्या पुरस्कार को रोक लेना भी एक प्रकार का नकारात्मक पुनर्बलन है।

35. व्हील-चेयर पर आने वाले बच्चे को
(a) नियमित स्कूल में नहीं होना चाहिए ।
(b) किसी विशेष स्कूल में पढ़ना चाहिए ।
(c) नियमित स्कूल के गैर-निर्क्षमता वाले विद्यार्थियों के साथ शिक्षा दी जानी चाहिए ।
(d) नियमित स्कूल की निम्न श्रेणी में शिक्षा दी जानी चाहिए।

उत्तर- (c)/व्याख्या व्हील चेयर पर आने वाले बच्चों को नियमित स्कूल के गैर निर्क्षमता वाले विद्यार्थियों के साथ शिक्षा दी जानी चाहिए। अन्यथा बालक का सामाजीकरण सही से नहीं हो पाएगा इसके अलावा उन बालकों में हीन भावना का विकास होने लगता है। इसलिए इनका समावेशन बहुत आवश्यक है।

36.''स्कूल एक लघु समुदाय, लघु समाज है।'' इस कथन के प्रसंग में ''समुदाय'' और ''समाज'' पदों से क्या अभिप्राय है?

I. समुदाय से अभिप्राय है स्वतन्त्रता
II. समुदाय से अभिप्राय है सभी के साथ समान व्यवहार
III. समाज से अभिप्राय है सभी को शैक्षिक एवं रोजगार सम्बन्धी समान अवसर
IV. समाज से अभिप्राय है नियंत्रण

प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए
(a) III और II
(b) III और I
(c) III और IV
(d) I और IV

उत्तर- (d)/व्याख्या ''स्कूल एक लघु समुदाय, लघु समाज है।'' इसमें समुदाय से तात्पर्य स्वतंत्रता से है तथा समाज से अभिप्राय अनुशासन से है। क्योंकि समाज सामाजिक नियंत्रण द्वारा समाज में अनुशासन बनाए रखने में सहायता करता है।

37. ''वैयक्तिक भेदों'' को कोई महत्व नहीं दिया जाता
(a) आदर्शवाद में
(b) यथार्थवाद में
(c) प्रकृतिवाद में
(d) व्यवहारिकतावाद में

उत्तर- (a)/व्याख्या आदर्शवादी शिक्षा व्यवस्था में बालकों की व्यक्तिगत भिन्नता को महत्व नहीं दिया गया है। यह आदर्शवादी शिक्षा व्यवस्था की एक प्रमुख दोष है।

38.सामजिक वर्ग के लिए मूल कसौटी क्या है ?
(a) व्यवसाय
(b) हैसियत (स्टेटस)
(c) धर्म
(d) आवास का स्थान

उत्तर- (b)/व्याख्या सामाजिक वर्ग के लिए मूल कसौटी व्यक्ति की हैसियत (स्टेटस) है। इसी के आधार पर व्यक्ति किसी समाज विशेष का सदस्य होता है।

39. एक उपलब्धि परीक्षण के आधार पर एक अध्यापक राम, श्याम और ध्यान को क्रमशःप्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान देता है। यह उदाहरण है
(a) अनुपात माप
(b) क्रमसूचक माप
(c) अन्तराल माप
(d) नाममात्र माप

उत्तर- (b)/व्याख्या उपलब्धि परीक्षण के आधार पर छात्रों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान देना क्रम सूचक मापनी का उदाहरण है। इसमें व्यक्ति या वस्तु में उपस्थित गुणों या विशेषताओं की मात्रा के आधार पर क्रम में रखा जाता है।

40.यदि दसवीं कक्षा के विद्यार्थी विज्ञान के विषय में लिए गये टेस्ट को बहुत सरल समझते हैं और अधिकतर उसमें अंक प्राप्त करते हैं, परिणामतः विवरण होगा
(a) सामान्य
(b) मेसोकुर्टिक
(c) बायीं ओर को झुका हुआ (विषम)
(d) दायी ओर को झुका हुआ (विषम)

उत्तर- (d)/व्याख्या यदि किसी विषय विशेष की परीक्षा में अधिकतर छात्र अधिक अंक प्राप्त करते हैं तो ग्राफ में दाई ओर रेखा झुकी हुई होती है।

41.''मुझे एक बालक दो, मैं उसे जैसा आप चाहें वैसा बना सकता हूँ''यह कथन किसने दिया था ?
(a) गुथरी
(b) पावलोव
(c) स्किनर
(d) वॉटसन

उत्तर- (d)/व्याख्या ''मुझे एक बालक दो, मैं उसे जैसा आप चाहें वैसा बना सकता हूँ।'' यह कथन व्यवहारवादी मनोवैज्ञानिक वॉटसन का है।

42. ''व्यवहारवाद'' की अवधारणा सबसे पहले दी थी
(a) डेविड आसुबेल
(b) जे.बी वॉटसन
(c) इ.एल.थार्नडाइक
(d) बी.एफ.स्किनर

उत्तर- (b)/व्याख्या व्यवहारवाद की अवधारणा सबसे पहले JB वॉटसन ने दी थी। इसीलिए इनको व्यवहारवाद का जनक माना जाता है।

43. थार्नडाइक का सिद्धान्त जाना जाता है
(a) बन्ध सिद्धान्त
(b) साहचर्यवाद
(c) संज्ञानात्मकवाद
(d) समाजवाद

उत्तर- (a)/व्याख्या बन्ध सिद्धान्त का प्रतिपाद थार्नडाइक ने किया था। इसे बन्धन सिद्धान्त के नाम से भी जाना जाता है। इसमें अधिगम स्वाभाविक उद्दीपकों एवं अस्वाभाविक उद्दीपकों के बीच बनने वाले बन्धन पर निर्भर करता है।

44. अन्तदर्शन विधि में निरीक्षण किसके द्वारा किया जाता है?
(a) दूसरों द्वारा
(b) पशुओं द्वारा
(c) स्वयं अपने द्वारा
(d) उनके द्वारा

उत्तर- (c)/व्याख्या अन्तदर्शन विधि में निरीक्षण स्वयं अपने द्वारा किया जाता है। वर्तमान में यह विधि मान्य नहीं है-क्योंकि बच्चों, मनोरोगियो तथा पशुओं पर अध्ययन इस विधि द्वारा नहीं किया जा सकता।

45. **निम्नलिखित में से किस विधि में ''वर्तमान ज्ञान'' को निष्कर्ष निकालने के लिए प्रयुक्त किया जाता है ?**
(a) आगमनात्मक तर्कणा विधि
(b) निगमनात्मक तर्कणा विधि
(c) सर्वेक्षण विधि
(d) सकारात्मक विधि

उत्तर- (b)/व्याख्या निगमनात्मक तर्कणा विधि में ''वर्तमान ज्ञान को'' निष्कर्ष निकालने के लिए प्रयुक्त किया जाता है। इसमें नियम पहले बताया जाता है तथा उदाहरण बाद में।

46. **पावलोव और स्किनर निम्न में से किससे सम्बन्धित हैं ?**
(a) संरचनावाद
(b) प्रकार्यवाद
(c) व्यवहारवाद
(d) गेस्टाल्ट मनोविज्ञान

उत्तर- (c)/व्याख्या पावलोव और स्किनर दोनों ही मनोवैज्ञानिक व्यवहारवादी सम्प्रदाय से सम्बन्धित हैं - किन्तु इनके अधिगम संम्बन्धी सिद्धान्तों में समानता के साथ-साथ कुछ विषमता भी है।

47. **निम्नलिखित में से कौन सा सकरात्मक सामाजिक परिवर्तन का कारक है?**
(a) शक्ति
(b) शिक्षा
(c) धन
(d) प्राकृतिक प्रकोप

उत्तर- (b)/व्याख्या शिक्षा, सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन का एक कारक है। जबकि धन, शक्ति या प्राकृतिक प्रकोप सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन से संम्बन्धित नहीं है।

48. **भारतीय प्रसंग में शारदा अधिनियम क्यों महत्वपूर्ण है ?**
(a) यह 14 वर्ष की आयु तक के प्रत्येक बच्चे के लिए निःशुल्क शिक्षा की सिफारिश करता है।
(b) यह लड़कियों के लिए निःशुल्क अध्ययन सामग्री मुहैया कराने की सिफारिश करता है।
(c) यह लड़कियों के बाल विवाह का निषेध करता है।
(d) यह बाल-श्रम का निषेध करता है।

उत्तर- (c)/व्याख्या भारत में लड़कियों के बाल-विवाह निषेध के लिए एक-अधिनियम बनाया गया है जिसे 'शारदा अधिनियम' कहा जाता है। इसके अन्तर्गत बालिकाओं का कम उम्र में विवाह करना एक आपराधिक कृत्य माना गया है।

49. **आप ''संस्कृति'' पद को कैसे परिभाषित करेंगे?**
(a) एक जटिल समग्र जिसके अन्तर्गत वह सब कुछ आ जाता है जो एक व्यक्ति समाज के सदस्य के रूप में रहते हुए ग्रहण करता है।
(b) रोजमर्रा के जीवन में नवीनतम परिधान, घरेलू सामान, कार इत्यादि का प्रयोग करने को
(c) कम्प्यूटर, मोबाइल फोन और इण्टरनेट का प्रयोग करने को
(d) प्रसिद्ध क्लबों की सदस्यता, महँगे परिधान पहनना और आलीशान होटलों में खाने को

उत्तर- (a)/व्याख्या संस्कृति एक जटिल समग्र है जिसके अन्तर्गत वह सब कुछ आ जाता है जो एक व्यक्ति समाज के सदस्य के रूप में रहते हुए ग्रहण करता है।

50. **एक विद्यार्थी ने मनोविज्ञान की परीक्षा में 80 अंक और सांख्यिकी में 60 अंक प्राप्त किये हैं। इन अंकों को निम्न में से किस में परिवर्तित करके तुलना की जा सकती है ?**
(a) प्रतिशतता (b) कोटियां
(c) मानक अंक (d) क्रमान्तर

उत्तर- (c)/व्याख्या किसी विद्यार्थी के दो प्रदत्त अंक मालाओं से प्राप्त अंकों को ''मानक अंक'' में परिवर्तित कर तुलना की जाती है।

1. एकल संचार में मीडिया के आनुक्रमिक अथवा सहकालिक प्रयोग को कहते हैं

(a) कम्प्यूटर सहायताकृत शिक्षा
(b) बहु-मीडिया शिक्षा
(c) प्रौद्योगिकी की सहायता-प्राप्त शिक्षा
(d) वेब सहायता -प्राप्त शिक्षा

उत्तर- (b)/ व्याख्या एकल संचार में मीडिया के अनुक्रमिक अथवा सहकालिक प्रयोग को बहु-मीडिया (Multimedia) शिक्षा कहते हैं इसमें संचार एकतरफा होने से अधिगम प्रभावशाली नहीं होता है। किन्तु स्वगति से सीखना इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है। इसीलिए वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में लगभग सभी देश इसका प्रयोग कर रहे हैं।

2. दृष्टिदोष ग्रसित, मगर अंध न हो, विद्यार्थी के लिए लाभदायक प्रौद्योगिकी है

(a) साफ्टवेयर जो प्रत्येक वस्तु को 2 से 16 गुणा बड़ा करता है।
(b) हस्तमुक्त की-बोर्ड
(c) टैक्स्ट टू स्पीच-साफ्टवेयर
(d) स्पर्श- स्क्रीन

उत्तर- (A)/ व्याख्या दृष्टि दोष ग्रसित मगर अंध न हो, ऐसे विद्यार्थी को आंशिक दृष्टि विकलांग या आंशिक अंध कहा जाता है। इनको सामान्य लिखावट पढ़ने में समस्या होती है।

अत: ऐसे साफ्टवेयर जो 2 से 16 गुना बड़ा करता हो बहुत लाभदायक होगा। इस साफ्टवेयर की सहायता से इनका सामान्य बच्चों के साथ समावेशन भी किया जा सकता है।

3. अध्यापक व्यवहार के वर्गीकरण का विकास किसके द्वारा होता है?

(a) क़ार्यशाला (b) पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
(c) अनुरूपता प्रशिक्षण (d) सूक्ष्म शिक्षण

उत्तर- (c)/ व्याख्या अध्यापक व्यवहार के वर्गीकरण का विकास 'अनुरूपता प्रशिक्षण' (Simulated training) के द्वारा विकसित की गई। इस प्रशिक्षण के द्वारा अध्यापक के कक्षागत व्यवहार में सुधार करने में सहायता मिलती है। वर्तमान शिक्षक-शिक्षा के क्षेत्र में इसकी महती प्रांसागिकता है।

4. निम्नलिखित में से कौन सा गुणी बालक का लक्षण नहीं है ?

(a) उच्च वृद्धि (b) उच्च उपलब्धि
(c) आलोचनात्मक विश्लेषण (d) पुष्टिवादी दृष्टिकोण

उत्तर- (d)/ व्याख्या एक गुणी बालक (Gifted child) में उच्च बुद्धि ,उच्च उपलब्धि, आलोचनात्मक विश्लेषण की क्षमता आदि गुण मौजूद होते हैं किन्तु ये पुष्टिवादी दृष्टिकोण (Conformist Attitude) नहीं रखते हैं।

5. निम्नलिखित में से बुद्धि और सृजनात्मकता के सम्बन्ध में कौन सा कथन सही है ?

(a) सही बुद्धिमान बच्चे सृजनशील होतें हैं।
(b) सभी सृजनशील बच्चों की उच्च बुद्धि होती है।
(c) कुछ सृजनशील बच्चों की बुद्धि लब्धि उच्च होती है।
(d) कुछ सृजनशील बच्चों की बुद्धि लब्धि निम्न होती है।

उत्तर- (c)/ व्याख्या मनोवैज्ञानिक अनुसंधानों से यह तथ्य स्पष्ट हो चुका है कि अत्यधिक उच्च स्तर की बुद्धिलब्धि अथवा अत्यधिक निम्न स्तर की बुद्धि लब्धि में और सृजनात्मकता में नाकारात्मक सम्बन्ध पाया जाता है। इसके अलावा सामान्य बुद्धि वालों में सृजनात्मकता अधिक पायी जाती है। जैसे-जैसे बुद्धि लब्धि का स्तर सामान्य से उच्च या निम्न की ओर बढ़ता है सृजनात्मक क्षमता में कमी होती चली जाती है। इसके अलावा कभी-कभी सृजनशील बच्चों में बुद्धिलब्धि उच्च भी होती है।

6. निम्न में से कौन सा कथन किसी परीक्षण की वैधता से सम्बन्धित है?

(a) मापन की त्रुटि (b) सत्य प्राप्तांकों का प्रसरण
(c) सामान्य कारकों का प्रसरण
(d) यादृच्छिक त्रुटि

उत्तर- (c)/ व्याख्या सामान्य कारकों का प्रसरण (Common Factors Variance) का सम्बन्ध किसी परीक्षण की वैधता से होता है। प्रसरण जितना कम होगा परीक्षण उतना ही वैध होगा। प्रसरण के बढ़ने पर वैधता घटेगी।

7. एक सामान्य शिक्षण उद्देश्य लिखते समय, सबसे उपयुक्त 'कार्यवाही-क्रिया' होगी।

(a) कहता है। (b) नाम बताता है।
(c) पहचान करता है। (d) विश्लेषण करता है।

उत्तर- (d)/ व्याख्या एक सामान्य शिक्षण उद्देश्य लिखते समय सबसे उचित कार्यवाही क्रिया होगी- 'विश्लेषण करता है।' क्योंकि यह अधिगम का सर्वोच्च स्तर होता है। छात्र किसी विषय वस्तु का विश्लेषण करने में तभी सक्षम हो सकता है जब उसमें चिन्तन स्तर का अधिगम हों। चिन्तन स्तर के अधिगम होने पर छात्र विषय वस्तु का विश्लेषण सफलता पूर्वक कर लेता है।

8. अध्यापक शिक्षा के लिए आई.ए.एस.ई.किस वर्ष से प्रारम्भ किये गए?

(a) 1964 (b) 1968 (c) 1986 (d) 1992

उत्तर- (d)/ व्याख्या अध्यापक शिक्षा के लिए IASE का प्रारम्भ 1992 में किया गया। यह राजस्थान में स्थित है। इसकी स्थापना 1950 में हुई थी।

9. निम्न में से कौन सा विशिष्ट अभिक्षमता के लिए सही नहीं है ?
(a) लम्बे अनुभव द्वारा विकसित
(b) भावी व्यवहार के लिए क्षमता का मापन
(c) व्यवहार के सीमित पहलुओं से सम्बन्धित
(d) पूर्व अधिगम या शिक्षा का परिणाम

उत्तर- (d)/व्याख्या पूर्व अधिगम या शिक्षा का परिणाम विशिष्ट अभिक्षमता के लिए सही नहीं है। क्योंकि अभिक्षमता का सम्बन्ध जन्मजात योग्यताओं से होता है। इसे अर्जित नहीं किया जा सकता है। यह जन्मजात तथा किसी क्षेत्र विशेष में होती है।

10. व्यापक मार्गदर्शन कार्यक्रम में आने वाले सोपान कौन से हैं निम्न में से सही क्रमबद्ध सोपान का चयन कीजिए :
(a) कार्यवाही करना, संप्रेषण, समस्या को समझना,व्यक्ति को स्वीकार करना,समस्या पर विचार
(b) समस्या पर विचार, समस्या को समझना, संप्रेषण, कार्यवाही करना, व्यक्ति को स्वीकार करना
(c) समस्या को समझना, व्यक्ति का स्वीकार करना, संप्रषण, समस्या पर विचार, कार्यवाही करना
(d) व्यक्ति को स्वीकार करना,समस्या को समझना, समस्या पर विचार, कार्यवाही करना,संप्रेषण

उत्तर- (d)/व्याख्या एक व्यापक मार्गदर्शन कार्यक्रम (Guidance Programe) का क्रमबद्ध सोपान इस प्रकार है-
- व्यक्ति को स्वीकार करना।
- समस्या को समझना।
- समस्या पर विचार करना।
- कार्यवाही करना।
- सम्प्रेषण।

11. मार्गदर्शन क्या है ?
I. एक व्यक्ति की ऐसे व्यवस्थित ढंग से सहायता करना कि वह अपनी समस्याओं को दूर कर सके ।
II. एक व्यक्ति को उसे स्वयं को, उसकी आवश्यकताओं और उसके पर्यावरण को समझने में सहायता देना ।
III. एक बच्चे को भटकने से बचाने और उसे और अधिक अंक प्राप्त करने में सहायता देना ।
IV. मानसिक गड़बड़ी वाले व्यक्ति को मंद बिजली के झटके लगाना और उसके मस्तिष्क को सक्रिय करना ।
प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूटः
(a) I और II (b) II और III
(c) III और IV (d) IV और I

उत्तर- (a)/व्याख्या मार्गदर्शन कार्यक्रम में निम्न बातें सम्मिलित होती हैं-
(I) निर्देशन कार्यक्रम में एक व्यक्ति की ऐसे व्यवस्थित ढंग से सहायता करना कि वह अपनी समस्याओं को दूर कर सके।
(II) एक व्यक्ति को उसे स्वयं को, उसकी आवश्यकताओं और उसे अपने पर्यावरण को समझने में सहायता देना।

12. व्यवहार के क्षेत्र में निम्नलिखित में से कौन सा सबसे अधिक व्यापक है?
(a) सामाजिक संगठन के रूप में विद्यालय
(b) शैक्षिक समाजशास्त्र
(c) शिक्षा के सामाजिक आधार
(d) शिक्षा का समाजशास्त्र

उत्तर- (c)/व्याख्या व्यवहार के क्षेत्र में शिक्षा के सामाजिक आधार अधिक व्यापक हैं क्योंकि शिक्षा का समाजशास्त्र और शैक्षिक समाजशास्त्र आदि इसी के अंग हैं।
अत: यह व्यवहार के क्षेत्र में अत्यधिक व्यापक माना जाता है।

13. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का प्रथम अध्यक्ष कौन था ?
(a) डॉ. मनमोहन सिंह (b) प्रो.यशपाल
(c) प्रो.एस.एस.भटनागर (d) प्रो.डी.एस.कोठारी

उत्तर- (c)/व्याख्या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्रथम अध्यक्ष शान्ति स्वरूप भटनागर जी थें इसकी स्थापना 28 दिसम्बर 1953 को की गयी। किन्तु 1956 में संसद में एक विशेष विधेयक के रूप में इसे पास करके इसे एक विधिक संस्था का दर्जा प्रदान किया गया।

14. संवेगों को प्रायः नियंत्रित करता है
(a) केंद्रीय तंत्रिका प्रणाली (b) स्वःचालित तंत्रिका प्रणाली
(c) परिधीय तंत्रिका प्रणाली (d) सेक्रमी प्रणाली

उत्तर- (c)/व्याख्या संवेगों का नियन्त्रण प्राय: परिधीय तंत्रिका प्रणाली द्वारा होता है। इसमें एक विशेष प्रकार के रसायन का स्त्राव होता है जो सकारात्मक व नकारात्मक दोनों प्रकार के संवेगों को नियन्त्रित और व्यवस्थित करता है।

15. सत्य की प्रकृति मूलतः समस्या है
(a) कानून के लिए
(b) नैतिकता के लिए
(c) ज्ञान मीमांसा के लिए
(d) मूल्य मीमांसा के लिए

उत्तर- (c)/व्याख्या किसी भी दार्शनिक सम्प्रदाय के तीन मूल स्तम्भ होते हैं- तत्व मीमांसा / ज्ञान मीमांसा व आचार (मूल्य मीमांसा) जिसमें ज्ञान मीमांसा के अन्तर्गत-ज्ञान क्या है? ज्ञान का स्वरूप, सत्य, असत्य तथा ज्ञान प्राप्ति के आदि आते हैं। पाश्चात्य दर्शन में ज्ञान मीमांसा पर अधिक बल दिया जाता है।

16. सोलेमन फोर एक्सपेरिमेन्टल डिजाइन में प्रयुक्त होने वाले सांख्यिकीय परीक्षणों में से एक है
(a) सहसम्बन्धात्मक विश्लेषण
(b) वन-वे अनोवा (One-way ANOVA)
(c) काई स्क्वायर
(d) मध्यकीय परीक्षण

उत्तर- (b)/व्याख्या सोलेमन फार एक्सपेरीमेंटल डिजाइन वन वे एनोवा (एकमार्गी एनोवा) का प्रयोग होता है।

17. **''प्री.टेस्ट-पोस्ट-टेस्ट रेन्डमाइजड मेचिंग कंट्रोल ग्रुप डिजाइन'' एक उदाहरण है**

(a) ट्रू एक्सपेरिमेन्टल डिजाइन
(b) प्री.एक्सपेरिमेन्टल डिजाइन
(c) क्वसी एक्सपेरिमेन्टल डिजाइन
(d) पोस्ट फेक्टो एक्सपेरिमेन्टल डिजाइन

उत्तर- (a)/व्याख्या प्री-टेस्ट पोस्ट टेस्ट रैड्ज्ड मैचिंग कन्ट्रोल ग्रुप डिजाइन, ट्रू एक्सपेरीमेन्टल डिजाइन का उदाहरण है।

18. **पाठ्यक्रम की रचनात्मकता और शब्दरचना मूल्यांकन में क्या अंतर है?**

I. रचनात्मक मूल्यांकन को पाठ्यक्रम के बीच में पाठ्यक्रम की विषय - वस्तु और फीडबैक मुहैया कराने के भाग के रूप में समझा जाता है।
II. रचनात्मक मूल्यांकन, पाठ्यक्रम के रुप और ढाँचे से संबंधित है।
III. शब्दरचना मूल्यांकन, महत्त्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए पाठ्यक्रम के अंत में संपूर्ण पाठ्यक्रम की विषय- वस्तु पर विचार करता है।
IV. रचनात्मक मूल्यांकन और शब्दरचना मूल्यांकन एक दूसरे के पूरक हैं ।

निम्नलिखित कूट का उपयोग कीजिए :

कूट :-(a) I,II और III (b) II,III और IV
(c) II,IV और I (d) I,III और IV

उत्तर- (d)/व्याख्या पाठ्यक्रम की रचनात्मकता और शब्द रचना मूल्याँकन में निम्न अन्तर है-

(I) रचनात्मक मूल्याकन में पाठ के बीच में पाठ्यक्रम की विषय वस्तु और फीडबैक मुहैया कराने के भाग के रूप में समझा जाता है।
(III) शब्द रचना मूल्याँकन, महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए पाठ्यक्रम के अन्त में, सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की विषय वस्तु पर विचार करता है।
(IV) रचनात्मक मूल्यांकन और शब्दरचना मूल्यांकन एक दूसरे के पूरक हैं।

19. **पाठ्यक्रम की विभिन्न संकल्पनाएँ क्या हैं?**

I. अनुभव II. विषय
III. उद्देश्य IV. शिक्षण

निम्नलिखित कूट का उपयोग कीजिए :

कूटः (a) I, II और III (b) II, III और IV
(c) III, IV, और I (d) IV, I और II

उत्तर- (a)/व्याख्या पाठ्यक्रम की विभिन्न संकल्पनाए निम्नवत् हैं -

- अनुभव
- विषय वस्तु
- उद्देश्य

पाठ्यक्रम के निर्माण में शिक्षाशास्त्रियों ने इन्हीं तीन बिन्दुओं को महत्व देते हैं तथा इसी के आलोक में पाठ्यचर्या का निर्माण, उसकी विषयवस्तु का चयन तथा उद्देश्य आदि का निर्धारण किया जाता है।

20. **एक विधि जिसमें बहुत से अध्यापकों के कौशल और निपुणता को श्रेणी को पढ़ाने के लिए एक साथ जुटा लिया जाता है, उसे कहते हैं**

(a) पैनल चर्चा (b) समूह चर्चा
(c) टीम चर्चा (d) अनुशिक्षण चर्चा

उत्तर- (c)/व्याख्या टीम चर्चा एक ऐसी विधि है जिसमें दो या दो से अधिक शिक्षकों का एक दल कक्षा में एक साथ शिक्षण का कार्य करते हैं। इसे टोली शिक्षण या टीम टीचिंग के नाम से जाना जाता है। इसकी शुरूआत सर्वप्रथम अमेरिका में हुई।

21. **अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा योजना प्रतिष्ठान कहाँ पर है ?**

(a) लन्दन (b) पेरिस
(c) न्यूयार्क (d) नई दिल्ली

उत्तर- (b)/व्याख्या अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा योजना प्रतिष्ठान पेरिस में है इसकी स्थापना 1946 में हुई थी। स्वतंत्रता के पश्चात् भारत भी इसका सदस्य बन गया। वर्तमान में यह प्राथमिक शिक्षा तथा उच्च शिक्षा दोनों के क्षेत्र में अपना अमूल्य योगदान दे रहा है।

22. **निम्नलिखित में से लोकतन्त्र में शासन कौन करता है ?**

(a) मन्त्री (b) लोग
(c) नेता (d) नौकरशाह

उत्तर- (b)/व्याख्या लोकतन्त्राात्मक शासन प्रणाली में शासन 'लोग' (जनता) करते हैं क्योंकि असली सत्ता जनता के हाथ में होता है। इसलिए इब्राहिम लिंकन ने लोकतन्त्र की परिभाषा देते हुए कहा है कि ''लोकतंत्र जनता का जनता द्वारा जनता पर शासन है''।

23. **सृजनात्मक का जनक**

(a) चार्ल्स स्पियरमैन (b) टोरांस ई.पी.
(c) थार्नडाइक ई.एल. (d) स्किनर बी.एफ.

उत्तर- (b)/व्याख्या सृजनात्मकता का जनक टोरेंस ई. पी. को माना जाता है। उन्होंने अपनी पुस्तक (Guiding Creative Tallent) में सृजनात्मकता का वर्णन विस्तार से किया है। इस पुस्तक का प्रकाशन सन् 1962 में हुआ था।

24. **बाल्यावस्था के उत्तरार्ध में बौद्धिक विकास की निम्नलिखित में से कौन सी विशिष्टता नहीं है ?**

(a) भविष्य के लिए चिन्ता
(b) काल्पनिक भयों का अन्त
(c) वैज्ञानिक गल्प में उच्च अभिरुचि
(d) तार्किक शक्ति में वृद्धि

उत्तर- (a)/व्याख्या बाल्यावस्था के उत्तरार्द्ध में बालक के बौद्धिक विकास की अनेक विशेषताएं होती हैं जैसे- काल्पनिक भयों का अन्त होना, वैज्ञानिक ज्ञान में उच्च अभिरुचि तथा किसी घटना का विस्तृत वर्णन करना। किन्तु उनमें भविष्य के लिए चिन्ता नहीं होती है। यह विशेषता किशोरावस्था में दृष्टिगत होने लगती है। इसीलिए इसे तनाव व तूफान का काल कहा गया है।

25. निम्न में से किसका मूल्यांकन निबन्धात्मक प्रश्नों द्वारा नहीं हो सकता ?

(a) चिन्तनात्मक कौशल (b) व्यापक विषयवस्तु का ज्ञान
(c) उपयुक्त तर्कशक्ति (d)किसी घटना का विस्तृत वर्णन

उत्तर- (b)/व्याख्या व्यापक विषयवस्तु के ज्ञान का मूल्याँकन निबंधात्मक प्रश्नों द्वारा नहीं किया जा सकता क्योंकि इसमें प्रश्नों की संख्या कम होती है। जिससे ये परीक्षण पूरी विषय वस्तु का प्रतिनिधित्व नहीं करते फलत: विषयों का व्यापक ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता जबकि वस्तुनिष्ठ परीक्षण ने प्रश्नों की संख्या 100 से 200 तक होती है जो अधिकांशत: विषयवस्तु को समाहित कर लेती है।

26. निम्न में से किस आयोग ने सर्व प्रथम प्राथमिक शिक्षा का विकेन्द्रीयकरण किया था?

(a) हन्टर आयोग (b) मुदालियर आयोग
(c) कोठारी आयोग (d) सेडलर आयोग

उत्तर- (a)/व्याख्या सर्वप्रथम हण्टर आयोग ने प्राथमिक शिक्षा का विकेन्द्रीकरण किया था। हण्टर आयोग का गठन 1882 ई. में विलियम हण्टर की अध्यक्षता में की गयी। शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर इसने अपना बहुमूल्य सुझाव दिया।

27. 2011जनसांख्यिकी रिपोर्ट के अनुसार भारत में आदमियों और औरतों की साक्षरता दर में अन्तर है।

(a) 10% (b) 17% (c) 21% (d) 27%

उत्तर- (b)/व्याख्या 2011 की जनसंख्या रिपोर्ट के अनुसार भारत में पुरुषों और स्त्रियों की साक्षरता दर में 17% का अन्तर है। कुल साक्षरता प्रतिशत 74% है जिसमें पुरुषों की हिस्सेदारी 82.14% है तथा स्त्रियों की 65.46% साक्षर हैं।

28. 'बेसल आयु' किसके मूल्यांकन से सम्बन्धित है ?

(a) व्यक्तित्व (b) अभिवृत्ति (c) बुद्धि(d) अभिक्षमता

उत्तर- (c)/व्याख्या बेसल आयु (Basal Age) का सम्बन्ध बुद्धि के मूल्याँकन से है। जिस उच्चतम आयु स्तर के सभी प्रश्नों को बालक हल कर लेता है उसे उस बालक की बेसल आयु मानी जाती है इसे आधार वर्ष के नाम से भी जाना जाता है।

29. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :

सूची-I/(लक्ष्य)	सूची-II/(मार्गदर्शन का प्रकार)
i. किसी महिला क्लब के सदस्य	a. व्यावसायिक मार्गदर्शन
ii. अपराधी	b. सामाजिक मार्गदर्शन
iii.बूढ़े, बीमार व्यक्ति	c. नैतिक मार्गदर्शन
iv.कॉलेज विद्यार्थी	d. स्वास्थ्य मार्गदर्शन
	e. अवकाश मार्गदर्शन

प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

	i	ii	iii	iv
(a)	e	c	d	a
(b)	d	a	e	b
(c)	a	e	b	c
(d)	c	b	a	d

उत्तर- (a)/व्याख्या

	लक्ष्य	-मार्गदर्शन का प्रकार
(a)	किसी महिला क्लब के सदस्य	-अवकाश मार्गदर्शन
(b)	अपराधी	-नैतिक मार्ग दर्शन
(c)	बूढ़े बीमार व्यक्ति	-स्वास्थ्य मार्गदर्शन
(d)	कॉलेज विद्यार्थी	-व्यावसायिक मार्गदर्शन

30. भाषा के संबंध में कोठारी आयोग द्वारा सिफारिश की गई नीति है

(a) त्रिभाषा सूत्र (b)द्विभाषा सूत्र (c)हिंदी (d) मातृभाषा

उत्तर- (a)/व्याख्या त्रिभाषा सूत्र सिफारिश कोठारी आयोग द्वारा 1964-66 में की गयी। इस आयोग के गठन का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक शिक्षा की जाँच कर सुझाव देना था किन्तु इस आयोग ने भारतीय शिक्षा के सभी स्तरों पर अपना अमूल्य सुझाव देकर भारतीय शिक्षा व्यवस्था को गति प्रदान किया।

31. निम्नलिखित में से प्राचीन गुण को अभिनिर्धारित कीजिए:

(a) सहयोग (b) प्रतिस्पर्धा (c) संव्यवहार (d) संघर्ष

उत्तर- (d)/व्याख्या निम्न युग्मों में से-सहयोग
-प्रतिस्पर्धा
- संव्यवहार तीनों सम है।
तथा तीनों सकारात्मक गुणों के अन्तर्गत आते हैं जबकि संघर्ष तीनों से भिन्न व नकारात्मक प्रवृत्ति का सूचक है।

32. निम्नलिखित में से किस राज्य में अपना मुक्त विश्वविद्यालय नहीं है?

(a) उड़ीसा (b) बिहार
(c) असम (d) पश्चिमी बंगाल

उत्तर- (a)/व्याख्या उड़ीसा राज्य का अपना कोई मुक्त वि.वि. नहीं है। जबकि भारत में मुक्त विश्वविद्यालयों की स्थापना का क्रम 1982 से प्रारम्भ है।

33. शिक्षा अधिकार अधिनियम को भारत में कब लागू किया गया ?

(a) 1 अप्रैल, 2009 (b) 1 मई, 2010
(c) 1 अप्रैल, 2008 (d) 1 अप्रैल, 2010

उत्तर- (d)/व्याख्या शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE) 2009 में आया था लेकिन इसका क्रियान्वयन अप्रैल 2010 से है। इसमें 6 से 14 वर्ष में बच्चों को एक निश्चित स्तर तक की शिक्षा प्राप्त करना उनका कानूनी अधिकार है। इसमें मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा की बात की गयी है।

34.'अनुदैर्ध्य अध्ययन' एक प्रकार होता है

(a) ऐतिहासिक अध्ययन का (b) विकासात्मक अध्ययन का
(c) सर्वेक्षण अध्ययन का (d) दार्शनिक अध्ययन का

उत्तर- (b)/व्याख्या अनुदैर्ध्य अध्ययन एक प्रकार का विकासात्मक अध्ययन है। पियाजे का अपने बच्चों पर किया गया अध्ययन इसी प्रकार के अध्ययन में आता है। इस अध्ययन की सीमा यह है कि इसमें समय अधिक लगता है।

35. एथ्नोमेथोडिकल अध्ययन है

(a) दार्शनिक शोध (b) ऐतिहासिक शोध
(c) प्रयोगात्मक शोध (d) सामाजिक शोध

उत्तर- (d)/व्याख्या एथिनोमेथोडिकल अध्ययन एक प्रकार का सामाजिक अध्ययन है। यह अन्तर-सामाजिक सम्बन्धों का अध्ययन तथा अन्तर-सांस्कृतिक सम्बन्धों का अध्ययन करता है।
अत: यह एक समाजशास्त्री शोध विधि है।

36. पाठ्यक्रम के टायलर के मॉडल के घटक क्या हैं ?

(a) प्रयोजन, शैक्षिक अनुभव, अनुभव का प्रभावी प्रबंधन,लक्ष्य का सत्यापन
(b) उद्देश्य, विषय की विषय-वस्तु, शिक्षण, मूल्यांकन
(c) शिक्षा, का उद्देश्य, विषय-वस्तु, का प्रबंधन, परीक्षण फीडबैक
(d) विषय की विषय-वस्तु शिक्षण, अधिगम, परीक्षण

उत्तर- (a)/व्याख्या पाठ्यक्रम में टायलर मॉडल (Tylor model) के प्रमुख घटक इस प्रकार हैं-

- प्रयोजन
- शैक्षिक अनुभव
- अनुभव का प्रभावी प्रबंधन
- लक्ष्य का सत्यापन आदि

37. द्विअर्थी शब्दों से संवाद में आया अवरोध है

(a) संवाद में शब्दार्थ अवरोध
(b) संवाद में मनोवैज्ञानिक अवरोध
(c) संवाद में प्रौद्योगिकी अवरोध
(d) संवाद में वातावरणिक अवरोध

उत्तर- (a)/व्याख्या द्विअर्थी शब्दों के संवाद में प्रयोग से आया अवरोध-संवाद में शब्दार्थ अवशेध कहलाता है। संचार में यह प्रमुख अवरोधक माना जाता है। यह दोतरफा संचार तथा एक तरफ संचार दोनों में इसके उत्पन्न होने की सम्भावना होती है।
अत: संचारकर्त्ता को इस पर ध्यान देना चाहिए। और द्विअर्थी शब्दों का प्रयोग करने से बचना चाहिए।

38.शिक्षा के विकास के लिए शासन का सर्वोत्तम स्वरूप कैसा हो ?

(a) अभिजाततन्त्र (b) राजतन्त्र
(c) प्रजातन्त्र (d) तानाशाही

उत्तर- (c)/व्याख्या शिक्षा के विकास के लिए प्रजातंन्त्र, शासन का सर्वोत्तम रूप है। क्योंकि इसमें सभी को अपनी क्षमता, रुचि के अनुसार विकास करने का समान अवसर उपलब्ध होता है। भारत, अमेरिका, चीन आदि अनेक देशों में शिक्षा में प्रजातंत्र/लोकतंत्र प्रणाली है। किन्तु व्यवहार में चीन की शिक्षा व्यवस्था के अन्तर्गत सच्चा लोकतंत्र देखने को मिलता है।

39. अधिकांशतया गेस्टाल्टवादी अधिगम सिद्धान्त आधारित हैं

(a) एकाग्रता (b) बोध
(c) ध्यान (d) अन्तर्निरीक्षण

उत्तर- (b)/व्याख्या गेस्टाल्टवादी अधिगम ''बोध'' पर आधारित है। क्योंकि यह सम्पूर्ण समस्या को एक ईकाई के रूप में देखता है। तथा उसे हल करने का प्रयास करता है। सूझ द्वारा समस्या का समाधान किया जाता है। इनके अधिगम के नियम को सूझ या अन्र्दृष्टि का नियम भी कहा जाता है।

40. बुद्धि लब्धि अवधारणा के प्रथम प्रतिपादक कौन है ?

(a) जे.पी.गिलफोर्ड (b) अलफ्रेड बीनेट
(c) ज़े. एस. ब्रूनर (d) विलियम स्टेर्न

उत्तर- (d)/व्याख्या बुद्धि लब्धि की अवधारणा के प्रतिपादक जर्मन मनोवैज्ञानिक विलियम स्टेर्न है। स्टेर्न ने पहली बार सन् 1912 में इस पद का प्रयोग किया। बुद्धिमापन के क्षेत्र में वर्तमान में भी इस पद का प्रयोग किया जा रहा है।

41. शुष्काक्षिपाक रोग किसकी अपर्याप्त मात्रा लेने से होता है ?

(a) विटामिन C (b) विटामिन B
(c) विटामिन D (d) विटामिन A

उत्तर- (d)/व्याख्या शुष्काक्षिपाक रोग विटामिन-ए की कमी से होती है। इस बीमारी से मनुष्य की आंखें प्रभावित हो जाती है। इसमें मनुष्य की आंखों को जब आँसू पर्याप्त नमी प्रदान नहीं करते तो आँखो में सूखापन आ जाता है।

42.किसी वस्तुनिष्ठ 'परीक्षण द्वारा निम्न में से किसकी प्राप्ति नहीं हो सकती ?

(a) समस्या समाधान क्षमता
(b) उच्च विश्वसनीयता स्तर
(c) अंक प्रदान करने में वस्तुनिष्ठता
(d) व्यापक विषयवस्तु का फैलाव

उत्तर- (a)/व्याख्या किसी वस्तुनिष्ठ परीक्षण द्वारा समस्या समाधान की क्षमता का मापन नहीं किया जा सकता। क्योंकि वस्तुनिष्ठ परीक्षण में संयोगवश भी उत्तर सही हो जाते हैं। यदि 4 विकल्प है तो उत्तर सही होने की सम्भावना 1/4 प्रत्येक दशा में रहती है। जबकि विषयनिष्ठ परीक्षण में उन्हें अपने ज्ञान, अनुभव व तर्क का प्रयोग करना होता है।

43.अध्यापक शिक्षा के शिशिक्षु कार्यक्रम में प्रदान किया जाता है

(a) विषयवस्तु पाठ्यक्रम (b) व्यावहारिक पाठ्यक्रम
(c) संपूर्ण विद्यालयी वातावरण (d) अनुसंधान पाठ्यक्रम

उत्तर- (c)/व्याख्या अध्यापक शिक्षा के शिशिक्षु कार्यक्रम (Internship Programme) सम्पूर्ण विद्यालयी वातावरण में प्रदान किया जाता है। शिशिक्षु कार्यक्रम के द्वारा भावी शिक्षकों की व्यावसायिक कुशलता में वृद्धि हो जाती है तथा वे स्वाभाविक वातावरण में अपने व्यवसायगत चुनौतियों को समझ पाते हैं। इसके अलावा भावी शिक्षकों को उस कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त हो जाता है जो भविष्य में उन्हें करना होता है।

44. स्वतन्त्र भारत में शिक्षा सम्बन्धी प्रथम राष्ट्रीय नीति को किस वर्ष लागू किया गया ?

(a) 1947 (b) 1964 (c) 1968 (d) 1986

उत्तर- (c)/व्याख्या स्वतन्त्रता के बाद भारतीय शिक्षा व्यवस्था को समुन्नत बनाने के लिए सन् 1948 से ही शिक्षा आयोगों का गठन कर विभिन्न स्तरों की शिक्षा व्यवस्था की संरचना को संगठित व पुनर्गठित करने का प्रयास किया गया। क्योंकि इससे पहले जो शिक्षा प्रचलित थी उसकी नींव अग्रेजों के द्वारा रखी गयी थी।

अत: इसका भारतीयकरण भी करना था। किन्तु शिक्षा सम्बन्धी नीति राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार 1968 में लागू किया गया जिसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नाम से जाना जाता है।

45. MMPI का सम्बन्ध है

(a) बुद्धि (b) सृजनात्मकता
(c) व्यक्तित्व (d) मानसिक आयु

उत्तर- (c)/व्याख्या MMPI (The Minnesota Multi Phasic Personality Inventory) एक व्यक्तित्व परीक्षण हैं। इसे मिनिसोटा बहुआयामी व्यक्तित्व प्रश्नावली के नाम से जाना जाता है। इस परीक्षण का निर्माण हट्यूम तथा जार्ज मैकिनले द्वारा सन् 1940 में किया गया। बाद में इसमें कई सुधार भी किए गए।

46. साक्षात्कार को शिक्षार्थी की समस्या की गहनता को जानने के लिए सर्वोत्तम साधन क्यों माना जाता है ?

(a) परामर्श साक्षात्कार में परामर्शदाता और परामर्श लेने वाला एक दूसरे के रूबरू
(b) इससे शिक्षार्थी की समस्या के सम्बन्ध में प्रत्यक्ष सूचना प्राप्त करने में सहायता मिलती है ।
(c) शिक्षार्थी के साथ साक्षात्कार का आयोजन और साक्षात्कार करना बड़ा आसान है।
(d) साक्षात्कार की विडियोग्राफी की जा सकती है।

उत्तर- (b)/व्याख्या शिक्षार्थी की समस्या को गहराई से जानने के लिए साक्षात्कार विधि को सर्वोत्तम माना जाता है। क्योंकि इससे शिक्षार्थी की समस्या के सम्बन्ध ने प्रत्यक्ष सूचना प्राप्त करने में सहायता मिलती है। साक्षात्मकार विधि द्वारा सूचना को गहराई से निकाला जा सकता है।

47. आधुनिकीकरण एक प्रकार का सामाजिक परिवर्तन है जिसमें समाज हो जाता है ।

(a) अधिक खुला (b) अधिक स्तरीय
(c) न्यून व्यवस्थित (d) अधिक निकट

उत्तर- (a)/व्याख्या आधुनिकीकरण एक प्रकार का सामाजिक परिवर्तन है जिसमें समाज अधिक खुला हो जाता है। रूढ़ियां तथा अन्धविश्वास के बंधन ढीले होने लगते हैं। आधुनिकी करण के द्वारा होने वाला सामाजिक परिवर्तन सकारात्मक होता है।

अत: यह समाज की उन्नति के लिए बहुत आवश्यक है। नवीन विचार वैज्ञानिक खोज शिक्षा का प्रसार आदि आधुनिकता के प्रमुख कारण हैं।

48. संसार में सर्वप्रथम मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना किस देश में हुई थी ?

(a) यू.एस.ए (b) यू.के (c) भारत (d) ऑस्ट्रेलिया

उत्तर- (b)/व्याख्या संसार में सर्वप्रथम मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना इग्लैण्ड (UK) में, जनवरी 1971 में हुई थी। इसके पश्चात् पूरे विश्व में मुक्त विश्वविद्यालयों का प्रसार बहुत तेजी से हुआ। वर्तमान समय में अमेरिका तथा आस्ट्रेलिया जैसे- सम्पन्न व विकसित देशों में मुक्त शिक्षा का प्रचलन अधिक है।

49. स्कूल शिक्षा में 'सतत एवं समग्र मूल्यांकन' प्रक्रिया किस संस्था द्वारा लागू की गई ?

(a) सी.बी.एस.ई (b) यू.जी.सी
(c) एस.सी.ई.आर.टी. (d) इग्नू

उत्तर- (a)/व्याख्या स्कूलों में सतत् एवं समग्र मूल्यांकन (CCE) सर्व प्रथम सी. बी. एस. ई. बोर्ड ने 2009 में हाई स्कूल स्तर पर लागू किया था। इसमें पाठ्यक्रम के दौरान बच्चों का मूल्याँकन बीच-बीच में होता रहता है तथा बच्चों को अपनी प्रगति की प्रतिपुष्टि मिलती रहती है। इसमें बच्चों का मूल्याँकन वर्ष पर्यन्त चलता रहता है इसमें मूल्याँकन सम्बन्धी त्रुटि होने के अवसर बहुत कम होते हैं।

50. वाक्यात्मक क्षमता से भाव है

(a) वाक्य संरचना की क्षमता
(b) वर्तनी को ठीक तरह से प्रयोग करने की क्षमता
(c) वाक्यों को समझने की क्षमता
(d) ठीक से सुनने की क्षमता

उत्तर- (a)/व्याख्या वाक्यात्मक क्षमता से तात्पर्य वाक्य संरचना की क्षमता से है। यह भाषा विकास का एक महत्वपूर्ण घटक है। बालक की वाक्य संरचना की क्षमता जितनी अधिक होती है उसका भाषा विकास उतना ही तेजी से होता है। यह मानसिक विकास का एक महत्वपूर्ण पक्ष है।

51. फिनोमेनोलोजिक शोध हैं

(a) गुणात्मक शोध (b) परिमाणात्मक शोध
(c) रुझानात्मक शोध (d) विवरणात्मक शोध

उत्तर- (a)/व्याख्या फिनोमेनेलोजिक शोध एक गुणात्मक शोध है। जर्मन दार्शनिक एडमण्ड हर्सल ने फेनोमेनोलाजिकल शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम अपनी पुस्तक-आइडियाज-टू प्योर फेनोमेनोलाजी' में किया था। दर्शन के क्षेत्र में फेनोमेनोलाजिकल अनुसंधान काफी मात्रा में किया जा रहा है।

52. निम्न में से कौन-सा शोध कार्य विवरणात्मक शोध नहीं है ?

(a) सहसम्बन्धात्मक (b) कोजल कम्पेरिटिव
(c) सर्वेक्षण (d) विकासात्मक अध्ययन

उत्तर- (d)/व्याख्या निम्न में से विकासात्मक अध्ययन विवरणात्मक शोध नहीं है। विकासात्मक शोध अध्ययन एक प्रकार का गुणात्मक अनुसंधान है इसमें किसी बालक या संस्था का अध्ययन विभिन्न अवस्थाओं में क्रमबद्ध रूप से किया जाता है। तथा उसमें आने वाले परिवर्तनों को सूक्ष्मता से अवलोकन किया जाता है। मनोविज्ञान तथा शिक्षा के क्षेत्र में इस शोध अध्ययन का बड़ा महत्व है।

53. **माध्यमिक स्तर के लिए पाठ्यक्रम के विकास में ''उद्देश्यों''के निर्धारक क्या-क्या हैं ?**

I. संबंधित स्तर के व्यक्तियों की सामाजिक-मनोवैज्ञानिक आवश्यकताएँ
II. समाज की आर्थिक आवश्यकताएँ
III. पाठ्यक्रम विकास के समय प्रमुख क्षेत्र
IV. शिक्षा के माध्यमिक स्तर के राष्ट्रीय उद्देश्य

निम्नलिखित कूट का उपयोग करके सही सही उत्तर दीजिए

कूट : (a) I,II और IV (b) II,III, और IV
(c) I,III और IV (d) I,II और III

उत्तर- (a)/व्याख्या माध्यमिक स्तर के पाठ्यक्रम के विकास में निम्नलिखित बिन्दुओं को ध्यान में रखकर उनके उद्देश्यों के अनुरूप विकसित किए जाते हैं।
(I) पाठ्यक्रम से सम्बन्धित स्तर के व्यक्तियों की सामाजिक व मनोवैज्ञानिक आवश्यकताएँ
(II) समाज की आर्थिक आवश्यकताएँ
(IV) माध्यमिक स्तर की शिक्षा के राष्ट्रीय उद्देश्य

54. **'अपनी सामर्थ्यानुसार सीखना' किसका विशेष लक्षण है ?**

(a) अध्यापक केंद्रित विधि (b) कार्यक्रमबद्ध शिक्षा विधि
(c) शिक्षार्थी केंद्रित विधि (d) गतिविधि केंद्रित विधि

उत्तर- (b)/व्याख्या अपनी सामर्थ्यानुसार सीखना, कार्यक्रमबद्ध शिक्षा विधि का लक्षण है। यह शैक्षिक तकनीकी के विकास के फलस्वरूप सम्भव हो सका है। इसे प्रोग्राम्ड लर्निंग भी कहा जाता है। इस विधि द्वारा बालक अपनी रुचि रुझान अभिक्षमता आदि के अनुसार सीखता है। कार्यक्रमबद्ध शिक्षा विधि में बालक स्वगति से सीखते हैं।

55. **लागत- लाभ विश्लेषण है**

(a) वस्तुनिष्ठ (b) उपागम
(c) विलक्षण (d) प्रकार्य

उत्तर- (b)/व्याख्या ''लागत लाभ'' शैक्षिक प्रशासन के उपागम विधि का विश्लेषण है जिसके अन्तर्गत संस्था में किए गए निवेश के अनुसार आउटपुट के पुट का आकलन किया जाता है। व्यक्तिगत क्षेत्र की शैक्षिक संस्थानों में इस तरह की व्यवस्था देखने को मिलती है।

56. **बच्चों की बुद्धि को मापने की आवश्यकता किस कारणवश हुई ?**

(a) मंद गति से सीखने वालों की सहायतार्थ
(b) अच्छे सैनिक अधिकारियों की आवश्यकता
(c) गुण-विकास सम्बन्धी सामाजिक दबाव
(d) नये स्कूल चलाने के लिए धन की कमी

उत्तर- (a)/व्याख्या बच्चों के बुद्धि मापन की आवश्यकता मुख्य रूप से मंद गति से सीखने वाले बच्चों की सहायता के लिए हुआ। बुद्धि मापन द्वारा बच्चों के सीखने की क्षमता, उनका मानसिक विकास, बच्चों को व्यक्तिगत भिन्नता का ज्ञान हो जाता है। इसी के आधार पर शिक्षक कक्षा में शिक्षण करता है तथा बच्चों की सीखने में सहायता प्रदान करता है। निदानात्मक मनोविज्ञान में भी बुद्धि परीक्षणों का महत्वपूर्ण स्थान है।

57. **शैक्षिक मनोविज्ञान का ज्ञान अध्यापक के लिए सहायक होता है**

(a) शिक्षा के सामान्य उद्देश्यों के प्रति निर्णय लेने में
(b) विशिष्ट शैक्षिक उद्देश्यों को लिखने में
(c) सही शैक्षणिक उपागम के चयन में
(d) सही मूल्यांकन विधियों को बनाने में

उत्तर- (c)/व्याख्या शैक्षिक मनोविज्ञान का ज्ञान प्रत्येक शिक्षक के लिए आवश्यक होता है। इससे उन्हें बालकों की मन:स्थिति समझने तथा उनकी समस्याओं के आधार पर शिक्षण विधियों के चयन में सहायता मिलती है। इसके द्वारा शिक्षक को बालक की व्यक्तिगत भिन्नताओं का ज्ञान हो जाता है। क्योंकि शैक्षिक मनोविज्ञान के अन्तर्गत शिक्षक बाल मनोविज्ञान का अध्ययन करते हैं जो उनकी व्यावसायिक कुशलता में वृद्धि करता है।

58. **उस बालक को जो संख्याओं को गलत पढ़ता है, निम्नलिखित में से कौन सी अधिगम- अयोग्यता होगी ?**

(a) देहमान्द्य दोष (b)पठन दोष(c) अजीर्ण दोष(d) गणन दोष

उत्तर- (b)/व्याख्या जो बालक संख्याओं को गलत पढ़ता है उसमें पठन-दोष पाया जाता है मनोचिकित्सा में इसे डिसलेक्सिया के नाम से जाना जाता है। यदि बालक को पर्याप्त चिकित्सकीय सहायता दी जाय तो इस रोग का निदान सम्भव है। इस पर मनोविज्ञान के क्षेत्र में काफी अनुसंधान किया जा चुका है। ऐसे बच्चों को विशेष शिक्षकों के आब्जरवेशन में रखकर इनको शिक्षा दिया जा सकता है।

59. **कुछ नियमों के आधार पर नगों को अंकों द्वारा चिन्हित करने की प्रक्रिया को कहते हैं**

(a) अवलोकन (b)मापन (c) विश्लेषण (d) सांख्यिकी

उत्तर- (b)/व्याख्या कुछ नियमों के आधार पर नगों (Object) को अंकों द्वारा चिह्नित करने की प्रक्रिया को मापन कहते हैं। मापन को परिभाषित करते हुए एस. एस. स्टीवेंस ने भी इसी कथन का समर्थन किया है और कहा कि ''किन्हीं स्वीकृत नियमों के आधार पर वस्तुओं या व्यक्तियों को अंक प्रदान करना ही मापन है।''

60. **2011 की जनसांख्यिकी के अनुसार भारत में कुल साक्षरता दर किसके लगभग है ?**

(a) 64% (b) 72% (c) 74 % (d) 82%

उत्तर- (c)/व्याख्या 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुछ साक्षरता दर 74% है जिसमें से महिलाओं की साक्षरता दर 65.46% तथा पुरुषों की साक्षरता दर 82.14% है। महिलाओं तथा पुरुषों की साक्षरता दर में 17% का अन्तर है।

61. **एक कम अनुभवी शिक्षार्थी एक निपुण व्यक्ति के अधीन ज्ञान और कौशलों को अर्जित करता है, यह अवधारणा है**

(a) संरचनावाद (b) मंच बाँधना
(c) स्थलीय अधिगम (d) संज्ञानात्मक प्रशिक्षु

उत्तर- (d)/व्याख्या एक कम अनुभवी शिक्षार्थी एक निपुण व्यक्ति के अधीन यदि ज्ञान व कौशलों को अर्जित करता है तो यह अवधारणा संज्ञानात्मक प्रशिक्षण की अवधारणा कहलाएगी। इसमें अधिगमकर्त्ता समस्या को एक ईकाई के रूप में देखता है और उसे हल करने में समझ व तर्क का प्रयोग करता है।

62. **'चेतन अह्म' को किस मनोवैज्ञानिक ने व्यक्तित्व के कारकों के रुप में जाना है ?**

(a) फ्रायड　(b) जंग　(c) एडलर　(d) आलपोर्ट

उत्तर- (b)/व्याख्या मनोवैज्ञानिक जुंग ने "चेतन अहम" को व्यक्तित्व के कारक के रूप में पहचाना और इसी आधार पर व्यक्तित्व को तीन भागों में बाँटा।

(I) अन्तर्मुखी
(II) बहिर्मुखी
(III) उभयमुखी

जुंग के वर्गीकरण का यह आधार वर्तमान में भी मान्य है।

63. **निम्नलिखित में से कौन सा मार्ग-दर्शक की साधन-सम्पन्नता को बढ़ाता है ?**

I. विद्वता एवं अभिगम्यता
II. शिक्षा अर्हता एवं समय-पालन
III. सुनने का कौशल एवं मुख-पठन
IV. तदनुभूति

प्रदत्त कूट का प्रयोग कीजिए

कूट :

(a) I और II　(b) II और III
(c) III और IV　(d) IV और I

उत्तर- (c)/व्याख्या मार्गदर्शन कार्यक्रम की सफलता के लिए मार्गदर्शक के व्यक्तिगत गुण व कौशल का महत्वपूर्ण स्थान है। एक कुशल मार्गदर्शक की निम्नलिखित योग्यताए उसकी साधन सम्पन्नता को बढ़ाती है -

(III) सुनने का कौशल एवं मुख पाठन
(IV) तदनुभूति

64. **बेरोजगारी पैदा करने वाली शिक्षा निम्नलिखित का उदाहरण हैः**

(a) सामान्य सामाजिक परिवर्तन
(b) विवरणात्मक सामाजिक परिवर्तन
(c) अप्रक्रियात्मक सामाजिक परिवर्तन
(d) एककालिक सामाजिक परिवर्तन

उत्तर- (c)/व्याख्या बेरोजगारी पैदा करने वाली शिक्षा अप्रक्रियात्मक सामाजिक परिवर्तन का उदाहरण है। इसमें शिक्षित व्यक्ति का श्रम के प्रति अनुचित दृष्टिकोण पैदा हो जाता है। वह शारीरिक श्रम को मानसिक श्रम की तुलना में हेय की दृष्टि से देखता है। फलस्वरूप समाज में बेरोजगारी, गरीबी व अशांति आदि बढ़ जाती है।

65. **भारत में प्रथम मुक्त विश्वविद्यालय किस वर्ष में स्थापित किया गया था ?**

(a) 1961　(b) 1982
(c) 1985　(d) 2001

उत्तर- (b)/व्याख्या भारत में प्रथम मुक्त विश्वविद्यालय सन् 1982 में आन्ध्र प्रदेश (हैदराबाद) में खुला। जिसका नाम बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय हैदराबाद है।

66. **समग्र शिक्षा से अभिप्राय है**

(a) निर्योग्य विद्यार्थियों के लिए विशेष शिक्षण
(b) सर्व शिक्षा अभियान
(c) निर्योग्य तथा सामान्य विद्यार्थियों के लिए समान शिक्षा के अवसर
(d) विशेष स्कूलों में विशेष शिक्षा

उत्तर- (c)/व्याख्या समग्र शिक्षा से अभिप्राय-निर्योग्य तथा सामान्य विद्यार्थियों के लिए समान शिक्षा के लिए अवसर। इसमें किसी बालक को जाति, धर्म लिंग, स्थानीयता तथा रंग रूप व सीखने की क्षमता के आधार पर उन्हें उनके शैक्षिक अधिकारों से वंचित नहीं रखा जाएगा बल्कि सभी को पढ़ने अपना विकास करने का अवसर दिया जाएगा।

67. **प्राथमिक कक्षाओं में पठन-अक्षमता द्वारा**

(a) समायोजन की भावना का विकास होता है।
(b) सुरक्षा की भावना का विकास होता है।
(c) असुरक्षा की भावना का विकास होता है।
(d) साथियों से प्रेम की भावना का विकास होता है।

उत्तर- (c)/व्याख्या प्राथमिक कक्षाओं में पठन अक्षमता द्वारा- असुरक्षा की भावना का विकास होता है। यह बाल मन पर अत्यधिक नकारात्मक प्रभाव डालता है जब कक्षा में छात्र अपनी पठन-अक्षमता से परिचित हो जाता है तब वह अपने अन्य साथियों से स्वयं को हीन समझने लगता है। तब प्राथमिक रूप से उसमें असुरक्षा की भावना पनपने लगती है।

68. **प्रयोगात्मक शोध करते हुए एक शोधकर्ता को कंट्रोल करना चाहिए**

(a) स्वतन्त्र चरों को　(b) आश्रित चर, को
(c) किन्हीं चरों को नहीं　(d) बाह्य चरों को

उत्तर- (d)/व्याख्या प्रयोगात्मक शोध करते समय एक शोधकर्ता को वाह्य चरों को नियन्त्रित करना चाहिए वाह्य चरों का नियन्त्रित करके रखना तथा स्वतन्त्र चर में जोड़-तोड़ का होना ही प्रयोगात्मक अनुसंधान की प्रमुख विशेषता है। क्योंकि यह प्रयोगशाला की नियन्त्रित परिस्थिति में किया जाता है।

अत: नियन्त्रण करना आसान होता है। इस शोध द्वारा प्राप्त परिणामों की आन्तरिक वैधता प्रबल होती है।

69. **व्यक्ति अनुपस्थिति होने से आन्तरिक वैधता कम हो जाती है**

(a) ऐतिहासिक विधि की　(b) प्रयोगात्मक विधि की
(c) विवरणात्मक विधि की　(d) दार्शनिक विधि की

उत्तर- (b)/व्याख्या प्रयोगात्मक अनुसंधान में व्यक्ति (प्रयोज्य)अनुपस्थित होने से शोध की आन्तरिक वैधता कम हो जाती है। जबकि प्रयोगात्मक अनुसंधान की प्रमुख विशेषता उसके शोध परिणामों की आन्तरिक वैधता की प्रबलता है। किसी शोध परिणाम के आन्तरिक वैधता से तात्पर्य उस शोध के परिणामों का उन व्यक्तियों पर (Subjects) पूर्ण रूप से सत्य पाया जाना जिन पर प्रयोग प्रशस्ति किया गया।

70. विषय पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु की व्यवस्थित करने के लिए क्या दिशानिर्देश हैं?

I. वर्ष प्रतिवर्ष विषय-वस्तु का विवरण
II. स्थान-स्थान पर विषय -वस्तु का विवरण
III. विषय-वस्तु के विस्तार का रैखिक और सर्पिक रूप
IV. विषय-वस्तु थी महत्ववार मांत्रा

निम्नलिखित कूट का उपयोग करके सही उत्तर दीजिएः

कूट :

(a) I और II
(b) II और III
(c) III और IV
(d) IV और I

उत्तर- (a)/व्याख्या विषयपाठ्यक्रम की विषयवस्तु को व्यवस्थित करने के लिए निम्नलिखित दिशा निर्देश हैं-

(I) वर्ष प्रतिवर्ष विषयवस्तु का विवरण
(II) स्थान-स्थान पर विषयवस्तु का विवरण

उपर्युक्त दिशा निर्देशों के द्वारा पाठ्यक्रम की विषयवस्तु समझने तथा उसे व्यवस्थित करने में सहायता मिलेगी।

71. नींद को 'नेक अत्याचारी' कहा गया, क्योंकि

(a) नींद से कोई भी व्यक्ति बच नहीं सकता।
(b) सभी व्यक्तियों को सोना पड़ता है।
(c) सोने के लिए हमें आराम देह वातावरण चाहिए।
(d) नींद के घंटों की वितरण सीमा में कुछ लचक रहती है।

उत्तर- (d)/व्याख्या प्रस्तुत गद्यखण्ड में नींद को एक नेक अत्याचारी कहा गया है लेखक के अनुसार नींद के घण्टों का वितरण सीमा में कुछ लचक रहती है। जिससे व्यक्ति निर्धारित समय सीमा से ज्यादा होता है।

72. एक व्यक्ति जो अधिकतम जाग सकता है उन घण्टों की सीमा है

(a) 24 घण्टे (b) 16 घण्टे (c) 8 घण्टे (d) 72 घण्टे

उत्तर- (d)/व्याख्या मनोवैज्ञानिकों ने एक स्वस्थ व्यक्ति के अधिकतम जागने की सीमा 72 घण्टे निर्धारित किया है। इससे अधिक लगातार जाग पाना सम्भव नहीं है।

73. 'नेक अत्याचारी' का किससे सम्बन्ध है ?

(a) अर्जुन (b) नींद (c) नेपोलियन (d) डॉ.जाह्नसन

उत्तर- (b)/व्याख्या प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने नींद को 'एक नेक अत्याचारी' की संज्ञा दी है। क्योंकि नींद से व्यक्ति का समय नष्ट तो होता है किन्तु नींद लिए बिना जीवित रहना भी सम्भव नहीं है। जिस प्रकार शरीर के किए भोजन, पानी की जरूरत होती है उसी प्रकार नींद की भी।

74. 'नींद' और 'शिक्षा' को परस्पर घोर शत्रु बतलाया गया है क्योंकि

(a) वे एक साथ रहते हैं।
(b) वे एक दूसरे के विरुद्ध कार्य करते हैं ।
(c) शिक्षा नींद को हरा नहीं सकती ।
(d) वे इकट्ठे हैं परन्तु एक दूसरे के विरुद्ध कार्य करते हैं।

उत्तर- (d)/व्याख्या नींद और शिक्षा एक दूसरे के घोर शत्रु हैं क्योंकि वे एक दूसरे से इकट्ठे है। परन्तु एक दूसरे के विरुद्ध भी कार्य करते हैं।

75. इस गद्यांश के लिए सर्वोत्तम शीर्षक रहेगा

(a) नींदःएक नेक अत्याचारी
(b) नींद पर जाह्नसन के विचार
(c) नींद के लिए शिक्षा
(d) नींद और शिक्षा : घोर शत्रु

उत्तर- (d)/व्याख्या प्रस्तुत गद्य खण्ड के लिए सर्वोत्तम शीर्षक होना- 'नींद और शिक्षा : घोर शत्रु' क्योंकि इस सम्पूर्ण गद्य खण्ड में नींद का शिक्षा पर सकारात्मक व नकारात्मक दोनों प्रभावों का वर्णन किया गया है।

UGC NET/ J.R.F. EXAM

प्रश्न-पत्र II शिक्षाशास्त्र

1. दर्शन की एक शाखा ईपिस्टेमोलोजी किसके सिद्धन्तों से संबंध रखती है?

(A) यथार्थता (B) अस्तित्व
(C) ज्ञान (D) मूल्य

उत्तर- (C) व्याख्या

दर्शन को मुख्यत: तीन भागों में बांटा जा सकता है-

(1) तत्व मीमांसा (Metaphysics)
(2) ज्ञान मीमांसा (Epistemology)
(3) मूल्य एवं आचार मीमांसा (Axiology and Ethics)

- तत्व मीमांसा के अन्तर्गत प्रश्न हैं- वास्तविकता (सत्य) क्या है? मनुष्य क्या है? ईश्वर क्या है? इनके बीच पारस्परिक संबंध क्या है? इसमें सृष्टि-सृष्टा, आत्मा-परमात्मा, व जीव जगत की विवेचना की जाती है।
- दर्शन की ज्ञान मीमांसा के क्षेत्र में ज्ञान का स्वरूप,ज्ञान की सीमा, ज्ञान की प्रमाणिकता, ज्ञान प्राप्त करने के साधन, ज्ञान प्राप्त करने की विधियाँ,सत्य असत्य प्रमाण की व्याख्या आती है।
- मूल्य एवं आचार मीमांसा के क्षेत्र में मानव जीवन के आदर्श एवं मूल्यों की विवेचना आती हैं करणीय तथा अकरणीय कर्मों की विवेचना आती है, जिसे नीति शास्त्र कहते हैं शुभ-अशुभ, सुन्दर असुन्दर अच्छा-बुरा से संबंधित क्षेत्र मूल्य मीमांसा का क्षेत्र है।

अत: दर्शन की शाखा ज्ञान मीमांसा ज्ञान के सिद्धान्तों से संबंध रखती है। यथार्थता (सत्य) का संबंध तत्व मीमांसा से संबंधित तथा मूल्य का संबंध दर्शन की शाखा मूल्य एवं आचार मीमांसा से है।

2. नीचे दो कथन दिए गए है, जिनमें से एक को अभिकथन (A) कहा गया है तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

अभिकथन (A): शिक्षा के उद्देश्य को तय करने में दर्शन सहायक है।

कारण (R): शिक्षा दर्शन पर अत्याधिक निर्भर है।

उपरोक्त दोनों कथनों के संदर्भ में निम्न में से कौन सही है?

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं।
(B) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।
(C) (A) सत्य है, पर (R) असत्य है।
(D) (A) असत्य है, पर (R) सत्य है।

उत्तर- (A) व्याख्या दर्शन का सर्वप्रथम भाग तत्व मीमांसा होता है। इसमें सृष्टि-सृष्टा, आत्मा-परमात्मा आदि की व्याख्या होती है और उसके आधार पर मानव जीवन के उद्देश्य निश्चित किये जाते हैं। शिक्षा द्वारा इन उद्देश्यों की प्राप्ति की जाती है।

शिक्षा दर्शन पर अत्यधिक निर्भर है। बिना दर्शन के शिक्षा चल नहीं सकती।

कॉम्टे के अनुसार - ''दर्शनशास्त्र की सहायता के बिना शिक्षा पूर्णतया स्पष्टता को प्राप्त नहीं कर सकती।''

जेन्टिल के अनुसार -''दर्शन की सहायता के अभाव में शिक्षा सही मार्ग पर नहीं चल सकती।''

अत: प्रश्न में दिया गया अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही है।

3. ''शब्दों की बजाए जो कुछ जैसा भी है और जैसा भी जीवन में उनसे सामना होने की संभावना है।'' किसका नारा है?

(A) प्रयोजनवादी
(B) यथार्थवादी
(C) आदर्शवादी
(D) अस्तित्ववादी

उत्तर- (B) व्याख्या ''शब्दों की बजाए जो कुछ जैसा भी है और जैसा भी जीवन में उनसे सामना होने की संभावना है।'' यह नारा यथार्थवादियों का कहना है। क्योंकि यथार्थवाद का अर्थ उस विश्वास अथवा सिद्धान्त से है जो संसार को वैसा ही मानता है जैसा कि हमें दिखाई देता हैं। भौतिक संसार ही वास्तविक एवं सत्य है। यर्थाथवादी शिक्षा का नारा है - ''शब्द नहीं, वस्तुएं।'' यथार्थवादी पुस्तकीय शिक्षा का विरोध करता है।

4. एक अस्तित्ववादी अध्यापक को किस पर महत्ता देनी चाहिए।

I. स्वतंत्रता
II. उत्तरदायित्व
III. व्यक्तिपरक भावनाएँ
IV. मिलजुलकर रहना

उपरोक्त में से कौन सा संयोजन सही है?

कूट :

(A) I और II सही हैं।
(B) I और III सही हैं।
(C) I, II और III सही हैं।
(D) II, III और IV सही हैं।

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ अस्तित्ववाद बीसवी शताब्दी के संकंट का दर्शन है। अस्तित्ववाद सर्वव्यापी सार तत्व से पहले अस्तित्व का प्रश्न करता है। मुनष्य क्या है? मनुष्य का अस्तित्व क्या है? इस दर्शन में मानव व्यक्तित्व तथा स्वतंत्रता पर बल दिया गया है।

सात्र लिखता है कि मेरी स्वतंत्रता मूल्यों का बेजोड़ धरातल है। मनुष्य का ''सार तत्व'' यह है कि वह स्वतंत्र है वह सृजन कर सकता है।

अस्तित्ववादी शिक्षा के उद्देश्य तीन अवधारणाओं पर आधारित है -

(1) मनुष्य स्वतंत्र है, उसकी नियति प्रागनुभूत नहीं है, वह जो
बनना चाहे उसके लिए वह स्वतंत्र है।

(2) मनुष्य अपने कृत्यों को चयन करने वाला अभिकरण है। उसे चयन की स्वतंत्रता है।

(3) अपने चयन का पूरा दायित्व स्वयं उसका है, अत: स्वतन्त्र मनुष्य को निरन्तर पीड़ा, संदेह तथा कुंठाओं के बीच रहना पड़ता है। अपने चयन से उत्पन्न पीड़ा की जिम्मेदारी किसी अन्य पर डाल कर संतोष नहीं कर सकता।

अत: अस्तित्ववादी शिक्षा द्वारा बालक में उक्त तीनों मूल्यों का विकास करना है। अस्तित्वाद की छात्र-संकल्पना पूर्णतया व्यक्तिवादी हैं यह दर्शन आत्मनिष्ठता और व्यक्तिगत अनुभव को विशेष, महत्वपूर्ण मानता है।

अस्तित्व वादी ज्ञान मीमांसा के अनुसार व्यक्ति स्वयं अपने प्रयत्नों से ज्ञान प्राप्त करता है और वह उस ज्ञान के लिए स्वयं उत्तरदायी है।

अस्तित्ववाद के अनुसार कोई सामूहिक शिक्षा हो ही नहीं सकती।

अत: आवश्यक है कि छात्र पर कोई सामूहिक स्वीकृति लादी न जाए, उसे स्वतंत्र निर्णय के अवसर प्रदान करना आवश्यक है।

अत: स्पष्ट है कि एक अस्तित्ववादी अध्यापक को स्वतंत्रता, उत्तरादायित्व तथा व्यक्तिपरक भावनाओं को महत्व देनी चाहिए।

5. एक वर्गविहीन समाज बनाने की वकालत किसने की?

(A) प्लेटो (B) ऑगस्ट काम्टे
(C) महात्मा गाँधी (D) कार्ल मार्क्स

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ एक वर्गविहीन समाज बनाने की वकालत कार्ल मार्क्स ने की। मार्क्स के अनुसार आधुनिक राज्य संस्थाएं, श्रमजीवी वर्ग के शोषण द्वारा, मध्यम वर्ग के हित-साधन के लिए बनी है। वर्गगत-स्वार्थो का संघर्ष सदैव रहा है तथा जिस वर्ग के हाथ में शक्ति आती है, वही दुर्बल वर्ग का शोषण एवं दमन करता है।

मार्क्स के अनुसार जीवन का सिद्धान्त सहयोग नहीं है, अपितु संघर्ष है। वर्गो के बीच सहयोग हो ही नहीं सकता। एक मात्र उपाय है वर्गहीनता, जो सक्रिय क्रान्ति द्वारा स्थापित की जा सकती है।

6. वेद हमें सिखाते हैं किः

(A) सृष्टि का प्रारम्भ नहीं है।
(B) सृष्टि का अन्त नहीं है।
(C) सृष्टि का आदि एवं अन्त नहीं है।
(D) सृष्टि का निश्चित आदि व अन्त है।

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ वैदिक दर्शन के अनुसार इस सृष्टि का निर्माणकर्ता ईश्वर हैं सृष्टि की रचना से पहले न अभाव था, न भाव था, न परमाणु था न आकाश था और उससे भी परे जो है वह (ईश्वर) ही था। सृष्टि के अन्त के विषय में उसका मत है कि यह अन्त में ईश्वर में ही विलीन हो जायेगी। इस सृष्टि का आदि और अन्त ईश्वर ही है।

अत: वेद हमें सिखाते हैं कि सृष्टि का आदि एवं अंत नहीं है।

7. सांख्य दर्शन के अनुसार सृष्टि का अनुक्रम निम्नानुसार है :

(A) पुरुष, प्रकृति, अहंकार, महत
(B) प्रकृति, पुरुष अहंकार, महत
(C) प्रकृति, पुरुष, महत, अहंकार
(D) पुरुष, प्रकृति, महत, अहंकार

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ सांख्य दर्शन ने सृष्टि के विकास क्रम को स्पष्ट करने का प्रयत्न किया है। इसके अनुसार प्रकृति और पुरुष के योग से सर्वप्रथम महत् की उत्पत्ति हुई। सांख्य में महत् का अर्थ है - ब्रह्माण्ड बुद्धि। इसके बाद महत् से अहंकार की उत्पत्ति हुई। अहंकार ब्रह्माण्ड की विभिन्नता का आधार है, आत्म भाव (Ego) का जन्मदाता है। अंहकार और सत् के योग से मनस् और पाँच ज्ञानेन्दियों और पाँच कर्मेन्दियों की उत्पत्ति होती है। अहंकार और रजस् के योग से पाँच महाभूतों (पृथ्वी, जल, तेज, वायु और आकाश) की उत्पत्ति होती है। और अहंकार और तमस् के योग से पाँच तन्मात्राओं (रस, सुगन्ध, स्पर्श, ध्वनि और दृश्य की उत्पत्ति होती है।

सांख्य में प्रकृति एवं पुरुष को दो स्वतंत्र सत्ता स्वीकार करती है। जिसमें प्रथम-पुरुष तथा द्वितीय प्रकृति और उन्हें एक दूसरे का पूरक माना गया है।

अत: प्रश्नानुसार सांख्य दर्शन के अनुसार सृष्टि का अनुक्रम है - पुरुष, प्रकृति, महत, अहंकार

8. निम्न की सही जोड़ी बनाइए :

सूची -I (बौद्ध संकल्पना)	सूची-II (अर्थ/उदाहरण)
a. आर्य सत्य	1. नामरूप
b. द्वादश निदान	2. समाधि
c. अष्टांग मार्ग	3. सम्यक व्यायाम
d. निर्वाण	4. श्वास नियंत्रण
	5. जीवन में दुःख

कूट :

	a	b	c	d
(A)	2	4	1	3
(B)	5	1	3	2
(C)	5	1	4	2
(D)	1	5	4	3

उत्तर- (B)/ व्याख्या

व्याख्या (A) -सुमेलित है -

सूची - I (बौद्ध संकल्पना)		सूची - II (अर्थ/उदाहरण)	
(a)	आर्य सत्य	(5)	जीवन में दु:ख
(b)	द्वादश निदान	(1)	नामरूप
(c)	अष्टांग मार्ग	(3)	सम्यक व्यायाम
(d)	निर्वाण	(2)	समाधि

बौद्ध दर्शन में 4 आर्य सत्य है -

(1) जीवन दु:खों से पूर्ण है।
(2) इन दु:खों का कारण विद्यमान है।
(3) इन दु:खों का अन्त सम्भव है।
(4) इन दु:खों के अन्त का उपाय है।

बौद्ध दर्शन में द्वादश निदानवाद सिद्धान्त है। मनुष्य का जन्म-मरण द्वादश निदानवाद पर आधारित है। जिसका सम्बन्ध भूत, वर्तमान और भविष्य की शृंखला से है। इसे 'भाव चक्र' भी कहते है। द्वादश निदान हैं-

भूत जीवन से सम्बन्धित -
(1) अविद्या
(2) संस्कार

वर्तमान जीवन से सम्बन्धित-
(3) विज्ञान
(4) नामरूप
(5) वद्रायतन
(6) स्पर्श
(7) वेदना
(8) तृष्णा
(9) उपादान

भविष्य जीवन से सम्बन्धित -
(10) भव
(11) जाति
(12) जरा-मरण या दु:ख

अज्ञानता के उन्मूलन के लिए बुद्ध ने अष्टंग मार्ग का सूत्रीकरण किया। अष्टांग मार्ग का पालन करके निर्वाण की प्राप्ति हो सकती है। अष्टांग मार्ग हैं-सम्यक दृष्टि सम्यक् संकल्प, सम्यक वाक, सम्यक् कर्म सम्यक् आजीविका, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति, सम्यक् समाधि

बुद्ध के अनुसार अष्टांग मार्ग के सात मार्गों का पालन करने वाले व्यक्ति का ही मन शान्त हो सकता है और वही एकाग्र मन से समाधि की स्थिति प्राप्त कर सकता है बुद्ध ने मन को संसार से हटा लेने को ही समाधि कहा है। इस स्थिति में ही मनुष्य संसार के दु:ख से छूट सकता है, निर्वाण को प्राप्त कर सकता है।

9. निम्नलिखित आधारवाक्यों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए: अभिकथन (A): सभी मुस्लिम महिलाओं को स्कूल जाना चाहिए।
कारण (R) : मुस्लिम दर्शन सभी-पुरुषों अथवा स्त्रियों, की समानता पर जोर देता है।

कूट :(A) दोनों (A) तथा (R) सत्य हैं।
(B) दोनों (A) तथा (R) असत्य हैं।
(C) कथन (A) सत्य है, पर (R) असत्य हैं।
(D) कथन (A) असत्य है, पर (R) सत्य हैं।

उत्तर- (D)/ व्याख्या प्रश्न में दिया गया अभिकथन सभी मुस्लिम महिलाओं को स्कूल जाना चाहिए, असत्य है। तथा कारण-मुस्लिम दर्शन सभी पुरुषों अथवा स्त्रियों, की समानता पर जोर देता है सत्य है क्योंकि इस्लाम ने जाति, धर्म, लिंग या राष्ट्रीयता के भेदभाव के बिना परिवार के सभी सदस्यों के लिए ज्ञान के द्वारा खोल दिए। पैगम्बर ने शिक्षा दी कि पढ़ना पुरुष और महिला दोनों का जरूरी है।

10. टैगोर की शिक्षा व्यवस्था में बालक किससे बेहतर सीखता है?
I. वादविवाद और चर्चा से
II. पढ़ना, लिखना और बोलने से
III. नृत्य, नाटक और संगीत से
IV. पर्यटन और प्रकृति के साथ अन्योन्यक्रिया से
उपरोक्त के संदर्भ में कौन से कथन सत्य हैं?

कूट :(A) सभी कथन I, II, III तथा IV सत्य हैं।
(B) कथन I, III तथा IV सत्य हैं।
(C) कथन I, II तथा III सत्य हैं।
(D) कथन II, III तथा IV सत्य हैं।

उत्तर- (B)/ व्याख्या रविन्द्र नाथ टैगोर बालक को ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति मानते हैं। इनके अनुसार चारो ओर फैली हुई प्रकृति हमारी महान शिक्षिका है। वह हमारे जीवन को सौन्दर्य और आनन्द, समरसता और संगीत भावनाओं के साँचे में ढालती है। टैगोर, शिक्षण विधि के सम्बन्ध के बारे में कहते हैं कि पुस्तक के रूखे पृष्ठों की अपेक्षा बालक को स्वच्छ प्रकृति के उपकरणों द्वारा शिक्षा प्रदान करनी चाहिए। टैगोर भ्रमण द्वारा शिक्षण, तर्क एवं विचार-विमर्श विधि, क्रिया विधि से सीखने पर बल दिया। पाठ्यक्रम में ललित कलाओं की प्रधानता पर भी बल दिया। अत: टैगोर की शिक्षा व्यवस्था में बालक वाद-विवाद चर्चा, नृत्य, नाटक, संगीत, पर्यटन और प्रकृति के साथ अन्योन्याक्रिया से बेहतर सीखता है।

11. भारतीय संविधान में 6 से 14 वर्ष की आयु के बालकों हेतु नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार किस अनुच्छेद के अंतर्गत लाया गया है?

(A)अनुच्छेद 46 (B)अनुच्छेद 16
(C)अनुच्छेद 45A (D)अनुच्छेद 21A

उत्तर- (D)/ व्याख्या

विकल्प में दिये गए अनुच्छेदों की व्याख्या निम्न है -

(A) अनु० 46 -अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य दुर्बल वर्गों के शिक्षा और अर्थ संबंधी हितों की अभिवृद्धि।

(B) **अनु० 16** -लोक नियोजन के विषय में अवसर की समानता

(C) **अनु० 45A** -राज्य प्रा० बाल्यावस्था में देखभाल और 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों की शिक्षा के लिए प्रयास करेगा।

(D) **अनु० 21A** -राज्य 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बालकों के लिए नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का उपबन्ध करेगा।

12. सही अर्थ हेतु भाषा के तार्किक विश्लेषण की वकालत किसने की?
(A) ए. जे. ऐयर (B) बट्रेन्ड रसेल
(C) मॉरिसस एल. बिग्गी (D) जी. ई. मूर

उत्तर- (A)/ व्याख्या सही अर्थ हेतु भाषा के तार्किक विश्लेषण की वकालत ए०जे० एयर ने की। ऐ०जे० एयर के अनुसार- ''शाब्दिक रूप में कोई कथन तभी सार्थक होता है जबकि उसे विश्लेषणात्मक ढंग से या प्रयोगात्मक ढंग से प्रमाणित किया जा सके।''

13. शिक्षा का समाजविज्ञान है :
(A) मानव विज्ञान की शाखा (B) समाज का अध्ययन
(C) शिक्षा की संस्थाओं से जुड़ी समाज-विज्ञानीय प्रक्रियाओं का विश्लेषण
(D) एक विज्ञान जो आदिकालीन समाजों का अध्ययन करता है।

उत्तर- (C)/ व्याख्या शिक्षा का समाज विज्ञान शिक्षा संस्थाओं से सम्बद्ध समाजशास्त्रीय प्रक्रियाओं का विश्लेषण करता है इसमें शिक्षा के सामाजिक पक्ष पर विचार किया जाता हैं यह शिक्षा के संस्थान में अध्ययन पर बल देता है।

14. विद्यालय मूलभूत रूप से सामाजिक संस्था है क्योंकिः
(A) वे हमारी संस्कृति के मूल्यों को बनाए रखते हैं और भावी पीढ़ियों के मन में बैठा देते हैं।
(B) वे सामाजिक प्रगति के तरीकें तथा साधन बताते हैं।
(C) वे सामाजिक समस्याओं का हल बताते हैं।
(D) वे समाज द्वारा स्थापित किये जाते हैं।

उत्तर- (A)/ व्याख्या विद्यालय मूलभूत में सामाजिक संस्था है क्योंकि वे हमारी संस्कृति के मूल्यों को बनाए रखते हैं और भावी पीढ़ियों के मन में बैठा देते हैं। इस प्रकार विद्यालय हमारी सामाजिक संस्कृति का हस्तांतरण ही नहीं वरन् इसका संरक्षण भी करती है। इसीलिए जॉन डिवी ने विद्यालय को समाज का लघु रूप कहा है।

15. लोगों को एक विशेष सामाजिक वर्ग में रखने के लिए सुसंगत रूप से उपयोग किया गया मानदंड कौन सा नहीं है?
(A) प्रजाति (B) धर्म (C) ज्ञान (D) सम्पदा

उत्तर- (C)/ व्याख्या लोगों को एक विशेष वर्ग में रखने के लिए अनेक मानदंड बने हुए जैसे प्रजाति, धर्म, सम्पदा के आधार पर, स्थान के आधार पर, व्यवसाय के आधार पर, लिंग के आधार पर परन्तु ज्ञान के आधार पर किसी विशेष वर्ग में रखने का कोई मानदंड नहीं है।

16. परिवार को एक छोटी इकाई मानते हुए निम्न में कौन सा सामाजिक समूह उठता सोपानिक अनुक्रम है?
(A) **राष्ट्र - प्रजाति - वर्ग - जनजाति - परिवार**
(B) **परिवार - वर्ग - जनजाति - प्रजाति - राष्ट्र**
(C) **परिवार - जनजाति - प्रजाति - वर्ग - राष्ट्र**
(D) **परिवार - प्रजाति - वर्ग - जनजाति - राष्ट्र**

उत्तर- (B)/ व्याख्या परिवार को छोटी इकाई मानते हुए सामाजिक समूह का उठता सोपानिक अनुक्रम है-
परिवार-वर्ग-जनजाति-प्रजाति-राष्ट्र

17. विद्यमान सामाजिक प्रथाओं के प्रतिस्थापन में विज्ञान और तकनीकी के उपयोग को क्या कहा जाता है?
(A) सामाजीकरण (B) पश्चिमीकरण
(C) संस्कृतिकरण (D) आधुनिकीकरण

उत्तर- (B)/ व्याख्या

(A) सामाजीकरण - सामाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने सामाजिक पर्यावरण के साथ अनुकूलन करता है और इस प्रकार वह उस समाज का मान्य, सहयोगी और कुशल सदस्य बनता है।

(B) पश्चिमीकरण- पश्चिमीकरण से तात्पर्य पूर्वी राष्ट्रों के व्यक्तियों द्वारा पश्चिमी राष्ट्रों के व्यक्तियों की रहन-सहन एवं खान-पान की विधियों, रीति-रिवाजों, संगीत, नृत्य आदि की नकल करने और उन्हें अपनाने से होता है।

(C) संस्कृतिकरण - समाज में सांस्कृतिक दृष्टि से कुछ वर्ग उच्च माने जाने जाते हैं और कुछ निम्न माने जाते हैं शिक्षा प्राप्त करने और ऊँचे पदों पर पहुँचने के बाद निम्न वर्गीय लोग उच्च वर्गीय लोगों की संस्कृति को ग्रहण कर अपने को उच्च वर्ग में प्रतिस्थापित करते हैं इस प्रक्रिया को संस्कृतिकरण कहते हैं।

(D) आधुनिकीकरण - कोठारी कमीशन (1964-66) के प्रतिवेदन में आधुनिकीकरण को निम्नरूप में परिभाषित किया गया है - किसी राष्ट्र के आधुनिकीकरण से तात्पर्य विज्ञान एवं तकनीकी के प्रयोग से उस राष्ट्र के आर्थिक विकास करने और जन साधारण के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने से है। परिवार को छोटी इकाई मानते हुए सामाजिक समूह का उठता सोपानिक अनुक्रम है-
परिवार-वर्ग-जनजाति-प्रजाति-राष्ट्र

18. किसी के व्यक्तित्त्व में अपनी खुद की संस्कृति के आत्मसातीकरण की प्रक्रिया को क्या कहा जाता है?
(A) **सांस्कृतिकरण** (B) **परसंस्कृतिकरण**
(C) **सामाजीकरण** (D) **संस्कृतिकरण**

उत्तर- (A)/ व्याख्या

(A) सांस्कृतिकरण (Enculturation) - किसी के व्यक्तित्व में अपनी खुद की संस्कृति के आत्मसातीकरण की प्रक्रिया सांस्कृतिकरण (Enculturation) कहते है। यहाँ सभी बच्चे अपने परिवार एवं समाज में अपनी-अपनी संस्कृति सीखते और ग्रहण करते हैं।

(B) पर संस्कृतिकरण *(*Acculturation)- जब बच्चे स्कूल -कालेजों में पढ़ते हैं और बड़ा होने पर अन्य संस्कृतियों के लोगों के सम्पर्क में आते हैं तो वे जाने-अनजाने एक दूसरे की संस्कृति के अच्छे लगने वाले तत्वों को ग्रहण करने लगते है। इसे परसंस्कृतिकरण (Acculturation) कहते हैं।

(c) समाजीकरण (Sociolization) - समाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने सामाजिक पर्यावरण के साथ अनुकूलन करता है और इस प्रकार वह उस समाज का मान्य सहयोगी और कुशल सदस्य बनता है।

(D) संस्कृतिकरण (Sanskritisation) - समाज में सांस्कृतिक दृष्टि से कुछ वर्ग उच्च माने जाने जाते हैं और कुछ निम्न माने जाते हैं। शिक्षा प्राप्त करने और ऊँचे पदों पर पहुँचने के बाद निम्न वर्गीय लोग उच्च वर्गीय लोगों की संस्कृति को ग्रहण कर अपने को उच्च वर्ग में प्रतिस्थापित करते हैं इस प्रक्रिया को संस्कृतिकरण कहते हैं।

19. निम्नलिखित का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए:
अभिकथन (A): मेरा धर्म सर्वश्रेष्ठ धर्म है।
कारण (R): प्रजातांत्रिक दर्शन मुझे स्वतंत्रतापूर्वक सोचने और रहने की अनुमति देता है।

कोड :(A) (A) तथा (R) दोनों सत्य हैं और (R) सही व्याख्या है।
(B) (A) तथा (R) दोनों असत्य हैं।
(C) केवल (A) सत्य है और (R) असत्य है।
(D) केवल (R) सत्य है।

उत्तर- (D) व्याख्या कथन (A) के अनुसार मेरा धर्म श्रेष्ठ है। यह कहना प्रजातांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है क्योंकि प्रजातंत्र में सभी धर्म समान होता है तथा सभी धर्मों का सम्मान किया जाता है। अत: यह कथन असत्य है। कथन कारण (R) के अनुसार–प्रजातांत्रिक दर्शन मुझे स्वतंत्रतापूर्वक सोचने व रहने की अनुमति देता है जो कि सत्य है। अत: कारण (R) सत्य है।

20. निम्नलिखित में से कौन सी शृंखला, स्वतन्त्र भारत की शैक्षिक पद्धति की मूल परिवर्तन प्रक्रिया को निरुपित करती है?
(A) मनोवैज्ञानिक परिवर्तन - सामाजिक परिवर्तन - राजनीतिक परिवर्तन - शैक्षिक परिवर्तन
(B) राजनीतिक परिवर्तन - सामाजिक परिवर्तन - मनोवैज्ञानिक परिवर्तन
(C) सामाजिक परिवर्तन - मनौवैज्ञानिक परिवर्तन - राजनीतिक परिवर्तन - शैक्षिक परिवर्तन
(D) शैक्षिक परिवर्तन - सामाजिक परिवर्तन - मनोवैज्ञानिक परिवर्तन

उत्तर- (B) व्याख्या स्वतंत्र भारत की शैक्षिक पद्धति की मूल परिवर्तन प्रक्रिया को निम्न शृंखला निरूपित करती है - राजनीतिक परिवर्तन- सामाजिक परिवर्तन - मनोवैज्ञानिक परिवर्तन - शैक्षिक परिवर्तन।

21. एक रिक्शाचालक का पुत्र संघर्ष करता है और एक इंजीनियर बन जाता है। यह एक उदाहरण है
(A) सामाजिक परिवर्तन का
(B) सामाजिक स्तरीकरण का
(C) सामाजिक गतिशीलता का
(D) सामाजिक संसक्ति का

उत्तर- (C) व्याख्या सामान्य अर्थ में सामाजिक गतिशीलता (Socialmoblility) से तात्पर्य समाज के क्षेत्र में किसी व्यक्ति का स्तर बढ़ जाना या उसका स्तर घट जाना।

फेयर चाइल्ड के अनुसार- ''सामाजिक गतिशीलता एक सामाजिक समूह के दूसरे सामाजिक समूह की ओर व्यक्तियों की गति का ही नाम है।''

सामाजिक गतिशीलता के दो रूप समाज शास्त्री बताते हैं -
(1) क्षैतिज गतिशीलता (2) लम्बवत गतिशीलता रेल्फ टर्नर ने सामाजिक गतिशीलता के दो अन्य रूप बताये हैं-
(1) प्रदत्त गतिशीलता (2) सघंर्ष गतिशीलता

संघर्ष गतिशीलता का अर्थ है कि एक व्यक्ति संघर्ष या अपने परिश्रम के बल पर उन्नति करते हुए उच्च पद को पाने का प्रयास करे।

अत: प्रश्न में दिया गया उदाहरण - एक रिक्शाचालक का पुत्र संघर्ष करता है और एक इंजीनियर बन जाता है, सामाजिक गतिशीलता का उदाहरण है।

22. सामाजिक स्तरीकरण का उदाहरण निम्नांकित में से क्या है?
I. एक क्षेत्र में विभिन्न स्तर के लोगों का रहना।
II. एक समाज का विभिन्न सामाजिक स्तरों में विभाजन।
III. एक अलग कॉलोनी जिसमें केवल वर्ग III के सरकारी कर्मचारी रहते हों।
IV. ऊँची और नीची जातियों वाला समाज।
(A) उपरोक्त सही कथन सही हैं।
(B) कथन I, II तथा IV सही हैं।
(C) कथन I, II तथा III सही हैं।
(D) कथन II, III तथा IV सही हैं।

उत्तर- (B) व्याख्या समाज में लोगों को केवल वर्गीकृत ही नहीं किया जाता वरन् इन श्रेणियों को ऊँचे-नीचे क्रम में भी रखा जाता हैं उच्चता एवं निम्नता की श्रेणियों में व्यवस्थित करने की प्रक्रिया सामाजिक स्तरीकरण की प्रक्रिया कही जाती है। जिस श्रेणी को जिस उच्च अथवा निम्न वर्ग में रखा जाता है वह उस श्रेणी का सामाजिक ढ़ांचा बन जाता है जिसे समाजशास्त्र ने स्तरीकरण व्यवस्था कहते हैं।

यंग और मैक के शब्दों में, ''अधिकतर समाजों में लोग एक दूसरे को श्रेणियों में वर्गीकृत करते हैं और इन श्रेणियों को उच्चता से निम्ननता की ओर क्रमबद्ध करते हैं। इस प्रकार की श्रेणियाँ परिभाषित करने की प्रक्रिया सामाजिक स्तरीकरण कहलाती है।''

उदा० -
1. एक क्षेत्र में विभिन्न स्तर के लोगों का रहना।
2. एक समाज का विभिन्न सामाजिक स्तरों में विभाजन
3. ऊँची और नीची जातियों वाला समाज

23. शिक्षा में अवसरों की समानता से अभिप्राय है कि प्रत्येक छात्र
(A) परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करे।
(B) समान संख्या में पुस्तकें तथा स्टेशनरी पाए।
(C) अपनी योग्यताओं तथा रुचियों के अनुसार सुविधाएँ प्राप्त करें।
(D) अपनी क्षमताओं तथा समाज में स्तर के अनुसार सुविधाएँ प्राप्त करें।

उत्तर- (C) व्याख्या शिक्षा में अवसरों की समानता से अभिप्राय है कि प्रत्येक छात्र अपनी योग्यताओं तथा रूचियों के अनुसार सुविधाएँ प्राप्त करे।

24. समाज का वंचित वर्ग बना है
I. अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों से
II. महिलाओं से
III. शारीरिक रूप से विकलांगों से
IV. ग्रामीण लोगों से
(A) उपरोक्त सभी
(B) केवल I, II तथा III
(C) कथन II, III तथा IV
(D) कथन I, III तथा IV

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ वंचित वर्गों में वे लोग आते हैं जिन्हें समाज में संतोषजनक प्रास्थिति (Status) प्राप्त नहीं हैं और इसी कारण से उन्हें कई कठिनाइयों, भय तथा प्रतिबन्धों का सामना करना पड़ता है। इन्हें समाज से वांछित लाभ प्राप्त नहीं होता।

वचनाओं के मुख्य क्षेत्र निम्न हैं-

1. सामाजिक वंचना 2. सांस्कृतिक वंचना
3. आर्थिक वंचना 4. राजनीतिक वंचना

भारत में वंचित वर्ग इस प्रकार है -

1. अनुसूचित जातियां एवं अनुसूचित जन जातियां
2. अन्य पिछड़ा वर्ग 3. सामान्य महिलायें
4. विकलांग 5. अल्पसंख्यक

25. अन्तर्निरीक्षण पद्धति में किसका अभाव है?

(A) विश्वसनीयता (B) वैधता
(C) वस्तुपरकता (D) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ अन्तर्निरीक्षण पद्धति में व्यक्ति अपने भीतर झांकता है तथा अपनी मनोदशा का स्वयं निरीक्षण या अध्ययन करता है। यह विश्वसनीय विधि नहीं है क्योंकि एक ही मनोदशा का निरीक्षण भिन्न-2 भिन्न अंतर्निक्षकों से करने पर निष्कर्ष अलग-अलग हो जाता है। इसमें आत्मनिष्ठता का तत्व अधिक होता है। वैधता का अभाव होता है। चूंकि व्यक्ति की मनोदशा स्थिर नहीं होती बल्कि एक क्षण से दूसरे क्षण परिवर्तित होती रहती है। यही कारण है कि मनोविज्ञान में इस विधि का उपयोग एक स्वतंत्र विधि के रूप में नहीं बल्कि एक सहायक विधि के रूप में किया जाता है।

26. निम्नांकित में से कौन सा विकास का सिद्धान्त नहीं है?

(A) निरन्तरता का सिद्धान्त
(B) व्यक्तिगत भेद का सिद्धान्त
(C) विशिष्ट से सामान्य प्रतिक्रिया तक बढ़ने का सिद्धान्त
(D) एकीकरण का सिद्धान्त

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ जब बालक विकास की एक अवस्था से दूसरी अवस्था में प्रवेश करता है, तब हम उसमें कुछ परिवर्तन देखते हैं। इन परिवर्तनों में पर्याप्त निश्चित सिद्धान्तों का अनुसरण करने की प्रवृत्ति होती है। इन्हीं को विकास का सिद्धान्त (Principles of Development) कहा जाता है। विकास के निम्नलिखित सिद्धान्त हैं-

(1) विकास की दिशा का सिद्धान्त
(2) निरन्तर विकास की सिद्धान्त
(3) व्यक्तिगत भिन्नता का सिद्धान्त
(4) समन्वय का सिद्धान्त
(5) समान प्रतिमान का सिद्धान्त
(6) सामान्य से विशिष्ट प्रतिक्रियाओं का सिद्धान्त
(7) विकास क्रम का सिद्धान्त
(8) वंशानुक्रम तथा वातावरण की अन्त:क्रिया का सिद्धान्त
(9) परस्पर संबंध का सिद्धान्त

हरलॉक का कथन है - ''विकास की सब अवस्थाओं में बालक की प्रतिक्रियाएं विशिष्ट बनने से पूर्व सामान्य प्रकार की होती है।'' अत: विशिष्ट से सामान्य प्रतिक्रिया तक बढ़ने का सिद्धान्त विकास का सिद्धान्त नहीं है।

27. बी.एफ.स्किनर के अनुसार, बच्चों में भाषा का विकास निम्नलिखित का परिणाम है:

(A) व्याकरण में प्रशिक्षण
(B) अनुकरण तथा पुनर्बलन
(C) अंतर्जात योग्यताएँ
(D) परिपक्वन

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ स्किनर (1957) ने भाषा सीखने की प्रक्रिया के स्पष्टीकरण हेतु अनुकरण तथा संशोधन प्रतिमान (Imitation & correction Model) को प्रस्तुत किया था। इस प्रक्रिया के अनुसार बालक वयस्कों के शब्दों व वाक्यों आदि को ध्यानपूर्वक सुनते हैं तथा उसका अनुकरण करते हैं। जब वे वयस्कों के शब्दों व वाक्यों का सही ढंग से अनुकरण करने में समर्थ हो जाते हैं, तो वस्यक उनके इस व्यवहार की प्रशंसा करके उसे पुनवर्लित करते हैं। इससे बालक को उन शब्दों या वाक्यों को सीखने का पुनर्बलन मिलता है एवं उनमें इस प्रकार से सीखने की प्रवृत्ति तीव्र होती है। स्किनर की इसी अवधारणा को भाषा विकास का सिद्धान्त कहा जाता है।

28. पुरस्कृत होने पर जिस व्यवहार प्रतिमान की बारम्बरता बढ़ जाती है, क्या कहलाता है?

(A) अनुकूल (गढ़ना) (B) क्लीकीय अनुकूलन
(C) सामान्यीकरण (D) क्रियाप्रसूत अनुकूलन

उत्तर- (D)/ व्याख्या/

(A) अनुकूलन (गढ़ना) (Shaping) - शेपिंग प्रविधि, वैसी प्रविधि है जिसमें व्यक्ति का व्यवहार धीरे-धीरे किसी खास लक्ष्य की ओर पुनर्बलन के आधार पर ले जाया जाता है।

(B) क्लासीकीय अनुकूलन (Classical conditioning)- जब किसी अस्वाभाविक उद्दीपक के साथ बार-बार प्रस्तुत किया जाता है तो धीरे-धीरे अस्वाभाविक उद्दीपक की स्वाभाविक अनुक्रिया के साथ संबंध जुड़ जाता है तथा बाद में केवल अस्वाभाविक उद्दीपन के प्रस्तुत होने पर व्यक्ति या जीव स्वाभाविक अनुक्रिया जिसे अनुकूलित अनुक्रिया कहते हैं, लगता है। तब कहा जाता है कि कोई अस्वाभाविक उद्दीपक किसी स्वाभाविक उद्दीपक से अनुकूलित हो गया।

(C) सामान्यीकरण (Generalization) - सामान्यीकरण क्लासिकल अनुबंधन का एक महत्वपूर्ण सम्प्रत्यय है। जब व्यक्ति एक विशेष अस्वाभाविक उद्दीपन के प्रति अनुक्रिया करना सीख लेता है, तो उस उद्दीपन से मिलते-जुलते सभी अन्य उद्दीपनों के प्रति भी वैसी ही अनुक्रिया करता है। इसे ही पावलव ने उद्दीपन सामान्यीकरण की संज्ञा दी है।

(D) क्रिया प्रसूत अनुकूलन (Opirant Conditioning) - क्रिया प्रसूत अनुबंधन से तात्पर्य ऐसी अधिगम प्रक्रिया से है जिसमें पुनर्बलन के द्वारा किसी अनुक्रिया के दोहराये जाने की प्रायिकता बढ़ाई जाती हैं। इस प्रकार का अधिगम ऐसे क्रिया प्रसूत व्यवहार को सीखने में सहायता करता है जो व्यवहार किसी उद्दीपक से अनिवार्य रूप से सम्बन्धित नहीं होता है। अत: पुरस्कृत होने पर जिस व्यवहार प्रतिमान की बारम्बारता बढ़ जाती है, क्रिया-प्रसूत अनुकूलन कहलाता है।

29. विषम मद ज्ञात कीजिए:

(A) मौलिकता (B) समयनिष्ठा
(C) नम्यता (D) धाराप्रवाहिता

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ मौलिकता (Originality), नम्यता (Flixiblity) धाराप्रवाहिता (Fluency) सृजनात्मकता के प्रमुख तत्व हैं जबकि समयनिष्ठा नहीं। अत: समयनिष्ठा विकल्प में विषम पद है।

30. व्यक्तित्व का स्व सिद्धान्त किसने प्रतिपादित किया है?

(A) क्रिस्चमर (B) आलपोर्ट
(C) आईजेंक (D) रोजर

उत्तर- (D)/ व्याख्या/

- क्रिस्चमर ने शारीरिक गठन के आधार पर व्यक्तित्व के चार प्रकार बताये हैं। जो व्यक्तित्व का एक प्रकार सिद्धान्त है।
- आलपोर्ट द्वारा व्यक्तित्व का दिये गए सिद्धान्त को शीलगुण सिद्धान्त कहते हैं।
- आईजेंक द्वारा प्रतिपादित व्यक्तित्व सिद्धान्त को जैविक शीलगुण सिद्धान्त कहते हैं।
- रोजर ने व्यक्तित्व का स्व सिद्धान्त का प्रतिपादन किया।

31. आर्कमीडिस ने अपनी समस्या का हल तब पाया जब वह अपने स्नान -टब में था। वह सृजनात्मक की प्रक्रिया के किस सोपान के अंन्तर्गत आता है।

(A) तैयारी (B) उद्भवन
(C) प्रदीपन (D) सत्यापन ।

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ सृजनात्मक की प्रक्रिया की निम्नलिखित ५ अवस्थाएं होती हैं।

(1)<u>उन्मुखता (Orientation)</u> - सृजनात्मक चिंतन की प्रथम अवस्था होती है जिसमें व्यक्ति समस्या को परिभाषित करने का प्रयास करता है।

(2)<u>आयोजन/तैयारी (Preparation)</u>- यह सृजनात्मकता की द्वितीय अवस्था होती है जिसमें समस्या से सम्बन्धित तथ्यों, प्रमाणों को एकत्रित करने की तैयारी की जाती है।

(3)<u>उद्भवन (Incubation)</u> - यह सृजनात्मकता की तीसरी अवस्था होती हैं जब कई ढंग से कोशिश करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो पाता है, तो इस अवस्था की उत्पत्ति होती है। इस अवस्था में व्यक्ति चेतन रूप से समस्या के बारे में चिन्तन करना छोड़ देता है परन्तु अचेतन रूप में चिन्तन जारी रहता है।

(4)<u>प्रबोधन (Illumination)</u> - इस अवस्था में अचानक व्यक्ति को समस्या का समाधान दीख पड़ता है।

(5)<u>प्रमाणीकरण (Verification)</u> - इस अवस्था में प्रबोधन की अवस्था से प्राप्त समाधान या निष्कर्ष की जांच किया जाता है कि उसे जो समाधान प्राप्त हुआ है वह ठीक है या नहीं।

अत: आर्कमीडिस ने अपनी समस्या का हल तब पाया जब वह अपने स्नान-टब में था। यह सृजनात्मकता की प्रक्रिया के चतुर्थ अवस्था-प्रदीपन/प्रबोधन (Illumination) के अन्तर्गत आता है।

32. अभिकथन (A): अध्यापन तथा अधिगम की प्रक्रिया में अभिप्रेरणा महत्तवपूर्ण हैं।
कारण (R) : अभिप्रेरणा लक्ष्य के प्रति आकर्षण है तथा उसके अर्थ को स्पष्ट करती है।
कूट :

(A) (A) सही है, परन्तु (R) गलत हैं।
(B) केवल (A) सही है।
(C) केवल (R) सही है।
(D) (A) और (R) दोनों सही है।

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ प्रश्न में दिया गया अभिकथन (A) अध्यापन तथा अधिगम की प्रक्रिया में अभिप्रेरणा महत्वपूर्ण है तथा कारण (R) अभिप्रेरणा लक्ष्य के प्रति आकर्षण है तथा उसके अर्थ को स्पष्ट करती है, दोनो सही है।

33. प्रकार्यवाद का अग्रणी कौन है?

(A) विल्हेम वूंड (B) विलियम जेम्स
(C) जे.बी. वॉटसन (D) कर्ट लेविन

उत्तर- (B)/ व्याख्या/

<u>मनोविज्ञान के विभिन्न प्रमुख सम्प्रदाय/विचारधारा</u>	<u>सम्बन्धित मनोवैज्ञानिक</u>
प्रकार्यवाद (Functionalism)	विलियम जेम्स जान डीवी, जेम्स एंजिल
व्यवहारवाद (Behaviourism)	जे०बी० वाटसन
संरचनावाद (Structuralism)	ई०बी० टिचेनर, विल्हेम वूंड
गेस्टाल्ट मनोविज्ञान (Gestalt+Psychology)	मैग्स वरदाइमर कोहलर, कोपस्का
मनोविश्लेषण (Pshchoanalysis)	सिग्मण्ड फ्रायड
हारमिक मनोविज्ञान (Hormic Psychology)	विलियम मैकडुगल

34. सूची - I में भिन्न प्रकार के बुद्धि परीक्षणों के नाम दिये गये हैं। और प्रश्नों के उदाहरण सूची - II में दिये गये हैं। परीक्षण के सही नाम को प्रश्न से सुमेलित कीजिए:

	सूची -I		सूची-II
a.	शब्दावली परीक्षण	1.	पौधे तथा पशु किन बातों में एक समान हैं?
b.	स्मरण शक्ति परीक्षण	2.	ताजमहल कहाँ स्थित है?
c.	सूचना परीक्षण	3.	''अंततोगत्वा'' शब्द का क्या अर्थ है।
d.	साहचर्य परीक्षण	4.	आपकी क्लास टीचर का मोबाइल नम्बर क्या है?
		5.	शरद ऋतु में क्यों रातें लम्बी और दिन छोटे होते हैं?

कूट :

	a	b	c	d
(A)	3	5	4	1
(B)	3	1	5	2
(C)	1	4	2	5
(D)	3	4	2	1

उत्तर- (D)/ व्याख्या सुमेलित है -

	सूची - I		सूची - II
(a)	शब्दावली परीक्षण	(3)	अन्तोगत्वा शब्द का क्या अर्थ है?
(b)	स्मरण शक्ति परीक्षण	(4)	आपकी क्लास टीचर का मोबाइल नम्बर क्या है?
(c)	सूचना परीक्षण	(2)	ताजमहल कहाँ स्थित है?
(d)	साहचर्य परीक्षण में	(1)	पौधे और पशु किन बातों एक समान हैं।

35. बंडुरा द्वारा दिये गये सामाजिक अधिगम के निम्नलिखित सोपानों को पुनर्व्यवस्थित कीजिये -

a. **व्यवहार को स्मरण करना।**

b. **स्मृति को कार्य में तबदील करना**

c. **प्रारम्भ किये गये व्यवहार का पुनर्बलीकरण।**

d. **व्यवहार पर ध्यान देना और समझना**

(A) a, b, d, c

(B) d, a, b, c

(C) d, a, c, b

(D) a, d, b, c

उत्तर- (B)/ व्याख्या बडुंरा जो सामाजिक अधिगम सिद्धान्त के प्रर्वतक माने जाते हैं, के अनुसार बालक अवलोकन द्वारा सीखता है। बंडुरा द्वारा दिये गए सामाजिक अधिगम के सोपानों का क्रम है -

(d) व्यवहार पर ध्यान देना और समझना
(a) व्यवहार को स्मरण करना
(b) स्मृति को कार्य में तबदील करना
(c) प्रारम्भ में किये गए व्यवहार का पुर्नबलीकरण

36. निहार परीक्षा में फेल हो जाता है और अपनी असफलता का श्रेय संकाय द्वारा निर्मित प्रश्नपत्र को देता है। वो किस प्रतिरक्षा युक्ति का उपयोग करता है?

(A) प्रक्षेपण

(B) क्षतिपूर्ति

(C) पहचान

(D) युक्तिकरण

उत्तर- (A)/ व्याख्या प्रातिरक्षा युक्ति (Defence Mechanism) तनाव को कम करने के वे अप्रत्यक्ष उपाय है, जिन्हें व्यक्ति अचेतन रूप में अपनाता है। तनाव से उत्पन्न मानसिक पीड़ा से बचने के लिए इन उपायों को प्रतिरक्षा युक्तियां या सुरक्षा युक्तियां कहा जाता है। कुछ प्रमुख प्रतिरक्षा युक्तियां हैं-

(1) **प्रक्षेपण (Projection) -** किसी काम में असफल होने पर दु:खी होने की बजाय हम उसका दोष दूसरों पर डाल देते हैं। फेल होने पर विद्यार्थी परीक्षक का दोष बताते हैं। कुछ दोष प्रश्नपत्र को देते हैं। यहाँ पर 'नाच न जाने आँगन टेढ़ा' वाली कहावत चरित्रतार्थ होती है।

(2) **क्षतिपूर्ति (Compensation)-** एक दिशा में असफल होने पर व्यक्ति किसी अन्य दिशा में उसकी पूर्ति कर लेता है।कहते हैं कि काने में एक गुण ज्यादा होता है। ठीक भी है क्योंकि एक आँख की कमी उसे कहीं न कहीं पूरी करनी ही है। फिसड्डी विद्यार्थी नेता बन जाता है।

(3) **पहचान/तादाम्य (Indentification)** - कभी-कभी लोग स्वयं कोई काम न करके अन्य लोगों से तादात्मय द्वारा उनकी सफलताओं से खुश हुआ करते हैं। अनेक पत्नियां स्वयं कुछ न करके पास-पड़ोस में अपने-अपने पति के कारनामों की डींगे मारा करती हैं।

(4) **युक्तिकरण (Rationalization) -** हम अपनी असफलताओं का कुछ न कुछ कारण निकालकर संतुष्ट हो जाते हैं और सोचते हैं कि चलो अच्छा हुआ कौन मुझे उसे नुमाइश में रखना था, खामरवाँ राह चलने वाले घूरते। 'अंगूर खट्टे है' वाली कहावत चरितार्थ होती हैं अत: निहार परीक्षा में फेल हो जाता है और अपनी असफलता का श्रेय संकाय द्वारा निर्मित प्रश्न पत्र को देता है।

अत: युक्तिकरण रक्षा युक्ति का उपयोग करता है।

37. निम्न में से कौन सा प्रकृतिवादी परिपृच्छा का गुण नहीं है?

(A) बहुल वास्तविकताएँ (B) सामान्यीकरण
(C) मानवीय संबंध (D) मूल्य आधारित अनुसंधान

उत्तर- (B)/ व्याख्या सामान्यीकरण, प्रकृतिवादी परिपृच्छा (Nateralistic Inquiry) का गुण नहीं है क्योंकि प्रकृतिवादी व्यक्तिगत भिन्नता में विश्वास करते हैं और व्यक्ति की प्रकृति को महत्व देते हैं।

38. अभिकथन (A): बड़े परीक्षण छोटे परीक्षणों से अधिक विश्वसनीय होते हैं।
कारण (R) : प्रत्येक प्रश्न विश्वसनीयता बढ़ाता है।
निम्न में से कौन सा सही है।
कोड :
(A) (A) तथा (R) दोनो सही हैं।
(B) केवल (A) सही है।
(C) केवल (R) सही है।
(D) (A) और (R) दोनों सही नहीं है।

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ बड़े परीक्षण छोटे परीक्षण से अधिक विश्वसनीय होते हैं क्योंकि परीक्षण की लम्बाई अधिक होने से प्राप्तांको में विभिन्नता अधिक हो जाती है और इससे परीक्षण की विश्वसनीयता बढ़ जाती है। दूसरे कारण यह है कि लम्बे परीक्षण द्वारा परीक्षार्थियों के ज्ञान या क्षमता के बारे में छोटे परीक्षण की अपेक्षा अधिक संगत सूचनाएं मिल जाती हैं। इससे परीक्षण प्राप्तांकों की विश्वसनीयता बढ़ जाती है। परन्तु प्रत्येक प्रश्न विश्वसनीयता बढ़ाता है गलत है।

39. किसी शोध-अभिकल्प में निम्न में से कौन सा वैभिन्य नियन्त्रित या बदला (हेरफेर) नहीं जा सकता?

(A) स्वतन्त्र चर का वैभिन्य
(B) आश्रित चर का वैभिन्य
(C) बाह्य चरों का वैभिन्य
(D) त्रुटि वैभिन्य

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ शोध डिजाइन का तकनीकी उद्देश्य विभिन्न तरह के प्रसरण अर्थात वैभिन्न को नियंत्रित करना होता है। इस नियंत्रण प्रक्रिया के रूप में निम्नांकित तीन तरह के प्रसरणों/वैभिन्नों के क्रमबद्धीकरण पर बल डालता है -

(क) प्रयोगात्मक प्रसरण की उच्चतम सीमा प्राप्त करना।
(ख) बहिरंग प्रसरण को नियंत्रित करना।
(ग) त्रुटि प्रसरण को कम से कम करना।

अत: स्पष्ट है कि आश्रित चर का प्रसरण/वैभिन्न में हेरफेर (Mainpulation) नहीं किया जा सकता। स्वतंत्र चर में जोड़ -तोड़ किया जाता है।

40. निम्न में से कौन सी बात एक अच्छे शोध-समस्या के कथन की कसौटी नहीं है?

(A) चरों में सम्बन्ध की अभिव्यक्ति
(B) स्पष्टता तथा असंदिग्धता।
(C) आनुभविक परीक्षण की सम्भावना।
(D) सांख्यिकीय विश्लेषण के उपयोग की सम्भावना।

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ सामान्यत: शोध समस्या एक ऐसी समस्या होती है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक चरों के बीच एक प्रश्नात्मक संबंध की अभिव्यक्ति होती है।

करलिंगर के अनुसार- ''समस्या एक ऐसा प्रश्नात्मक वाक्य या कथन होता है जो प्रश्न करता है - दो या दो से अधिक
चरों के बीच कैसा संबंध है?''

शोध समस्या की निम्न विशेषताएं होती हैं -

(1) चरों में सम्बन्ध की अभिव्यक्ति
(2) स्पष्टता तथा असंदिग्धता
(3) आनुभाविक परीक्षण की सम्भावना
(4) रूचिकर, तथा उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप
(5) क्षेत्र विस्तार तथा समुचित आकार

अत: स्पष्ट है कि सांख्यिकीय विश्लेषण के उपयोग की सम्भावना एक अच्छे शोध समस्या कथन की कसौटी नहीं है।

41. निम्न में से कौन सा सतत् चर है?

(A) विद्यालय के प्रति अभिव्यक्ति
(B) किसी बस्ती में पारिवारिक आकार
(C) कॉलेज छात्रों की वैवाहिक स्थिति
(D) कर्मकारों की धार्मिक समबद्धता

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ सतत चर (Continuous variables) वे चर हैं जिनके लिए किन्हीं भी दो मानों के बीच का प्रत्येक मान धारण करना सम्भव होता है। जैसे - भार, लम्बाई, बुद्धि, लब्धि, अभिवृत्ति आदि।

किसी बस्ती में पारिवारिक आकार, कालेज छात्रों की वैवाहिक स्थिति, कर्मकारों की धार्मिक सम्बलता असतत चर है। इसे खन्डित चर भी कहते हैं। यह वे चर है जिनके लिए किन्हीं दो मानों के बीच प्रत्येक मान धारण करना सम्भव नहीं है। अत: असतत चर का मान केवल पूर्णांक संख्याएं ही हो सकती है।

42. प्रयोगशाला में किये गये प्रयोग के बारे में निम्न कथनों को पढ़िये।

I. इसमें बाह्य चरों पर लगभग सम्पूर्ण नियन्त्रण होता है।
II. इसके परिणामों को वास्तविक जीवन में अनुप्रयुक्त किया जा सकता है।

निम्न में से कौन सा सही है?

कूटः

(A) I, तथा II दोनों सही हैं।
(B) I, सही नहीं है, किन्तु II सही हैं।
(C) I, तथा II में से कोई सही नहीं है।
(D) I, सही है, किन्तु II गलत है।

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ प्रयोगशाला प्रयोग शोध वह शोध है जिसमें शोधकर्ता वैसी परिस्थिति उत्पन्न करता है जैसा कि अध्ययन करना चाहता है एवं जिसमें कुछ चरों को नियंत्रित करता है तथा कुछ चरों में जोड़-तोड़ करता है। इसमें सभी बहिरंग चर नियंत्रित हो जाते हैं। परन्तु इसके परिणामों को वास्तविक जीवन में अनुप्रयुक्त नहीं किया जा सकता क्योंकि इस तरह के शोध में सामान्यीकरण की क्षमता नहीं होती।

43. निम्न में से कौन सा सही मिलान नहीं है?

(A) उपलब्धि परीक्षण - विषयवस्तु वैधता
(B) अभिक्षमता परीक्षण - भविष्यात्मक वैधता
(C) तार्किक परीक्षण - विषयवस्तु वैधता
(D) व्यक्तित्व परीक्षण - संगामी वैधता

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ उपलब्धि परीक्षण के लिए विषय वस्तु वैधता, अभिक्षमता परीक्षण के लिए भविष्यात्मक वैधता तथा व्यक्तित्व परीक्षण के लिए संगामी वैधता अनिवार्य होती है जबकि तार्किक परीक्षण हेतु विषय वस्तु वैधता अनिवार्य नहीं है।

44. नीचे दी गई दोनों सूचियों को पढ़ेंः

	सूची -I		सूची-II
a.	ऐतिहासिक शोध	1.	वर्तमान स्थिति
b.	क्रियात्मक शोध	2.	चरों का नियंत्रण
c.	सर्वेक्षण शोघ	3.	प्राकृतिक वातावरण
d.	प्रयोगात्मक शोध	4.	स्थानीय समस्या
		5.	भूत-संदर्भित

निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही है?

कूट :

	a	b	c	d
(A)	3	4	1	2
(B)	5	4	1	2
(C)	4	3	2	5
(D)	1	2	3	4

उत्तर- (B)/ व्याख्या सुमेलित है -

सूची - I		सूची - II
a.ऐतिहासिक शोध	-	5 भूत संदर्भित
b.क्रियात्मक शोध	-	4 स्थानीय समस्या
c.सर्वेक्षण शोध	-	1 वर्तमान स्थिति
d.प्रयोगात्मक शोध	-	2 चरों का नियंत्रण

45. सर्वेक्षण शोध के सन्दर्भ में निम्न सोपानों को एक विशेष क्रम में अनुकृत किया जाता हैः

1. न्यादर्श चयन
2. अनुमान लगाना
3. समंकों का विश्लेषण
4. आंकड़ों का संग्रह

निम्न में से कौन सा क्रम सही है?

(A) 2, 3, 1, 4

(B) 1, 4, 3, 2

(C) 3, 2, 4, 1

(D) 4, 1, 2, 3

उत्तर- (B)/ व्याख्या सर्वेक्षण शोध के संदर्भ में विकल्प में दिये गये सोपानों का सही क्रम निम्न है -

(1) न्यायदर्श चयन (Sampliing)
(4) आंकड़ों का संग्रहण (Data Colection)
(3) समंकों का विश्लेषण (Data Analysis)
(2) अनुमान लगाना (Estimation)

46. निम्न में से कौन सा अवस्थिति का माप है?

(A) बहुलक

(B) माध्य

(C) शतांक

(D) मानक विचलन

उत्तर- (C)/ व्याख्या

केन्द्रीय प्रवृत्ति के मान : - बहुलांक (Mode), मध्यांक (Median), व मध्यमान (Mean)
स्थिति सूचक (Measuri of position/Location) : - मान है - प्रतिशतांक (Percentile) दशांक (Deciles) चतुर्थांक (Quartices)
विलनशीलता के मान है - प्रसार (Range) चतुर्थांक विचलन (Quaritice deviation) मानक विचलन (Standard deviation)

47. एक अन्वेषक किसी बड़े भौगोलिक क्षेत्र में दृष्टिबाधित बच्चों की व्यावसायिक आकांक्षाओं का अध्ययन करना चाहता है। उसे अपने न्यादर्श का चयन किसका उपयोग करके करना चाहिए?

(A) सरल यादृच्छिक प्रतिचयन

(B) स्तरित प्रतिचयन

(C) सप्रयोजन प्रतिचयन

(D) सुविधाजनक प्रतिचयन

उत्तर- (C)/ व्याख्या एक अन्वेषक किसी बड़े भौगोलिक क्षेत्र में दृष्टिबाधित बच्चों की व्यावसायिक आकांक्षाओं का अध्ययन करना चाहता है। उसे अपने-न्यायदर्श का चयन सप्रयोजन प्रतिचयन (Purposive sampling) का उपयोग कर करना चाहिए क्योंकि इसमें शोधकर्ता उन व्यक्तियों को प्रतिदर्श के रूप में शामिल करता है जिन्हें यह समझता है कि वह जीवसंख्या का सही-सही प्रतिनिधित्व करता है। इसमें इस बात की गारंटी होती है कि इसमें उन सभी सदस्यों को शामिल किया जायेगा जो शोध डिजाइन के लिए महत्वपूर्ण है।

48. एक ही समष्टि से चयनित एक ही आकार के न्यादर्शों पर आधारित माध्यों की बड़ी संख्या के वितरण को क्या कहा जाता है?

(A) सामान्य बंटन

(B) प्रतिचयन बंटन

(C) मानक बंटन

(D) समकोणिक बंटन

उत्तर- (B)/ व्याख्या एक ही समष्टि से चयनित एक ही आकार के न्यायदर्शों पर आधारित माध्यों की बड़ी संख्या के वितरण को प्रतिचयन बंटन कहा जाता है।

49. X और Y **दो चर सहसम्बन्धित हैं। इसका अर्थ है कि दो चरः**

(A) एक दूसरे में भिन्नता उत्पन्न करते हैं।
(B) एक ही विशेषता का माप करते हैं।
(C) एक साथ परिवर्तित होते हैं।
(D) स्वतन्त्र रूप से परिवर्तित होते हैं।

उत्तर- (C)/ व्याख्या सहसंबंध युग्मित प्राप्तांकों के बीच सहगामी परिवर्तनों को बताता है। गिलफोर्ड के अनुसार - "सहसंबंध गुणांक वह अंक है जो यह बतलाता है कि दो वस्तुएँ कहाँ तक सम्बन्धित है तथा कहाँ तक एक में परिवर्तन होने पर दूसरे में भी परिवर्तन होता है।

अत: x और y दो चर सहसम्बन्धित है। इसका अर्थ है कि दो चर एक साथ परिवर्तित होते हैं।

50. **जब आमने-सामने बैठकर उत्तरदाताओं से प्रश्न किये जाते हैं और साक्षात्कारकर्ता प्रश्नावली को भरता है बजाय लोगों (उत्तरदात्ता) के, तो इसे क्या कहा जाता है?**

(A) सूची (B) प्रश्नावली
(C) अनुसूची (D) परीक्षण

उत्तर- (C)/ व्याख्या

(1) **सूची/परिसूची (Inventions)** - इसमें प्रश्नों की माला होती है जिसे व्यक्ति स्वयं पढ़कर इसका उत्तर देता है। इसमें उत्तर प्राय: हाँ-नहीं, सही गलत आदि में दिया रहता है।

(2) **प्रश्नावली (Questionnaire)-** यह भी प्रश्नों की माला होती है जिसे प्रत्यर्थी स्वयं पढ़कर उसके उत्तर अपने अनुभव के आधार पर देता है और साक्षात्कारकर्ता को पुन: लौटा देता है। यह कई प्रकार की होती है।

(3) **अनुसूची (Schedule) -** यह भी प्रश्नों की माला होती है। इन प्रश्नों को साक्षात्कारकर्ता आमने-सामने बैठकर उत्तरदाताओं से प्रश्न करता है और उत्तरदाता सुनकर उसका उत्तर देता है जिसे साक्षात्कारकर्ता स्वयं प्रश्नावली भरता है।

(4) **परीक्षण (Test)** - परीक्षण से तात्पर्य किसी व्यक्ति को ऐसी परिस्थितियों में रखने से है जो उसके वास्तविक गुणों को प्रकट कर दें यह कई प्रकार के होते हैं। जैसे - मौखिक परीक्षण, लिखित परीक्षण,प्रयोगात्मक परीक्षण आदि।

UGC NET/ J.R.F. EXAM

प्रश्न-पत्र III शिक्षाशास्त्र

1. यह कथन किसका है कि ''शिक्षा मानव-निर्माण करती है। इससे आचार का निर्माण होता है, मन की शक्ति बढ़ती है, बुद्धिमत्ता का विस्तार होता है और इसके द्वारा मनुष्य अपने पाँवों पर खड़ा हो सकता है''?

(A) विवेकानंद (B) टैगोर
(C) दयानन्द सरस्वती (D) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर- (A) व्याख्या ''शिक्षा मानव निर्माण करती है। इससे आचार का निर्माण होता है। मन की शक्ति बढ़ती है, बुद्धिमत्ता का विस्तार होता है और इसके द्वारा मनुष्य अपने पाँवों पर खड़ा हो सकता है।'' शिक्षा के बारे में उपर्युक्त विचार आधुनिक भारत के निर्माता स्वामी विवेकानन्द जी का है। इनका मत था कि शिक्षा द्वारा मानव का निर्माण किया जाता है। इसीलिए विवेकानन्द जी के शैक्षिक सिद्धान्त को ''मानव निर्माण की शिक्षा'' के नाम से जाना जाता है।

2. सूची-I में दार्शनिक और दर्शन के नाम है जबकि सूची-II में उस दर्शन सम्बन्धी दार्शनिक के कथन है। सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए।

	सूची -I		सूची-II
a.	टैगोर	i.	व्यक्तित्व का सामंजस्यपूर्ण विकास
b.	विवेकानन्द	ii.	कर्म-सिद्धान्त
c.	महात्मा गांधी	iii	सभी प्रकार की पुस्तकों से बालक अधिक महत्त्वपूर्ण है।
d.	बौद्ध धर्म	iv.	योग शिक्षा के माध्यम के रूप में
		v.	धर्म-सिद्धांत

कूट :

	a	b	c	d
(A)	v	i	ii	iv
(B)	iii	iv	i	ii
(C)	iii	iv	ii	v
(D)	iv	ii	i	iii

उत्तर- (B) व्याख्या सूची इस प्रकार सुमेलित है -

	सूची - I		सूची - II
(a)	टैगोर	(iii)	सभी प्रकार की पुस्तकों से बालक अधिक महत्वपूर्ण
(b)	विवेकानन्द	(iv)	योग शिक्षा के माध्यम के रूप में
(c)	महात्मा गांधी	(ii)	व्यक्तित्व का सामंजस्यपूर्ण विकास
(d)	बौद्ध धर्म	(i)	कर्म सिद्धान्त

3. सृष्टि की रचना का उद्देश्य और इसका ईश्वर तथा मानव से सम्बन्ध के बारे में चर्चा हैः

(A) आध्यात्मशास्त्र में (B) नैतिकशास्त्र में
(C) ज्ञानशास्त्र (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (A) व्याख्या सृष्टि की रचना का उद्देश्य और इसका ईश्वर तथा मानव से संबंध के बारे में चर्चा दर्शन शास्त्र के तत्व मीमांसा के (Metaphysics) अन्तर्गत आता हैं। करणीय तथा अकरणीय कर्मों की विवेचना नैतिक शास्त्र के अंतर्गत आती है तथा ज्ञान का स्वरूप ज्ञान की सीमा, ज्ञान की प्रमाणिकता, ज्ञान प्राप्ति के साधन आदि दर्शन शास्त्र की ज्ञान शास्त्र के अन्तर्गत आता है।

4. निम्नलिखित में से कौन सी एजेंसी शिक्षा को विनियमित करती है?

(A) चर्च (B) राज्य
(C) स्कूल (D) पुस्तकालय

उत्तर- (B) व्याख्या राज्य शिक्षा को विनियमित करती है। प्रो० लस्की के शब्दों में 'नागरिकों की शिक्षा आधुनिक राज्य का हृदय है।' अत: राज्य द्वारा सभी नागरिकों को शिक्षा दी जानी चाहिए। चर्च, स्कूल तथा पुस्तकालय भी शिक्षा के अभिकरण है।

5. ''किसी राष्ट्र की महानता का मापदण्ड उसकी पदार्थ-शक्ति और धन-दौलत नहीं है अपितु मापदण्ड यह है की उसके लोगों का अन्तर-सांस्कृतिक सम्बन्ध कैसा है।'' यह कथन किस महापुरुष का है?

(A) डॉ. राधाकृष्णन् (B) टैगोर
(C) विवेकानन्द (D) गांधी

उत्तर- (A)

6. निम्नलिखित में से कौन सा मैक्स वेबर के सामाजिक स्तरीकरण सिद्धान्त में नहीं आता?

(A) शैक्षिक स्तर (B) आय और सम्पदा
(C) राजनीतिक सत्ता (D) सामाजिक प्रतिष्ठा

उत्तर- (A) व्याख्या सामाजिक स्तरीकरण वह प्राक्रिया है जिसमें व्यक्तियों के समूहों को उनकी प्रतिष्ठा, सम्पत्ति एवं शक्ति की मात्रा के सापेक्ष पदानुक्रम में विभिन्न श्रेणियों में उच्च से निम्न रूप में स्तरीकृत किया जाता है।

मैक्स बेबर ने तीन मापदंडों को महत्वपूर्ण मानते हुए समाज का स्तरीकरण किया है-

(क) आर्थिक सम्पत्ति तथा अर्थिक लाभ के अवसर पर नियंत्रण
(ख) राजनीतिक सत्ता के ऊपर नियंत्रण
(ग) सामाजिक स्थान व प्रतिष्ठा के ऊपर नियंत्रण

अत: शैक्षिक स्तर मैक्स बेबर के सामाजिक स्तरीकरण सिद्धान्त में नहीं आता।

7. यदि गुणन के नियम सहसम्बन्ध अथवा प्रतिगमन के अधिगम में सहायक होते हैं, तो यह उदाहरण है

(A) अनुवर्ती संक्रमण का।
(B) क्षैतिज संक्रमण का।
(C) नकारात्मक संक्रमण का।
(D) ऊर्ध्व संक्रमण का।

उत्तर- (D)/ व्याख्या यदि गुणन के नियम सहसम्बन्ध अथवा प्रतिगमन के अधिगम में सहायक होते है, तो यह उदाहरण उर्ध्व संक्रामण (Vertical transfer) का उदाहरण है क्योंकि इसमें सीखे गए कौशल का अंतरण (transfer) उच्च स्तर के कौशल को सीखने में हो रहा है।

○ अनुवर्ती संक्रमण (Sequential transfer) से तात्पर्य विषयों को एक क्रम में सीखने के बाद किसी नए विषय को सीखने में पड़ने वाले प्रभाव से है। जैसे छात्र जोड़, घटाव तथा गुणा सीखकर भाग देने की प्रक्रिया को सीखता है।

○ क्षैतिज संक्रामण (Horizontal transfer) वैसे अंतरण को कहा जाता है जिसमें सीखे गए कौशल का अंतरण समान स्तरीय कौशल को सीखने में होता है।

○ नकारात्मक संक्रामण (Negatives transfar) वैसे अंतरण को कहा जाता है जब पहले सीखे गए कौशल या विषय-वस्तु से नये कौशल या विषय वस्तु को सीखने में बाधा पहुँचती है।

8. फ्रायड के अनुसार अति-अहम का उचित विकास किस समय के दौरान होता है?

(A) कामप्रसुप्ति काल
(B) गुदीय काल
(C) लैंगिक काल
(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (A)/ व्याख्या फ्रायड के अनुसार अति अहम् (Super ego) का उचित विकास काम प्रसुप्ति काल (Latency stage) के दौरान होता है। यह 6 या 7 वर्ष से 12 वर्ष की उम्र तक रहती है। इस अवस्था में लैंगिक इच्छाएं सुषुप्त रहती है। बालक बाहरी चीजों में अधिक रूचि लेने लगता है। उसमें बहिर्मुखी अभिरूचि बढ़ जाती है। पराअहम् नैतिकता के नियम से संचालित होता है। फ्रायड ने मनोलैंगिक विकास की 5 अवस्थाएं बतायी है (1) मुखावस्था (Oral stage) (2) गुदा अवस्था (Anal stage) (3) लिंग प्रधान अवस्था (Phallic stage) (4) अव्यक्त अवस्था (Latency stage) तथा जननोन्द्रिय अवस्था (Genital stage)

9. जब उत्तर चुसन के असामान्य क्षेत्र पर आधारित हो तो इसे किसके द्वारा इंगित किया जाता है?

(A) एस (S)
(B) डीडी (Dd)
(C) डीडब्ल्यू (DW)
(D) डीडीडब्ल्यू (Ddw)

उत्तर- (B)/ व्याख्या रोशार्ख स्याही धब्बा परीक्षण में व्यक्ति द्वारा दी गई अनुक्रियाओं विशेष संकेतों के सहारे विश्लेषण किया जाता है।

स्थान (Location) सम्बन्धी प्रश्न के अंतर्गत प्रयोज्य से पूछा जाता है कि कौन से स्थान को देखकर या अमुक उत्तर की वस्तु चित्र में कहाँ दिखाई दे रही है। स्थान निर्धारण के लिए विकल्प में दिये

संकेतों का अर्थ निम्न है -

S (एस):- सिर्फ उजले स्थानों के आधार पर अनुक्रिया देने से उसके लिए ए का प्रयोग किया जाता है।

Dd (डीडी):- असामान्य एवं छोटा अंश के आधार पर अनुक्रिया होने से उसके लिए Dd का प्रयोग किया जाता है

Dw (डी डब्लू):- किसी एक मनुष्य स्थान (D) को देखकर लेकिन पूछताछ के समय सम्पूर्ण चित्र को उस स्थान से संबंधित करके उत्तर दिया जाय।

Ddw (डीडीडब्लू):- किसी छोटे अमुख्य भाग का चयन करके लेकिन पूछताछ के समय उस भाग को सम्बन्ध पूरे कार्ड से बताकर प्रतिक्रिया दी जाय।

10. व्यक्तित्व सम्बन्धी वैयक्तिक मनोविज्ञान किसकी देन है?

(A) ए. एडलर
(B) जुंग
(C) आइजिंक
(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (A)/ व्याख्या व्यक्तित्व संबंधी वैयक्तिक मनोविज्ञान एलफ्रेड एडलर की देन है। एडलर के अनुसार सभी प्रकार के मानसिक रोगियों के रोग का कारण कोई अपराध नहीं, बल्कि 'हीनता की भावना' होती है उनका विचार है कि हीनता की भावना से बचने के लिए वह एक विचित्र जीवन शैली को अपनाता है। एडलर के इन विचारों को वैयक्तिक मनोविज्ञान कहा गया हैं जबकि जुंग ने व्यक्तित्व के दो प्रकार बताये है - अन्तुर्मुखी एवं बहिर्मुखी, तथा आइजेंक ने व्यक्तित्व का जैविक शीलगुण सिद्धान्त दिया।

11. निम्नलिखित सिद्धान्तों में से मात्रात्मकता के आधार पर सर्वाधिक मापनीय हैं :

(A) पावलोव का सिद्धांत
(B) स्किनर का सिद्धांत
(C) हल का सिद्धांत
(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (C)/ व्याख्या हल का सिद्धान्त मात्रात्मकता के आधार पर सर्वाधिक मापनीय है। इसलिए हल के सीखने के प्रबलन सिद्धान्त को गणितीय सिद्धान्त भी कहा जाता है। यह व्यवहार के संबंध में कुछ स्वयंसिद्ध मान्यताओं पर आधारित है। हल ने 16 स्वयं सिद्ध मान्यताओं का प्रतिपादन किया है।

12. असमायोजित बालक बहुधा पाये जाते हैं :

(A) भग्न परिदवारों अथवा एकात्मक परिवारों से।
(B) निर्धन अथवा संयुक्त परिवारो से।
(C) उपरोक्त दोनों से।
(D) इनमें से किसी से भी नहीं।

उत्तर- (A)/ व्याख्या असमायोजित बालक बहुधा भग्न परिवारों (Broken families) अथवा एकात्मक परिवारों (Unitary families) में पाये जाते है। इनका यह असमायोजित व्यवहार जन्मजात नहीं होता बल्कि अर्जित होता है। जब माता-पिता द्वारा बच्चे पर समुचित ध्यान नहीं दिया जाता तो उसका व्यवहार असमायोजित हो जाता है।

13. सामान्यीकरण का सिद्धांत.........सिद्धांत के समान है।
(A) अन्तर्विनिमय (B) समान तत्त्व
(C) उपरोक्त दोनों (D) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर- (B)/ व्याख्या अधिगम अंतरण का सामान्यीकरण सिद्धान्त अधिगम अंतरण के समान तत्व सिद्धान्त के समान है क्योंकि सामान्यीकरण (Generalization) द्वारा होने वाला अंतरण सचमुच दोनों परिस्थितियों के बीच पाये जाने वाले समरूप तत्वों (Identical elements) द्वारा हुए अंतरण का ही विस्तृत रूप है।

14. अवधारणा निर्माण का सर्वोच्च स्तर है:
(A) औपचारिक स्तर
(B) ऐंद्रिय स्तर
(C) मूर्त स्तर
(D) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर- (A)/ व्याख्या मनोवैज्ञानिकों ने प्रत्यय / अवधारणा (Concept) निर्माण के निम्नंकित 4 स्तर बताए है -
(1) स्थूल या मूर्त स्तर (Concrite Level)
(2) परियचात्मक स्तर (Identity Level)
(3) वर्गीकरण स्तर (Classificatory Level)
(4) औपचारिक स्तर (Formal Level)
अत: उपरोक्त स्तर में अवधारणा निर्माण का सबसे निम्नतम स्तर स्थूल स्तर तथा सर्वोच्च स्तर औपचारिक स्तर है।

15. भारत में शिक्षकों की शिक्षा के लिए शीर्ष निकाय कौन सा है?
(A) यूजीसी (UGC) (B) एमएचआरडी (MHRD)
(C) एनसीटीई (NCTE) (D) एन.सी.ई.आर.टी (NCERT)

उत्तर- (C)/ व्याख्या भारत में शिक्षकों की शिक्षा के लिए शीर्ष निकाय राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (NCTE) है।

16. भारत में शिक्षक संस्थाओं के प्रत्यायन के लिए समझौता-घोषणापत्र (एम ओ यू) पर हस्ताक्षर किसने किये हैं?
(A) एनएएसी (NAAC) और यूजीसी (UGC)
(B) एनसीटीई (NCTE) और एनएएसी (NAAC)
(C) यूजीसी (UGC) और एनसीटीई (NCTE)
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं।

उत्तर- (B)/ व्याख्या भारत में शिक्षक शिक्षण संस्थाओं के प्रत्यायन के लिए समझौता-घोषणा पत्र MOU पर हस्ताक्षर NCTE और NAAC ने किये है।

17. एनसीटीई के मानकों के अनुसार 100 विद्यार्थियों की इकाई के लिए बी.एड. स्तरीय शिक्षण स्टाफ कितना होना चाहिए?
(A) 1 + 7 (B) 1 + 9 (C) 1 + 10 (D) 1 + 5

उत्तर- (A)/ व्याख्या एन सी टी ई (NCTE) के मानकों के अनुसार 100 शिक्षार्थियों की इकाई के लिए बी०एड० स्तरीय शिक्षण स्टाफ 1 + 7 अर्थात एक विभागाध्यक्ष तथा 7 शिक्षक होना चाहिए। वर्तमान में 50 छात्रों की संख्या को एक इकाई माना जाता है। अत: 100 विद्यार्थियों को मिलाकर 2 ईकाई हो जाएगी जिसके लिए 15+1 स्टाफ की जरूरत होगी।

18. पी. जैक्सन के अनुसार अध्यापन के तीन पड़ाव हैं। निम्नलिखित में से कौन सा गलत है?
(A) पूर्व-सक्रिय पड़ाव (B) अधनी-सक्रिय पड़ाव
(C) अन्तर-सक्रिय पड़ाव (D) सक्रियोत्तर पड़ाव

उत्तर- (B)/ व्याख्या पी० जैक्सन के अनुसार अध्यापन के तीन पड़ाव (अवस्था) है। 1. पूर्व सक्रिय अवस्था 2. अंतर सक्रिय / पड़ाव 3. सक्रियोत्तर पड़ाव जबकि अधीन सक्रिय पड़ाव, शिक्षण की अवस्था के अंतर्गत नहीं आता।

19. निम्नलिखित में से अधिगम के पथ-प्रदर्शन में अध्यापन की भूमिका का न्यूनतम आवश्यक पक्ष कौन सा है?
(A) पर्याप्त निष्पादन के लिए अन्तर्दृष्टि का विकास।
(B) गढ़ो और रुकावटों को पार करने के लिए अन्तर्दृष्टि का विकास।
(C) प्रोत्साहन एवं नैतिक समर्थन का प्रबन्ध।
(D) निरन्तर नैदानिक एवं उपचारात्मक सहायता का प्रबन्ध।

उत्तर- (B)/ व्याख्या शिक्षा के विषय में जॉन एडम्स ने कहा है कि यह एक द्विध्रुवीय प्रक्रिया है। कुछ शिक्षा-शास्त्रियों ने इसे त्रिध्रुवीय प्रक्रिया के रूप में माना है जिसमें—अध्यापक, छात्र तथा पाठ्यचर्या प्रमुख है। शिक्षा-व्यवस्था में अध्यापक छात्रों को उनके शैक्षिक उद्देश्यों की पूर्ति में सहायता करता है तथा समय-2 पर उनका मार्गदर्शन भी करता है। अधिगम के पथ-प्रदर्शन के लिए एक अध्यापक के लिए यह आवश्यक नहीं है कि वह छात्रों में गूढ़ो व रूकाटों को पार करने के लिए अर्न्तदृष्टि का विकास करे।

20. निम्नलिखित में से कौन सा गुण एक अध्यापक में आपको सबसे अधिक पसंद होगा?
(A) आदर्शात्मक दर्शन (B) सहानुभूति
(C) अनुशासन (D) मनोरंजकता

उत्तर- (B)/ व्याख्या अध्यापक शिक्षा की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण ध्रुव है। लगभग सभी दार्शनिक सम्प्रदायों ने अध्यापक का शिक्षा की प्रक्रिया में महत्व को स्वीकार करते हैं और अध्यापक में अनेक गुणों का होना अनिवार्य मानते हैं जैसे—विषय वस्तु का ज्ञान, शिक्षण कौशलों का ज्ञान, बाल मनोविज्ञान का ज्ञान तथा सम्प्रेषण कौशल आदि। एक अध्यापक बच्चों का प्रेरणा स्रोत और आदर्श होता है। इसीलिए अध्यापक में सहानुभूति भी होना आवश्यक है।

21. अध्यापक के लिए सर्वाधिक आवश्यक चुनौती है:
(A) कक्षा में अनुशासन बनाये रखना।
(B) विद्यार्थियों को 'घर का काम' करने में लगाना।
(C) प्रश्न-भण्डार तैयार करना।
(D) अध्यापन प्रक्रिया को आनन्ददायक बनाना।

उत्तर- (D)/ व्याख्या शिक्षण एक जटिल प्रक्रिया है। इसमें अध्यापक को कक्षा में सम्प्रेषण (शिक्षण) के दौरान अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। एक अध्यापक के समक्ष कक्षा में अनुशासन बनाए रखना, विषय-वस्तु का प्रस्तुतीकरण, छात्रों को विषय-वस्तु के अधिगम का स्तर उच्च करना आदि है किन्तु अध्यापन प्रक्रिया को आनन्ददायक बनाना सबसे बड़ी चुनौती है।

22. प्रौद्योगिकी-संशैक्षिकी सामर्थ्य है :

(A) अध्यापन में प्रौद्योगिकी के प्रयोग का विज्ञान
(B) प्रौद्योगिकी के सिद्धांतों को अध्यापन के सिद्धांतों के संयोजन की तकनीक।
(C) अध्यापन और अधिगम दोनों में वैज्ञानिक रूप से और सौंदर्य बोधात्मक ढंग से प्रौद्योगिकी को लाने के लिए कुशलताओं का समूह।
(D) शिक्षा में प्रौद्योगिकी-संशैक्षिकी विकास के लिए सामर्थ्य।

उत्तर- (C)/ व्याख्या प्रौद्योगिकी-संशैक्षिकी अध्ययन एवं अधिगम दोनों में वैज्ञानिक रूप से और सौन्दर्य बोधात्मक ढंग से प्रौद्योगिकी को लाने के लिए कुशलताओं का समूह का सामर्थ्य है। इसके द्वारा शिक्षण को और अधिक प्रभावशाली बनाकर छात्रों को अधिगम में सहायता की जाती है।

23. निम्नलिखित में से कौन सी कुशलताएँ (Skills) हैं जो आज के अध्यापक के लिए कक्षा में पढ़ाने के लिए उचित समंजन हेतु आवश्यक है?

(1) प्रौद्योगिकी का ज्ञान
(2) अध्यापन अधिगम के लिए प्रौद्योगिकी का प्रयोग
(3) विद्यार्थियों की आवश्यकताओं का ज्ञान
(4) विषय का पूर्ण ज्ञान

(A) 1 और 3 (B) 2 और 3 (C) 2,3 और 4(D) 2 और 4

उत्तर- (C)/ व्याख्या एक अध्यापक को कक्षा में कुशलतापूर्वक पढ़ाने के लिए तथा कक्षा में उचित समंजन हेतु अनेक कुशलताएँ आवश्यक हैं जिनमें से कुछ प्रमुख इस प्रकार हैं—
I. अध्यापन अधिगम के लिए प्रौद्योगिकी का प्रयोग।
II. विद्यार्थियों की आवश्यकताओं का ज्ञान।
III. विषय का पूर्ण ज्ञान आदि।

24. परामर्श के मनोवैज्ञानिक-विश्लेषणात्मक उपागम को सर्वप्रथम किसने प्रचलित किया?

(A) एडलर (B) जुंग
(C) फ्रायड (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (C)/ व्याख्या परामर्श के मनोवैज्ञानिक विश्लेषणात्मक उपागम के सर्वप्रथम फ्रायड ने दिया था। फ्रायड ने मनोवैज्ञानिक अध्ययन की एक नवीन विधि अपनायी जिसे मनोविश्लेषणात्मक उपागम के नाम से जाना जाता है। इन्होंने मानव व्यक्तित्व में तीन तत्वों का उल्लेख किया— इदं, अहम् और पराहम।

25. विद्यार्थी के बारे में मनोवैज्ञानिक सूचना संग्रह करने के निम्नलिखित उपकरणों में से कौन सा सर्वाधिक वस्तुनिष्ठ है?

(A) निर्धारण मापनी (B) साक्षात्कार
(C) मानकीकृत परीक्षण (D) प्रक्षेपित ढंग

उत्तर- (C)/ व्याख्या विद्यार्थी के बारे में मनोवैज्ञानिक सूचना संग्रह करने के उपकरणों में सर्वाधिक वस्तुनिष्ठ उपकरण मानकीकृत परीक्षण है क्योंकि इसकी विश्वसनीयता, वैधता, प्रशासन के ढंग, अंकन विधि पूर्व निर्धारित होती है तथा मानक भी पूर्व निर्धारित होता है।

26. व्यक्तित्व मनोविश्लेषण सिद्धांत के अनुसार तंत्रिकामय विकृतियाँ किस कारण से होती हैं?

(A) इच्छाओं को दबाना। (B) ओज की अकर्मण्यता
(C) अचेतन मन की भूमिका (D) उपरोक्त सभी

उत्तर- (A)/ व्याख्या व्यक्तित्व मनोविश्लेषण सिद्धान्त के अनुसार तंत्रिकामय विकृतियां इच्छाओं के दबाने के कारण से होती है। तंत्रिकामय विकृतियों के कारण व्यक्तियों के कारण व्यक्ति इदम् की इच्छाओं पर अहम् के द्वारा नियंत्रण नहीं कर पाता। इच्छाओं के दमन से मन गांढ या गुत्थी बन जाती है। क्योंकि मन में दबी हुई भावनाएं अपनी अभिव्यक्ति व प्रकाशन नहीं कर पाती परिणाम स्वरूप व्यक्ति में तंत्रिकामय विकृतियां हो जाती है।

27. निम्नलिखित में से कौन सा गैर-संभाव्यता नमूने की श्रेणी से सम्बंधित नहीं है?

(A) कोटा नमूना (Quota sample) (B) बहु-स्तरीय नमूना
(C) सोद्देश्य नमूना (D) आनुषंगिक नमूना

उत्तर- (B)/ व्याख्या व्यवहारपरक शोधों में प्रयुक्त होने वाले प्रतिदर्शन को दो भागों में बांटा गया है -
(अ) संभावित प्रतिदर्शन (Probability sampling)
(ब) असंभावित प्रतिदर्शन (Non-Probability sampling)
संभावित प्रतिदर्शन के तीन प्रमुख प्रकार है -
1. साधारण यादृच्छिक प्रतिदर्शन (Simple random sampling)
2. स्तरित यादृच्छिक प्रतिदर्शन (Stratified random sampling)
3. क्षेत्र या गुच्छ प्रतिदर्शन (Area or cluster sampling)
असंभावित प्रतिदर्शन के प्रमुख प्रकार निम्न है -
1. कोटा प्रतिदर्शन (Quota sampling)
2. प्रासंगिक प्रतिदर्शन (Accidental or Incidental Sampling)
3. उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन (Purposive sampling)
4. क्रमबद्ध प्रतिदर्शन (Systematic sampling)
5. हिमकंदुक प्रतिदर्शन (Snowball sampling)
6. संतृप्ति प्रतिदर्शन (Saturation sampling)
7. घनीभूत प्रतिदर्शन (Dense sampling)
तथा बहुस्तरीय नमूना को क्षेत्र या गुच्छ प्रतिदर्शन भी कहते है। करलिंगर के अनुसार - ''गुच्छ प्रतिदर्शन, इकाइयों या सेटो या उपसेटों का क्रमिक यादृच्छिक प्रतिदर्शन होता है।''
अत: बहुस्तरीय नमूना संभावित नमूने की श्रेणी का है।

28. वित्तीय सहायता के लिए अनुसंधान संस्थाओं को भेजे गए अनुसंधान प्रस्ताव में किसका होना परमावश्यक है?

(A) सम्पूर्ण योजना और प्रक्रिया
(B) बजट सम्बन्धी माँग और समय-सूची
(C) अनुसंधान के निर्धारित उद्देश्य
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं।

उत्तर- (B)/ व्याख्या वित्तीय सहायता के लिए अनुसंधान संस्थानों को भेजे गए अनुसंधान प्रस्ताव में बजट संबंधी भांग और समय सूची का होना परम आवश्यक है।

29. निम्नलिखित में से कौन सा गुणात्मक सामग्री का विश्लेषण उपागम नहीं है?

(A) तार्किक विश्लेषण
(B) मापदण्डीय विश्लेषण
(C) विषय विश्लेषण
(D) आगामिक विश्लेषण

उत्तर- (B)/ व्याख्या तार्किक विश्लेषण, विषय विश्लेषण तथा आगमिक विश्लेषण गुणात्मक सामग्री का विश्लेषण उपागम है जबकि मानदण्डीय विश्लेषण मात्रात्मक सामग्री का विश्लेषण उपागम है। गुणात्मक सामग्री में आंकिक सूचकांक वाले प्रदत्तों का प्रयोग नहीं किया जाता।

30. आन्तरिक विवेचन किया जाता है :

(A) स्त्रोत की शुद्धता का सत्यापन करने के लिए।
(B) स्त्रोत की प्रामाणिकता का सत्यापन करने के लिए।
(C) उपरोक्त दोनों
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (A)/ व्याख्या ऐतिहासिक अनुसंधान के दौरान प्राथमिक एवं द्वितीय स्त्रोतों से प्राप्त आधार सामग्री की समालोचना की प्रक्रिया को दो प्रकारों बाह्य समालोचना (External criticism) तथा आंतरिक समालोचना (Internal criticism) की जाती है।

वाह्य समालोचना का उद्देश्य संकलित आधार सामग्री की मौलिकता या प्रमाणिकता को सुनिश्चित करना होता है। इसके अंतर्गत प्रदत्तों की बाहरी स्वरूप की दृष्टि से उनके उचित या अनुचित होने की जाँच की जाती है।

ऐतिहासिक प्रदत्तों की वाह्य समालोचना के द्वारा आधार सामग्री की प्रमाणिकता स्थापित हो जाने के बाद उनकी आंतरिक आलोचना की जाती है। आंतरिक विवेचन से तात्पर्य उसमें वर्णित पाठ्यवस्तु की विश्वसनीयता, सत्यता को जांच करने से होता है। स्त्रोत की शुद्धता का सत्यापन किया जाता है।

31. निम्नलिखित आयोगों में से किसने नैतिक मूल्यों के अन्तर्गत ध्यान लगाने का सुझाव दिया था?

(A) उच्च शिक्षा आयोग
(B) विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग
(C) राष्ट्रीय शिक्षा आयोग
(D) भारतीय शिक्षा आयोग

उत्तर- (B)/ व्याख्या विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग ने नैतिक मूल्यों पर बल देने का सुझाव दिया। आयोग ने अपना सुझाव प्रस्तुत करते हुए कहा कि छात्रों में नैतिक मूल्यों का ह्रास देखा जा सकता है जो कि भविष्य के लिए लोकतांत्रिक देश में अनेक समस्याएँ उत्पन्न कर सकता है और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खतरनाक हो जाएगा। अत: शिक्षा द्वारा इनमें नैतिक मूल्यों का विकास किया जाना आवश्यक है।

32. निम्नलिखित में से किसे भारतीय शिक्षा का मैग्ना-कार्टा कहा जाता है?

(A) सारजेट आयोग
(B) वुडस डिस्पैच
(C) मैकाले मिनिटस
(D) हण्टर आयोग

उत्तर- (B)/ व्याख्या 1854 में कम्पनी ने शिक्षा संबंधी एक घोषणापत्र प्रस्तुत किया जिसे कंपनी के संचालक मंडल के अध्यक्ष सर चार्ल्स वुड के नाम पर वुड का घोषणापत्र कहा जाता है। इस घोषणापत्र में तत्कालीन शिक्षा व्यवस्था के पुनरीक्षण तथा भविष्य में शैक्षिक पुर्निमार्ण हेतु एक सुनिश्चित, बहुआयामी तथा दीर्घ कालीन नीति को सूचीबद्ध करने का प्रयास किया था। इसीलिए वुड के घोषणा-पत्र को भारतीय शिक्षा का मैग्नाकार्टा अर्थात मताधिकार पत्र कहा जाता है।

33. ''बुद्धिमत्ता की ओर अग्रसर ज्ञान की सही शिक्षा है।'' यह कथन हैं

(A) ऋग्वेद का
(B) छान्दोग्य उपनिषद् का
(C) सामवेद का
(D) भगवद गीता का

उत्तर- (B)/ व्याख्या छन्दोग्य उपनिषद में शिक्षा के विषय में कहा गया है कि ''बुद्धिमत्ता की ओर अग्रसर ज्ञान ही सही शिक्षा है।'' इसके अनुसार शिक्षा द्वारा व्यक्ति में बुद्धिमत्तापूर्ण ज्ञान (विवेक) का विकास किया जाता है।

34. पूर्वी विचारधारा के विचारकों का सम्बन्ध है :

(A) विज्ञान का ज्ञान से।
(B) क्लासिक साहित्य से।
(C) फैशन का अनुरक्षण से।
(D) देशीय लोगों का सीखना से।

उत्तर- (B)/ व्याख्या पूर्वी विचारधारा के विचारकों का सम्बन्ध 'क्लासिक साहित्य' से है।

35. 'लेवियाथन' (Leviathan) के लेखक है :

(A) लॉक
(B) हाब्स
(C) रूसों
(D) हेगेल

उत्तर- (B)/ व्याख्या लेवियाथन हॉब्स की रचना है।

36. 'परियोजना पूर्ण हृदय से की गई सोद्देश्य क्रिया है जो सामाजिक पर्यावरण में चलती है।'', यह परिभाषा दी हैः

(A) जाह्न डेवी
(B) बालार्ड
(C) किलपैट्रिक
(D) एडमसन

उत्तर- (C)/ व्याख्या किलपैट्रिक के अनुसार—''परियोजनापूर्ण हृदय से की गयी सोद्देश्य क्रिया है जो सामाजिक पर्यावरण में चलती है।''

37. यह किसने कहा था कि स्कूल को लघु समाज बना दिया जाए?

(A) स्किन्नर
(B) थार्नडाइक
(C) हरबर्ट
(D) डेवी

उत्तर- (D)/ व्याख्या जॉनडीवी के अनुसार अच्छे विद्यालय वे विद्यालय है जहाँ नैतिक शिक्षा आदेशों के रूप में नहीं दी जाती अपितु सामाजिक क्रियाओं के आधार पर दी जाती है। उनके अपने शब्दों में - 'विद्यालय समाज का लघु रूप होता है।' अत: स्कूल भी एक समाज है जो वृहत न होकर लघु है।

38. **'समाजीकरण' वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक व्यक्ति को उसके परिवेश के लिए अनुकूलित किया जाता है?**

(A) कक्षा के परिवेश के अनुकूल
(B) सामाजिक परिवेश के अनुकूल
(C) राजनीतिक परिवेश के अनुकूल
(D) सांस्कृतिक परिवेश के अनुकूल

उत्तर- (B)/ व्याख्या सामाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक व्यक्ति को उसके सामाजिक परिवेश के अनुकूल अनुकूलित किया जाता है।

39. **एक सामाजिक वर्ग से दूसरे वर्ग की ओर गति को कहते है:**

(A) सामाजिक स्थिति (B) सामाजिक नियंत्रण
(C) सामाजिक परिवर्तन (D) सामाजिक गतिशीलता

उत्तर- (D)/ व्याख्या व्यक्ति या समूहों के सामाजिक स्तर में होने वाले परिवर्तन को समाजशास्त्रीय भाषा में सामाजिक गतिशीलता कहते है। मिलर और वुड के शब्दों में-
''व्यक्तियों अथवा समूहों का एक सामाजिक वर्ग से दूसरे वर्ग में संचालन होना ही सामाजिक गतिशीलता है।''

40. **'सांस्कृतिक पिछड़ापन' शब्द का प्रयोग किया है:**

(A) ऑगबर्न ने (B) पाइन ने
(C) वेबर ने (D) मार्क्स ने

उत्तर- (A)/ व्याख्या डब्लू.एफ.ऑगबर्न ने सांस्कृतिक पिछड़ापन शब्द का प्रयोग 1992 में अपनी किताब सामाजिक परिवर्तन (Social change) में किया। वह मैटोरियल संस्कृति और नॉन-मैटोरियल संस्कृति में अंतर स्पष्ट किये। उन्होंने कहा कि भौतिक संस्कृति अभौतिक संस्कृति की तुलना में तेजी से परिवर्तित होती है।

41. **जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डीपीईपी) कब प्रारम्भ किया गया?**

(A) 1990 में (B) 1994 में
(C) 1998 में (D) 1996 में

उत्तर- (B)/ व्याख्या संशोधित राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1992 के अनुसरण में शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने के उद्देश्य से जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (DPEP) 1994 में शुरू किया गया। इसका लक्ष्य सभी को शिक्षा दिलाने, बच्चों को स्कूल में बनाये रखना, शिक्षा के स्तर में सुधार करने तथा समाज के विभिन्न वर्गों में असमानता करके साथ-साथ काम करता है। इसमें 85% केन्द्र सरकार द्वारा एवं शेष 15% संबंधित राज्य सरकारों द्वारा वहन किया जाता है।

42. **पर्यवेक्षण एक सतत क्रिया है जबकि निरीक्षण है:**

(A) सामान्य स्थान पर सामान्य क्रिया
(B) किसी प्रदत्त समय पर की विशेष क्रिया
(C) एक स्थिति में जटिल क्रिया
(D) विशिष्ट समय की विशिष्ट क्रिया

उत्तर- (D)/ व्याख्या पर्यवेक्षण एक सतत् क्रिया है जबकि निरीक्षण विशिष्ट समय की विशिष्ट क्रिया है। शैक्षिक प्रशासन में शैक्षिक प्रशासक जैसे शिक्षा विभाग के अधिकारी प्रबन्धक अथवा प्रधानाचार्य द्वारा समय-समय पर शैक्षिक संस्थाओं में व्यवस्था देखने के लिए पर्यवेक्षण निरन्तर करते रहते हैं किन्तु उनके द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन किस प्रकार किया जा रहा है यह जाँच करने के लिए कभी-कभी निरीक्षण भी करते हैं।

43. **व्यक्तित्व के स्वः सिद्धांत के प्रतिपादक थे:**

(A) क्रिसमर (B) आलपोर्ट
(C) आइज़िंक (D) रोजर

उत्तर- (D)/ व्याख्या व्यक्तित्व के स्व:सिद्धान्त के प्रतिपादक कार्ल रोजर थे। आलपोर्ट ने व्यक्तित्व का शील गुण (trait) सिद्धान्त दिया है। आइजेंक व्यक्तित्व के जैविक शीलगुण (Biological trait) सिद्धान्त के प्रतिपादक है जबकि क्रेश्मर ने शरीर गठन के आधार पर व्यक्तित्व के प्रकार सिद्धान्त दिया। केश्मर ने 1925 में व्यक्तित्व के तीन प्रकार बताये है - लम्बकाय (Asthenicl), सुडौलकाय (Athlitic) तथा गोलकाय (Pykinc)

44. **सूची -I को सूची -II से सही क्रम में सुमेलित कीजिए :**

	सूची -I		सूची-II
a.	क्लासिक अनुबंधन	i.	कोहलर
b.	प्रेरणा में कमी	ii.	हल
c.	साइन गेस्टाल्ट शिक्षण	iii	पावलोव
d.	अन्तर्दष्टि द्वारा अधिगम	iv.	स्किन्नर
		v.	टोलमन

कूट :

	a	b	c	d
(A)	iv	ii	v	i
(B)	iii	ii	v	i
(C)	iv	ii	i	v
(D)	iii	ii	i	v

उत्तर- (B)/ व्याख्या सुमेलित है-

	सूची - I		सूची - II
(a)	क्लासिक अनुबंधन	**(iii)**	पावलव
(b)	प्रेरणा में कमी	**(ii)**	हल
(c)	साइन गेस्टाल्ट शिक्षण	**(v)**	टालमैन
(d)	अन्तर्दृष्टि द्वारा अधिगम	**(i)**	कोहलर

45. **सूची-I में मनोवैज्ञानिकों के नाम हैं और सूची-II में उनके द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत हैं। सूची-I को सूची-II से सही क्रम में सुमेलित कीजिए :**

	सूची -I		सूची-II
a.	फ्रायड	i.	द्वि-कारक सिद्धांत
b.	स्पीयरमैन	ii.	सृजनात्मकता
c.	रोसेक	iii	मनो-विश्लेषण
d.	टोरांस	iv.	प्रक्षेपण तकनीक
		v.	बहु-कारक सिद्धांत

कूट :

	a	b	c	d
(A)	i	iii	ii	iv
(B)	ii	v	iii	iv
(C)	iv	iii	v	ii
(D)	iii	i	iv	ii

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ सुमेलित है -

सूची - I वैज्ञानिकों के नाम	सूची - II प्रतिपादित सिद्धान्त
(a) फ्रायड	(iii) मनोविश्लेषण
(b) स्पीयरमैन	(i) द्विकारक सिद्धान्त
(c) रोसेक	(iv) प्रक्षेपण तकनीकी
(d) टोरांस	(ii) सृजनामकता

46. **1948 में स्थापित विश्वविद्यालय शिक्षण आयोग किसके द्वारा बनाया गया था?**
(A) मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(B) शिक्षा मंत्रालय
(C) एनसीईआरटी (NCERT)
(D) आई.सी.एस.एस.आर (ICSSR)

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ 1948 में स्थापित विश्वविद्यालय शिक्षण आयोग शिक्षा मंत्रालय द्वारा बनाया गया था।

47. **बंडुरा द्वारा दिए गए सामाजिक अधिगम सिद्धांत के निम्न सोपानों को सही क्रम दीजिए:**
(a) व्यवहार को स्मरण करना।
(b) क्रिया में स्मरण शक्ति को जोड़ना।
(c) अनुकृत व्यवहार का पुष्टिकरण।
(d) व्यवहार को अनुभूत करना और उसकी ओर ध्यान देना।
(A) b, a, d, c
(B) d, a, b, c
(C) a, b, d, c
(D) d, a, c, b

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ बंडुरा द्वारा दिए गए सामाजिक अधिगम सिद्धान्त के सोपानों का सही क्रम निम्नलिखित है -

व्यवहार को अनुभूत करना और उसकी ओर ध्यान देना
↓
व्यवहार को स्मरण करना
↓
क्रिया में स्मरण शक्ति को जोड़ना
↓
अनुकृत व्यवहार का पुष्टिकरण

48. **शिक्षा किस के अन्तर्गत आती है?**
(A) समवर्ती सूची
(B) मूल अधिकार
(C) भारत का संविधान
(D) राज्य सूची

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ दिसम्बर, 1976 तक शिक्षा राज्य विषय 2 ही परन्तु संविधान के 42वें संशोधन, जो 11 नवम्बर 1976 को संसद द्वारा पारित कर दिया और 18 दिसम्बर 1976 को जिस पर राष्ट्रपति ने हस्ताक्षर कर दिये, ने स्थिति ही बदल दी। इस 42वें संशोधन के फलस्वरूप शिक्षा 'समवर्ती सूची' में आ गई। और केन्द्र और राज्य दोनो को शिक्षा का दायित्व सौंप दिया।

49. **निम्नलिखित पर समीक्षात्मक विचार कीजिए:**
अभिकथन (A): अध्यापन और अधिगम की प्रक्रिया में उत्प्रेरणा आवश्यक है।
तर्क (R): उत्प्रेरणा लक्ष्य के प्रति आकर्षित करती है और इसके अर्थ को स्पष्ट करती है।
कोड :
(A) (A) और (R) दोनों गलत हैं
(B) केवल (A) सही हैं।
(C) केवल (R) सही है।
(D) (A) और (R) सही है।

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ अभिकथन (A) अध्यापन और अधिगम की प्रक्रिया में उत्प्रेरणा आवश्यक है। तर्क (R) उत्प्रेरण लक्ष्य के प्रति आकर्षित करती है और इसके अर्थ को स्पष्ट करती है। दोनो A तथा R सही है।

50. **पाठ्यक्रम के भाव है :**
(A) विद्यार्थी द्वारा स्कूल में प्राप्त किये गए सभी अनुभव।
(B) विषय जिन्हें अध्यापक वर्ग द्वारा पढ़ाया गया।
(C) कोर्स के लिए निर्धारित सिलेबस।
(D) कक्षा अनुभव, खेल और क्रीड़ाएँ।

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ पाठ्यक्रम से भाव है - विद्यार्थी द्वारा स्कूल में प्राप्त किए गए सभी अनुभव। पाठ्यक्रम (Curriculum) के अन्तर्गत सैद्धान्तिक विषयों, कक्षा-कक्ष, खेल के मैदान के स्थायी अनुभव के साथ-साथ वे सभी अनुभव शामिल है जो बच्चों को अध्यापकों तथा अपने साथियों के औपचारिक तथा पारस्परिक संबंधों से प्राप्त होते है। इस प्रकार विद्यालय का सम्पूर्ण जीवन ही पाठ्यक्रम बन जाता है।

51. **योजनाबद्ध अधिगम किस सिद्धांत पर आधारित है?**
(A) प्रतिबद्ध अधिगम सिद्धांत (B) संज्ञानात्मक अधिगम सिद्धांत
(C) गेस्टाल्ट अधिगम सिद्धांत (D) सक्रिय प्रतिबद्धता

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ योजनाबद्ध अधिगम (Programmed Learning) के प्रणेता बी०एफ० स्कीनर है तथा यह स्कीनर द्वारा प्रतिपादित सीखने के सिद्धान्त - सक्रिय प्रतिबद्धता / अनुकूलन (Operant conditioning) के सिद्धान्तों पर आधारित है।

52. **पिगेट के अनुसार, अमूर्त विचार किस पड़ाव पर विकसित होने प्रारम्भ हुए?**
(A) ऐंद्रिय पेशी
(B) पूर्व-परिचालन
(C) मूर्त परिचालन
(D) औपचारिक परिचालन

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ पियाजे (Piaget) के संज्ञानात्मक विकास सिद्धान्त के अनुसार अमूर्त विचार संज्ञानात्मक विकास के अंतिम अवस्था, औपचारिक परिचालन (Formal operational stage) जो लगभग 11 से 15 वर्ष तक मानी जाती है, में विकसित होता है। बालक अमूर्त बातों के संबंध में तार्किक चिन्तन करने की योग्यता विकसित करता है। तार्किक चिंतन में सांकेतिक अभिव्यक्तियों का प्रयोग करता है।

53. निम्नलिखित में गलत युग्म कौन सा है?

(A) अधिगम का साइन सिद्धांत - टोलमन
(B) अधिगम का क्षेत्रीय सिद्धांत - लेविन
(C) सामाजिक अधिगम सिद्धांत - ब्रूनर
(D) प्रयत्न-त्रुटि-अधिगम सिद्धांत - थार्नडाइक

उत्तर- (C) व्याख्या सामाजिक अधिगम सिद्धान्त के प्रतिपादक बंडुरा है। ब्रूनर ने संज्ञानात्मक विकास का सिद्धान्त दिया है। अत: C असत्य है।

54. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :

	सूची -I		सूची-II
a.	वाक्य पूर्ण परीक्षण	i.	साहचर्यता
b.	बहु विकल्प चयन	ii.	अभिज्ञान
c.	निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए	iii	ग्राह्यता
d.	गद्यांश को पढ़िए और प्रश्नों का उत्तर दीजिए	iv.	प्रत्यावाहन

कूट :

	a	b	c	d
(A)	4,	2,	1,	3
(B)	4,	3,	2,	1
(C)	4,	2,	3,	1
(D)	3,	2,	1,	4

उत्तर- (A) व्याख्या सुमेलित है -

	सूची - I	सूची -II
(a)	वाक्य पूर्ण परीक्षण	4.प्रत्यावतन (Recall)
(b)	बहुविकल्प चयन	2.अभिज्ञान (Recognition)
(c)	निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए	1.साहचर्यता (Association)
(d)	गद्यांश को पढ़िए और प्रश्नों का उत्तर दीजिए।	3.ग्राह्याता (Comprehension)

55. स्थायी अधिगम के लिए अधिगम के स्फूर्ति प्रबन्धन सिद्धांत के अनुसार सर्वाधिक प्रभावी प्रबलन कौन सा है?

(A) सतत प्रबलन
(B) निश्चित अनुपात प्रबलन
(C) परिवर्ती अनुपात प्रबलन
(D) निश्चित अन्तराल प्रबलन

उत्तर- (C) व्याख्या स्थायी अधिगम के लिए अधिगम के स्फूर्ति प्रबन्धन सिद्धान्त के अनुसार सर्वाधिक प्रभावी प्रबलन परिवर्ती अनुपात प्रबलन है। जब आगामी पुनर्बलन देने से पूर्व की अनुक्रियाओं की संख्या स्थिर नहीं होती तो इसे परिवर्ती अनुपात पूनर्वलन कहते है। जैसे क्रमश: 10वी, 15वी, 18वीं, 20वीं सही अनुक्रिया को पुनर्वलिस करना। सतत पुनर्बलन से तात्पर्य प्रत्येक सही अनुक्रिया के बाद पुनर्बलन देने से है। निश्चित अनुपात पुनर्बलन से तात्पर्य प्रत्येक निश्चित संख्या में की गई अनुक्रियाओं के बाद पुनर्बलन दिया जाता है। अन्तराल पुनर्बलन में प्रत्येक निश्चित अंतराल के बाद पुनर्बलन दिया जाता है।

चुंकि सतत पुनर्वलन में पुनर्वलन देना बन्द कर देने से विस्मरण हो जाता है इसलिए सतत पुनर्बलन की तुलना में आंशिक पुनर्वलन अधिक प्रभावी होता है।

स्थिर अनुपात/समयान्तराल पुनर्वलन की तुलना में परिवर्ती अनुपात/समयान्तराल पुनर्बलन अधिक प्रभावशाली होता है।

56. शुष्काक्षिपाक रोग किसकी अपर्याप्त मात्रा लेने से होता है?

(A) विटामिन C
(B) विटामिन B
(C) विटामिन D
(D) विटामिन A

उत्तर- (D) व्याख्या

विटामिन		हीनता जन्य रोग
विटामिन-'A'	-	रतौंधी, शुष्काक्षिपाक
विटामिन-'B'	-	बेरी-बेरी
विटामिन-'C'	-	स्कर्वी
विटामिन-'D'	-	रिकेट

अत: शुष्काक्षिपाक रोग विटामिन 'A' अपर्याप्त मात्रा लेने से होता है।

57. एक बालक जिसे मैखिक शिक्षा में असामान्य कठिनाई आती हो, उसे निम्नलिखित में से कोई एक अक्षमता हो सकती है?

(A) बौद्धिक अयोग्यता
(B) प्रमास्तिष्कीय पक्षाघात
(C) श्रव्य अक्षमता
(D) दृश्य अक्षमता

उत्तर- (C) व्याख्या अक्षमता युक्त बालकों की शिक्षा में अनेक प्रकार की कठिनाई आती है। अक्षमता का प्रकार भी अलग-2 होता है। इसी आधार पर उनकी समस्याएँ भी होती हैं। यदि किसी बालक को मौखिक शिक्षा में असमान्य कठिनाई आती है तो उसे श्रव्य अक्षमता हो सकती है क्योंकि सुनने में कठिनाई या न सुन पाना श्रव्य दिव्यांगता में आता है।

58. उस बालक को जो संख्याओं को गलत पढता है निम्नलिखित में से कौन सा अधिगम-अयोग्यता होगी?

(A) देहमान्द्य दोष
(B) पठन दोष
(C) अजीर्ण दोष
(D) गणन दोष

उत्तर- (B) व्याख्या अधिगम अयोग्यता से तात्पर्य एक या अनेक कारणों से अधिगम में कठिनाई का सामना करने से है। जैसे -

A.	देहमान्द्य दोष (Dyscrasia)	-	शरीर में पाये जाने वाले द्रवों जैसे रक्त,कफ, पित्त में असंतुलन से है। सामान्य रक्त में पाये जाने वाले विभिन्न तत्वों में सतुंलन न होने को देहमान्द्य दोष (Dyscrasia) कहते है।
B.	पठन दोष (Dyslexia)	-	पढ़ने में कठिनाई
C.	अजीर्व दोष (Dyspepsia)	-	पेट से संबंधित समस्या
D.	गणन दोष (Dyscalculia)	-	गणितीय विकार

59. उस बालक जिसे वस्तुओं को उठाने में कठिनाई आती है, किस अक्षमता के होने का भय है?

(A) बौद्धिक कार्यप्रणाली पर निम्न स्तर
(B) दृष्टि की अक्षमता
(C) बोलने की अक्षमता
(D) लोकोमोटर अक्षमता

उत्तर- (D) व्याख्या वह बालक (Delinquency) जिसे वस्तुओं को उठाने में कठिनाई आती है, लोकोमोटर अक्षमता के होने का भय है। इसमें व्यक्ति का उसके अंगों से नियन्त्रण हटने लगता है।

60. **किस आयु-समूह के बालकों द्वारा अपचार किया जाता है?**

(A) 8-18 वर्ष (B) 6-14 वर्ष

(C) 7-15 वर्ष (D) 9-19 वर्ष

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ बाल अपराध से तात्पर्य ऐसे अपराध से होता है जो वैसे बालकों या किशोरों द्वारा किया अपराध जो कानून द्वारा निश्चित आयु के अधीन आते है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार बाल अपराध की न्यूनतम आयु 7 या 8 वर्ष और उच्चतम आयु 18 वर्ष तक होती है। वर्तमान समय में यह 7 वर्ष से 16 वर्ष के बीच है।

61. **निम्नलिखित में से किस दर्शन का व्यक्तिवाद की ओर झुकाव है?**

(A) जैन (B) सांख्य

(C) बौद्ध (D) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ जैन दर्शन व्यक्तिवाद पर बल देता है। जैन दर्शन की मान्यता है कि इस संसार को किसी भगवान ने नही बनाया है अपितु यह शाश्वत है। जन्म-मरण आदि जो भी होता है उसे नियंत्रित करने वाली कोई सार्वभौमिक सत्ता नहीं है। यह अहिंसा को सर्वोच्च स्थान देता है। इसमें वेद की प्रमाणिकता को मिथ्या बताया गया है। इनका मत था कि जीव अपने कर्मों से अपनी आत्मा से मुक्त पा सकता है। इसीलिए यह प्रत्येक व्यक्ति की व्यक्तिगत कर्म पर बल देता है।

62. **अनुसंधान का अर्थ हैः**

(A) बार-बार खोजना

(B) किसी समस्या का हल ढूढ़ना

(C) नये सत्य की वैज्ञानिक खोज

(D) प्रयोग करना

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ अनुसंधान वर्तमान ज्ञान के परिमार्जन एवं नवीन ज्ञान के सृजन की एक प्रक्रिया है। अंग्रेजी के तथा हिन्दी के अनुसंधान शब्दों में क्रमश: प्रयुक्त एवं अनु शब्दांश दोहराने या बार-बार कोई कार्य करने के सूचक नहीं है वरन् ये प्रत्यय वास्तव में गहनता या गम्भीरता से कार्य कार्य संपादन करने से है। ये शब्द इंगित करता है कि गम्भीरता, गहनता एवं विश्लेषणात्मक ढंग से किसी एक समस्या का आलोचनात्मक अध्ययन करके उसका समाधान खोजना ही अनुसंधान हैं यह एक वैज्ञानिक विधि है।

63. **निम्न में से कौन सा अनुसंधान प्रक्रिया का पहला कदम है?**

(A) सूचनाओं के स्त्रोतों का सर्वेक्षण।

(B) सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण।

(C) अनुसंधान का हल खोजना।

(D) समस्या का हल खोजना।

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ अनुसंधान प्रक्रिया का पहला कदम अनुसंधान के व्यापक क्षेत्र की पहचान करना है। प्रत्येक प्रकार के अनुसंधान की शुरुआत एक स्पष्ट समस्या के पहचान से होती है। अत: यह अनुसंधान का पहला चरण है।

64. **यदि एक शोधकर्ता यह अनुसंधान करता है कि किसी संस्था की प्रभाविकता को कौन सी प्रशासनिक शैली का योगदान अधिक होगा तो वह**

(A) एक्सपोस्ट फैक्टो अनुसंधान होगा।

(B) क्रियात्मक अनुसंधान होगा।

(C) उपयोगात्मक अनुसंधान होगा।

(D) मूलभूत अनुसंधान होगा।

उत्तर- (C)/ व्याख्या/

(A) एक्स पोस्ट फैक्टो अनुसंधान (Ex-Post Facto Research)- एक्स पोस्ट फैम्टो शोध से तात्पर्य वैसे शोध से होता है जिसमें शोधकर्ता किसी प्रभाव के आधार पर उसके संभावित कारणों का पता लगाने की कोशिश करता है। इसमें घटना घट चुकने के बाद शोधकर्ता शोध का प्रारम्भ करता है। प्रभाव आश्रित चर होता है तथा पहले बीत चुकी घटनाएं जिन्हे कारण कहा जाता है स्वतंत्र चर होता है।

(B) क्रियात्मक अनुसंधान (Action Research) - इसमें तात्कालिक व स्थानीय प्रकृति की समस्याओं का समाधान वैज्ञानिक ढंग से खोजने का प्रयास किया जाता है। इसके द्वारा स्वयं के निर्णयों एवं कार्यों की गुणवत्ता में सुधार लाने का प्रयास किया जाता है।

(C) उपयोगात्मक अनुसंधान (Applied Research)- इसके अंतर्गत किसी पूर्व सिद्धान्त ज्ञान या नियम का एक विशिष्ट परिस्थिति में अनुप्रयोग किया जाता है।

(D) मूलभूत अनुसंधान अनुसंधान (Fundamental Research)- अनुसंधान का वह स्वरूप जिसमें तथ्यों केनिर्धारण तथा उनके आधार पर संबंधों के निरूपण एवं विश्लेषण अत्यंत कठोर एवं संरचित ढंग से सम्पन्न होते है। तथा जिसका उद्देश्य सिद्धान्त या नियम का प्रतिपादन है।

अत: यदि एक शोधकर्ता यह अनुसंधान करता है कि किसी संस्था की प्रभाविकता को कौन सी प्रशासनिक शैली का योगदान अधिक होगा, तो वह उपयोगात्मक शोध होगा।

65. **एक शोधकर्ता से सामान्यतः अपेक्षा की जाती हैं कि वहः**

(A) किसी क्षेत्र में उपलब्ध साहित्य का अध्ययन करे।

(B) नये सिद्धांतों तथा नियमों का उद्भव करे।

(C) दूसरों द्वारा दिए गऐ विचारों का समाकलन करे।

(D) किसी अध्ययन के निष्कर्षो का मूल्यांकन करे।

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ एक शोधकर्ता से सामान्यत: अपेक्षा की जाती है कि वह नये सिद्धान्तों तथा नियमों का उद्भव करें।

66. **शिक्षा-अनुसंधान के निम्न सोपान हैंः**

(A) आँकड़ों का संकलन (2) उद्देश्यो का कथन

(B) समस्या का चयन

(C) आँकड़ों का विश्लेषण तथा विवेचन

(D) परिणामों की रिपोर्ट करना

इसके लिए निम्न में से कौन सा क्रम सही है?

(A) 3, 2, 1, 4, 5, 6

(B) 1, 3, 2, 5, 6, 4

(C) 3, 2, 4, 1, 6, 5

(D) 3, 2, 5, 1, 6, 4

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ शिक्षा अनसंधान के सोपान का सही क्रम निम्नलिखित है-

1. समस्या का चयन
2. उद्देश्य का चयन
3. विधि/प्रक्रिया
4. आंकड़ों का संकलन
5. आंकड़ों का विश्लेषण तथा विवेचन
6. परिणामों का रिपोंट करना

67. भारत सरकार हर 10 वर्ष बाद जनगणना करती है। इस प्रक्रिया में प्रयुक्त शोध-विधि को कहेंगेः

(A) एकल अध्ययन (B) विकासात्मक अध्ययन
(C) सर्वेक्षण विधि (D) प्रयोगात्मक विधि

उत्तर- (C)/ व्याख्या/

(A)एकल अध्ययन (Case study) - इस विधि में किसी एक परिज्यिति, घटना, समूह या व्यक्ति का गहराई से विश्लेषण किया जाता है। यह एक प्रकार का विवरणात्मक शोध होता है। अत: यहाँ चरों में कोई जोड़-तोड़ नहीं किया जाता है।

(B) विकासात्मक अध्ययन (Rivel Developmental study)- विकासात्मक विधि को जेनेटिक विधि भी कहा जाता है। इस विधि के अन्तर्गत विकास का क्रमबद्ध अध्ययन किया जाता है। इस विधि में शोधकर्ता स्वयं अवलोकन करके या मापन करके सूचनाओं को एकत्रित करता है। इसमें व्यक्ति या समुदाय की विकासात्मक विशेषताओं का अध्ययन किया जाता है।

(C) सर्वेक्षण विधि (Survey Method) - सर्वे शोध/अध्ययन ऐसा शोध है जिसमें शोधकर्ता स्वाभाविक परिस्थिति में व्यक्तियों के समूहों द्वारा दिखायी गई मनोवृति, मत आदि का अध्ययन करता है। इसके द्वारा बड़े जीवसंख्या का अध्ययन करके उसके बारे में सूचनाएं आसानी से प्राप्त की जा सकती है।

(D) प्रयोगात्मक विधि (Experimental Method) - प्रयोगात्मक विधि/शोध वैसे शोध को कहा जाता है जिसमें प्रयोगकर्ता नियंत्रित परिस्थिति में विशेष चर या चरों में जोड़ -तोड़ करता है और उसका प्रभाव एक दुसरे चर पर अध्ययन करता है। अत: भारत सरकार हर 10 वर्ष बाद जनगणना करती है। इस प्रक्रिया में प्रयुक्त शोध विधि को सर्वेक्षण विधि कहेंगे।

68. सूची-I तथा सूची-II के पदों में एक-से-एक का कोई सम्बन्ध है। इस सम्बन्ध को ढूंढिये तथा सही मिलान क्रम को दिए गए विकल्पों में से छाँटिए।

	सूची -I		सूची-II
a.	प्रयोगात्मक	i.	न्यायदर्श
b.	ऐतिहासिक	ii.	मैटा-विश्लेषण
c.	दार्शनिक	iii	आंतरिक-आलोचना
d.	वर्णनात्मक	iv.	विषयवस्तु-विश्लेषण
		v.	आंतरिक वैधता

कूट :

	a	b	c	d
(A)	3,	5,	2,	3
(B)	1,	4,	2,	5
(C)	3,	4,	2,	1
(D)	5,	3,	4,	1

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ सुमेलित है -

	सूची - I (शोध के प्रकार)	सूची - II (मुख्य विशेषता)
(a)	प्रयोगात्मक	5.आंतरिक वैद्यता
(b)	ऐतिहासिक	3.आंतरिक आलोचना
(c)	दार्शनिक	4.विषय-वस्तु विश्लेषण
(d)	वर्णनात्मक	1.न्यायदर्श

69. दो चरों में सार्थक सहसम्बन्ध है। इसका अर्थ है किः

(A) X, Y में परिवर्तन लाता है।
(B) Y, X में परिवर्तन लाता हैं
(C) X तथा Y एक साथ परिवर्तित होते हैं।
(D) इस प्रकार का कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता।

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ दो चरों X तथा Y में सार्थक संबंध है। इसका अर्थ है X तथा Y न एक साथ परिवर्तित होते है। चुंकि सहसंबंध युग्मित प्राप्तांको के बीच सतगामी परिवर्तनों को बतलाता है। X तथा Y चरों में धनात्मक या ऋणात्मक सहसंबंध हो सकता है एक में किसी तरह का परिवर्तन होने पर दुसरे में भी ठीक उसी तरह का परिवर्तन होता है तो संबंध को धनात्मक सहसंबंध कहा जाता है तथा जब दो चरों के बीच का संबंध ऐसा होता है कि एक में वृद्धि होने पर दुसरे में घटने की प्रवृत्ति देखी जाती है तो यह संबंध ऋणात्मक सहसंबंध कहलाता हैं।

70. निम्न में से कौन से प्रकार का अनुसंधान ऐसे निष्कर्ष देता है जिन्हें दूसरी परिस्थितियों में सामान्यीकृत नहीं किया जा सकता?

(A) वर्णनात्मक (B) ऐतिहासिक
(C) प्रयोगात्मक (D) कारकीय तुलनात्म्क

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ ऐतिहासिक शोध एक प्रकार का गुणात्मक शोध है। गुणात्मक शोध में परिणामों की प्रमाणिकता व सामन्यीकरण की सम्भावना कम होती है। यह म्या या का वर्णन करता है। यह ऐसे निष्कर्ष देता है जिन्हे दुसरी परिस्थितियों में सामान्यीकृत नहीं किया जा सकता है।

71. रोसेक स्याही चूसन परीक्षण में सम्मिलित हैः

(A) पाँच काले और पाँच रंगीन कार्ड
(B) दस काले और दस रंगीन कार्ड
(C) पाँच काले-सफेद और पाँच बहुरंगीय कार्ड
(D) दस बहुरंगीय कार्ड

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ रोशा इंक ब्लॉट परीक्षण (Rorschach Ink Blot test) का निर्माण हरमन रोशा नाम के स्विस मनोवैज्ञानिक ने 1921 में किया। इसमें कुल 10 मानकीकृत कार्ड होते है, जिनमें से प्रत्येक पर स्याही का धब्बा बना होता हैं पाँच कार्डो पर काले -सफेद में, दो कार्डो पर काले-सफेद व लाल रंग में तथा तीन कार्डो पर कई रंग में मक्षि-लक्ष्य बने होते है। कार्ड संख्या 1,4,5,6 व 7 पर काले सफेद में कार्ड 2 व 3 पर काले, सफेद व लाल रंग में तथा कार्ड संख्या 8,9 व 10 पर कई रंगों में माढी-लक्ष्य बने होते है।

72. निम्न में से कौन सा पद गुणात्मक अनुसंधान से सम्बन्ध रखता है?

(A) तुलना (B) भविष्यवाणी
(C) सहसम्बन्ध (D) खोज

उत्तर- (D) व्याख्या- गुणात्मक अनुसंधान के क्रिया-कलाप गुणात्मक घटनाक्रमों (Qualitative Phenomenon) पर केन्द्रित रहते है। इसके अंतर्गत दार्शनिक शोध, ऐतिहासि शोध प्रजातिक शोध व्याष्टि अध्ययन आदि प्रकार के शोध आते है। इनका संबंध सत्य की खोज व जीवन की यथार्थता से होता है। जबकि तुलना, भविष्यवाणी व सहसम्बन्ध का संबंध वर्णनात्मक अनुसंधान से है।

73. निम्नलिखित में से कौन सी केवल प्रयोगात्मक अनुसंधान की विशेषता है?

(A) बाह्य चरों का नियन्त्रण
(B) कारक-प्रभाव सम्बन्ध का अध्ययन
(C) आश्रित चर के प्रसरण का अध्ययन
(D) उपचार चरों का हेरफेर

उत्तर- (D) व्याख्या- प्रयोगात्मक शोध की निम्नलिखित मुख्य विशेषताएं है -

(1) इस शोध में स्वतंत्र चर (IV) में जोड़-तोड़ हेर - फेर (manipulation) किया जाता है।
(2) प्रयोजयों का चयन यादृच्छिक ढंग से किया जाता है।
(3) स्वतंत्र चर (IV) तथा आश्रित चर (DV) के बीच कारण एवं परिणाम संबंध स्थापित होता है।
(4) यह एक नियंत्रित परिस्थिति में किया जाता है।

वाह्य चर का नियंत्रण, कारक प्रभाव संबंध का अध्ययन, आश्रित चर के प्रसरण का अध्ययन अप्रयोगात्मक सोधों में भी होता है। परन्तु स्वंतंत्र चरों जोड़-तोड़ नहीं हो पाता है क्योंकि अप्रयोगात्मक शोधों में शोधकर्ता का स्वतंत्र चरों पर कोई सीधा नियंत्रण नहीं होता क्योंकि उसकी अभिव्यक्ति प्रयोग प्रारम्भ होने के पहले ही हो चुकी होती है या उसका स्वरूप ही कुछ ऐसा होता है कि उसमें जोड़-तोड़ किया ही नहीं जा सकता है। अत: उपचार चरों स्वतंत्र चरों का हेर फेर (Manipulation) केवल प्रयोगात्मक अनुसंधान की विशेषता है।

74. जब कोई अनुसंधानकर्त्ता स्त्रोत्र सामग्री की सत्यता और प्रामाणिकता की जांच करता है, तो इसे कहते है:

(A) बाह्य वैधता (B) बाह्य समीक्षा
(C) सहवर्ती वैधता (D) आन्तरिक स्थिरता

उत्तर- (B) व्याख्या- **(A) वाह्य वैधता (External)** - वाह्य वैधता से तात्पर्य सामान्यीकरण करने से होता है। सामान्यीकरण का अर्थ प्रयोग के प्राप्त परिणामों को जीवसंख्या के अधिक से अधिक सदस्यों के लिए सही ठहराने से होता है।

(B) वाह्य समीक्षा (External criticism)- ऐतिहासिक प्रदत्तों की वाह्य समालोचना/समीक्षा के द्वारा संकलित आधार सामग्री की मौलिकता एवं प्रमाणिकता को सुनिश्चित करना होता है। इसके अन्तर्गत प्रदत्तों की बाहरी स्वरूप की दृष्टि से उसके उचित अथवा अनुचित होने की जांच की जाती है।

(C) सहवर्ती वैधता (Concurrent validity) - सहवर्ती वैधता से तात्पर्य वैसे वैधता से होता है जो परीक्षण को किसी वर्तमान कसौटी के साथ सहसंबंधित करने के फलस्वरूप प्राप्त होता है।

(D) आंतरिक स्थिरता (Internal consistency) - आंतरिक स्थिरता परीक्षण की विश्वसनीयता ज्ञात करने की एक विधि है। इसमें परीक्षण को प्रतिदर्श पर एक ही बाद क्रियान्वित कर विश्वसनीयता ज्ञात की जाती हैं इस विधि द्वारा विश्वसनीयता ज्ञात करने की 4 विधियां है -

(1) विभक्त अई विश्वसनीयता विधि (Split half reliabity the)
(2) रूलन तथा फ्लैनेगन सूत्र (Rulon & Flanagan formula)
(3) कुडर रिचार्डसन सूत्र (Kuder Richardson Formula)
(4) गुणांक अल्फा (Coefficient Alpha)

75. एक शोधकर्ता ने जनगण्ना आँकड़ों को पढ़ा तथा किसी एक क्षेत्र में लेख तैयार किया। इस प्रकार के लेख को कहेंगे :

(A) शोध-प्रपत्र
(B) लेख
(C) शोध प्रबन्ध
(D) शोध-रिपोर्ट

उत्तर- (B) व्याख्या- एक शोधकर्ता ने जनगणना आँकड़ों को पढ़ा तथा किसी एक क्षेत्र में लेख तैयार किया। इस प्रकार के लेख को लेख (Article) कहेंगे।

1. निम्न का मिलान कीजिए:

सूची -I (गुण)		सूची-II (दर्शन)
I. करके सीखना	1.	प्रकृतिवाद
II. पर्यावरण के जरिये शिक्षा	2.	आदर्शवाद
III. सत्य, शिव और सुन्दर की प्राप्ति	3.	प्रयोजनवाद
IV. जगत आज और अभी जैसा भी है	4.	यथार्थवाद
	5.	अस्तित्ववाद

कूट :

	I	II	III	IV
(A)	3	1	2	4
(B)	1	4	2	3
(C)	1	3	2	4
(D)	3	2	4	5

उत्तर- (A) / व्याख्या सुमेलित है -

सूची - I (गुण)		सूची - II (दर्शन)
I करके सीखना	3.	प्रयोजनवाद
II पर्यावरण के जरिये शिक्षा	1.	प्रकृतिवाद
III सत्य, शिव और सुन्दर की प्राप्ति	2.	आदर्शवाद
IV जगत आज और अभी जैसा भी है	4.	यथार्थवाद

2. ''ज्ञान का कोई अरुचिपूर्ण अनुगमन नहीं और न ही अपने लाभ के लिए बौद्धिक शिक्षा,'' यह किसका नारा है

(A) यथार्थवादी (B) आदर्शवादी
(C) प्रयोजनवादी (D) प्रकृतिवादी

उत्तर- (C) / व्याख्या प्रयोजनवादियों का विचार था कि—'ज्ञान का कोई अरूचिपूर्ण अनुगमन नहीं है और न ही अपने लाभ के लिए बौद्धिक शिक्षा। प्रयोजनवादी शिक्षा को एक उद्देश्यपूर्ण, सामाजिक प्रक्रिया मानते थे। इसलिए ये ज्ञान को अरूचिपूर्ण तथा बौद्धिक लाभ की दृष्टि से नहीं देखते हैं।

3. निम्नलिखित आधार वाक्यों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए
अभिकथन (A): मार्क्स ने एक वर्ग विहीन समाज की रचना करने की वकालत की।
कारण (R): बहुत से वर्ग हैं जो आपस में संघर्ष करते रहते हैं।

(A) दोनों (A) तथा (R) असत्य हैं।
(B) दोनों (A) और (R) सत्य हैं।
(C) केवल (A) सत्य है (D) केवल (R) सत्य है।

उत्तर- (B) / व्याख्या कार्ल मार्क्स ने एक वर्ग विहीन समाज की रचना करने की वकालत की। मार्क्स के अनुसार जीवन का सिद्धान्त सहयोग नहीं है, अपितु संघर्ष है। वर्गों के बीच सहयोग हो ही नहीं सकता। वर्गगत स्वार्थो का संघर्ष सदैव रहा है तथा जिस वर्ग के हाथ में शक्ति आती है, वही दुर्बल वर्ग का शोषण एवं दमन करता है। अत: अभिकथन (A) तथा (R) कारण दोनो सत्य है।

4. अस्तित्ववाद के अनुसार अपने अस्तित्व को पाने की प्रक्रिया है:

(A) सार, संघर्ष दुःख और सुख, एकाकीपन
(B) एकाकीपन, दुःख और सुख, संघर्ष, सार
(C) एकाकीपन, संघर्ष, दुःख और सुख, सार
(D) सार, दुःख और सुख, संघर्ष, एकाकीपन

उत्तर- (C) / व्याख्या अस्तित्ववाद के अनुंसार व्यक्ति की वैयक्तिकता ही सर्वोपरि है। इनके अनुसार मानव अस्तित्व सार्वभौम सार तत्व से पहले होता है। अस्तित्ववाद के अनुसार अपने अस्तित्व को पाने की प्रक्रिया निम्नलिखित है -
एकाकीपन, संघर्ष, दुःख और सुख, सार

5. किस दर्शन का कहना है कि प्रभु एवं आत्मा के बारे में भिन्न सिद्धान्तों को जानने की चिन्ता न करें; अच्छा करो अच्छे बनो; यह आपको जो कुछ भी सत्य अस्तित्व में है उसकी ओर ले जायेगा?

(A) सांख्य (B) बौद्धधर्म
(C) वेदांत (D) जैनधर्म

उत्तर- (B) / व्याख्या बौद्ध दर्शन नैतिक जीवन का दर्शन है। भगवान बुद्ध ने तत्व मीमांसा के विवेचन में समय लगाना अनुपयोगी समझा, क्योंकि इससे मनुष्य के जीवन को उन्नत करने में सहायता नहीं मिलती। अर्थात प्रभु एवं आत्मा के बारे में भिन्न सिद्धान्तों को जानने की चिन्ता न करें, अच्छा करों और अच्छा बनो, यह आपको जो कुछ भी सत्य अस्तित्व में है उसकी ओर ले जायेगा।

6. निम्नलिखित आधार वाक्यों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए
अभिकथन (A): माया से लिप्त होने में कुछ बुराई नहीं है।
कारण (R): हालांकि माया ब्रह्म के विपरीत है, पर यह स्वयं ब्रह्म द्वारा बनाई गई हैं।

(A) (A) तथा (R) दोनों सत्य हैं।
(B) (A) तथा (R) दोनों असत्य हैं।
(C) केवल (A) सत्य है
(D) केवल (R) सत्य है।

उत्तर- (D) / व्याख्या अभिकथन (A) : माया से लिप्त होने में कोई बुराई नहीं है। उपर्युक्त कथन शंकर के अद्वैत सिद्धान्त के आधार पर गलत है क्योंकि जब तक माया से व्यक्ति मुक्त नहीं होगा तब तक मोक्ष की प्राप्ति नहीं कर सकता है।
कारण (R) : हालांकि माया ब्रह्म के विपरीत है पर यह स्वयं ब्रह्म द्वारा बनायी गयी है। उपर्युक्त कथन शंकर के अनुसार सत्य है।

7. बौद्ध दर्शन के अनुसार कौन सा/से कथन सही है/हैं

I. सभी समस्याओं की जड़ माया है
II. सभी समस्याओं की जड़ दुःख है
III. जन्म और मृत्यु समस्याओं के कारण हैं।
IV. सभी समस्याओं का कारण सांसारिक चेष्टाओं में लिप्त रहना है

कूटः
(A) सभी I,II,III तथा IV सत्य हैं।
(B) केवल I तथा II सत्य हैं।
(C) केवल II तथा III सत्य हैं।
(D) केवल II तथा III तथा IV सत्य हैं।

उत्तर- (D) व्याख्या बौद्ध दर्शन के अनुसार निम्न कथन सत्य है—
I. सभी समस्याओं की जड़ दु:ख है।
II. जन्म और मरण समस्याओं का कारण है।
III. सभी समस्याओं का कारण सांसारिक चेष्टाओं में लिप्त रहना है।
जबकि सभी समस्याओं की जड़ माया है—उपर्युक्त कथन बौद्ध धर्म के सन्दर्भ में गलत है।

8. किस दर्शन ने कक्षाओं में मानीटर पद्धति विकसित की?
(A) वैदिक (B) वेदान्त
(C) इस्लाम (D) बौद्ध धर्म

उत्तर- (A) व्याख्या वैदिक दर्शन ने कक्षाओं में मानीटर पद्धति (कक्षा नायकीय प्रणाली) विकसित की। कक्षा के मेधावी छात्रों को कक्षा - नायक बनाया जाता था। वह कक्षा के कमजोर छात्रों को पढ़ाता था। इस प्रकार प्राय: सभी शिष्यों को व्यक्तिगत शिक्षा मिलती थी। 'नायक' गुरू की सामान्य देख-रेख में निम्न कक्षा के छात्रों का भी अध्यापन और पथ-प्रदर्शन करते थे। गुरु की अनुपस्थिति में शिक्षण का कार्य वरिष्ठ शिष्यों (मानीटर) के देख-रेख में चलता था।

9. निम्नलिखित का मिलान कीजिए :

सूची -I (चिंतक)	सूची-II (शिक्षा का प्रकार)
I. गाँधी	1. शाँति निकेतन
II. टैगोर	2. समग्र योग
III. अरविन्द	3. गुरुकुल
IV. विवेकानन्द	4. मानव बनाने वाली शिक्षा
	5. वर्धा योजना

कोड :

	I	II	III	IV
(A)	5	1	2	4
(B)	5	1	4	2
(C)	3	4	2	5
(D)	4	2	3	5

उत्तर- (A) व्याख्या सुमेलित है -

सूची - I (चिंतक)	सूची - II (शिक्षा का प्रकार)
I गांधी	5. वर्धा योजना
II टैगोर	1. शांति निकेतन
III अरविन्द	2. समग्र योग
IV विवेकानन्द	4. मानव बनाने वाली शिक्षा

10. गाँधीजी के सपनों के अनुसार बुनियादी शिक्षा का उद्देश्य है
I. एक वर्ग विहीन समाज का निर्माण
II. एक सर्वोदय समाज का निर्माण
III. सभी धर्मों का आदर करने वाले समाज का निर्माण
IV. एक ऐसे समाज का निर्माण जहाँ अमीर और गरीब साथ-साथ रह सकें
(A) सभी कथन I,II, III तथा IV सही हैं।
(B) कथन I, II और III सही हैं।
(C) कथन II, III और IV सही हैं।
(D) कथन I, II और और IV सही हैं।

उत्तर- (C) व्याख्या गांधी जी ने अक्टूबर, 1937 में वर्धा में राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें गांधी जी ने राष्ट्रीय शिक्षा की रूपरेखा प्रस्तुत की जिसे बेसिक शिक्षा या बुनियादी शिक्षा कहते हैं। इसके मुख्य उद्देश्य निम्न है -
(1) शारीरिक व मानसिक विकास पर बल
(2) एक सर्वोदय समाज का निर्माण
(3) सभी धर्मों का आदर करने वाले समाज का निर्माण
(4) एक ऐसे समाज का निर्माण जहाँ अमीर और गरीब साथ-साथ रह सकें।

11. भारतीय संविधान के किस भाग में प्रत्येक नागरिक को अपने धर्म के अनुसार शिक्षा देने की अनुमति हैं?
(A) दिशा निर्देशक सिद्धान्त
(B) केन्द्र और राज्यों की समवर्ती सूची
(C) प्रजातांत्रिक अधिकार
(D) मूलभूत अधिकार

उत्तर- (D) व्याख्या भारतीय संविधान के भाग-3 में मूलभूत अधिकार में अनु० 25 से 28 तक में धार्मिक स्वतंत्रता के सम्बन्ध में उपबंध किया गया है कि प्रत्येक नागरिक को अपने धर्म के अनुसार शिक्षा देने की अनुमति है।

12. कौन तार्किक विश्लेषण का समर्थक नहीं है?
(A) कांट (B) बर्ट्रेन्ड रसल
(C) लुडविग विटगिन्स्टीन (D) जी. ई. मूर

उत्तर- (A) व्याख्या तार्किक विश्लेषण के प्रमुख समर्थक विटगेन्सटाइन, बट्रेण्ड रसेल तथा जी०ई० मूर थे। लुडविंग विटगेन्सटाइन ने अपने ग्रन्थ ट्रेक्टेटस लॉजिको फिलॉसोफीकल द्वारा दर्शन पर प्रभाव डाला। बट्रेण्ड रसेल विटगेन्सटाइन के अध्यापक थे। ये भाषा-विश्लेषण से सम्बद्ध रहे। जी० ई० मूर ने प्रत्ययवाद के अपने प्रचण्ड विरोध के द्वारा भाषा विश्लेषण के उत्थान में योगदान किया। जबकि कांट अस्तित्वादी थे।

13. वह महान समाजशास्त्री जो मानता है कि ''शिक्षा सामाजिक परिवर्तन नहीं लाती अपितु सामाजिक परिवर्तन शैक्षिक परिवर्तन में परिणित होता है'', कौन था?
(A) मैकडूगल (B) अरस्तू
(C) दुर्खीम (D) डिवी

उत्तर- (C) व्याख्या महान समाजशास्त्री दुर्खीम का विचार था कि ''शिक्षा सामाजिक परिवर्तन नहीं लाती अपितु सामाजिक परिवर्तन शैक्षिक परिवर्तन में परिणित होता है।''

14. स्कूल को एक लघु समाज क्यों माना जाता हैं?

(A) संख्या में कम होते हुए भी स्कूलवासी समाज में से ही आते हैं।

(B) समाज के लोगों की अपेक्षा स्कूली बच्चों का आयुस्तर कम होता है।

(C) जैसे एक चूजा वयस्क में परिवर्तित होता है, स्कूली बच्चे भी समाज के वयस्क सदस्यों के रूप में विकसित होते हैं।

(D) स्कूल वासियों की संख्या समाज के सदस्यों की संख्या से कम होती है।

उत्तर- (A)/ व्याख्या स्कूल को लघु समाज इसलिए माना जाता है कि संख्या में कम होते हुए भी स्कूलवासी समाज में से ही आते हैं। यह बच्चों में चेतना एवं बफादारी पैदा करता है। यह बच्चे को अपने अनुभवों के निर्माण एवं पुनर्निर्माण के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करती है। यह विभिन्न क्रियाओं तथा अनुभवों का सामुदायिक केन्द्र भी है।

15. माँ को बालक की प्रथम शिक्षक क्यों माना जाता है?

I. बालक का आधारभूत सीखना माँ के सांनिध्य में ही होता है?

II. माँ के साथ बालक का अनौपचारिक अधिगम भावी जीवन के औपचारिक अधिगम से ज्यादा प्रभावी होता है।

III. बच्चा माँ के गर्भ में 9 मास तक रहता है।

IV. माँ बच्चे को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदान करने की चेष्टा करती है।

कूटः (A) उपरोक्त चारों कथन सही हैं।

(B) केवल कथन II और III सही हैं।

(C) केवल कथन II और IV सही हैं।

(D) केवल कथन I और II सही हैं।

उत्तर- (D)/ व्याख्या बालक का आधारभूत सीखना माँ के सानिध्य में होता हैं तथा माँ के साथ बालक का अनौपचारिक अधिगम, भावी जीवन के औपचारिक अधिगम से ज्यादा प्रभावी होता है इसलिए माँ को बालक की प्रथम शिक्षक माना जाता है।

16. समुदाय से आशय समाज के उस समूह से हैं जिसमें

(A) एक ही जाति वर्ग, धर्म तथा व्यवसाय के लोग हों

(B) एक ही लक्ष्य के लोग हों

(C) एक ही लक्ष्य तथा जाति, वर्ग, धर्म, व्यवसाय और विश्वासों में से कम से कम एक कारक की समानता वाले लोग

(D) उपरोक्त से कोई भी नहीं

उत्तर- (C)/ व्याख्या समुदाय एक मूर्त धारणा है। जब हमारा दृष्टिकोण व्यक्तियों के संबंधों पर केन्द्रित होता है तो उसे समाज कहते हैं जबकि जब हम संबंधों के स्थान पर अपना विचार बिन्दु व्यक्तियों पर केन्द्रित करते हैं तो उसे समुदाय कहा जाता है। मैकाइवर के अनुसार- ''जब किसी समाज के सदस्य, चाहे वह समूह छोटा हो या बड़ा इस प्रकार साथ रहते है कि उनका एक साथ रहना किसी विशेष प्रयोजन से ही नहीं होता अपितु उनके साथ-साथ रहने की आधारभूत बातें भी सब एक सी होती है तब उस समूह को समुदाय कहते हैं।

17. अधिगमकर्त्ताओं को राजनीति विज्ञान पढ़ाना लाभदायक है

I. उनमें नेतृत्व कौशल विकसित करने में

II. उनमें राजनैतिक चेतना विकसित करने में

III. उनमें प्रजातांत्रिक मूल्यों के आत्मसातीकरण में

IV. उनमें सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरुकता विकसित करने में

कूटः

(A) उपरोक्त सभी कथन सही हैं।

(B) केवल कथन I, II और III सही हैं।

(C) केवल कथन II, III और IV सही हैं।

(D) केवल कथन I,II और IV सही हैं।

उत्तर- (A)/ व्याख्या अधिगमकर्त्ताओं को राजनीति विज्ञान पढ़ाने से निम्न लाभ हैं—

I. उनमें नेतृत्व कौशल विकसित करने में।

II. उनमें राजनैतिक चेतना विकसित करने में।

III. उनमें प्रजातान्त्रिक मूल्यों के आत्मसातीकरण में

IV. उनमे सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरुकता विकसित करने में।

18. धर्म एक संस्था है क्योंकिः

(A) यह लोगों को धर्म सिखाता है।

(B) यह महत्त्वपूर्ण सामाजिक कार्य करता है।

(C) यह लोगों को नैतिक तथा आध्यात्मिक शिक्षा प्रदान करता है।

(D) यह समाज में व्यक्ति को सम्मान प्रदान करता है।

उत्तर- (C)/ व्याख्या धर्म एक संस्था है क्योंकि यह लोगों को नैतिक तथा आध्यात्मिक शिक्षा प्रदान करता है।

19. इनमें से कौन सी गतिशीलता आधुनिकीकरण से संबंधित नहीं है?

(A) मानसिक गतिशीलता (B) वैज्ञानिक गतिशीलता

(C) सामाजिक गतिशीलता (D) भौतिक गतिशीलता

उत्तर- (D)/ व्याख्या निम्न में से भौतिक गतिशीलता का सम्बन्ध आधुनिकीकरण से नहीं है क्योंकि किसी राष्ट्र के आधुनिकीकरण से तात्पर्य विज्ञान एवं तकनीकी के प्रयोग से उस राष्ट्र के आर्थिक विकास करने और जन-साधारण के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने से है। अत: मानसिक गतिशीलता, वैज्ञानिक गतिशीलता एवं सामाजिक गतिशीलता आधुनिकीकरण से सम्बन्धित है।

20. यह सिखाना कि बड़ों का आदर कैसे किया जाए तथा उनसे बात किस तरह की जाए, एक उदाहरण हैं

(A) सामाजिक संसक्ति का (B) सामाजिक परिवर्तन का

(C) सामाजीकरण का (D)सामाजीकरण समायोजन का

उत्तर- (C)/ व्याख्या यह सिखाना कि बड़ों का आदर कैसे किया जाए तथा उनसे बात किस तरह की जाए, एक उदाहरण है सामाजीकरण का। क्योंकि समाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति एवं व्यक्ति और व्यक्ति एवं समाज के बीच अन्त:क्रिया होती है और व्यक्ति समाज की भाषा, रहन-सहन, खान-पान एवं आचरण की विधियाँ और रीति-रिवाज सीखता है और इस प्रकार उस समाज में समायोजन करता है।

21. भारत में सामाजिक परिवर्तन का निम्न में से कौन सा एक कारक नहीं है?

(A) जाति (B) क्षेत्रीयवाद (C) भाषा (D) जनगणना

उत्तर- (D)/ व्याख्या 'जनगणना' का सम्बन्ध सामाजिक परिवर्तन के कारकों से नहीं है क्योंकि सामाजिक परिवर्तन किसी समाज की अपनी संरचना, उसके अपने व्यवहार प्रतिमान और उसके अपने कार्य-विधियों में परिवर्तन को कहा जाता है। निम्नलिखित विकल्पों में से जनगणना का सामाजिक परिवर्तन से कोई लेना-देना नहीं है।

22. सामाजिक परिवर्तन में धर्म एक बड़ा अवरोध है क्योंकि

(A) यह मूल्यों का उपदेश देता है।
(B) यह सामाजिक जनसमूह पर निर्भर है।
(C) यह सभी आयु समूहों की भागीदरी की अपेक्षा करता है।
(D) यह निष्ठ पर आधारित है।

उत्तर- (D)/ व्याख्या सामाजिक परिवर्तन में धर्म एक बड़ा अवरोध है क्योंकि सभी धर्म व्यक्ति को शान्त एवं संतुष्ट रहने की शिक्षा देते हैं। श्रद्धा एवं प्यार धर्म के मुख्य हथियार हैं। जो धर्म में विश्वास करते हैं, वे दूसरों को हानि नहीं पहुंचा सकते। वह आर्थिक न्याय के लिए पूंजीपतियों से धन नहीं छीन सकते और समाज में साम्यवाद नहीं ला सकते। अत: यह निष्ठा पर आधारित होता है।

23. शिक्षा में अवसरों की समानता कैसे संभव है?

(A) बिना किसी भेदभाव के शैक्षिक संस्थाओं के द्वारा सभी के लिए खोलना
(B) और अधिक शैक्षिक संस्थान खोलना
(C) देश में शिक्षाप्रणाली का निजीकरण करना
(D) शिक्षा का लोक वित्तीकरण

उत्तर- (A)/ व्याख्या शैक्षिक अवसरों की समानता का सामान्य अर्थ है देश के सभी बच्चों को बिना किसी भेदभाव के शिक्षा प्राप्त करने के समान अवसर और समान सुविधाएँ प्रदान करना।

शैक्षिक अवसरों की समानता संभव बनाने हेतु राज्य द्वारा देश के सभी बच्चों के लिए बिना किसी भेदभाव के एक निश्चित स्तर तक की शिक्षा अनिवार्य एवं नि:शुल्क रूप से सुलभ कराना और उनकी इस शिक्षा प्राप्त करने में आने वाली कठिनाइयों का निवारण करना चाहिए। साथ ही इससे आगे की शिक्षा उनकी रूचि, रूझान, योग्यता, क्षमता और आवश्यकतानुसार सुलभ कराना चाहिए और इसे प्राप्त करने में आने वाली कठिनाइयों का निवारण करना चाहिए।

24. भारतीय शैक्षिक संस्थानों में अल्पसंख्यक समुदायों के बच्चे पूरी तरह से भागीदारी नहीं करते क्योंकि

(A) अल्प संख्यक समुदाय अपने बच्चों की शिक्षा पर खर्च नहीं करते।
(B) शिक्षा संस्थानों में अपवर्जन प्रक्रिया है।
(C) अल्पसंख्यक समुदाय भारतीय शिक्षा प्रणाली में निष्ठा नहीं रखते।
(D) भारतीय शिक्षा संस्थानों में बुनियादी ढाँचा नहीं होता।

उत्तर- (B)/ व्याख्या शिक्षा संस्थाओं ने अपवर्जन प्रक्रिया के कारण अल्पसंख्यक समुदायों के बच्चे पूरी तरह से भागीदारी नहीं करते। वर्तमान समय में अल्प-संख्यकों की शिक्षा में यह एक महत्वपूर्ण समस्या है।

25. ''मुझे एक दर्जन स्वस्थ बच्चे दो, मैं उन्हें डाक्टर, जज, भिखारी तथा चोर भी बना सकता हूँ'' - यह टिप्पणी किसने की है:

(A) जे. बी. वॉटसन (B) हल
(C) जंग (D) गुथरी

उत्तर- (A)/ व्याख्या व्यवहारवादी मनोवैज्ञानिक जे० बी० वॉटसन ने व्यक्ति के विकास में वातावरण को अधिक महत्व दिया है और यहाँ तक कह दिया है -
''मुझे एक दर्जन स्वस्थ बच्चे दो, मैं उन्हें डॉक्टर, जज, भिखारी तथा चोर भी बना सकता हूँ।

26. कौन सा अन्य तीन के समूह का नहीं है?

(A) अधिगम का क्रियाप्रसूत अनुकूलन सिद्धान्त
(B) पावलव का क्लासीकीय अनुकूलन सिद्धान्त
(C) वॉटसन का अधिगम सिद्धान्त
(D) गुथरी का अधिगम का सिद्धान्त

उत्तर- (D)/ व्याख्या स्कीनर का क्रियाप्रसूत अनुकूलन सिद्धान्त, पावलव का क्लासीकीय अनुकूलन सिद्धान्त वॉटसन का अधिगम सिद्धान्त उद्दीपन-अनुक्रिया पुनबर्लन सिद्धान्त (S.R. Reinforcement theory) के अंतर्गत आता है जिसमें उद्दीपन अनुक्रिया के बीच बंधन पुनर्वलन के आधार पर होता है जबकि गुथरी का अधिगम सिद्धान्त उद्दीपन अनुक्रिया समीपता सिद्धान्त (stimules-Responss Continuity Theory) कहलाता है क्योंकि इसमें उद्दीपन अनुक्रिया के बीच अनुबंधन पुनर्बलन द्वारा स्थापित नहीं होता वरन् S-R के बीच समीपता के आधार पर इनके बीच अनुबन्धन स्थापित होता है।

27. यह विचार कि ''विकास की किसी भी अवस्था पर कुछ भी सिखाया जा सकता है'' किसने व्यक्त किया:

(A) पियाजे (B) औसुबेल
(C) ब्रूनर (D) गैने

उत्तर- (C)/ व्याख्या ब्रूनर ने बालकों के सीखने की तत्परता की एक भिन्न दृष्टिकोण से व्याख्या की। उनका विचार है कि प्रत्येक वर्ग के लिए एक पाठ्यक्रम तैयार करके छात्रों को उस पाठ्यक्रम के अनुसार तत्पर बनाना या उनमें क्षमता विकसित करना एक स्वास्थकर प्रथा नहीं है बल्कि उन्होंने इस बात पर अधिक बल दिया कि किसी भी उम्र या वर्ग के छात्र को कोई भी विषय को सीखने के लिए तत्पर किया जा सकता है। अत: विकास की किसी भी अवस्था पर कुछ भी सीखाया जा सकता है।

28. 25 वर्षीय लड़का जिसकी मानसिक आयु 16 है का आई क्यू होगा:

(A) 64 (B) 75
(C) 80 (D) 100

उत्तर- (A)/ व्याख्या

$$1Q = \frac{MA}{CA} \times 100$$

MA = 16 वर्ष
CA = 25 वर्ष

$$\therefore 1Q = \frac{16}{25} \times 100$$
$$= 64$$
$$\therefore 1Q = 64$$

29. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म गलत है?

(A) अधिगम का चिन्ह सिद्धान्त - टोलमैन
(B) अधिगम का क्षेत्रीय सिद्धान्त - लेविन
(C) सामाजिक अधिगम सिद्धान्त - ब्रूनर
(D) प्रयत्न त्रुटि अधिगम सिद्धान्त - थार्नडाइक

उत्तर- (C)/ व्याख्या अधिगम का चिन्ह सिद्धान्त टोलमैन ने, अधिकगम का क्षेत्रीय सिद्धान्त प्रयत्न त्रुटि अधिगम सिद्धान्त थार्नडाइक ने दिया है तथा सामाजिक अधिगम सिद्धान्त बंडुरा ने दिया है ब्रूनर ने नहीं । ब्रूनर ने संज्ञानात्मक विकास का सिद्धान्त दिया है।

30. निम्नलिखित समीक्षा कीजिए :

अभिकथन (A): सीखने के अनुभव से परिणित प्रसन्नता तथा अप्रसन्नता उसकी प्रभावपूर्णता की श्रेणी (डिग्री) तय करती है।
कारण (R): सभी सुखद अनुभवों का चिरस्थायी प्रभाव होता है और उन्हें लम्बे समय तक स्मरण किया जाता है जबकि असुखद अनुभवों को तुरन्त ही भुला दिया जाता है।
कूटः
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(B) केवल (R) सही हैं।
(C) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(D) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर- (D)/ व्याख्या अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही है पर (R) A की सही व्याख्या नहीं है। क्योंकि व्यक्ति कार्य को उसके प्रभाव के आधार पर सीखता है। प्रभाव के नियम के अनुसार व्यक्ति किसी कार्य को इसलिए सीख लेता है क्योंकि व्यक्ति में उस अनुक्रिया/कार्य को करने के बाद संतोषजनक प्रभाव होता है परन्तु डर से किसी कार्य को दोहराने की संभावना कम नहीं होती। अर्थात पुरस्कार से उद्दीपन-अनुक्रिया का संबंध मजबूत होता है परन्तु डर से कमजोर नहीं होता।

31. रोशां इंकब्लॉट-परीक्षण में क्या शामिल है?

(A) पाँच काले तथा पांच रंगीन कार्ड
(B) दस काले तथा दस सफेद कार्ड
(C) पांच काले - सफेद तथा पांच बहुविध रंगीन कार्ड
(D) दस बहुविध रंगीन कार्ड

उत्तर- (C)/ व्याख्या रोशां- इंकब्लॉट - परीक्षण का निर्माण हरमन रोशा के नाम के स्विस मनोवैज्ञानिक ने 1921 में किया। इसमें कुल 10 मानकीकृत कार्ड होते हैं। जिनमें प्रत्येक पर स्याही का धब्बा बना होता है। पाँच कार्डों पर काले-सफेद में, दो कार्डों पर काले-सफेद व लाल रंग में तथा तीन कार्डों पर कई रंग में मसि-लक्ष्य बने होते हैं । कार्डो 1, 4, 5 6 व 7 पर काले सफेद में कार्ड 2 व 3 पर काले, सफेद व लाल रंग में तथा कार्ड संख्या 8, 9 व 10 पर कई रंगों में मसि लक्ष्य बने होते हैं।

32. यदि राम मोहन से लम्बा है, और मोहन, सोहन से लम्बा है, तो राम सबसे लम्बा है। यह कथन किस प्रकार की तर्कणा के अंतर्गत आता है?

(A) निगमात्मक तर्कणा (B) आगमनात्मक तर्कणा
(C) रैखिक तर्कणा (D) अनुकूलित तर्कणा

उत्तर- (C)/ व्याख्या

(1) निगमनात्मक तर्कणा (Inductive Reasoning**) -** वैसी तर्कणा जिसमें व्यक्ति पहले से ज्ञान नियमों एवं तथ्यों के आधार पर निश्चित निष्कर्ष पर पहुँचने की कोशिश करता हैं जैसे सभी मनुष्य मरणशील हैं। मोहन एक मनुष्य है। इसलिए मोहन मरणशील है।
(2) आगमनात्मक तर्कणा (Deductive Reasoning**) -** वैसी तर्कणा जिसमें व्यक्ति दिए गए तथ्यों में अपनी ओर से नये तथ्यों को जोड़कर एक निश्चित निष्कर्ष पर पहुँचता है इसे सृजनात्मक तर्कणा भी कहते हैं। जैसे कलम का असाधारण प्रयोग क्या होगा।
(3) रैखिक तर्कणा (Linear Reasoning) **-** वैसी तर्कणा जिसमें व्यक्ति क्रमबद्ध रूप से विचार करते हुए किसी निष्कर्ष पर पहुँचता है। इसे लम्बवत तर्कणा या क्षैतिज तर्कणाभी कहते हैं। जैसे यदि राम मोहन से लम्बा है, और मोहन सोहन से लम्बा है, तो राम सबसे लम्बा हैं।
(4) अनुकूलित तर्कणा (Conditioned Reasoning)- वैसी तर्कणा जिसमें व्यक्ति पूर्व शर्त को आधार मानकर किसी निष्कर्ष पर पहुँचता है। जैसे यदि आज सोमवार है तो मैं आज योगा की क्लास में उपस्थित रहूँगा।

33. सूची में भिन्न मनोवैज्ञानिक सिद्धान्त दिये गये हैं और सूची II में उन प्रतिपादकों जो सिद्धान्तों के प्रतिपादक हैं के नाम दिये गये हैं। सही नाम को सिद्धान्त के साथ सुमेलित कीजियेः

	सूची -I		सूची-II
a.	मूल प्रवृत्ति का सिद्धान्त	i.	एम.सी. डूगल
b.	प्रेरणा ह्रास सिद्धान्त	ii.	हॉल
c.	सामाजिक प्रेरणा सिद्धांत	iii.	एडलर
d.	अंतः प्रेरण सिद्धान्त	iv.	मासलो
		v.	फ्रॉयड

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(B)	(v)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(i)	(v)	(ii)	(iv)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर- (D)/ व्याख्या सूची I और सूची II सुमेलित है -

	सूची -I (मनोवैज्ञानिक सिद्धान्त)	सूची -II (प्रतिपादक)
(a)	मूल प्रवृत्ति का सिद्धान्त (Theory of Instinct)	(I) एम्ब०सी० डूगल
(b)	प्रेरणा ह्रास सिद्धान्त (Drive Reduction theory)	(ii) हल
(c)	सामाजिक सिद्धान्त (Social urges theory)	(iii) एडलर
(d)	अंत: प्रेरण सिद्धान्त (Seef Actualization theory)	(iv) मैसलो

34. **अवधान के निर्धारकों के विषयवस्तु के सम्बन्ध में कौन सा कथन गलत है?**

(A) सभी प्रकार के उद्दीपन एक ही कोटि का अवधान नहीं उत्पन्न करते हैं।

(B) अवधान पाने के लिए नवीनता लाना हमेशा बेहतर होता हैं।

(C) गतिशील उद्दीपन हमारा ध्यान तुरन्त पकड़ लेते हैं।

(D) उद्दीपन की अत्याधिक पुनरावृत्ति हमारा ध्यान पकड़ती है।

उत्तर- (D)/ व्याख्या उद्दीपन की अत्याधिक पुनरावृत्ति हमारा ध्यान पकड़ती है, यह कथन गलत है अपितु ध्यान नहीं जाता है। अन्य तीनों विकल्प अवधान के निर्धारिकों की विषय वस्तु के संबंध में सत्य है।

35. **अधिगम के अनुकूलन उपागम में :**

(A) व्यक्ति विशेष अस्वाभाविक उद्दीपन प्राप्त करने के लिए तैयार होना चाहिए।

(B) अस्वाभाविक उद्दीपन स्वाभाविक उद्दीपन का अनुगमन करता है।

(C) स्वाभाविक उद्दीपन के प्रति अनुक्रिया को पुनर्बलित करने की आवश्यकता है।

(D) स्वाभाविक उद्दीपन अस्वाभाविक उद्दीपन का अनुगमन करता है।

उत्तर- (B)/ व्याख्या अधिगम के अनुकूलन उपागम में अस्वाभाविक उद्दीपन स्वाभाविक उद्दीपन का अनुगमन करता है। पावलव का कहना था कि यदि अस्वाभाविक उद्दीपक को किसी स्वाभाविक उद्दीपक के साथ बार-बार दिया जाता है तो अस्वाभाविक उद्दीपक के प्रति व्यक्ति वैसी ही अनुक्रिया करना सीख लेता है जैसा कि वह स्वाभाविक उद्दीपक के प्रति करता है।

36. **यदि 'दिपावाली त्यौहार समारोह' पर प्रायोजना पूरा करके बच्चों का समूह बहुत से गणितीय कौशल सीख लेता, है, तो इसे क्या कहा जायेगा:**

(A) प्रासंगिक अधिगम (B) औपचारिक अधिगम

(C) अनौपचारिक अधिगम (D) औपचारिकेत्तर अधिगम

उत्तर- (A)/ व्याख्या **(1) प्रासंगिक अधिगम** (Incidental learning) - प्रासांगिक अधिगम अनायास घटित हो जाता है। यह किसी दुसरी क्रियाओं के सीखने के दौरान घटित होता है। जैसे बालक पारस्परिक बातचीत में कोई नई बात सीख जाता है। इसमें कुछ सीखने के लिए संगठित रूप से कोई प्रयास नहीं करता अपितु अन्य क्रियाओं जैसे अवलोकन सामाजिक अन्त: क्रिया या किसी समस्या समाधान के दौरान अनायास घटित होता है।

(2) औपचारिक अधिगम (Formal Learning) - औपचारिक अधिगम से तात्पर्य वैसे अधिगम से होता है जिसमें विद्यार्थी किसी अनुशासनात्मक वातावरण में कुछ खास तरह के नियमों या सिद्धान्तों के अनुरूप किसी कौशल को सीखते हैं। जैसे कक्षा अधिगम व क्षेत्र अधिगम)

(3) अनौपचारिक अधिगम (Informal Learning) - अनौपचारिक अधिगम से तात्पर्य वैसे अधिगम से होता है जिसमें बालक किसी कौशल को एक औपचारिक प्राधिकारी से नहीं सीखते हैं तथा वातावरण अनुशासनात्मक नहीं होता जितना औपचारिक अधिगम का होता है। जैसे माता-पिता द्वारा दी गई शिक्षा, पास-पड़ोस द्वारा दी गई शिक्षा तथा साथियों के समूह से प्राप्त शिक्षा।

(4) औपचारिकेत्तर अधिगम (Non formal Learning)- औपचारिकेत्तर अधिगम आंशिक रूप से जानबूझकर प्राप्त की जाती है। यह किसी न किसी संगठित संस्था से प्राप्त की जाती है। जैसे पत्राचार कोर्स, रेडियों, दूरदर्शन विचार गोष्ठी आदि से प्राप्त ज्ञान एवं कौशल।

37. **निम्न में से कौन गुणावत्तात्मक अनुसंधान की विधि है?**

(A) प्रायोगिक अनुसंधान

(B) आदर्शक सर्वेक्षण

(C) नृजाति प्रणाली विज्ञान

(D) कार्योत्तर अनुसंधान

उत्तर- (C)/ व्याख्या गुणात्मक अनुसंधान अन्तर्गत ऐतिहासिक अनुसंधान, दार्शनिक अनुसंधान,नृजाति प्रणाली विज्ञान, व्यष्टि अध्ययन, अन्तर सांस्कृतिक अनुसंधान, विषय वस्तु विश्लेषण तथा विकासात्मक अनुसंधान आते हैं। जबकि प्रायोगिक अनुसंधान एक अलग प्रकार का अनुसंधान है तथा अनुसंधान सर्वेक्षण एवं कार्योत्तर अनुसंधान वर्णनात्मक अनुसंधान के अन्तर्गत आता है।

38. **प्रयोगात्मक तथा कार्योत्तर शोध -विधियों में निम्न में से कौन सी बात सामान्य नहीं है?**

(A) कारण-प्रभाव सम्बन्ध

(B) स्वतन्त्र चर में स्वेच्छित बदलाव

(C) बाह्म चरों का नियन्त्रण

(D) आश्रित चर का अवलोकन

उत्तर- (B)/ व्याख्या कार्योत्तर शोध (Ex-Post Facto Research) में स्वतंत्र चर की अभिव्यक्ति आश्रित चर के सामने आने से बहुत पहले ही हो चुकी होती है यही कारण है कि इसमें शोधकर्ता चाहकर भी स्वतंत्रचर में किसी प्रकार का कोई जोड़-तोड़ नहीं कर सकता है। इसमें प्रभाव के आधार पर कारण का पता लगाया जाता है जबकि प्रयोगात्मक शोध में स्वतंत्र चर में जोड़-तोड़ (Manipulation) संभव है।

अत: प्रयोगात्मक एवं कार्योत्तर शोध में कारण-प्रभाव संबंध, वाह्य चरों का नियंत्रण तथा आश्रित चर का अवलोकन सामान्य बात है पर स्वतंत्र चर में स्वेच्छित बदलाव केवल प्रयोगात्मक शोध में सम्भव है कार्योत्तर शोध में नहीं।

39. **किसी कारक की संक्रियात्मक परिभाषा वह है जो उसे परिभाषित करती है :**

(A) दूसरे कारकों के सम्बन्ध में
(B) निहित व्यवहार अभिरचना के सम्बन्ध में
(C) उसके मापन के लिए आवश्यक प्रक्रिया के सम्बन्ध में
(D) शब्दकोष में दिए दूसरे समतुल्य शब्दों के सम्बन्ध में

उत्तर- (C)/ व्याख्या किसी कारक की संक्रियात्मक परिभाषा (Operational definition) वह है जो उसके मापन के लिए आवश्यक प्रक्रिया के सम्बन्ध में परिभाषित करती है।

40. **निम्नलिखित में से कौन सी बात किसी शोधप्रक्रिया की विशेषता नहीं है?**

(A) आनुभविक उपागम (B) क्रमबद्ध प्रयास
(C) अनियन्त्रित परिस्थितियाँ (D) समालोचनात्मक विश्लेषण

उत्तर- (C)/ व्याख्या शोध की प्रक्रिया की निम्न विशेषताएँ होती हैं—
I. आनुभविक उपागम
II. क्रमबद्ध प्रयास
III. समालोचनात्मक विश्लेषण
उपरोक्त विकल्पों में 'अनियन्त्रित परिस्थितियाँ किसी भी प्रकार के अनुसंधान की विशेषता नहीं है क्योंकि जब परिस्थितियाँ अनियन्त्रित होगी तो अध्ययन में कठिनाई आएगी। इसके अलावा शोध परिणाम भी दोषपूर्ण हो जाएगा।

41. **क्षेत्रीय अध्ययन के सम्बन्ध में निम्न कथनों को पढ़े।**

I. क्षेत्रीय अध्ययन वास्तविक जीवन की परिस्थिति में किया जाता हैं।
II. इसमें वैज्ञानिक विधि का प्रभावी उपयोग होता है।
निम्न मे से कौन सा विकल्प सही है–

(A) **I** सही है, किन्तु **II** नहीं। (B) **II** सही है, किन्तु **I** नहीं।
(C) **I** तथा **II** दोनों सही हैं। (D) दोनों में से कोई सही नहीं।

उत्तर- (A)/ व्याख्या क्षेत्रीय अध्ययन (Field Studies) वैसा अप्रयोगात्मक शोध है जिसमें वास्तविक सामाजिक परिस्थिति (Real social situation) में समाजशास्त्रीय मनोवैज्ञानिक एवं शैक्षिक चरों में अन्त: क्रियाओं एवं उसके संबंधों की खोज करता हैं। इसमें शोधकर्ता स्वतंत्र चर में न तो जोड़तोड़ कर सकता है और न ही प्रयोज्यों का यादृच्छिक ढंग से समूह में आवंटन। यह एक क्षीण वैज्ञानिक शोध है जिसमें आंतरिक वैधता की कमी पायी जाती है। इन सभी व्यवहारिक कारणों से क्षेत्र अध्ययन को एक संतोषजनक विधि नहीं समझा जाता है।

42. **निम्नलिखित को पढ़ो :**

I. सहसम्बन्ध गुणांक धनात्मक तथा ऋणात्मक दोनों हो सकता है।
II. किसी परीक्षण की विश्वसनीयता ऋणात्मक हो सकती है?
निम्न में से कौन सही है–

(A) **I** सही नहीं है, किन्तु **II** सही है।
(B) **I** तथा **II** दोनों सही हैं
(C) **I** सही है, किन्तु **II** सही नहीं है।
(D) **I** तथा **II** दोनों सही नहीं हैं।

उत्तर- (C)/ व्याख्या सहसंबंध गुणांक का मान + 1 से - 1.00 के बीच होता है। अर्थात सहसंबंध गुणांक धनात्मक तथा ऋणात्मक दोनों हो सकता है। कथन 1 सही है तथा किसी परीक्षण की विश्वसनीयता से 0.00 से + 1.00 के बीच होती है। अत: परीक्षण की विश्वसनीयता ऋणात्मक नहीं हो सकती। अत: कथन गलत है।

43. **निम्न में से कौन सा मिलान सही नहीं है?**

(A)	परीक्षण - पुनर्परीक्षण	:	आन्तरिक
(B)	अर्द्ध विच्छेदन	:	आन्तरिक अनुरूपता
(C)	के. आर. - 20	:	स्थिरता
(D)	समान्तर प्रारूप	:	समरूपता

उत्तर- (C)/ व्याख्या प्रश्न में दिए गए सभी विकल्प परीक्षण की विश्वसनीयता ज्ञात करने की विधियाँ है तथा उसकी विशेष विशेषता परीक्षण-पुर्नपरीक्षण (Test-Retest) विधि द्वारा पता चलता है कि एक दिए अंतराल पर परीक्षण प्राप्तांक कितना स्थिर है। इसलिए परीक्षण-पुर्नपरीक्षण विधि को कालिक स्थिराता गुणांक (temporal stability coefficient) कहा जाता है। अर्द्ध-विच्छेदन के० आर० 20 विधि परीक्षण को आंतरिक संगति (Internal consistena) का पता चलता है। अत: परीक्षण की विश्वसनीयता ज्ञात करने की आंतरिक संगति विधि है। समानान्तर प्रारूप विश्वसनीयता ज्ञात करने की ऐसी विधि है जिसमें दो तुल्य फार्म के रूप में ज्ञात किया जाता है। अत: इसे तुल्य फार्म विश्वसनीयता (Equivalent form reliability) भी कहा जाता है।

44. **नीचे दी गई दोनों सूचियों को पढ़ेः**

	सूची -I		सूची-II
a.	बुद्धि	1.	अल्फ्रेड ब्रिने
b.	अभिवृत्ति	2.	एल.एल. थर्सटन
c.	प्रक्षेपी विधियाँ	3.	रोर्शा
d.	शब्दार्थ विभेदक	4.	ओसगुड
		5.	गिलफोर्ड

निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही है?

कूट :

	a	b	c	d
(A)	4	3	2	5
(B)	2	4	3	1
(C)	5	2	1	4
(D)	1	2	3	4

उत्तर- (D)/ व्याख्या सुमेलित है -

सूची - I		सूची - II	
(a)	बुद्धि	(1)	अल्फ्रेड ब्रिने
(b)	अभिवृत्ति	(2)	एल. एल. थर्सटन
(c)	प्रक्षेपी विधि	(3)	रोर्शा
(d)	शब्दार्थ विभेदक	(4)	ओसगुड

45. निम्न में से कौन सा प्रसरण का माप नहीं है?

(A) प्रसार (B) बहुलक
(C) माध्य विचलन (D) मानक विचलन

उत्तर- (B)/ व्याख्या वे सभी मापे जो किसी समूह के प्राप्तांकों के फैलाव (Dispersion) या वैभिन्नता को बताती है विचलनशीलता के मान (Measurement of variability) कहलाती है। विचलनशीलता के मुख्य मान है-
(i) प्रसार (Range)
(ii) माध्य विचलन (Mean Deviation)
(iii) चतुर्थांक विचलन (Quartile Deviation)
(iv) मानक विचलन (Standard Deviation)
बहुलक (Mode) को केन्द्रीय प्रवत्ति के मान कहा जाता है। केन्द्रीय प्रवृत्ति के मुख्यत: तीन मान है- बहुलांक ,(Mode) मध्यांक (Median) तथा मध्यमान (Mean)।

46. वह प्रसरण जो आंकड़ों के समूहों में व्यवस्थित अन्तर को व्यक्त करता है -

(A) पूर्ण प्रसरण कहलाता है। (B) त्रुटि प्रसरण कहलाता है।
(C) प्रयोगात्मक प्रसरण कहलाता है।
(D) अन्तः समूह प्रसरण कहलाता है।

उत्तर- (C)/ व्याख्या वह प्रसरण जो आंकड़ों के समूहों में व्यवस्थित अंतर को व्यक्त करता है, प्रयोगात्मक प्रसरण कहलाता है। तथा जटिल ANOVA में वर्गो के कुल योग को पूर्ण प्रसरण (total variance) कहा जाता है। पूर्ण प्रसरण में से कालम प्रसरण रो प्रसरण (SSk) तथा अन्त: क्रिया प्रसरण (SSr rk) को घटा देने के बाद जो बच जाता है उसे एऐं (Sum of squares Within cells) या त्रुटि प्रसरण (Error varionce) कहते हैं। अन्त: समूह प्रसरण, प्रत्येक समूह में पाये जाने वाले प्राप्तांकों की औसत विभिन्नता को कहते हैं।

47. सम्पूर्ण समष्टि पर आधारित सांख्यिकीय माध्य तथा न्यादर्श पर आधारित माध्य के बीच अन्तर को क्या कहते हैं?

(A) मानक त्रुटि (B) माध्य अन्तर
(C) प्रतिचयन त्रुटि (D) माध्य विचलन

उत्तर-(A or C)/ व्याख्या मानक त्रुटि (Slandered error) एक ऐसी सूचक संख्या है जो सांख्यिकी (Statistics) तथा प्राचल (Parameter) के बीच के अंतर को बतलाती है। गिलफोर्ड के अनुसार- ''मानक त्रुटि एक ऐसी सूचक संख्या होती है जिसके आधार पर हम लोग इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि प्रतिदर्श से प्राप्त सांख्यिकी उस अंक या मान से कितना भिन्न है जो हमें पूरे जीवसंख्या को मापने से प्राप्त होता है।'' तथा माध्य अन्तर से तात्पर्य समूह के दो मध्यमानों में अंतर को कहते हैं। मध्यमान विचलन किसी भी वितरण के प्रत्येक प्राप्तांक के विचलन का मध्यमान को कहते हैं।

48. आँकड़े के प्रतिचयन बंटन का मानक विचलन क्या कहलाता है?

(A) प्रतिचयन प्रसारण (B) मानक त्रुटि
(C) प्रतिचयन त्रुटि (D) मानक प्रसारण

उत्तर- (B)/ व्याख्या आंकड़े के प्रतिचयन बंटन का मानक विचलन मानक त्रुटि कहलाता है।

49. सांख्यिकीय निष्कर्ष की प्रक्रिया में, टाईप II त्रुटि तब होती है जब हम :

(A) यथार्थ शून्य प्राक्कल्पना स्वीकार कर लेते हैं।
(B) यर्थाथ शून्य प्राक्कल्पना को अस्वीकार कर देते हैं।
(C) मिथ्या शून्य प्राक्कल्पना को अस्वीकार करते हैं।
(D) मिथ्या शून्य प्राक्कल्पना स्वीकार लेते हैं।

उत्तर- (D)/ व्याख्या सांख्यिकी निष्कर्ष की प्रक्रिया में टाइप - II त्रुटि तब होती है जब शोधकर्ता मिथ्या शून्य प्राक्कल्पना स्वीकार कर लेता है। इसे बीटा त्रुटि भी कहा जाता है। तथा टाइप-I त्रुटि तब होती है जब शोधकर्ता यथार्थ शून्य परिकल्पना को अस्वीकार कर देता है। इसे अल्फा त्रुटि भी कहा जाता है।

50. जब शोधकर्त्ता यह ज्ञात करने के लिए शोध करता है कि सांस्थानिक प्रभाविता के प्रति कौन सी प्रशासनिक शैली ज्यादा योगदान करती है, तो यह उदाहरण होगा :

(A) मूलभूत शोध का (B) कार्यात्मक शोध का
(C) प्रयुक्त शोध का (D) मौलिक शोध का

उत्तर- (C)/ व्याख्या यदि कोई शोधकर्त्ता यह ज्ञात करने के लिए शोध करता है कि कौन सी प्रशासनिक शैली संस्थानिक प्रभाविता में ज्यादा योगदान करती है तो यह प्रयुक्त शोध का उदाहरण है क्योंकि प्रमुख शोध (Applied Research) में पूर्व में ज्ञात नियमों की वर्तमान में उपयोगिता (Utility) की खोज करता है। शिक्षा शास्त्र में यह शोध प्राय: किया जाता है।

UGC NET/ J.R.F. EXAM

प्रश्न-पत्र III शिक्षाशास्त्र

1. अध्यापन और अधिगम हेतु प्रौद्योगिकी के प्रयोग के लिए निम्नलिखित में से कौन सा क्लासरुम सबसे उपयुक्त है ?

(A) एक क्लासरूम जो चित्रों, चार्टों और नक्शों से पूर्णतया सुसज्जित हो।
(B) एक क्लासरूम जिसमें पी सी और सी सी टी वी कनेक्शन हों।
(C) एक क्लासरूम जिसमें विद्युत उपकरणों के प्रयोग के लिए विद्युत सप्लाई का प्रबन्ध हो।
(D) (A) और (B) दोनों।

उत्तर- (D) व्याख्या आधुनिक शिक्षा प्रणाली में अध्ययन एवं अधिगम हेतु प्रौद्योगिकी का प्रचलन बहुत तेजी से बढ़ गया है। शैक्षिक प्रौद्योगिकी का प्रयोग ही एक शिक्षा व्यवस्था के आधुनिक होने का लक्षण हैं। अध्यापन एवं अधिगम के लिए निम्न सुविधाओं से सुसज्जित क्लास रूम उपयुक्त होगा-
(I) एक क्लास रूम चित्रों, चार्टों एवं नक्शों से पूर्णतया सुस्सजित हो।
(II) एक क्लासरूम जिसमें पी. सी. और सी. सी. टी. बी. कनेक्शन हो।

2. ''सामान्य अभ्यास को बदल कर और आप लगभग सदैव सही कर रहे होंगे । '' यह किसका सिद्धान्त था?

(A) प्लैटो (B) रूसो
(C) महात्मा गांधी (D) डीवी

उत्तर- (B) व्याख्या उपर्युक्त सिद्धान्त रूसों का है। रूसों एक प्रकृतिवादी चिन्तक थे। प्रकृतिवादी दर्शन को शिक्षा में लाने का श्रेय रूसो को ही दिया जाता है। ये कृत्रिम शिक्षा का विरोध करते थें। इनका मानना था कि बालक की शिक्षा उसकी प्रकृति के अनुरूप होनी चाहिए। बालक को प्रकृति के सहारे छोड़ देना चाहिए तथा अध्यापक को अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। इनका शिक्षा संम्बन्धी विचार निषेधात्मक शिक्षा के नाम से जाना जाता है।

3. सह- सम्बन्ध गुणांक कहाँ से कहाँ तक पड़ता है

(A) $+1$ से -1 (B) 0 से -1 (C) -1 से 0 (D) $+1$ से 0

उत्तर- (A) व्याख्या सह-सम्बन्ध गुणांक द्वारा दो प्रदत्त अंक मालाओं में परस्पर सह-सम्बद्धता का स्तर ज्ञात किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य चरों में पायी जानी वाली सहसम्बद्धता की मात्रा का पता लगाना है। सहसम्बन्धता गुणांक $+1$ से -1तक होता है।

4. अनुसंधान उपकरणों की विश्वसनीयता और वैधता के बीच सम्बन्धों के प्रति निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन सही है ?

(A) एक विश्वसनीय परीक्षण सदैव वैध होता है।
(B) एक वैध परीक्षण विश्वसनीय होगा ।
(C) एक वैध परीक्षण विश्वसनीय नहीं हो सकता ।
(D) एक विश्वसनीय परीक्षण कभी भी वैध नहीं होता ।

उत्तर- (B) व्याख्या किसी भी अनुसंधान उपकरण के लिए उसकी वैधता और विश्वसनीयता का होना एक आवश्यक शर्त है। बिना इनके कोई भी उपकरण सही उपयुक्त नहीं माना जाता है। वैधता और विश्वसनीयता के बीच कुछ खास शर्त होती है। जैसे-एक वैध परीक्षण सदैव विश्वसनीय होता है किन्तु जरूरी नहीं है कि एक विश्वसनीय परीक्षण वैध भी हो?

5. अनुभव -केन्द्रित पाठ्य-क्रम का प्रतिपादक है

(A) फ्रोबेल (B) जॉन डीवी
(C) स्टीवनसन (D) पार्कर

उत्तर- (B) व्याख्या अनुभव केन्द्रित पाठ्यक्रम का सिद्धान्त का प्रतिपादन प्रयोजनवादी जॉन डीवी है। इसके अलावा शिक्षा को प्रयोजनवाद लाने का श्रेय भी जॉन डीवी को दिया जाता है। ये शिक्षा के काल्पनिक उद्देश्यों में विश्वास नहीं करते थें, बल्कि ये शिक्षा में ऐसे उद्देश्यों को रखा जिनका सम्बन्ध छात्रों के वास्तविक जीवन से हो। इसलिए इन्होंने अपनी शिक्षा व्यवस्था ने अनुभव केन्द्रित पाठ्यक्रम को स्थान दिया।

6. सूची-I को सूची-II को सुमेलित कीजिए और प्रदत्त विकल्पों से सही उत्तर का चयन कीजिए :

सेट-I		सेट-II	
a	करों और सीखो	i.	प्रकृतिवाद
b	उच्च शैक्षिक उद्देश्य न होना	ii.	आदर्शवादी
c	सत्य, सौंदर्य और अच्छाई की प्राप्ति	iii.	व्यावहारिकतावाद
d	विश्व जैसा है, जहाँ है।	iv.	यथार्थवाद
		v.	क्षणभंगुरतावाद

कूटः

	a	b	c	d
(A)	iii	i	ii	iv
(B)	i	v	ii	iv
(C)	iii	i	v	ii
(D)	ii	iii	iv	v

उत्तर- (A) व्याख्या

	सूची-I	सूची-II
(a)	करो और सीखो	(iii) व्यावहारिकतावाद
(b)	उच्च शैक्षिक उद्देश्य न होना	(I) प्रकृतिवाद
(c)	सत्य, सौन्दर्य और अच्छाई की प्राप्ति	(ii) आदर्शवादी
(d)	विश्व जैसा है जहाँ है	(iv) यथार्थवाद

7. शिक्षा आयोग की रिपोर्ट (1964-66)का शीर्षक है
(A) बिना बोझ सीखिए
(B) एक जागृत एव मानवीय समाज
(C) शिक्षा और भारत के लोग
(D) शिक्षा और राष्ट्रीय विकास

उत्तर- (D)/ व्याख्या शिक्षा आयोग (1964-66) का शीर्षक था- 'शिक्षा और राष्ट्रीय विकास' इस आयोग का गठन 1964 में किया गया। इसके अध्यक्ष डी.एस. कोठारी जी थे। इसलिए इस शिक्षा आयोग को कोठारी आयोग के नाम से भी जाना जाता है। इस आयोग का प्रमुख उद्देश्य भारत की प्राथमिक शिक्षा की जाँच करना तथा उसके सुधार के लिए सुझाव प्रस्तुत करना था। किन्तु इस आयोग ने भारतीय शिक्षा के प्रत्येक स्तर के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव दिया। शिक्षा में ''त्रिभाषा सूत्र'' कोठारी आयोग की ही देन है।

8. विवरणात्मक अनुसंधान के निम्नलिखित सोपानों को सही क्रम दीजिए :
1. आँकड़ा सामग्री का संग्रह और प्रक्रिया
2. निष्कर्षों की विवेचना
3. समस्याओं की पहचान
4. सामान्यताओं को व्यवस्थित करना
5. रिपोर्ट लिखना
6. परिकल्पना का बनाया जाना

(A) 6,3,1,2,4,5 (B) 6,3,1,5,2,4
(C) 3,6,1,5,2,4 (D) 3,6,1,2,4,5

उत्तर- (D)/ व्याख्या अनुसंधान एक क्रमबद्ध व वैज्ञानिक प्रक्रिया है। उद्देश्यों व विधि के आधार पर यह अनेक प्रकार के होते हैं जिनमें वर्णानात्मक अनुसंधान भी एक प्रमुख अनुसंधान का प्रकार है। इसका क्रमबद्ध सोपान इस प्रकार है-
(3) समस्या का पहचान
(6) परिकल्पना का बनाया जाना
(1) आँकड़ा / सामाग्री का संग्रह और प्रक्रिया
(2) निष्कर्षों की विवेचना
(4) सामान्यताओं का व्यवस्थित करना
(5) रिपोर्ट लिखना

9. निम्नलिखित में से आट्टवे के शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन सम्बन्धी कौन सा विचार था ?
(A) शिक्षा समाज को परिवर्तित करती है।
(B) शैक्षिक परिवर्तन सामाजिक परिवर्तन के बाद आता है।
(C) शैक्षिक परिवर्तन और सामाजिक परिवर्तन एक दूसरे से स्वतन्त्र हैं।
(D) शैक्षिक यह परिवर्तन और सामाजिक परिवर्तन अन्तर-आश्रित है मगर यह निश्चित नहीं किया जा सकता कि इनमें से कौन सा कारण है और कौन सा उस कारण का प्रभाव है।

उत्तर- (D)/ व्याख्या समाजशास्त्री आट्टवे का शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन के संम्बन्ध में विचार था कि शैक्षिक परिवर्तन और सामाजिक परिवर्तन अन्तर-आश्रित हैं मगर यह निश्चित नहीं किया जा सकता है कि इनमें से कौन सा कारण है और कौन सा इस कारण का प्रभाव। अर्थात् शैक्षिक परिवर्तन से सामाजिक परिवर्तन होता है अथवा सामाजिक परिवर्तन के फलस्वरूप शैक्षिक परिवर्तन होता है।

10. निम्नलिखित में से आधुनिकीकरण का कौन सा लक्षण नहीं है ?
(A) धार्मिक विश्वास (B) सहभागिता
(C) सहानुभूति (D) गतिशीलता

उत्तर- (C)/ व्याख्या आधुनिकीकरण एक प्रगतिशील बल की ओर निर्देशित है जो मानवजाति को तर्कहीनता से मुक्त कराने का वादा करती है। निम्न पदों में से 'सहानुभूति' पद आधुनिकीकरण का लक्षण नहीं है। आधुनिकीकरण शिक्षा, विज्ञान व तकनीकी के प्रयोग, उत्पादन के नवीन साधनों का प्रयोग करना आदि इसके प्रमुख लक्षण हैं।

11. मूलतःस्कूल सामाजिक संस्थाएँ हैं क्योंकि
(A) वे हमारे सांस्कृतिक मूल्यों को अनुरक्षित करते हैं और भावी पीढ़ियों में उन्हें संचारित करते हैं।
(B) वे सामाजिक उन्नति के मार्गों और माध्यमों के प्रति सुझाव देते है
(C) वे सामाजिक समस्याओं के समाधान सुझाते हैं।
(D) उन्हें समाज द्वारा स्थापित किया जाता है ।

उत्तर- (A)/ व्याख्या स्कूल वास्तव में सामाजिक संस्थाएं होती के छात्र हैं। वे हमारे सांस्कृतिक मूल्यों को अनुरक्षित करते हैं और भावी पीढ़ियों में उन्हें संचारित करते हैं। इसलिए जॉन डिवी ने विद्यालय को समाज का लघु रूप कहा है। क्योंकि यह एक ऐसा स्थान होता है जहाँ अनेक जातियों धर्मों सम्प्रदायों है और मित्रवत भाव से एक साथ शिक्षा ग्रहण करते हैं। तथा उनका सामाजीकरण भी होता है। इसीलिए स्कूल को समाजीकरण का एक सशक्त साधन माना जाता है।

12. निम्नलिखित में से कौन सा कारक भारत में उर्ध्वी गतिशीलता के विरुद्ध प्रभावशाली अवरोधक है ?
(A) जाति (B) वर्ग
(C) व्यवसाय (D) नौकरी

उत्तर- (A)/ व्याख्या सामाजिक गतिशीलता के अनेक रूप हैं जिसमें ''ऊर्ध्वी'' गतिशीलता एक प्रमुख सकारात्मक सामाजिक गतिशीलता है। इसके द्वारा समाज में सकारात्मक सामाजिक बदलाव होते हैं। लोग एक दूसरे धर्मों, जातियों, संस्कृतियों के करीब आते हैं। किन्तु जाति व्यवस्था इसमें बहुत बड़ा अवरोधक है। जाति एक बन्द वर्ग है। जो अपने जाति के लोगों में ही शादी विवाह कर सकते हैं।

13. निम्नलिखित में से कौन सी रक्षात्मक प्रक्रिया नहीं है ?

(A) सहचर्यता (B) प्रतिगमन
(C) प्रतिपूर्ति (D) उदात्तीकरण

उत्तर- (A)/ व्याख्या जब व्यक्ति द्वन्द या तनाव की स्थिति में होता है तो वह स्वयं को उस स्थिति से निकालने के लिए कुछ क्रियाएं या युक्तियों को करता है जिससे उसके अहं (Ego) की रक्षा हो सके। इसे ही रक्षायुक्तियों के नाम से जाना जाता है। रक्षा युक्तियां कई प्रकार की होती है कुछ प्रमुख रक्षा युक्तियां इस प्रकार हैं -

(i) प्रतिगमन
(ii) क्षतिपूर्ति
(iii) उदातीकरण
(iv) शोधन
(v) परावर्तन
(vi) दमन आदि

अत: दिए गए विकल्पों में से सहचर्यता रक्षा युक्ति के अन्तर्गत नहीं आती।

14. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म गलत है ?

(A) अधिगम का आरओ-एस सिद्धान्त - आई.पी. पावलोव
(B) अधिगम का एस.आर सिद्धान्त - आर.गुथराई
(C) अधिगम का आर.एस सिद्धान्त - सी.आई.हल्ल
(D) अधिगम का एस ओ-आर सिद्धान्त - बी.एफ.स्किनर

उत्तर- (B)/ व्याख्या उपर्युक्त दिए गए युग्मों में से अधिगम का S-R सिद्धान्त R गुथ राई का बताया गया है जो कि गलत है। क्योंकि अधिगम का यह सिद्धान्त थार्नडाइक का है इसमें उद्दीपन व अनुक्रिया द्वारा अधिगम कराया जाता है। इनका मत है कि जब मनुष्य या जीव के समक्ष कोई उद्दीपन उत्पन्न होता है तो वह उसके प्रति अनुक्रिया करता है। उस अनुक्रिया के बार-बार दोहराए जाने पर अधिगम मजबूत हो जाता है। उनका एक नारा है- ''अनुक्रिया नहीं तो अधिगम नहीं''।

15. इस विचार को कि 'विकास के किसी पड़ाव पर कोई भी वस्तु सिखाई जा सकते हैं ' किस विचारक ने अभिव्यक्त किया था ?

(A) पियाजे (B) असोबेल
(C) ब्रूनर (D) गागने

उत्तर- (C)/ व्याख्या जेरोम ब्रूनर एक संज्ञानवादी मनोवैज्ञानिक थे अधिगम के बारे में उनका विचार था कि ''विकास के किसी भी पड़ाव पर कोई भी वस्तु सिखाई जा सकती है'' इनके अनुसार बालक के सीखने में उसकी आयु से ज्यादा महत्वपूर्ण, बालक की अधिगम शैली का महत्वपूर्ण स्थान होता है।

अत: शिक्षक किसी भी विषयवस्तु को बालक के विकास की किसी भी अवस्था में उसे सिखा सकता है।

16. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही है ?

(A) अधिगम का साइन गेस्टाल्ट सिद्धान्त - ब्रूनर
(B) अधिगम का क्लासिकी गेस्टाल्ट सिद्धान्त - कोहलर
(C) अधिगम का क्षेत्रीय सिद्धान्त - टॉलमैन
(D) अधिगम का सक्रिय सिद्धान्त - पावलोव

उत्तर- (B)/ व्याख्या अधिगम का क्लासिकल गेस्टाल्ट सिद्धान्त कोहलर ने दिया है। इस सिद्धान्त के अनुसार सीखने में चिन्तन व तर्क का प्रयोग होता है। गेस्टाल्टवादी व्यवहारवादियों द्वारा दिए गए अधिगम के नियमों की आलोचना किया और कहा कि सीखना यन्त्रवत नहीं होता बल्कि जब उसके समक्ष कोई समस्या उत्पन्न होती है तब वह उसे अपनी सूझ द्वारा हल करने का प्रयास करता है। अचानक से उसे उसकी समस्या का समाधान मिल जाता है इसे संज्ञानवादिया ने ''अहा अनुभव'' (Bold of light) की संज्ञा दी।

17. ''मुझे एक दर्जन स्वस्थ बच्चों को दीजिए, मैं उन्हें डॉक्टर, जज मैजिस्ट्रेट, भिगमंगे और यहाँ तक कि मैं उन्हें चोर भी बना सकता हूँ।'' यह टिप्पणी किसने की थी ?

(A) जे.बी वाटसन (B) हल्ल
(C) युंग (D) गुथराई

उत्तर- (A)/ व्याख्या उपर्युक्त कथन व्यवहारवादी मनोवैज्ञानिक सम्प्रदाय के प्रणेता सर जे. बी. वाटसन जी हैं। वाटसन जी ने बालकों के विकास का क्रमबद्ध अध्ययन किया और इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि बालक के विकास पर उसके वातावरण का बहुत प्रभाव पड़ता है। उन्होंने यह अध्ययन अपने स्वयं के बच्चों पर किया। ये अध्ययन के लिए बहिदर्शन विधि का प्रयोग करते थें।

18. ''एक व्यक्ति के मनोवैज्ञानिक एवं भौतिक परिवेश समान होते हैं।'' यह विचार किसका है ?

(A) कृत्यवादी
(B) संरचनावादी
(C) एस-आर सहचर्यवादी
(D) गेस्टाल्ट क्षेत्रीय मनोवैज्ञानिक

उत्तर- (C)/ व्याख्या एस. आर. साहचर्यवादी अधिगम के समर्थक मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि एक व्यक्ति का मनोवैज्ञानिक व भौतिक परिवेश अर्थात् जिस तरह व्यक्ति सोचता है उसी तरह उसका भौतिक परिवेश होता है। इसके अलावा उसका भौतिक परिवेश भी उसकी मनोवैज्ञानिक सोच को प्रभावित करता है अर्थात् व्यक्ति उसी तरह सोचता है जिस तरह उसका भौतिक परिवेश होता है।

19. विषम को हटाइए :

(A) मौलिकता
(B) समय निष्ठता
(C) लचकीलापन
(D) धारा प्रवहिता

उत्तर- (B)/ व्याख्या उपर्युक्त विकल्पों में मौलिकता, लचकीलापन तथा धारा प्रवाहित ये तीनों ही सृजनात्मकता के लक्षण है। एक सृजनशील व्यक्ति में ये तीनों गुण संयुक्त रूप से पाए जाते हैं जबकि समय- निष्ठा का सम्बन्ध सृजनात्मकता से नहीं है। क्योंकि सृजनशील व्यक्ति प्राय: अव्यवस्था को स्वीकार करने वाले होते हैं तथा समयनिष्ठ नहीं होते।

अत: समयनिष्ठा सृजनात्मकता की विशेषता नहीं है।

20. **''शब्दों की बजाय, वस्तुएँ जैसी हैं और जैसी वे जीवन में सम्मुख हो सकती हैं।'' यह नारा था**

(A) उपयोगितावादी (B) यथार्थवादी
(C) आदर्शवादी (D) क्षणभंगुरतावादी

उत्तर- (B) व्याख्या उपर्युक्त नारा यथार्थवादी सम्प्रदाय के दार्शनिकों का है। इनका शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण अत्यन्त व्यवहारवादी व यथार्थवादी है। वे जो जैसा है उसे उसके स्वाभाविक रूप का साक्षात्कार शिक्षा के द्वारा कराना चाहते थें इसके लिए वे ज्ञानेद्रियों के प्रशिक्षण पर बल देते थें तथा पुस्तकीय ज्ञान का विरोध करते थें। इनके शिक्षा की पाठ्यचर्या में व्यावहारिक ज्ञान, वैज्ञानिक विषयों का ज्ञान आदि सम्मिलित है। ये शिक्षा के काल्पनिक लक्ष्यों में विश्वास नहीं करते हैं।

21. **सन्तुलित पाठ्य चर्या इस नाम से भी प्रसिद्ध है**

(A) एकीकृत पाठ्यचर्या (B) अनुभूत पाठ्यचर्या
(C) कार्य-केंद्रित पाठ्यचर्चा (D) मूल पाठ्यचर्या

उत्तर- (A) व्याख्या पाठ्यचर्या निर्माण के अनेक सिद्धान्त व आधार हैं इनके निर्माण में समय, स्थान, उद्देश्य व व्यक्तिगत सामाजिक एवं राष्ट्रीय आवश्यकता के आधार पर इनका निर्माण व विकास किया जाता है। इसी के आधार पर पाठ्यचर्यों को अनेक भागों में बांटा गया है। इन्हीं में से पाठ्यचर्या का एक प्रकार है- 'सन्तुलित पाठ्यचर्या' जिसमें पाठ्यक्रम की रचना का आधार काफी विस्तृत होते हैं (इसके निर्माण में शिक्षक, छात्र समाज व राष्ट्र सभी बिन्दुओं को महत्व देते हुए इसकी रचना की गयी है। इसीलिए इसे एकीकृत पाठ्यचर्या के नाम से भी जाना जाता है।

22. **''विचारों की समस्त पद्धतियाँ उनके परिणामों द्वारा सत्यापित होती हैं।'' यह किस दर्शन का मूल है?**

(A) आदर्शवाद (B) क्षणभंगुरवाद
(C) उपयोगितावाद (D) यथार्थवाद

उत्तर- (D) व्याख्या ''विचारों की समस्त पद्धतियाँ उनके परिणामों द्वारा सत्यापित होती हैं'' यह विचार यथार्थवादी दर्शन का मूल है। इनके अनुसार व्यक्ति जैसे विचार करता है और जैसे क्रिया करता है इसकी झलक उसके क्रिया के परिणामों में निहित होता है।

अत: परिणामों के द्वारा व्यक्ति के कर्मों और विचारों को जाना जा सकता है।

23. **कौन सा दर्शन यह कहता है कि ''शरीर और आत्मा के बारे में अनेकों सिद्धान्तों को जानने की परवाह न कीजिए, अच्छाई कीजिए और अच्छे बनिए और ये आपको जहाँ भी है और जो सत्य है, उस ओर ले जायेंगे।''**

(A) वेदान्त (B) सांख्य (C) बौद्ध (D) उपरोक्त सभी

उत्तर- (C) व्याख्या शरीर और आत्मा के बारे में उपर्युक्त विचार बौद्ध दर्शन का है। बौद्ध दर्शन का मानना था कि मनुष्य को आत्मा, परमात्मा, जीव, जगत आदि के बारे में अनावश्यक चिन्तन, मनन करके अपनी बौद्धिक ऊर्जा व समय को अनायास जाया नहीं करना चाहिए। बल्कि इनकी चिन्ता किए बिना अच्छाई के नियमों का पालन करना चाहिए। मानव मात्र के साथ ही नहीं बल्कि पृथ्वी के समस्त जीवों से प्रेम करना चाहिए। एक दूसरे का सहयोग करना चाहिए। सहयोग, भलाई, परोपकार दया आदि पर चलते रहने पर सत्य का साक्षात्कार स्वयं हो जाता है।

24. **पूर्व अस्तित्व मूल्यों को किस के द्वारा स्वीकृत नहीं किया जाता ?**

(A) आदर्शवादी एवं क्षणभंगुरवादी
(B) आदर्शवादी और उपयोगितावादी
(C) आदर्शवादी और यथार्थवादी
(D) उपयोगितावादी और क्षणभंगुरवादी

उत्तर- (D) व्याख्या उपयोगितावादी और क्षणभंगुरवादी दर्शन किसी पूर्व निर्धारित मूल्यों में विश्वास नहीं करते। क्योंकि इनका मत है कि समय परिवर्तनशील है और समय के बदलने के साथ-साथ मानव की आवश्यकताएं, उसके विचार एवं मूल्यों आदि में भी परिवर्तन होता रहता है।

अत: ये किसी पूर्व निर्धारित शास्वत मूल्यों, मानवजीवन के उद्देश्यों आदि में विश्वास नहीं करते। अत: इनका मानना है कि सत्य परिवर्तनशील होता है। इसीलिए इस दर्शन की शिक्षा व्यवस्था में भी पाठ्यचर्या की कोई निश्चित रूप रेखा नहीं प्रस्तुत की गयी है।

25. **मूलभूत राष्ट्रीय मूल्यों को सम्मिलित किया गया है**

(A) संविधान की प्रस्तावना में
(B) संविधान की धाराओं में
(C) विषयों की सूचियों के इन्दराजों में
(D) उपरोक्त सभी

उत्तर- (A) व्याख्या संविधान की प्रस्तावना में मूलभूत राष्ट्रीय मूल्यों को सम्मिलित किया गया है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना को उसकी उद्देशिका भी कहा जाता है क्योंकि प्रस्तावना में निहित बातों से भारतीयों के व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र का दर्शन हो जाता है। इसीलिए संविधान के रचयिता डॉ. बी. आर. अम्बेडकर ने इसे संविधान की आत्मा की संज्ञा दी है।

26. **कौन सा दर्शन अस्तित्व,प्रकृति और आत्मा की द्वैतता में विश्वास रखता है ?**

(A) बौद्ध (B) सांख्य
(C) वेदान्त (D) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (B) व्याख्या सांख्य दर्शन अस्तित्व, प्रकृति व आत्मा की द्वैतता में विश्वास करता है। इसके अलावा यह विश्वास करता है कि-

- यह संसार ईश्वर द्वारा पदार्थों से निर्मित है।
- ईश्वर और जगत दोनों सत्य हैं।
- मनुष्य पदार्थ व आत्मा का योग है।
- मानव जीवन का अन्तिम उद्देश्य मुक्ति है।
- आत्मा तत्व के ज्ञान के लिए योग आवश्यक है।
- ईश्वर कर्मफल दाता है और आत्मा कर्मफल भोक्ता है।

27. **यह किसने कहा था कि ''मानव में भौतिक एवं आध्यात्मिक ज्ञान पहले से ही विद्यमान हैं जो अज्ञानता के पर्दे से ढके रहते हैं।''**

(A) प्लैटो (B) महात्मा गाँधी (C)टैगोर (D)विवेकानन्द

उत्तर- (D) व्याख्या उपर्युक्त कथन स्वामी विवेकानन्द जी का है। इनका मानना था कि मनुष्य में सभी प्रकार की भौतिक व आध्यात्मिक ज्ञान पहले से ही विद्यमान रहते हैं। किन्तु अज्ञानता के पर्दे से ढके रहते हैं। इसीलिए मनुष्य के लिए शिक्षा अनिवार्य है जिससे मानव के अज्ञानता के पर्दे हट जाये और ये संसार को उसमें वास्तविक रूप में साक्षात्कार कर सकें। विवेकानन्द जी का विचार था कि शिक्षा अन्दर से बाहर की ओर चलने वाली एक प्रक्रिया है। अर्थात् शिक्षा द्वारा ज्ञान बाहर से अन्दर की ओर नहीं डाला जाता बल्कि पहले से ही उपस्थित ज्ञान का विकास व परिमार्जन किया जाता है।

28. किस आयु समूह के बच्चे अपचार करते हैं ?

(A) 7-15 वर्ष (B) 8-18 वर्ष
(C) 6-14 वर्ष (D) 9-19 वर्ष

उत्तर- (B)/ व्याख्या 8 से 18 आयु वर्ग के बच्चों को जब उचित शिक्षा, देखभाल व मार्गदर्शन नहीं मिलता तब वे अपने मार्ग से भटक जाते हैं तब वे अनेक ऐसे कार्य करने लगते हैं जो समाज में अमान्य हैं। समाज द्वारा अमान्य इन्हीं कृत्यों को अपचार या अपराध कहते हैं। अपराध करने वाले ऐसे बालकों को बाल अपराधी की संज्ञा दी गयी है। अनाथ बच्चे या तिरस्क्रित बच्चे तथा ऐसे बच्चे जिनकी सौतेली माँ होती हैं, भग्न परिवार के बच्चे, अपराधिक क्षेत्रों में रहने वाले बच्चे आदि में यह प्रकृति पायी जाती हैं।

29. एन सी ई आर टी (NCERT) का मुख्य कार्य राज्य शिक्षा विभागों के साथ मिल कर शिक्षा का विस्तार कार्य करना है जो------ के स्तर पर केद्रित रहता है :

(A) उच्च शिक्षा (B) स्कूल शिक्षा
(C) माध्यमिक शिक्षा (D) तकनीकी शिक्षा

उत्तर- (B)/ व्याख्या NCERT की स्थापना 1 सितम्बर 1961 को की गयी। यह सरकार द्वारा स्थापित एक संस्थान है जो विद्यालयी शिक्षा से जुड़े मामलों पर केन्द्रित सरकार और प्रान्तीय सरकारों को सलाह देने के उद्देश्य से स्थापित की गयी है। यह परिषद् भारत में स्कूली शिक्षा संम्बन्धी सभी नीतियों पर कार्य करती हैं। इसका मुख्य कार्य शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय को विशेषकर स्कूली शिक्षा के सन्दर्भ में सलाह देने और नीति निर्धारण करने में मदद करने का है।

30. भारतीय शिक्षा के पाठ्यचर्या का निर्माण मुख्यतः प्रभावित होता है

(A) बाल-मनोविज्ञान (B) अध्यापक का व्यक्तित्व
(C) परिवार संरचना (D) संवैधानिक उपबन्ध

उत्तर- (D)/ व्याख्या भारतीय शिक्षा की पाठ्यचर्या का निर्माण मुख्य रूप से संवैधानिक उपबंधों से प्रभावित होता है। संविधान द्वारा भारत के 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों को शिक्षा मुफ्त एवं अनिवार्य रूप से एक कानूनी अधिकार के रूप में दिया गया है। भाषा, धर्म, जाति, लिंग व स्थानीयता के आधार पर इन्हें शिक्षा के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है। यदि ऐसा कहीं पाया जाता है तो यह अपराध की श्रेणी में आएगा। भारत एक लोकतांत्रिक देश है। जिसमें शिक्षा का उत्तरदायित्व राज्य और केन्द्र दोनों का सम्मिलित रूप से है। इसीलिए पाठ्यचर्या के निर्माण में राष्ट्रीय लक्ष्य एवं राष्ट्रीय मूल्यों को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है।

31. निम्नलिखित महान समाजशास्त्रियों में से कौन सा समाजशास्त्री था जिसने यह कहा था कि शिक्षा से समाज में परिवर्तन नहीं आता जबकि सामाजिक परिवर्तन नहीं आता जबकि सामाजिक परिवर्तन से शैक्षिक परिवर्तन आता है ?

(A) मैकडूगल (B) अरस्तू
(C) दुर्खीम (D) डीवी

उत्तर- (C)/ व्याख्या समाजशास्त्री दुर्खीम का मत था कि शिक्षा द्वारा सामाजिक परिवर्तन नहीं होता वरन् सामाजिक परिवर्तन द्वारा शिक्षा में परिवर्तन होता है। इनका तर्क था कि समय के साथ सामाजिक परिवर्तन होता रहता है। शिक्षा मानव के उद्देश्यों की पूर्ति का एक साधन है। समाज में परिवर्तन होने से उसके उद्देश्यों में भी परिवर्तन होता है जाहिर सी बात है कि बदली हुई परिस्थिति के अनुरूप शिक्षा के उद्देश्यों व पाठ्यचर्या में भी बदलाव किया जाता है।

अत: पहले सामाजिक परिवर्तन हुआ / फलस्वरूप शिक्षा में भी परिवर्तन हुआ।

32. निम्नलिखित में से किस फार्मूला से बुद्धि- लब्धि को मापा जाता है ?

(A) $\frac{M.A}{100} \times C.A$ (B) $\frac{C.A}{100} \times M.A$ (C) $\frac{M.A}{C.A} \times 100$ (D) $\frac{C.A}{M.A} \times 100$

उत्तर- (c)/ व्याख्या बुद्धिमापन का फार्मूला इस प्रकार है-

$$\text{बुद्धि लब्धि} = \frac{\text{एम. ए.}}{\text{सीए. ए.}} \times 100$$

33. स्टेनफोर्ड बिनेट स्केल से एक व्यक्ति के निम्न गुण को मापा जाता है

(A) बौद्धिक (B)सृजनात्मकता
(C)अभिवृत्ति (D) व्यक्तित्व

उत्तर- (A)/ व्याख्या स्टैनफोर्ड बिनेट टेस्ट एक बुद्धिमापनी है। इसके द्वारा व्यक्ति के बौद्धिक क्षमता का मापन किया जाता है। इसका निर्माण अमेरिका के टरमैन व सहयोगियों ने 1916, 1937 व 1960 में बिने के बुद्धि परीक्षण का अनुकूलन करके किया गया। यही अनुकूलन स्टैनफोर्ड विने टेस्ट के नाम से जाना जाता है।

34. समावेशित शिक्षा का उद्देश्य है

(A) अधिगम के मार्ग की रूकावटों से पर्दा हटाना और उन्हें न्यूनतम करना ।
(B) विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दृष्टिकोण, व्यवहार, अध्यापन ढंग और पाठ्यक्रम में परिवर्तन लाना ।
(C) स्थानीय संस्कृतियों और समाज के विभिन्न समुदायों के मूल तत्वों को बढ़ावा देना ।
(D) उपरोक्त सभी ।

उत्तर- (D)/ व्याख्या समावेशित शिक्षा, शिक्षा का एक नवीन संम्प्रत्यय है। इसमें विशिष्ट तथा सामान्य दोनों तरह के बच्चों को एक साथ शिक्षा दिया जाता है। समावेशी शिक्षा के प्रमुख उद्देश्य निम्नवत् हैं-

(I) अधिगम के मार्ग की रूकावटों से पर्दा हटाना और उन्हें न्यूनतम करना।
(II) विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दृष्टिकोण, व्यवहार, अध्यापन ढंग और पाठ्यक्रम में परिवर्तन लाना।
(III) स्थानीय संस्कृतियों और समाज में विभिन्न समुदायों के मूल तत्वों को बढ़ावा देना।
(IV) विशिष्ट बालकों का सामाजीकरण सामान्य बालकों के साथ करने में सहायता प्रदान करना।

35. निम्नलिखित में से कौन सी अवधारणा औपचारिक संगठन से सम्बंधित नहीं है ?

(A) दिशा-निर्देश की इकाई (B) आदेशों की शृंखला
(C) नियन्त्रण का विस्तार (D) संरचना में पदानुक्रम

उत्तर- (C)/ व्याख्या नियन्त्रण का विस्तार करना औपचारिक संगठन से संम्बन्धित नहीं है। औपचारिक संगठन दिशा निर्देश की एक ईकाई है। यह समय-समय पर संस्था को निर्देश देती रहती है। संगठन में पदानुक्रम के आधार पर व्यवस्थित रहती है।

36. किसने इस पर बल दिया था कि शिक्षा का उद्देश्य बच्चों में विश्व बन्धुत्व की भावना और अन्तर्राष्ट्रीय समझ का विकास होना चाहिए ?

(A) टैगोर (B) महात्मा गांधी (C)डीवी (D) रूसो

उत्तर- (A)/ व्याख्या रवीन्द्रनाथ टैगोर तत्कालीन शिक्षा व्यवस्था से संतुष्ट न थे। वे शिक्षा के स्वरूप, उद्देश्य व पाठ्यचर्या को उचित नहीं मानते थे क्योंकि इन सब का निर्धारण व निर्माण अंग्रेजों के द्वारा अपनी स्वार्थ पूर्ति के लिए किया गया था।

अत: टैगोर जी चाहते थे कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था का पुनर्निर्माण किया जाना चाहिए। भारतीय शिक्षा की नीतियां, पाठ्यक्रम व उद्देश्य आदि का निर्धारण भारतीय परिवेश व सभ्यता संस्कृति एवं दर्शन के अनुरूप किया जाना चाहिए। इसलिए टैगोर जी ने अपनी शैक्षिक व्यवस्था में इस बात पर बल दिया कि शिक्षा का उद्देश्य बच्चों में विश्व बन्धुत्व की भावना और अन्तर्राष्ट्रीय समझ की भावना का विकास होना चाहिए।

37. औपचारिक शिक्षा का मुख्य केन्द्र है

(A) घर (B) समाज
(C) रेडियों और टी.वी (D) समाचार पत्र

उत्तर- (D)/ व्याख्या औपचारिक शिक्षा वह शिक्षा है जो नियत समय, नियत स्थान, नियत व्यक्तियों द्वारा, नियत व्यक्ति को दिया जाता है। विद्यालय में दी जाने वाली शिक्षा औपचारिक शिक्षा का श्रेष्ठ उदाहरण है। इसके अलाव विद्यालय, वाचनालय, पुस्तकालय और समाचारपत्र आदि औपचारिक शिक्षा के साधन हैं।

38. सूची-A को सूची-B से सुमेलित कीजिए :

सूची-A	सूची-II
(a) रूढ़िवादी समाज	(1) परिवर्तन का ब्राह्यजनित स्त्रोत ।
(b) समाज का बंद समूह	(2) वे लक्षण जो प्रकृति में समाजिक-आर्थिक है
(c) सांस्कृतिक विसरण	(3) जाति।
(d) समाजिक स्तरीकरण	(4) एक समाज जिसमें परिवर्तन धीमा होता है और परिवर्तन आने में समय लगता है।
	(5) संस्कृति

कूटः

	a	b	c	d
(A)	4	3	5	1
(B)	4	1	2	3
(C)	4	3	1	2
(D)	2	1	5	3

उत्तर- (B)/ व्याख्या

	समाज का प्रकार		लक्षण
(a)	रुढ़िवादी समाज	–(4)	एक समाज जिसमें परिवर्तन धीमा होता है। और परिवर्तन आने में समय लगता है।
(b)	समाज का बन्द समूह	–(1)	परिवर्तन का वाह्य जनित श्रोत
(c)	सांस्कृतिक विसरण	–(2)	वे लक्षण जो प्रकृति में सामाजिक, आर्थिक है।
(d)	सामाजिक स्वीकरण	–(3)	जाति

39. निम्नलिखित में से कौन सा शिक्षा के वैयक्तिक उद्देश्यों के पक्ष में नहीं जाता ?

(A) एक व्यक्ति समाज के लिए सम्पदा है-उसका विकास और उन्नति आवश्यक है।
(B) समाज दृढ़ है यदि व्यक्ति दृढ़ है।
(C) प्रत्येक व्यक्ति अद्वितीय है, उसकी संभावनाओं का पूर्ण विकास अनिवार्य है।
(D) समाज सर्वोच्च है और सभी व्यक्ति उसके अंग हैं।

उत्तर- (D)/ व्याख्या शैक्षिक उद्देश्यों का निर्धारण कई आधार पर किया जाता है। यथा-सामाजिक आधार, राष्ट्रीय उद्देश्यों का आधार, वैयक्तिक उद्देश्यों का आधार राजनैतिक आधार व भौगोलिक आधार आदि। शिक्षा के उद्देश्यों के वैयक्तिक आधार का आशय उन उद्देश्यों से है जिसका लाभ बालक को व्यक्तिगत रूप से हो। जैसे- शारीरिक विकास, मानसिक विकास, व्यक्तित्व का विकास, नैतिक विकास आदि वैयक्तिक विकास के प्रमुख पक्ष हैं।

40. किसके अनुसार ''शैक्षिक मनोविज्ञान शिक्षा का विज्ञान है?

(A) स्किनर (B) क्रो और क्रो
(C) पील (D) पिल्ज़बर्ग

उत्तर- (B)/ व्याख्या ''शैक्षिक मनोविज्ञान शिक्षा का विज्ञान है'' यह कथन क्रो और क्रो का है।

41. परिवार बच्चे को शिक्षा प्रदान करता है

(A) औपचारिक रूप से
(B) अनौपचारिक रूप से
(C) प्रयत्न साहित
(D) नियमित रूप से

उत्तर- (B)/ व्याख्या परिवार में दी जाने वाली शिक्षा अनौपचारिक शिक्षा के अन्तर्गत आता है। परिवार बालक की प्रथम पाठशाला है। बालक की शिक्षा की दृष्टि से परिवार का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। क्योंकि बालक परिवार में रहकर अनेक ऐसी बातें सीखता है, जिसे उसकों कोई भी विद्यालय या संस्थान में सीखने को नहीं मिल सकता है परिवार में रहकर बालक अनुशासन, प्रेम, दया, परोपकार, नैतिक मूल्य सहानुभूति आदि अनेक मानवीय मूल्यों को ग्रहण करता है।

42. निम्नलिखित में से कौन सा मापदण्ड जिसे लोगों को किसी विशिष्ट वर्ग में डालने के लिए सदैव प्रयुक्त नहीं किया जाता ?

(A) नस्ल (B) धर्म

(C ज्ञान (D) सम्पदा

उत्तर- (C)/ व्याख्या निम्न में से ज्ञान एक ऐसा मापदण्ड है जिसके आधार पर लोगों को किसी विशिष्ट वर्ग में नहीं रखा जा सकता है। क्योंकि ज्ञान पर किसी भी जाति, धर्म, सम्प्रदाय, आयुवर्ग अथवा लिंग का अधिपत्य नहीं है। ज्ञान एक ऐसा गुण है जिसपर आर्थिक, सामाजिक अथवा भौगोलिक स्थिति का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। क्योंकि ज्ञान सभी जातियों धर्मों व सम्प्रदाय के लोगों में पाया जाता है।

43. निम्नलिखित में से सही कथन का चयन कीजिए:

(A) एक विद्वान को अपना विषय तैयार करने और कक्षा में जाने की आवश्यकता नहीं है ।

(B) अनुभवी अध्यापकों के लिए यह आवश्यक नहीं है कि वे क्लास में जाने से पूर्व तैयारी करें ।

(C) अध्यापक के अनुभव अथवा विद्वता का विचार किये बिना, प्रत्येक अध्यापक को क्लास में हर बार जाने से पहले तैयारी करने की आवश्यकता है।

(D) एक कुशल अध्यापक बिना तैयारी के क्लास में काम चला सकता है।

उत्तर- (C)/ व्याख्या शिक्षण पूर्व तैयारी के सन्दर्भ में एक अध्यापक को अपने अनुभव अथवा विद्वता का विचार किए बिना प्रत्येक अध्यापक को चाहिए कि वह कक्षा में जाने से पूर्व अपनी तैयारी कर लेनी चाहिए। उसे पाठयोजना, शिक्षण उद्देश्य, शिक्षण नीतियां व पाठ्यवस्तु के अनुसार शिक्षण विधियों का चयन शिक्षण पूर्व कर लेना चाहिए। क्योंकि बिना पूर्व तैयारी किए अध्यापक जब कक्षा में जाता है तब वह छात्रों तथा विषयवस्तु दोनों के साथ न्याय नहीं कर पाता फलस्वरूप बच्चों को उनके उद्देश्यों की प्राप्ति में सहयोग नहीं दे पाता है।

44. निम्नलिखित में से कौन सा एक शोध- प्रस्ताव तथा शोध- रपट दोनों में सामान्य नहीं हैं ?

(A) उद्देश्य तथा परिकल्पना

(B) आगे शोध के लिए निहितार्थ

(C) पहले किये गए शोध-सम्बंधित सन्दर्भ

(D) सूचनाओं/ आँकड़ों के स्रोत

उत्तर- (B)/ व्याख्या शोध प्रस्ताव (Research Proposal) तथा शोध रिपोर्ट (Research Report) दोनों के लेखन का उद्देश्य अलग-अलग है। किन्तु दोनों में कुछ बातें समान भी पायी जाती हैं यथा–

(I) उद्देश्य व परिकल्पना का निर्माण

(II) पहले किए गए शोध संम्बन्धी संदर्भ

(III) सूचनाओं / आंकड़ों के सन्दर्भ आदि।

किन्तु आगे (आगामी) शोध के लिए निहितार्थ दोनों में समान नहीं है क्योंकि यह केवल शोध रिपोर्ट लिखते समय लिखा जाता है।

45. जब कोई शोधकर्ता उन व्यक्तियों को अपने न्यादर्श में सम्मिलित करता है जो तैयार हैं तथा आसानी से उपलब्ध होते हैं। इस प्रकार के न्यादर्श को कहते हैं

(A) साधारण यादृच्छिक न्यादर्श (B)क़ोटा न्यादर्श

(C) बर्फ-गेंद न्यादर्श (D)आकस्मिक न्यादर्श

उत्तर- (D)/ व्याख्या जब कोई शोधकर्त्ता उन व्यक्तियों को अपने शोध में सम्मिलित कर लेता है जो शोध में शामिल होने के लिए तैयार है तथा आसानी से उपलब्ध होते हैं तो यह आकस्मिक न्यादर्शन कहलाता है। यह एक असम्भावित न्यादर्शन का एक प्रकार है। इसमें सरलता व सुगमता की प्रधानता होती है। यह न्यादर्शन का सबसे स्थूल व अपक्व विधि मानी जाती है।

46. न्यादर्श चयन की वह विधि जिसके द्वारा समष्टि के सभी वर्गों की समानुपाती सहभागिता होती है, उसे कहते हैं

(A) साधारण यादृच्छिक न्यादर्श(B) खण्डात्मक न्यादर्श

(C) उद्देश्यपूर्ण न्यादर्श (D) व्यवस्थित न्यादर्श

उत्तर- (B)/ व्याख्या खण्डात्मक न्यादर्श एक ऐसा न्यादर्श होता है जिसमें शोधकर्ता सम्पूर्ण जीव संख्या को कुछ पूर्व ज्ञात गुण या विशेषताओं के आधार पर कई स्तरों में बाँट देता है तथा प्रत्येक स्तर से एक निश्चित अनुपात में न्यादर्श ग्रहण कर लेता है। यह सम्भावित न्यादर्शन का एक प्रकार है। इसे स्तरित न्यादर्शन (Stratified sampling) के नाम से भी जाना जाता है। इससे प्राप्त न्यादर्श काफी शुद्ध होते हैं।

47. किसी शोधकर्ता के लिए निम्न में से कौन सा स्त्रोत एक प्राथमिक सूचना स्त्रोत हो सकता है ?

(A) शिक्षा-शोध का विश्वकोश

(B) एक शोध पुनरावलोकन लेख

(C) किसी व्यावसायिक पत्र में प्रपत्र

(D) किसी शोधकार्य का सारांश

उत्तर- (C)/ व्याख्या प्राथमिक सूचना का स्त्रोत का सम्बन्ध ऐतिहासिक अनुसंधानों से है। वे साधन जो घटना या व्यक्ति आदि विषय में प्रथम साक्षी का कार्य करते हैं वे प्राथमिक साधन के अन्तर्गत आते हैं। ये लिखित, मौखिक संकेतिक कलात्मक तथा अवशेष आदि किसी भी रूप में हो सकते हैं। निम्न विकल्पों में से व्यावसायिक पत्र में प्रपत्र का सम्बन्ध प्रत्यक्ष रूप से प्राथमिक सूचना से है।

48. निम्नलिखित में से कौन सा एकल अध्ययन के समान है ?

(A) देशान्तरीय अध्ययन (B)सामाजिक सर्वेक्षण

(C) धैर्य से अध्ययन करते रहना(D)अनुप्रस्थीय अध्ययन

उत्तर- (C)/ व्याख्या एकल अध्ययन (Case Study) एक ऐसा अध्ययन है जो किसी एक व्यक्ति, एक वस्तु या एक समूह अथवा एक संस्था पर किया जाता है। यह एक प्रकार का गुणात्मक अध्ययन है। फ्रायड ने एकल अध्ययन विधि का प्रयोग बहुताय रूप से मनोरोगों के अध्ययन व उपचार में किया था। यह निदानात्मक तथा उपचारात्मक दोनों परिस्थितियों में किया जाता है। इसमें अध्ययन में काफी समय लगता है।

अत: इसे करने में धैर्य की आवश्यकता होती है।

49. एक अध्यापक क्लास में पाठ्यचर्चा और अतिरिक्त पाठ्यचर्या गतिविधियों के दौरान अनुशासन बनाये रखने के लिए कठोर होता है। परन्तु अध्यापन अधिगम सम्बन्धी संशयों के स्पष्टीकरण के बारे में विचार- विमर्श का स्थान रहता है और इसी प्रकार अन्य गतिविधियों को करते हुए भी गुंजाइश रहती है। विद्यार्थियों के प्रति अध्यापक का दृष्टिकोण कैसा होना चाहिए ?

(A) आधिकारिक (B) रोमांटिक (C)लचकीला(D) कठोर

उत्तर- (C)/ व्याख्या अध्यापक को कक्षा में पढ़ाते समय या पाठ्य सहगामी क्रियाए करवाते समय कठोर होता है अन्यथा बच्चे अनुशासन भंग कर शिक्षण अथवा क्रिया कलाप में बाधा उत्पन्न कर सकते हैं। किन्तु अध्यापन अधिगम सम्बन्धी संशयों के स्पष्टीकरण के समय अध्यापक को लचीला होना चाहिए। अन्यथा बच्चे अपनी समस्या को भयवश अध्यापक के सम्मुख खुलकर नहीं रखपाते और उनकी समस्या ज्यों की त्यों बनी रहती है।

50. वेद हमें शिक्षा देते हैं कि

(A) सृष्टि का प्रारम्भ नहीं है।
(B) सृष्टि का कोई अन्त नहीं है।
(C) सृष्टि का न कोई प्रारम्भ है, और न ही कोई अन्त।
(D) सृष्टि का एक निश्चित प्रारम्भ भी है और अन्त भी ।

उत्तर- (D)/ व्याख्या भारतीय दर्शन का जन्म वेदों से माना जाता है। तत्पश्चात् पुराणों की रचना की गयी जिनकी संख्या 18 बतायी जाती है। जबकि वेदों की संख्या 4 है। भारतीय दर्शन की मुख्य विषयवस्तु वेदों से ली गयी है। वेदों के अध्ययन का सार रूप देखा जाय तो यह स्पष्ट होता है कि इस सृष्टि का न कोई प्रारम्भ है और न ही कोई अन्त।

51. निम्नलिखित अध्यापकों में से आप किसे सर्वाधिक पसंद करेंगे ?

(A) उसे जो अन्तिम उपचार के रूप में फिल्म का प्रयोग करता है।
(B) उसे जो चार्टों और नक्शों का प्रयोग करता है।
(C) उसे जो कभी- कभार ब्लैकबोर्ड का प्रयोग करता है।
(D) उसे जो बोर्ड के साथ-साथ फिल्म प्रोजेक्टर का प्रयोग करता है।

उत्तर- (D)/ व्याख्या एक अध्यापक जो ब्लैक बोर्ड के साथ-साथ फिल्म प्रोजेक्टर का प्रयोग करता है, अधिक अच्छा माना जाता है। क्योंकि सभी विषय वस्तुओं का शिक्षण मात्र प्रोजेक्टर के द्वारा नहीं किया जा सकता इसके लिए ब्लैक बोर्ड जरूरी होता है। किन्तु बहुत ऐसे विषयवस्तु व प्रकरण है जो प्रोजेक्टर और फिल्म स्ट्रिप द्वारा प्रच्छी तरह से प्रस्तुत किया जा सकता है। अत: दोनो का प्रयोग आवश्यकतानुसार करना ज्यादा उपयोगी सिद्ध होगा।

52. एक अध्ययन जिसमें किसी घटना अथवा वस्तु का प्रत्यक्ष प्रत्यक्षण किया जाता है

(A) प्रकृतिवादी अनुसंधान (B) अभ्यासी अनुसंधान
(C) घटना-क्रिया अनुसंधान (D) विवरणात्मक अनुसंधान

उत्तर- (C)/ व्याख्या वह अनुसंधान जिसमें घटना या वस्तु का प्रत्यक्षण किया जाय उसे घटना क्रिया अनुसंधान कहा जाता है। यह एक नवीन सम्प्रत्यय है। पहली बार इसका प्रयोग एडमण्ड हसल ने सन् 1913 में किया था। फेनोमेनोलाजी (घटना-क्रिया) एक दार्शनिक व वैज्ञानिक प्रणाली है। यह एक ऐसे विज्ञान की कल्पना करता है जो पूरी तरह से पूर्वाग्रह से मुक्त हो। इस तरह के अनुसंधान का केन्द्र बिन्दु मनुष्य होता है। दर्शनशास्त्र के अन्तर्गत किए जाने वाले अध्ययन फेनोमेनोलाजिकल अनुसंधान के अन्तर्गत आते हैं।

53. एक सामान्य सह-सम्बन्ध को दो चरों के बीच, तीसरे चर के प्रभाव को उनसें दूर करतें हुए, मापा गया तो उससे प्राप्य सह-सम्बन्ध को कहा जाएगा

(A) आंशिक सह-सम्बन्ध (B) अंश सह-सम्बन्ध
(C) बहु सह-सम्बन्ध (D) अभिनियमात्मक सह-सम्बन्ध

उत्तर- (A)/ व्याख्या आंशिक सह-संम्बन्ध एक ऐसा सह-संम्बन्ध है जिसमें दो चरों के बीच अध्ययन करते समय तीसरे चर के प्रभाव को उनसे दूर करते हुए मापा जाता है। जैसे एक शोधकर्ता लम्बाई तथा वजन में सह-संम्बन्ध ज्ञात करने के लिए उम्र नामक तीसरे चर को नियन्त्रित करके मापन व अध्ययन करता है तो यह आंशिक सह-संम्बन्ध का उदाहरण होगा।

54. विवरणात्मक अनुसंधान के निम्न सोपानों को सही क्रम दीजिए

a. आँकड़ों/सामग्री का संग्रह और प्रक्रिया
b. निष्कर्षों का विवेचन c. समस्या की पहचान
d. निष्कर्ष निकालना e. रिपोर्ट का लिखना
f. परिकल्पना को बनाना

(A) f c a b d e (B) f c a e b d
(C) c f a e b d (D) c f a b d e

उत्तर- (D)/ व्याख्या विवरणात्मक अनुसंधान एक ऐसा अनुसंधान है जिसमें वर्तमान हालातों को रिकार्ड किया जाता है, विश्लेषण किया जाता है तथा उनकी व्याख्या की जाती है। इसे अप्रयोगात्मक तथा सह-संम्बन्धक शोध भी कहा जाता है। इस शोध के प्रमुख सोपान क्रमशः इस प्रकार है-

c. समस्या की पहचान
f. परिकल्पना को बनाना
a. आकड़ों का संग्रह व प्रक्रिया
b. निष्कर्षों की विवेचना
d. निष्कर्ष निकालना
e. रिपोर्ट का लिखना

55. छात्रों के व्यवहार पर अध्यापकों के व्यवहार द्वारा आये प्रभाव के एक सर्वेक्षण में विचार व्यक्त करते समय एक छात्र ने कहा '' एक अध्यापक जो नियम तथा कानून का पालन नहीं करता वह किसी काम का नही होता ।'' यह कथन अध्यापक के किस व्यवहार की ओर इशारा करता है?

(A) विषय वस्तु के आदान- प्रदान में अध्यापक को दक्ष होने की आवश्यकता है।
(B) अध्यापक को सभी पहलुओं में छात्रों के लिए आदर्श बनने की आवश्यकता है।
(C) छात्रों को अज्ञाकारी होने की सलाह देने से पहले अध्यापक को स्वयं आज्ञाकारी होना चाहिए ।
(D) छात्र सभी बुरे बर्ताव अध्यापकों से सीखते हैं ।

उत्तर- (C)/ व्याख्या यदि एक छात्र कहता है कि-''एक अध्यापक जो नियम को कानून का पालन नहीं करता वह किसी के किसी काम का नहीं होता'' छात्र की उपरोक्त बात यह संकेत करती है कि छात्रों को आज्ञाकारी बनाने की सलाह देने से पहले अध्यापक को स्वयं आज्ञाकारी होना चाहिए। आदर्शवादी प्लेटों का भी शिक्षक के संम्बन्ध में यही विचार है कि अध्यापक बच्चों के सम्मुख ऐसे आदर्श प्रस्तुत करें कि बच्चे उनका अनुकरण करें। इसीलिए अध्यापक को बच्चों का आदर्श माना गया है।

56. मूल्यांकन के परिणामों की स्थिरता का मापन उनकी
(A) वस्तुनिष्ठता से होता है। (B) विश्वसनीयता से होता है।
(C) भविष्यवाणी क्षमता से होता है।(D) उपयोगिता से होता है।

उत्तर- (B)/ व्याख्या मूल्यांकन के परिणामों की स्थिरता का मापन विश्वसनीयता के द्वारा किया जाता है। एक ही परीक्षण को यदि बार-बार उसी समूह पर दोहराया जाय और प्रत्येक बार परिणाम लगभग एक जैसे हो तो ऐसे परीक्षण को विश्वसनीय परीक्षण कहा जाएगा। यदि प्रत्येक बार के परीक्षण के परिणामों में विचलनशीलता अधिक है तो ऐसे परिणामों को विश्वसनीय परिणाम नहीं माना जाएगा।

57. वर्गात्मक न्यादर्श तब अपनाया जाता है जब
(A) समष्टि में समरूपता हो।
(B) समष्टि में विषमता हो।
(C) विषिष्ट समूहों का अध्ययन करना हो।
(D) समाष्टि के आँकड़े उपलब्ध न हों ।

उत्तर- (B)/ व्याख्या जब समष्टि में विषमता होती है तब वर्गात्मक न्यादर्श (स्तरित न्यादर्शन) को अपनाया जाता है। यह एक सम्भाव्य प्रतिदर्शन है। इसमें सम्पूर्ण जीवसंख्या को उनकी कुछ ज्ञात गुण या विशेषताओं के आधार पर उन्हें कई स्तरों में बाँट दिया जाता है। फिर प्रत्येक स्तर से न्यादर्श का चयन कर लिया जाता है। वर्गात्मक न्यादर्श भी दो प्रकार के होते हैं-
(I) समानुपातिक स्तरित यादृच्छिक न्यादर्श
(II) असमानुपातिक स्तरित यादृच्छिक न्यादर्श

58. शोध प्रक्रिया आरंभ करने का पहला कदम निम्न में से कौन-सा है ?
(A) सूचनाओं के स्त्रोतों की खोज
(B) सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण
(C) शोध के व्यापक क्षेत्र की पहचान
(D) समस्याओं के हल की खोज

उत्तर- (C)/ व्याख्या किसी भी वैज्ञानिक शोध का प्रारम्भ किसी शोध समस्या के व्यापक क्षेत्र के पहचान से प्रारम्भ होती है।
अत: शोध की समस्या का चयन करना शोध का पहला कदम है। शोध समस्या की अभिव्यक्ति प्रश्नवाचक कथन के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है। एक शोध समस्या यह कथन करता है (प्रश्न) कि दो या दो से अधिक चरों के बीच कैसा सम्बन्ध होगा?

59. बच्चे द्वारा अधिकतम आत्मबोध की पूर्ति में अध्यापक का मुख्य योगदान तब हो सकता है जब
(A) बच्चे की आवश्यकताओं की निरन्तर पूर्ति हो ।
(B) कक्षा के क्रिया-कलापों पर सख्त नियन्त्रण हो ।
(C) बच्चों की आवश्यकताओं, उद्देश्यों तथा लक्ष्यों के प्रति संवेदनशीलता हो ।
(D) शैक्षिक मानकों का सख्ती से पालन हो ।

उत्तर- (C)/ व्याख्या एक अध्यापक बच्चों के अधिकतम आत्मबोध में तभी योग दे सकता है जब वह बच्चों की अवश्यकताओं, उद्देश्यों तथा लक्ष्यों के प्रति संवेदनशील हो। जब अध्यापक इन बातों को ध्यान में रखकर एक निश्चित पाठ्य योजना के आधार पर शिक्षण करता है तो बच्चों को विषयवस्तु को ग्रहण करने में आसानी होती है किन्तु जब अध्यापक कक्षा में बिना किसी रणनीति व योजना के जाता है तो वह अधिगम को आत्मबोध स्तर तक नहीं पहुँच पाता।

60. एक अध्यापक का सबसे महत्वपूर्ण गुण निम्न में से कौन सा है ?
(A) समय-बद्धता
(B) अपने विषय में महारथ
(C) विषय में महारथ तथा संचार क्षमता
(D) सामाजिक क्षमता

उत्तर- (C)/ व्याख्या एक अध्यापक भावी राष्ट्र निर्माताओं का भी निर्माता होता है और बच्चे अपने अध्यापक को ही अपना आदर्श मानते हैं ऐसे में अध्यापक में अनेक गुणों का होना अपरिहार्य है। एक अध्यापक में अनेक गुण होने चाहिए किन्तु उन गुणों में सबसे प्रमुख गुण विषय वस्तु में महारत तथा संचार क्षमता एक ऐसा गुण है जिसके बिना शिक्षण की कल्पना नहीं किया जा सकता है।
अत: यह गुण प्रत्येक अध्यापक में अनिवार्य रूप से पाया जाना चाहिए।

61. एक सोधकर्ता टाइप-1त्रुटि तब करता है जब
(A) किसी प्रक्रिया या अवधारणा को समझना।
(B) समूहों के अन्तर का अध्ययन करना।
(C) सम्बन्धों की भविष्यवाणी करना ।
(D) प्राप्तांकों के परिवर्तन की व्याख्या

उत्तर- (D)/ व्याख्या एक शोधकर्त्ता जब सत्य शून्य परिकल्पना को अस्वीकृत कर देता है तो अनुसंधान में एक दोष उत्पन्न हो जाता है। जिसे टाइप-I त्रुटि के नाम से जाना जाता है। टाइप-I त्रुटि को अल्फा त्रुटि भी कहा जाता है।

62. एक गुणात्मक शोधकार्य का मुख्य उद्देश्य है
(A) किसी प्रक्रिया या अवधारणा को समझना ।
(B) समूहों के अन्तर का अध्ययन करना ।
(C) सम्बन्धों की भविष्यवाणी करना ।
(D) प्राप्तांकों के परिवर्तन की व्याख्या करना ।

उत्तर- (A)/ व्याख्या गुणात्मक अनुसंधान का मुख्य उद्देश्य किसी प्रक्रिया या अवधारणा को समझना होता है। गुणात्मक विधि न केवल कब, कहां, कैसे की छानबीन करता है। बल्कि क्यों और कैसे की भी खोजबीन करता है। यह केवल विशिष्ट अध्ययन किए गए मामलों पर जानकारी उत्पन्न करती है इसके द्वारा प्राप्त परिणामों का सामान्यीकरण नहीं किया जा सकता है।

63. परिवार से आरम्भ होकर दी गई सामाजिक संस्थाओं की सही शृंखला क्या है ?
(A) राष्ट्र-जाति-वर्ग-प्रजाति-परिवार
(B) परिवार-वर्ग-जाति-प्रजाति-राष्ट्र
(C) परिवार-प्रजाति-जाति-वर्ग-राष्ट्र
(D) परिवार-जाति-वर्ग-प्रजाति-राष्ट्र

उत्तर- (B)/ व्याख्या मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में रहना इसका मूल स्वभाव है। मनुष्य एक साथ कई समाजों तथा समूहों का सदस्य होता है। इन सामाजिक संस्थाओं की बढ़ते हुए क्रम में सोपानीकृत व्यवस्था निम्नवत् है-
- परिवार
- वर्ग
- जाति
- प्रजाति
- राष्ट्र

64. पाठन-तत्परता परीक्षण निम्न में से किसका मापन नहीं करता ?

(A) दृश्य-विभेदनशीलता (B) वाक्य-विभेदीनशीलता
(C) आंकिक गणना (D) शब्दों/वर्गों की पहचान

उत्तर- (C) व्याख्या पाठन-तत्परता परीक्षण अनेक गुणों का मापन करता है, जैसे दृश्य विभेदनशीलता, वाक् विभेदनशीलता, शब्दों / वर्गों की पहचान तथा तत्परता आदि। किन्तु यह अंकिक गणना का मापन नहीं करती है। क्योंकि यह एक विशिष्ट प्रकार की योग्यता है। इसके लिए अलग से मापनी का प्रयोग किया जाता है।

65. निम्न में से कौन सी क्रिया ठीक प्रकार से शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के प्रबन्ध के अन्तर्गत आती है ?

(A) अध्यापकों की भर्ती
(B) समय-सारिणी का निर्माण
(C) कक्षा-कक्षों का सुसज्जन
(D) सहायक-कर्मचारियों की नियुक्ति

उत्तर- (B) व्याख्या शैक्षिक प्रबंधन के अन्तर्गत प्रशासकों को प्रशासन से संम्बन्धित अनेक कार्य करने पड़ते हैं जिसमें समय सारणी का निर्माण प्रमुख है। यह कार्य प्राय: संस्था के प्राचार्य द्वारा किया जाता है। प्राचार्य द्वारा बनाई गयी इस समय-सारणी का पालन सभी को करना पड़ता है। समय-समय पर प्राचार्य अवश्यकता अनुसार समय सारणी में फेर-बदल भी करता है। इसके लिए कभी-कभी वह प्रबंधक या वरिष्ठ अध्यापकों की सलाह भी लेता है।

66. यदि कोई छात्र कक्षा में आपके प्रश्न का उत्तर देने में असफल रहता है, तो आप उसे

(A) सजा देंगे।
(B) बैठने को कहेंगे ।
(C) उत्साहित करने का प्रयास करेंगे ।
(D) प्रश्न को दूसरे छात्र से पूछेंगे ।

उत्तर- (C) व्याख्या यदि कोई छात्र शिक्षक द्वारा पूछे गए किसी प्रश्न का उत्तर देने में असफल रहता है तो उसे अध्यापक द्वारा उत्साहित किया जाना चाहिए। शैक्षिक तकनीकी की भाषा में इसे ''उत्तर देने के लिए प्रेरित करना भी कहा जाता है। यह एक प्रकार का पुनर्बलन है। एक अध्यापक को कक्षा में प्रश्न पूछने तथा उत्तर देने के लिए छात्रों को उत्साहित करते रहना चाहिए। इससे बच्चों का ध्यान विषयवस्तु पर केन्द्रित रहता है तथा पढ़ने में रुचि लेते हैं।

67. किस सांख्य की मानक त्रुटि

(A) न्यादर्श-आधारित दोलन की माप है।
(B) मापन त्रुटि की माप है।
(C) भविष्यवाणी में त्रुटि की माप है।
(D) व्यवस्थित परिवर्तन की माप है।

उत्तर- (A) व्याख्या किसी सांख्यिकी मानक त्रुटि न्यादर्श आधारित दोलन की माप है। वास्तव में सांख्यिकी और प्राचल के बीच के अन्तर को मानक त्रुटि कहा जाता है। इसको निम्न सूत्र से ज्ञात किया जा सकता है-

साख्यिकी – प्राचल = मानक त्रुटि

68. निम्न में से कौन सा, दूसरे तीनों की अपेक्षा, सह-सम्बन्ध की अधिक त्रुटि-रहित माप प्रदान करता है?

(A) स्पीयर मैन का रो
(B) बाइसीरियल सह- सम्बन्ध
(C) केन्डाल का टाऊ
(D) प्रोडेक्ट -मोमेन्ट विधि

उत्तर- (D) व्याख्या सांख्यिकी में सह-संम्बन्ध जानने की अनेक विधियां हैं। निम्नलिखित विधियों ने प्रोडक्ट मोमेण्ट विधि सह-संम्बन्ध ज्ञात करने की सबसे अधिक शुद्ध (त्रुटि रहित) विधि है। सह-संम्बन्ध यह बतलाता है कि दो चरों का आपस में कैसा सह-सम्बन्ध है तथा एक के बदलने पर दूसरे में क्या परिवर्तन होगा। यह संम्बन्ध सकारात्मक या नकारात्मक कुछ भी हो सकता है।

69. लोकतान्त्रिक अध्यापक वह है जो

(A) अपने विद्यार्थियों की समाज आर्थिक पृष्ठभूमि को समझने का प्रयास करता है।
(B) अपनी क्लास के पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों से भी स्नेह करता है।
(C) अपने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए गैरसम्बंधित प्रश्नों को भी सहन करता है।
(D) विद्यार्थियों के शरारती एवं आक्रमक व्यवहार को भी सहन करता है।

उत्तर- (D) व्याख्या एक लोकतांत्रिक अध्यापक वह होता है जो विद्यार्थी के शरारती एवं आक्रमक व्यवहार को भी सहन करता है। क्योंकि बच्चों को अपने भले बुरे की पहचान नहीं होती है और कक्षा में अनुशासनहीनता कर देते हैं। अध्यापक को उनके व्यवहार के कारणों का पता लगाना चाहिए तथा उन कारणों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। इसीलिए अध्यापकों के लिए बाल-मनोविज्ञान का ज्ञान आवश्यक होता है जिससे कि वे बच्चों के साथ ऐसा व्यवहार करें कि उनमें सुधार हो।

70. निम्नलिखित व्यवहारों में से उस व्यवहार का चयन कीजिए जो एक अध्यापक का व्यावसायिक शिष्टाचार है ।

(A) ऐसे विद्यार्थी को अवहेलना करना जो एक प्रश्न का दो बार उत्तर देना चाहता हो।
(B) अपने सहकर्मी अध्यापिका से अपरिहार्य अवस्था में उसकी क्लास के पाँच मिनट अधिक लेने पर क्षमा याचना करना ।
(C) क्लास में देरी से पहुँचना और विद्यार्थियों को इसके लिए कोई उचित बहाना न बतलाना ।
(D) पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए अतिरिक्त क्लासें लेना ।

उत्तर- (B) व्याख्या एक अध्यापक कक्षा में यदि शिक्षण कार्य कर रहा और किसी अपरिहार्य कारणवश 5 मिनट का समय अपनी सहकर्मी शिक्षिका का लेता है तो ऐसी अवस्था में एक आदर्श अध्यापक को शिष्टाचार दिखाते हुए अपनी सहकर्मी से माफी माँग लेनी चाहिए कि आपका कीमती समय मैंनें ले लिया इसके लिए हमें क्षमा करें। अध्यापक का ऐसा करना उसके सहकर्मी तथा बच्चों पर उसके व्यक्तित्व का धनात्मक प्रभाव पड़ता है।

71. अपनी क्लास से घनिष्टता स्थापित करने का सर्वोत्तम ढंग है कि

(A) अपने पद और आयु के अनुसार सत्कार की माँग करना ।
(B) अपने ज्ञान और कौशल से विद्यार्थियों को प्रभावित करना ।
(C) जो विद्यार्थी सहायता चाहते हैं, उनके लिए पथ-प्रदर्शक की भूमिका को निभाना ।
(D) एकाकी रहना, अधिकारी की मूर्ति बने रहना।

उत्तर- (C) व्याख्या एक अध्यापक को अपनी कक्षा से घनिष्ठता स्थापित करने का सर्वोत्तम ढंग यह है कि जो विद्यार्थी सहायता चाहते हैं उनके लिए शिक्षक पथ-पदर्शक की भूमिका निभाए। इससे बच्चे शिक्षक से व्यक्तिगत जुड़ाव महसूस करते हैं। इसके अलावा कक्षा में अध्यापक में लोकप्रियता में वृद्धि भी होती है।

72. अध्यापक को- ''मित्र, दार्शनिक और पथ-प्रदर्शक'' कह कर गौरवन्वित किया गया है क्योंकि

(A) समाज के संदर्भ में इन सभी महत्वपूर्ण भूमिकाओं को निभाना पड़ता है।
(B) वह क्लासरूम में बैठे युवा विद्यार्थियों में उच्च मूल्यों का संचार करता है।
(C) वह एक महान सुधारक एवं राष्ट्र का देशभक्त रक्षक है।
(D) उपरोक्त सभी।

उत्तर- (B) व्याख्या शिक्षा दार्शनिकों ने एक अध्यापक को बच्चों का मित्र, दार्शनिक और पथ प्रदर्शक कहकर गौरान्वित किया है। क्योंकि वह कक्षा में बैठे युवा विद्यार्थियों में उच्च मूल्यों का संचार करता है। एक शिक्षक बच्चों के लिए सामाजिक परिवर्तन के अग्रदूत के रूप में होता है। शिक्षक बच्चों को सामाजिक गतिशीलता के लिए प्रेरित करता है। इसके अलावा शिक्षक समाज में व्याप्त रूढ़ियों व अंधविश्वास के प्रति छात्रों में सही दृष्टिकोण विकसित करने में छात्रों की मदद करता है।

73. परिवर्तनशीलता के निम्नलिखित मापकों का सही क्रम बिठाइए

1. मानक विचलन
2. परिप्रेक्ष्य
3. चतुर्थक विचलन
4. औसत विचलन

(A) 2,4,3,1
(B) 2,3,4,1
(C) 4,3,2,1
(D) 4,2,3,1

उत्तर- (A) व्याख्या परिवर्तनशीलता (विचलनशीलता) का सही क्रम इस प्रकार है-
(2) परिप्रेक्ष्य
(4) औसत विचलन
(3) चतुर्थांक विचलन
(1) मानक विचलन

74. एक प्राप्त अंकों का वितरण नकारात्मक रूप से विषय था । यह कहा जा सकता है कि

(A) माध्य और मध्यम एक रूप हैं।
(B) माध्य मध्यम से की अपेक्षा अधिक है।
(C) माध्य मध्यम से कम है।
(D) ऐसा कोई सम्बन्ध नहीं है।

उत्तर- (A) व्याख्या एक प्राप्त अंकों का वितरण नकारात्मक रूप से विषम होने का तात्पर्य यह है कि माध्य, मध्यम की अपेक्षा अधिक है।

75. निम्नलिखित में से कौन सी विधि को सम्भाविता न्यादर्श विधि नहीं कहा जा सकता ?

(A) सामान्य यादृच्छिक नमूना
(B) कोटा नमूना
(C) स्तरीकरण नमूना
(D) व्यवस्थित नमूना

उत्तर- (B) व्याख्या कोटा नमूना, असम्भावित न्यादर्शन का एक प्रकार है। ऊपर से तो यह देखने में स्तरित न्यादर्शन जैसा लगता है क्योंकि इसमें भी जीव संख्या की कुछ ज्ञात गुण सा विशेषताओं के आधार पर जीव-संख्या को कई स्तरों में बाँट दिया जाता है फिर प्रत्येक स्तर से न्यादर्श का चयन कर लिया जाता है। अन्तर सिर्फ इतना है कि इसमें प्रत्येक स्तर से न्यादर्शन का चुनाव मनमाने ढंग से किया जाता है न कि यादृच्छिक ढंक से। इसमें शोधकर्ता किसी ईकाई को न्यादर्श में शामिल करने का निर्णय स्वयं लेता है इसलिए इसे निर्णायक न्यादर्श भी कहा जाता है।

UGC NET/ J.R.F. EXAM

प्रश्न-पत्र II शिक्षाशास्त्र

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक (2) अंकों के है। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. निम्नलिखित में से कौन सी दार्शनिक विचारधारा सामाजिक सहभागिता के साथ छात्रों की क्षमताओं, रुचियों तथा आदतों का एकीकरण करती है?

(A) प्रयोजनवाद (B) यथार्थवाद

(C) प्रकृतिवाद (D) आदर्शवाद

उत्तर- (A) व्याख्या प्रयोजनवाद का विचार है कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में पैदा होता है तथा समाज में ही समाप्त हो जाता है। मनुष्य का सामाजिक वातावरण सदैव बदलता रहता है। अत: शिक्षा द्वारा बालक में ऐसी शक्तियों का विकास किया जाना चाहिए जिससे वे अपने सामाजिक पर्यावरण को समझ सके। इसीलिए शिक्षा में प्रयोजनवाद के प्रणेता जॉन डीवी महोदय ने कहा कि शिक्षा का पहला उद्देश्य सामाजिक कुशलता का विकास होना चाहिए। इसमें बालक की सामाजिक सहभागिता, प्रेम, सहानुभूति, सहयोग से जीवन व्यतीत करने की योग्यता को स्थान दिया है।

2. निम्नलिखित में से किस पर टैगोर, गांधी तथा अरविंद समान रूप से विश्वास रखते थे?

(A) आत्म-निर्भरता (B) अंतर्राष्ट्रीय सद्भाव

(C) बच्चों का समाजीकरण (D) राष्ट्रीय चरित्र

उत्तर- (C) व्याख्या भारतीय शिक्षा शास्त्रियों में टैगोर, गाँधी व अरविन्द प्रमुख हैं। इनके शिक्षा सम्बन्धी विचार आज भी भारतीय शिक्षा व्यवस्था में दृष्टिगत होते हैं। कुछ बिन्दुओं पर इनके विचार भिन्न है तथा कुछ में समान है। दिए गए कथनों में से बच्चों का सामाजीकरण के पक्ष में ये तीनों विचारक एकमत हैं। इनका विचार था कि शिक्षा के द्वारा बच्चों का सामाजीकरण किया जाना चाहिए तभी एक स्वस्थ्य लोकतंत्र की कल्पना की जा सकती है।

3. भगवान बुद्ध द्वारा बतलाए गए निम्नलिखित आर्य-सत्यों को उपयुक्त क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

(i) दुःख जीवन की वास्तविकता है।

(ii) प्रत्येक दुःख का एक कारण होता है।

(iii) दुःखों से मुक्ति संभव है।

(iv) प्रत्येक दुःख का उपचार है।

कूटः (A) (i), (iii), (iv), (ii) (B) (i), (ii), (iv), (iii)

(C) (ii), (iv), (iii), (i) (D) (iii), (ii), (iv), (i)

उत्तर- (B) व्याख्या भगवान बुद्ध द्वारा बताए गए चार आर्य सत्यों का व्यवस्थित क्रम इस प्रकार है-

(I) दु:ख जीवन की वास्तविकता है।

(II) प्रत्येक दु:ख का एक कारण होता है।

(IV) प्रत्येक दु:ख का उपचार है।

(III) दु:खों से मुक्ति सम्भव है।

4. आजकल शिक्षा में आई सी टी पर बहुत जोर दिया जाता है– यह निम्नलिखित में से किसका निहितार्थ है?

(A) यथार्थवाद (B) तार्किक विश्लेषण

(C) प्रयोजनवाद (D) मार्क्सवाद

उत्तर- (B) व्याख्या आधुनिक शिक्षा व्यवस्था के अन्तर्गत विद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों ने आई. सी. टी. पर बहुत जोर दिया जा रहा है। आई. सी. टी. तार्किक विश्लेषण पर आधारित है। जिसमें उपकरणों के माध्यम से शिक्षण-अधिगम को और अधिक प्रभावशाली बनाकर बच्चों को उनके उद्देश्यों की पूर्ति में सहायता प्रदान की जाती है।

5. 'शिक्षा दर्शन का गत्यात्मक पक्ष है' इस कथन का अर्थ है

(A) किसी वैचारिक आधार से विहीन शिक्षा चल नहीं सकती।

(B) शिक्षा का अंतिम लक्ष्य दार्शनिक विवेक सिखाना है।

(C) शिक्षा दर्शन को गति प्रदान करती है।

(D) शिक्षा सैद्धान्तिक मतों को व्यावहारिक रूप प्रदान करती है।

उत्तर- (B) व्याख्या 'शिक्षा दर्शन का गत्यात्मक पक्ष है' इस कथन का आशय है कि- शिक्षा का अन्तिम लक्ष्य दार्शनिक विवेक सिखाना है। क्योंकि शिक्षा के द्वारा हममे निरीक्षण व चिन्तन शक्ति का विकास होता है और जीवन की नई-नई समस्याओं के प्रति हमें संवेदनशील बनाती है। इन समस्याओं के समाधान की क्रिया में नए-नए दार्शनिक सिद्धान्तों का निर्माण होता है।

अत: शिक्षा के अभाव में दर्शन का विकास सम्भव नहीं है। इस प्रकार शिक्षा दर्शन को गतिशील रखती है।

6. हम गांधीजी को आदर्शवादी कह सकते हैं क्योंकि

(a) वे मानते थे कि सत्य परम-मूल्य है।

(b) उन्होंने चरित्र-निर्माण पर बल दिया।

(c) उनके विचार से शिक्षा का अर्थ सर्वोत्तम को बाहर लाना है।

(d) वे शिक्षा को सामाजिक क्रांति के साधन के रूप में देखते थे।

उत्तर- (B) व्याख्या गांधी जी किसी एक दार्शनिक सम्प्रदाय को नहीं मानते थें। वे आदर्शवाद, प्रकृतिवाद व प्रयोजनवाद आदि दर्शनों से प्रभावित थें। इसीलिए उनके शिक्षा संम्बन्धी विचार में अनेक दार्शनिक विचार परिलक्षित होते हैं। गांधी जी ने अपने शिक्षा के उद्देश्यों में चारित्रिक विकास पर बल दिया है और कहा कि एक उत्तम चरित्र में सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य अस्वाद, अपरिग्रह और निर्भयता-इन गुणों का होना आवश्यक है। इसी विचार के कारण गांधी जी को आदर्शवादी कहा गया है।

7. वेदान्त सूत्र : ब्रह्म सत्य जगत् मिथ्या का शैक्षिक निहितार्थ क्या है?

(A) व्यक्तिगत सत्य की खोज शिक्षा का चरम लक्ष्य है।
(B) हर प्रकार की शिक्षा का अंतिम उद्देश्य आध्यात्मिकता है।
(C) छात्रों को दुनियादारी का परित्याग करने की हिदायत देना चाहिए।
(D) शिष्यों को गुरु के आदर्श का अनुसरण करना चाहिए।

उत्तर- (B)/ व्याख्या वेदान्त दर्शन में शंकराचार्य जी ने कहा कि - ब्रह्म सत्य जगत मिथ्या अर्थात् इस जगत का निर्माण होता है और नाश भी होता है इसलिए यह असत्य और अनित्य है। इनके अनुसार केवल ब्रह्म ही सत्य है और नित्य है। इसका शैक्षिक निहतार्थ यह है कि हर प्रकार की शिक्षा का अन्तिम उद्देश्य आध्यात्मिकता है।

8. इस्लामी ज्ञानमीमांसा की धारणा निम्नलिखित में से कौन सी है?

(A) सत्य ज्ञान कालिक होता है।
(B) अन्तर्ज्ञान तब तक वास्तविक नहीं है जब तक वह धर्मग्रंथों द्वारा पुष्ट नहीं हो।
(C) व्यक्तिगत अनुभव ज्ञान का मुख्य स्रोत है।
(D) तर्क पर आधारित ज्ञान सार्वभौमिक रूप में सत्य होता है।

उत्तर- (B)/ व्याख्या इस्लामी ज्ञानमीमांसा के अनुसार अन्तर्ज्ञान तब तक वास्तविक नहीं है जब तक वह धर्म ग्रन्थों द्वारा पुष्ट न हो जाये। इस्लाम दर्शन एक धार्मिक दर्शन है इसका आधार कुरान हदीस है। इस्लाम दर्शन केवल उन्हीं बातों को सत्य मानता है जो कुरान में है कुरान इनका मूल दर्शन का आधार है।

9. निम्नलिखित में से कौन सा तार्किक प्रत्यक्षवाद का निहितार्थ है?

(A) छात्रों को अंतिम वास्तविकता से अवगत होना चाहिए।
(B) एक शिक्षक को सकारात्मक अभिवृत्ति की आदर्श-मूर्ति होना चाहिए।
(C) भाषा का विश्लेषण शिक्षा का केंद्रीय भाग होना चाहिए।
(D) तत्त्वमीमांसात्मक पक्षों को अनिवार्यतः जीवन-सिद्धांतों में परिवर्तित करना चाहिए।

उत्तर- (B)/ व्याख्या तार्किक प्रत्यक्षवाद का यह निहितार्थ है कि एक शिक्षक को सकारात्मक अभिवृत्ति की आदर्श मूर्ति होना चाहिए। इनका तर्क था कि बालक अपने अध्यापकों से प्रभावित होते हैं तथा उनका अनुकरण करते हैं। अनुकरण करना उनकी प्रवृत्ति है इसलिए शिक्षक को सदैव अनुकरणीय व्यवहार करना चाहिए।

10. अरविंद के शैक्षिक चिंतन को 'समग्र - शिक्षा' क्यों कहा जाता है?

(A) क्योंकि यह भारतीय तथा पाश्चात्य चिंतन को एकीकृत करता है।
(B) क्योंकि यह बच्चों के किसी भी शारीरिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक आयाम की उपेक्षा नहीं करता।
(C) क्योंकि यह मानता है कि सत्य अंतर्जात होता है और इसलिए कोई भी चीज सिखाई नहीं जा सकती।
(D) यह हमें प्रकृति तथा ईश्वर के साथ सद्भाव रखकर जीना सिखाता है।

उत्तर- (B)/ व्याख्या श्री अरविन्द गीता के अनन्य भक्त थें इन्होंने गीता के कर्मयोग, ज्ञान योग की वैज्ञानिक व्याख्या की है। श्री अरविन्द मानव को आत्मतत्व में लीन होने का उपदेश नहीं देते बल्कि ये शिक्षा द्वारा मानव को अज्ञान, अंधकार और मृत्यु से प्रकाश और अमरत्व की ओर ले जाना चाहते थें। इसीलिए इनकी विचारधारा को 'सर्वांग योग दर्शन' कहा जाता है। क्योंकि यह बच्चों की किसी भी शारीरिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक आयाम की उपेक्षा नहीं करता।

11. सूची-I के मदों को सूची-II के मदों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(I) आदर्शवाद	(1) स्वतः शोधात्मक उपागम
(II) यथार्थवाद	(2) निगमनात्मक विधि
(III) प्रयोजनवाद	(3) प्रयोगात्मक अधिगम
(IV) प्रकृतिवाद	(4) आगमनात्मक विधि

कूटः

	I	II	III	IV
(A)	3	4	1	2
(B)	4	3	1	2
(C)	2	4	3	1
(D)	2	3	4	1

उत्तर- (C)/ व्याख्या

	सूची-I	सूची-II
(I)	आदर्शवाद	-(2) निगमनात्मक विधि
(II)	यथार्थवाद	-(4) आगमनात्मक विधि
(III)	प्रयोजनवाद	-(3) प्रयोगात्मक विधि
(IV)	प्रकृतिवाद	-(1) स्वत: शोधात्मक उपागम

12. निम्नलिखित में से कौन अस्तित्ववाद का एक ज्ञानमीमांसात्मक सिद्धांत है?

(A) ज्ञान वस्तुओं तथा विचारों में होता है।
(B) ज्ञान भावात्मक तथा अंतर-वैयक्तिक है।
(C) ज्ञान कालिक तथा संज्ञानात्मक होता है।
(D) कुछ भी ज्ञेय नहीं है।

उत्तर- (B)/ व्याख्या अस्तित्ववाद की ज्ञान मीमांसा में ज्ञान को पारिभाषित करते हुए कहा गया है कि ज्ञान भावात्मक तथा अंतर-वैयक्तिक है। अस्तित्ववादी सहज ज्ञान में विश्वास करते हैं। इनका मत है कि व्यक्ति के अनुभव से प्राप्त ज्ञान ही सच्चा ज्ञान है। सत्य व्यक्ति का आत्मपरक, यथार्थ, आत्मानुभूति की उच्चतम व्यवस्था है। यह अमूर्त की परिणति स्वरूप है।

13. निम्नलिखित में से कौन विद्यालय की सामाजिक कार्यशैली का सर्वाधिक फलदायी सिद्धांत है?

(A) ताटस्थ्य (स्वेच्छाचार)
(B) न्यायसंगत लोकतंत्र
(C) अनुनय तथा अनुमति के बीच का मध्यमार्गीय लोकतंत्र
(D) निरंकुशता तथा ताटस्थ्य के बीच का मध्यमार्गीय लोकतंत्र

उत्तर- (C) व्याख्या- अनुनय तथा अनुमति के बीच का मध्य मार्गीय लोकतंत्र किसी विद्यालय की सामाजिक कार्यशैली का सर्वाधिक फलदायी सिद्धान्त है। एक लोकतान्त्रिक शिक्षा व्यवस्था का यह सबसे उपयुक्त कार्यशैली है।

14. यद्यपि समाजशास्त्र के निम्नलिखित चार व्याख्याताओं ने समाजशास्त्रीय विचारों पर गहन प्रभाव डाला है, तथापि ये सभी सही अर्थ में समाजशास्त्री नहीं थे। इनमें से केवल एक ही यथार्थतः समाजशास्त्री था। वह कौन है?

(A) सिग्मण्ड फ्रायड (B) कार्ल मार्क्स
(C) चार्ल्स दुर्खीम (D) एमिल दुर्खीम

उत्तर- (D) व्याख्या- निम्नलिखित विकल्पों में एमिल दुर्खीम ही समाजशास्त्री है जबकि सिग्मण्ड फ्रायड मनोवैज्ञानिक है तथा कार्लमार्क्स राजनैतिक विचारक है।

15. समाजमिति की सहायता से एक शिक्षक को यह पता लगता है कि उसकी कक्षा में गुट, समूह, तारक, अन्योन्य तथा विलग हैं। विलग कौन होता है?

(A) वह जिसे अधिसंख्यक सहपाठी पसंद करते हैं।
(B) वह जिसे कोई सहपाठी पसंद नहीं करता।
(C) वह जिसे कोई पसंद नहीं करता, न ही वह किसी को पसंद करता है।
(D) वह जो किसी को पसंद करता है तथा वह दूसरा भी उसे पारस्परिक रूप में पसंद करता है।

उत्तर- (B) व्याख्या- समाजमितिय विधि मापन की एक समाजशास्त्री विधि है इसके द्वारा किसी समूह में व्यक्ति की पसन्द,नापसन्द तथा उसकी लोकप्रियता का मापन किया जाता है। जिसमें अधिक पसन्द किया जाने वाला तारक (तारा) कहा जाता है तथा जिसे कोई सहपाठी पसन्द नहीं करता उसे विलग कहा जाता है।

16. सामाजिक स्तरीकरण के लिए भारत में निम्नलिखित में से कौन जिम्मेदार है?

(A) गरीबी (B) वर्ग व्यवस्था
(C) निरक्षरता (D) सामाजिक-आर्थिक दर्जा

उत्तर- (C) व्याख्या- भारत के परिप्रेक्ष्य ने सामाजिक स्तरीकरण के लिए निरक्षरता सर्वाधिक जिम्मेदार है। क्योंकि बिना पढ़े-लिखे व्यक्ति का आर्थिक विकास नहीं होता है। उसका रहन-सहन, खान-पान एवं जीवन स्तर बहुत निम्न हो जाता है। इसलिए समाज में इनका स्तर काफी निम्न हो जाता है।

17. निम्नलिखित में से किन्हें प्रगतिशील सामाजिक परिवर्तन माना जाता है?

(I) घर तथा विद्यालय द्वारा लाए गए परिवर्तन
(II) प्राकृतिक आपदाओं द्वारा उत्पन्न परिवर्तन
(III) सामाजिक संगठनों द्वारा लाए गए परिवर्तन
(IV) युद्धों द्वारा उत्पन्न परिवर्तन

कूटः

(A) I तथा II सही हैं। (B) I तथा III सही हैं।
(C) II तथा III सही हैं। (D) II तथा IV सही हैं।

उत्तर- (B) व्याख्या- समय परिवर्तनशील है। समय के साथ समाज में भी परिवर्तन होता रहता है। परिवर्तन संसार के प्रत्येक समाज में पाया जाता है किन्तु प्रत्येक समाज के परिवर्तन की गति अलग-अलग है। परिवर्तन के अनेक उपागम है कुछ प्रमुख प्रगतिशील सामाजिक परिवर्तन इस प्रकार है-

(I) घर तथा विद्यालय द्वारा लाए गए परिवर्तन
(II) सामाजिक संगठनों द्वारा लाए गए परिवर्तन

18. निम्नलिखित में से कौन 'सांस्कृतिक पिछड़ापन' को प्रत्यक्षतः प्रभावित करता है?

(A) सामाजिक परिवर्तन मंद गति से हो रहे हैं।
(B) सामाजिक परिवर्तन सामंजस्यपूर्ण गति से हो रहे हैं।
(C) सामाजिक परिवर्तन नियमित धीरे गति से हो रहे हैं।
(D) सामाजिक परिवर्तन तीव्र गति से हो रहे हैं।

उत्तर- (A) व्याख्या- जिस समाज में सांस्कृतिक पिछड़ापन होता है उस समाज की सामाजिक परिवर्तन की गति बहुत मंद जो जाती है। क्योंकि ऐसे समाज में लोगों में परिवर्तन को स्वीकार करने तथा परिवर्तन का नेतृत्व करने की क्षमता बहुत कम होती है। यही कारण है कि बन्द समाज तथा ऐसे समाज जिनमें शिक्षा का अभाव है उनका सामाजिक परिवर्तन की गति बहुत धीमी होती है। शिक्षा द्वारा व्यक्ति में परिवर्तन का नेतृत्व तथा उसे स्वीकार करने की क्षमता का विकास किया जा सकता है।

19. शिक्षा के दार्शनिक, समाजशास्त्रीय तथा मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर विश्वास रखने वाले एक आधुनिक समाज का लक्ष्य क्या है?

(A) आचारशास्त्रीय तथा नैतिक रूप में सबल समाज की स्थापना।
(B) सभी के लिए सुरक्षा, समृद्धि तथा सामाजिक कल्याण के लिए प्रयास।
(C) सभी शिक्षार्थी (शिक्षा प्राप्त करने वालों) को 'दैवमानव' (मानव + देवी) में रूपांतरित करना।
(D) सभी क्षेत्रों में हो रहे परिवर्तनों को अन्य देशों के पहले स्वीकार करना।

उत्तर- (B) व्याख्या- शिक्षा के दार्शनिक, समाजशास्त्रीय तथा मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों पर विश्वास रखने वाले एक आधुनिक समाज का प्रमुख लक्ष्य सभी के लिए सुरक्षा, समृद्धि तथा सामाजिक कल्याण के लिए प्रयास है।

20. बच्चों में बुद्धिमत्तापूर्ण समझ को विकसित करने के लिए एक शिक्षक को किन अभिलक्षणों की आवश्यकता होती है?

(I) विविध संस्कृतियों तथा उप-संस्कृतियों का ज्ञान।
(II) प्रगतिशील होना तथा खुली मानसिकता रखना।
(III) अपने विषय का गहन ज्ञान होना।
(IV) अपने विषय-क्षेत्र में उच्च शैक्षिक योग्यता होना।

कूटः (A) I तथा II की आवश्यकता होती है।
(B) II तथा III की आवश्यकता होती है।
(C) III तथा IV की आवश्यकता होती है।
(D) IV तथा I की आवश्यकता होती है।

उत्तर- (B)/ व्याख्या शिक्षण एक जटिल प्रक्रिया है। बच्चों में बुद्धिमत्तापूर्ण समझ को विकसित करने के लिए एक शिक्षक को निम्नलिखित अभिलक्षणों की अवश्यकता होती है-
(I) प्रगतिशील होना तथा खुली मानसिकता रखना।
(II) अपने विषय का ज्ञान होना
(III) अध्यापक संचार कौशल में योग्य हो
(IV) भाषा पर पकड़ होनी चाहिए

21. निम्नलिखित में से कौन सा एक अवरूद्ध समाज का उदाहरण है?

(A) ऐसा समाज जिसमें लोग रूढ़िवादी हों।
(B) ऐसा समाज जिसमें अंतर-जातीय विवाह पर प्रतिबंध हो।
(C) ऐसा समाज जिसमें लोग निरक्षर हों।
(D) ऐसा समाज जिसमें लोग गरीब हों।

उत्तर- (A)/ व्याख्या एक ऐसा समाज जिसमें लोग रूढ़िवादी होते हैं वह एक अवरूद्ध समाज कहलाता है। ऐसे समाज में सामाजिक परिवर्तन की गति बहुत ही मन्द होती है। इनमें परिवर्तन का नेतृत्व करने तथा परिवर्तन को ग्रहण करने की क्षमता का अभाव होता है। ऐसे समाज में धार्मिक मान्यताओं व रूढ़ियों का बोलबाला होता है। प्राय: ऐसे समाज की शिक्षा व्यवस्था की उत्कृष्ट नहीं होती है।

22. चरित्र शिक्षा पर निम्नलिखित में से एक कथन अनेक शैक्षिक समाजशास्त्रियों द्वारा स्वीकार्य है। वह कथन कौन सा है?

(A) धार्मिक तथा मत-मतान्तर परक सिद्धान्तों के बिना चरित्र-शिक्षा असम्भव है।
(B) युवाओं को तय-शुदा निर्णयों को देकर चरित्र-शिक्षा को सर्वोत्तम रीति से संचालित किया जा सकता है।
(C) नैतिक मुद्दों का प्रत्यक्ष विवेचन चरित्र शिक्षा में शामिल होना चाहिए।
(D) चरित्र शिक्षा केवल धार्मिक संस्थाओं तथा घर का क्षेत्र है।

उत्तर- (A)/ व्याख्या अनेक समाजशास्त्रियों ने बालकों की शिक्षा के सम्बन्ध में अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए हैं। इनमें वैचारिक विविधता व समानता दोनों पाया जाता है। चरित्र शिक्षा बालक की शिक्षा का एक ऐसा बिन्दु है जिस पर लगभग सभी समाजशास्त्री एक मत है और उनका मानना है कि धार्मिक तथा मत-मतान्तर परक सिद्धान्तों के बिना चरित्र शिक्षा असम्भव है।

23. एक शताब्दी पूर्व के बच्चों की अपेक्षा आज के बच्चों पर अधिक संवेगात्मक दबाव है। क्यों?

(A) आज का समाज अधिक जटिल है।
(B) परिवार के सदस्यों के साथ जुड़ाव कमजोर पड़ गया है।
(C) विद्यालय बच्चें के साथ समंजित नहीं हो सके हैं।
(D) माता-पिता बच्चों में कम रुचि ले रहे हैं।

उत्तर- (C)/ व्याख्या मनोवैज्ञानिक अनुसंधानों द्वारा यह तथ्य स्पष्ट हो चुका है कि आज से सौ वर्ष पहले की अपेक्षा आज के बच्चों पर संवेगात्मक दबाव अधिक बढ़ गया है। इसके अनेक कारण है जिनमें विद्यालय तथा बच्चों का आपसी समंजन भी एक प्रमुख कारण है। इसीलिए वर्तमान में बाल केन्द्रित शिक्षा अपनाया जा रहा है किन्तु अफसोस की बात यह है कि व्यक्तिगत भिन्नता के अनुसार शिक्षा की व्यवस्था अभी पूर्ण रूप से मूर्त रूप नहीं धारण कर सका अभी यह सिद्धान्त में ही दिखाई पड़ता है।

24. जनसंचार के माध्यमों, जैसे सिनेमा, टेलीविजन, प्रेस इत्यादि को क्यों शिक्षा के निष्क्रिय माध्यम माना जाता है?

(A) क्योंकि वे अनौपचारिक शिक्षा उपलब्ध कराते हैं।
(B) क्योंकि प्रत्यक्ष पढ़ानेवाले शिक्षकों की भाँति वे अध्येताओं के निकट नहीं आ सकते।
(C) क्योंकि अध्येता इन माध्यमों के साथ प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया नहीं कर सकता।
(D) क्योंकि ज्ञानप्राप्ति के दौरान ये शंका-समाधान नहीं कर सकते।

उत्तर- (A)/ व्याख्या शिक्षा एक व्यापक संम्प्रव्यय है। अलग-अलग विद्वानों ने इसको अपने तरीके से परिभाषित करने व विभाजन करने का प्रयास किया है। प्रत्येक विद्वान का शिक्षा के प्रकार का विभाजन का आधार भी अलग-अलग है। शिक्षा के साधनों के आधार पर सक्रिय साधन तथा निष्क्रिय साधनों के रूप में विभाजित किया गया है। ऐसे साधन जो प्रत्यक्ष रूप से औपचारिक शिक्षा देते हैं उनको शिक्षा के सक्रिय साधन कहा जाता है जैसे-स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय तथा ऐसे साधन जो अप्रत्यक्ष रूप से अनौपचारिक शिक्षा देने का कार्य करते हैं उन्हें निष्क्रिय साधन के रूप में जाना जाता है। जैसे-सिनेमा, टेलीविजन व प्रेस आदि।

25. अधिगम के संकलक (Eclectic) सिद्धान्त का प्रतिपादक था

(A) गैने (B) टॉलमैन
(C) स्किनर (D) हल

उत्तर- (B)/ व्याख्या अधिगम के संकलक (Electic) सिद्धान्त का प्रतिपादन टालमैन ने किया था। टालमैन का यह अधिगम सिद्धान्त व्यवहारवाद तथा जेस्टाल्टवादी मनोवैज्ञानिक सम्प्रदाय के कड़ी या पुल के रूप में जाना जाता है। क्योंकि टालमैन ने व्यवहारवादियों द्वारा दिए गए अधिगम के कुछ नियमों को तथा जेस्टाल्टवादियों द्वारा दिए गए अधिगम नियमों को अपने अधिगम सम्बन्धी सिद्धान्त में शामिल किया है। इस सिद्धान्त को चिह्न अधिगम, चिह्न गेस्टाल्ट, प्रत्याशा सिद्धान्त, उद्देश्य सिद्धान्त आदि नामों से भी जाना जाता है।

26. निम्नलिखित में से किसके आधार पर शिक्षक-शिक्षा में मनोविज्ञान पर बल देने के औचित्य को समुचित रूप में सिद्ध किया जा सकता है?

(A) बच्चों के असामान्य व्यवहार को रोकने के लिए।

(B) बच्चों के बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए।

(C) मानव-व्यवहार को समझने के लिए।

(D) स्वीकार्य व्यवहार कैसे निर्मित होता है इसे परिभाषित करने के लिए।

उत्तर- (B)/ व्याख्या यह तथ्य निर्विवाद रूप से सत्य है कि प्रत्येक शिक्षक को मनोविज्ञान का ज्ञान आवश्यक है। इसके निम्न कारण हैं-

(i) बच्चों के बुद्धिमता पूर्ण व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए।

(ii) अध्यापकों को शिक्षा सम्बन्धी सम्यक दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए।

(iii) कक्षा में उपयुक्त शैक्षिक वातावरण का निर्माण करने में सहायता प्रदान करने के लिए।

(iv) श्रेष्ठ शिक्षणविधियों की जानकारी देने के लिए।

(v) बाल स्वभाव के ज्ञान तथा मानव प्रकृति से परिचय प्राप्त करने के लिए।

(vi) मनोविज्ञान शिक्षकों को मापन व मूल्याँकन की नई विधियों से परिचित कराती है।

27. सोद्देश्यतापूर्ण व्यवहार वह व्यवहार है जो

(A) किसी लक्ष्य की प्राप्ति की प्रति अभिमुख हो।

(B) आवयकताओं पर आधारित हो।

(C) आवश्यकता की तुष्टि के संदर्भ में अनिवार्यतः प्रभावी हो।

(D) अंतर्दृष्टि युक्त हो, अर्थात् साधन-साध्य संबंध के परिप्रेक्ष्य में तर्कसंगत हो।

उत्तर- (C)/ व्याख्या सोद्देश्यतापूर्ण व्यवहार व्यक्ति की किसी न किसी आवश्यकता की तुष्टि के सन्दर्भ में अनिवार्यत: प्रभावी होता है। उद्देश्यों की पूर्ति के द्वारा व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।

अत: स्पष्ट है कि व्यक्ति की आवश्यकताएँ प्रेरक का कार्य करती हैं जिससे व्यक्ति उद्देश्यपूर्ण व्यवहार करता है।

28. मानव व्यवहार का निर्धारण __________के द्वारा होता है

(A) वस्तुनिष्ठ वास्तविकता

(B) गोचर क्षेत्र (गोचर-स्व सहित)

(C) सामाजिक दबाव

(D) शारीरिक आवश्यकताओं

उत्तर- (A)/ व्याख्या मानव व्यवहार का निर्धारण वस्तुनिष्ठ वास्तविकता के द्वारा होता है। क्योंकि मानव व्यवहार के अवलोकन में जब तक अवलोकनकर्त्ता पूर्वाग्रह से मुक्त होकर वस्तुनिष्ठ तरीके से अवलोकन नहीं करेगा तब तक व्यक्ति के व्यवहार का सही निर्धारण सम्भव नहीं है।

29. अधिगम को प्रभावशील होने के लिए लक्ष्य को अनिवार्यतः ___________के संदर्भ में सार्थक होना चाहिए

(A) पाठ्यक्रम के उद्देश्य ।

(B) अध्येता की आवश्यकताएँ एवं प्रयोजन ।

(C) सन्निहित बौद्धिक विचार ।

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

उत्तर- (B)/ व्याख्या अधिगम को प्रभावशील होने के लिए लक्ष्य को अनिवार्यत: अध्येता की आवश्यकताएँ एवं प्रयोजन के सन्दर्भ में सार्थक होना चाहिए। इसीलिए शैक्षिक मनोवैज्ञानिक शिक्षा के उद्देश्यों को तथा शिक्षा की पाठ्यचर्या के निर्माण के समय इन उद्देश्यों को ध्यान में रखता है। इसके अलावा शिक्षक कक्षा में शिक्षण करते समय अध्येता की आवश्यकताओं व उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए शिक्षण करना चाहिए जिससे अधिगम सार्थक होता ही है साथ-साथ छात्र अपना ध्यान भी विषयवस्तु पर केन्द्रित करता है।

30. विकास की प्रक्रिया में आनुवंशिकता की प्रभाव-सीमा का निम्नलिखित में से कौन सर्वोपयुक्त रीति से वर्णन करता है?

(A) व्यक्ति का विकास किस सीमा तक होगा, इसका निर्धारण आनुवंशिकता करती है।

(B) व्यक्ति का विकास किस सीमा तक हो सकता है, इसका निर्धारण आनुवंशिकता करती है।

(C) व्यक्ति का विकास किस सीमा तक होगा, आनुवंशिकता इसका प्रमुख निर्धारक है।

(D) व्यक्ति का विकास किस सीमा तक हो सकता है, आनुवंशिकता इसका प्रमुख निर्धारक है।

उत्तर- (C)/ व्याख्या विकास की प्रक्रिया में आनुवांशिकता के प्रभाव की सीमा का सर्वोत्तम रूप से स्पष्ट करने वाला कथन है कि-विकास व्यक्ति का किस सीमा तक होगा आनुवांशिकता इसका निर्धारक है। विकास पर हुए अध्ययन के फलस्वरूप यह तथ्य स्पष्ट हो चुका है कि आनुवांशिकता एवं वातावरण दो तत्व मुख्य रूप से विकास के लिए उत्तरदायी है जिनमें आनुवांशिकता अपनी प्रबल भूमिका निभाता है।

31. निम्नलिखित में से कौन संवेगात्मक विकास की प्रक्रिया का वर्णन सर्वोपयुक्त रीति से करता है?

(A) समस्त संवेगात्मक प्रतिक्रियाओं का क्रमिक दमन।

(B) नवीन संवेगात्मक क्षमताओं पर रोक।

(C) नवीन संवेगात्मक क्षमताओं का अर्जन।

(D) संवेगात्मक अनुक्रियाओं के लिए बौद्धिक अनुक्रियाओं का प्रतिस्थापन।

उत्तर- (D)/ व्याख्या संवेगात्मक अनुक्रियाओं के लिए बौद्धिक अनुक्रियाओं का प्रतिस्थापन ही संवेगात्मक विकास है। मानव जीवन में संवेगों का बहुमत महत्वपूर्ण स्थान है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार सभी संवेग जन्मजात नहीं होते हैं वरन् उनका विकास धीरे-धीरे होता है। प्रारम्भ में शिशु की संवेगात्मक प्रतिक्रियाएं सामान्य उत्तेजना मात्र होती हैं किन्तु धीरे-धीरे उनमें भय, क्रोध, हर्ष आदि संवेगों का उदय होने लगता है।

32. सामाजिक विकास किससे अनिवार्यतः संबंधित है?

(A) सामाजिक व्यवस्था की माँग से संगतता।
(B) अपने उद्देश्यों का सामाजिक व्यवस्था के उद्देश्यों से अनुकूलन।
(C) सामाजिक सुरक्षा तथा स्वीकार्यता की प्राप्ति।
(D) सामाजिक कौशलों का विकास।

उत्तर- (B) व्याख्या सामाजिक विकास अनिवार्यत: अपने उद्देश्यों का सामाजिक व्यवस्था के उद्देश्यों से अनुकूलन है। सामाजिक विकास से तात्पर्य सामाजिक वातावरण के साथ अनुकूलन करने के लिए आवश्यक सामाजिक व्यवहार, मान्यताओं तथा परम्पराओं को अर्जित करने से है। सामाजिक अन्त:क्रिया के फलस्वरूप व्यक्ति समाज के आदर्शों, मूल्यों तथा विश्वासों में आस्था रखना सीखता है। इसके अलावा समाज हित में अपने निजी स्वार्थ का त्याग करने के लिए तत्पर रहता है।

33. 'खट्टे-अंगूर' की अभिवृत्ति ___________का उदाहरण है

(A) प्रक्षेपण (B) चयनित अनुबोध
(C) यौक्तिकीकरण (D) तादात्म्य

उत्तर- (C) व्याख्या अंगूर खट्टे हैं कि अभिवृत्ति यौक्तिकीकरण (Rationalization) का उदाहरण है। इस प्रकार की रक्षा युक्ति (Defense Mechanism) में व्यक्ति किसी क्षेत्र में असफल होता है तो वह अपनी असफलता के वास्तविक कारण की अपेक्षा ऐसे कारण ढूँढ निकालता है जो कम दु:खद होते हैं। जैसे स्कूल में देर से पहुँचने पर बालक स्वयं को दोष न देकर यह कहता है कि- घड़ी लेट चल रही थी। वह स्वयं को दोष न देकर मानसिक तनाव को दूर करने का प्रयत्न करता है।

34. निराकृत बालक के ________ हो जाने की संभावना होती है

(A) आक्रामक (B) नकारात्मक
(C) भगोड़ा (D) अन्यमनस्क

उत्तर- (A) व्याख्या निराकृत बालक (Rejected child) के आक्रामक हो जाने की सम्भावना होती है। निराकृत बालक वे बालक होते हैं जो अपने समूह द्वारा नापसन्द किए जाते है अथवा समूह से बहिष्कृत कर दिए जाते हैं। ऐसे बच्चों में 3 तरह के व्यवहार किए जाने की सम्भावना होती है-

(I) आक्रामक (Aggressive)
(II) चिन्तित (Anxious)
(III) विलग (Withdrawn)

ऐसे बच्चों के साथ काम करके उनके निराकृतता को कम किया जा सकता है। अन्यथा वे अनेक समस्याएं पैदा कर सकते हैं। निराकृत बालकों में निम्नलिखित लक्षण पाए जाते हैं—

⇒ अगूँठा चूसना
⇒ नाक खोदना (अंगुली करना)
⇒ बड़बड़ाना
⇒ ध्यान आकर्षण करना

35. स्पियरमैन के बुद्धि के सिद्धांत तथा थॉर्नडाइक के सिद्धांत के बीच वही अंतर है जो________ के बीच है

(A) अंतर्जात तथा उपार्जित
(B) संस्कृति मुक्त तथा संस्कृति निरपेक्ष
(C) शाब्दिक तथा कार्य निष्पादन
(D) गुणात्मक तथा भावात्मक

उत्तर- (A) व्याख्या स्पियरमैन के बुद्धि सिद्धान्त तथा थार्नडाइक के बुद्धि सिद्धान्त के बीच वही अन्तर है जो अन्तर्जात तथा उपार्जित के बीच में वास्तव में टालमैन ने अपने अधिगम सम्बन्धी नियम में थार्नडाइक के सीखने से संम्बन्धित कुछ बातों का समर्थन किया तथा कुछ बातों की आलोचना भी किया था।

36. नीचे दो सूचियाँ दी गई हैं। सूची-A में मनोवैज्ञानिकों के नाम हैं तथा सूची-B में उनसे संबंधित पद हैं। इन्हें सुमेलित कीजिए:

सूची-A	सूची-B
(I) फ्रायड	(1) 16 पी एफ
(II) आइजेंक	(2) विश्लेषणात्मक मनोविज्ञान
(III) कतेल	(3) लैंगिक प्रकार
(IV) युंग	(4) जीवन शैली
	(5) मनोविक्षिप्तता

कूटः

	I	II	III	IV
(A)	3	4	1	2
(B)	3	5	1	2
(C)	2	5	3	4
(D)	3	1	2	5

उत्तर- (B) व्याख्या

सूची-I	-	सूची-II
(A) फ्रायड	-	लैगिक प्रकार
(B) आइजैक	-	जीवन शैली
(C) कैटेल	-	16 पी. एफ.
(D) युंग	-	विश्लेषणात्मक मनोविज्ञान

37. शैक्षिक परिप्रेक्ष्य में नृजाति अध्ययन की विशेषता किसमें है?

(A) अति नजदीकी अन्तवैयक्तिक सूचना एकत्र करना।
(B) क्षेत्र से प्रचुर सूचना एकत्र करना।
(C) भागग्राही प्रेक्षण।
(D) वार्तालाप तथा भागग्राही प्रेक्षण।

उत्तर- (A) व्याख्या शैक्षिक परिप्रेक्ष्य में नृजाति अध्ययन की विशेषता यह है कि इसके द्वारा अति नजदीकी अन्तर्वैक्तिक सूचना एकत्र होती है। इस शोध के द्वारा सामाजिक सम्बन्धों का अध्ययन किया जाता है। इसके द्वारा अन्तर-सामाजिक संम्बन्ध तथा अन्तर-सांस्कृतिक संम्बन्ध दोनों का अध्ययन किया जाता है।

38. प्रत्येक पात्र की नमूने में चयन की संभावना यदि बराबर हो तो यह होगा

(A) नियतांश प्रतिदर्श
(B) गैर संभाव्य प्रतिदर्श
(C) सोद्देश्य प्रतिदर्श
(D) संभाव्य प्रतिदर्श

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ एक ऐसी न्यादर्शन विधि जिसमें पात्र की नमूने में चयन की सम्भावना बराबर - बराबर होती है तो यह संम्भाव्य न्यादर्श या प्रतिदर्श होगा। ये तीन प्रकार के होते हैं-
(I) साधारण यादृच्छिक प्रतिदर्शन
(II) स्तरित यादृच्छिक प्रतिदर्शन
(III) क्षेत्र या गुच्छ प्रतिदर्शन

39. गुणात्मक अध्ययन का उद्देश्य यह नहीं होगा

(A) मानवीय व्यक्ति निष्ठता को उभारना।
(B) परिणामों का सामान्यीकरण।
(C) निष्कर्षों की विश्वसनीयता स्थापित करना।
(D) विश्लेषण की निदर्शित विधि का उपयोग।

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ गुणात्मक एक अप्रयोगात्मक शोध हैं। इसके द्वारा दो या दो से अधिक चरों के बीच संम्बन्धों को जानने के लिए निरीक्षण एवं अवलोकन विधि का प्रयोग किया जाता है जिसके कारण इसके अध्ययन में व्यक्तिनिष्ठता आने की सम्भावना हो जाती है किन्तु यह इसके अध्ययन का उद्देश्य नहीं है।

40. अन्य शर्ते यदि वहीं हों तो दो चरों के मध्य निम्नलिखित में से कौन सा सहसंबंध सबसे कमजोर होगा?

(A) 0.26 (B) –0.85
(C) 0.40 (D) 0.10

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ सह संम्बन्ध +1 से लेकर –1 तक होता है । अत: सबसे कमजोर सहसंम्बन्ध –0.85 होगा।

41. दो मध्यमानों के मध्य अन्तर को सार्थक सिद्ध करने के लिए 't' परीक्षण का उपयोग कर सकते हैं यदि

(A) मापनी नामिक स्केल हो
(B) मापनी अंतराल स्केल हो और वितरण अत्यधिक वैषम्य नहीं हो
(C) मापनी कम स्केल हो और वितरण सामान्य हों
(D) मापनी अंतराल स्केल हो और वितरण अधिक वैषम्य हो

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ दो मध्यमानों के मध्य अन्तर की सार्थकता सिद्ध करने के लिए 't' परीक्षण का उपयोग कर सकते हैं। किन्तु इसके लिए यह आवश्यक है कि मापनी कम स्केल का हो और वितरण सामान्य हो।

42. किसी शोध में 8 वर्ष एवं 10 वर्ष के निष्पादन पर विधि के प्रभाव की जाँच की परिकल्पना के अध्ययन के लिए __________ विधि होगी

(A) प्रायोगिक
(B) पश्चाद्दर्शी (एक्स पोस्ट फैक्टो)
(C) कारण तुलनात्मक
(D) सहसंबंध अध्ययन

उत्तर- () व्याख्या/ उपर्युक्त परिकल्पना के आधार पर पश्चादर्शी (एक्स पोस्ट फैक्टो) अनुसंधान विधि उपयुक्त होगी। क्योंकि घटनोत्तर (पश्चदर्शी) शोध में प्रभाव के आधार पर कारण की खोज की जाती है। प्रश्न में 8 वर्ष व 10 वर्ष का निष्पादन पहले घट चुका है। अत: घटना घट जाने के बाद घटनोत्तर अनुसंधान ही एकमात्र विकल्प है।

43. एक परीक्षण पुस्तिका में परीक्षण की विश्वसनीयता, वैधता व शतमक सूचनाएँ दी गई हैं। यह भाग है

(A) वर्णनात्मक सांख्यिकी
(B) आनुमानिक सांख्यिकी
(C) आनुमानिक व वर्णनात्मक सांख्यिकी
(D) उपर्युक्त कोई भी नहीं

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ परीक्षण पुस्तिका (Manual) में परीक्षण की विश्वसनीयता, वैधता, मानक, स्कोरिंग परीक्षण समय एवं स्कोरिंग का तरीका आदि सभी प्रकार की सूचनाएँ दी जाती हैं। यह आनुमानिक व वर्णनात्मक सांख्यिकी दोनों के लिए आवश्यक है।

44. सूची-I में से सूची-II के कथन से जोड़ें :

सूची-I	सूची-II
(I) विश्लेषण के लिए शोध	(1) मूल शोध
(II) उपभोक्ता द्वारा समाधान के लिए शोध	(2) अनुप्रयुक्त शोध
(III) सिद्धांत के लिए शोध	(3) मूल्यांकात्मक शोध
	(4) क्रियात्मक शोध

कूटः

	(i)	(ii)	(iii)
(A)	1	3	2
(B)	3	4	1
(C)	3	4	2
(D)	3	1	4

उत्तर- (B)/ व्याख्या/

सूची-I - सूची-II

(A) विश्लेषण के लिए शोध -(3) मूल्याँकात्मक शोध
(B) उपभोक्ता द्वारा समाधान के लिए शोध -(4) क्रियात्मक शोध
(C) सिद्धान्त के लिए -(1) मूल शोध

45. निम्नलिखित में से कौन सी दशा समाश्रवण समीरकण में 'r' (उत्पादगुणक सहसंबंध) के प्रयोग के लिए आवश्यक है?

(A) प्रतिदर्श विषम होना चाहिए
(B) प्रतिदर्श 30 से अधिक नहीं होना चाहिए
(C) संबंध रैखिक हो
(D) संबंध वक्र-रैखिक हो

उत्तर- (C)/ व्याख्या Product moment correlation (r) दो चरों के बीच सहसम्बन्ध जानने की विधि है। इस सांख्यिकी का प्रतिपादन कार्ल पियर्सन ने किया था इसलिए इसे पियर्सन (r) भी कहा जाता है। इस विधि के उपयोग के लिए यह आवश्यक है कि प्राप्तांकों का संम्बन्ध रेखीय होना चाहिए। अर्थात् जिनकी व्याख्या आरेख पर एक सीधी रेखा में हो सके। यदि रेखा टेढ़ी मेढ़ी होगी तो इस विधि का प्रयोग नहीं किया जा सकता।

46.एक शोधकर्त्ता ने एक उपलब्धि परीक्षण का विकास किया। इस प्रश्नपत्र के आधार पर उच्च व निम्न समूह के आंकड़े उसे मिले। किसी पद की विश्वसनीयता जानने के लिए निम्नलिखित में से कौन सा परीक्षण सर्वाधिक उपयुक्त होगा?

(A) बाईसीरियल (द्वि-श्रेणी)
(B) प्वाइंट बाईसीरियल (बिन्दु द्वि-श्रेणी)
(C) फाई-गुणांक
(D) आंशिक सहसंबंध गुणांक

उत्तर- (B)/ व्याख्या उपर्युक्त पद की विश्वसनीयता जानने के लिए प्वाइंट बाई सीरियल (बिन्दु श्रेणी) विधि का प्रयोग किया जाएगा क्योंकि जब दो चरों के बीच सहसम्बन्ध ज्ञात करना हो तथा इनमें से एक चर दो भागों में विभाजित होता है और यह विभाजन वास्तविक हो न कि काल्पनिक तो यहाँ प्वाइन्ट बाई सीरियल का ही प्रयोग होगा। इसका प्रयोग एकांश विश्लेषण की परिस्थिति में भी अधिक होता है।

47. किसी शोधकर्त्ता ने छात्रों के उत्तर देखते समय प्रत्येक को दो अंक अधिक देने की गलती की। ऐसा करने से प्रसरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

(A) प्रसारण में 2 की वृद्धि होगा
(B) प्रसारण में $\sqrt{2}$ की वृद्धि होगा
(C) प्रसारण में 4 की वृद्धि होगी
(D) यह अप्रभावित रहेगा

उत्तर- (C)/ व्याख्या यदि शोधकर्त्ता प्रत्येक छात्र के उत्तर पर अंक देते समय 2 अंक अधिक देने की गलती करता है तो प्रसरण में 4 की वृद्धि होगी। क्योंकि प्रसरण

$$= \frac{\Sigma\left(x - m\right)^2)}{N}$$

48. सूची-I में दिए गए पदों को सूची-II में दिए पदों से जोड़ें :

सूची-I	सूची-II
(I) ऐतिहासिक शोध	(1) नैदानिक आंकड़े
(II) वर्णनात्मक शोध	(2) अनुदैर्घ्य अध्ययन
(III) प्रयोगिक शोध	(3) अंतरिक असामंजस्य
	(4) आंकड़ों की बाह्य आलोचना
	(5) बाह्य वैधता

कूटः

	(i)	(ii)	(iii)
(A)	2	1	5
(B)	4	2	5
(C)	1	2	4
(D)	5	3	4

उत्तर- (B)/ व्याख्या

सूची-I	-	सूची-II
(A) ऐतिहासिक शोध	-(4)	आँकड़ों की वाह्य आलोचना
(B) वर्णनात्मक शोध	-(2)	अनुदैर्घ्य अध्ययन
(C) प्रायोगिक शोध	-(5)	वाह्य वैधता

49. जिस जनसंख्या से प्रतिदर्श लिया गया हो, यदि उसका वितरण सामान्य नहीं है तो उसके आंकड़े को किसकी सहायता से विश्लेषित करेंगे?

(A) प्राचलिक सांख्यिकी
(B) वर्णनात्मक सांख्यिकी
(C) गैर-प्राचलिक सांख्यिकी
(D) ऊपर में से कोई भी नहीं

उत्तर- (C)/ व्याख्या जिस जनसंख्या के प्रतिदर्शों का वितरण सामान्य नहीं होता है और उसके आकड़ों को विश्लेषित करने के लिए गैर प्राचलिक सांख्यिकी (Non Parametric Statistics) का प्रयोग किया जाएगा।

50. निम्नलिखित में से कौन सी वैधता न्यूनतम परिमाण योग्य है?

(a) अंतर्वस्तु (b) समवर्ती
(c) संप्रत्यय (d) अनुमानित

उत्तर- (B)/ व्याख्या समवर्ती वैधता न्यूनतम परिमाण योग्य है। यह एक ऐसी वैधता है जो परीक्षण को किसी वर्तमान कसौटी के साथ सहसंम्बन्धित करने के फलस्वरूप प्राप्त होता है। समवर्ती वैधता दो तरह से ज्ञात की जाती है-

(I) सहसंम्बन्ध ज्ञात करके
(II) विभेदन ज्ञात करके

व्याख्यात्मक हल — UGC NET/ J.R.F. EXAM

JUNE : 2011 — प्रश्न-पत्र II — शिक्षाशास्त्र

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें।

1. ललित कलाओं तथा सौंदर्य शास्त्र को पाठ्यक्रम में उच्च वरीयता देने की बात कौन कहता है?

(A) प्रकृतिवाद (B) अस्तित्ववाद

(C) आदर्शवाद (D) प्रयोजनवाद

उत्तर- (C) व्याख्या आदर्शवाद ललित कलाओं तथा सौन्दर्यशास्त्र को पाठ्यक्रम में उच्च वरीयता देने की बात करता है। आदर्शवादी विचारधारा के प्रवर्तक प्लेटों का विचार था कि साहित्य, ललित कला विभिन्न युगों में किए जाने वाले मनुष्यों के मानसिक एवं कलात्मक कार्यो का परिणाम है। इस सांस्कृतिक शक्ति पर प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार समान रूप से है।

अत: प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्त्तव्य है कि वह इसका पूर्ण ज्ञान हासिल करे, इसकी रक्षा करे तथा इसके विकास में यथा शक्ति योगदान करे। तत्पश्चात् इसका हस्तान्तरण आने वाली पीढ़ियों को करे।

2. शैक्षिक दर्शन के कार्यों की पहचान करें।

(i) मनुष्य की शिक्षा में देवत्व का एकीकरण।

(ii) शिक्षकों के व्यवहार के लिए सैद्धान्तिक आधार उपलब्ध कराना।

(iii) पाठ्यक्रम की रूपरेखा के लिए सिद्धान्तों की रचना करना।

(iv) शैक्षिक व्यवहारों से संबंधित सभी अंतिम 'क्यों' प्रकार के प्रश्नों का उत्तर देना।

(A) ii तथा iii (B) i तथा iv

(C) i, ii तथा iv (D) ii, iii तथा iv

उत्तर- (D) व्याख्या शैक्षिक दर्शन वास्तव में दर्शन का ही एक अंग है। दर्शन के सिद्धान्तों का प्रयोग शिक्षा की समस्याओं को हल करने में प्रयोग करना ही शिक्षा दर्शन कहलाता है। इसके प्रमुख कार्य इस प्रकार है-

(I) मनुष्य की शिक्षा में देवत्व का एकीकरण

(II) शिक्षकों के व्यवहार के लिए सैद्धान्तिक व्यवहार उपलब्ध कराना।

(III) पाठ्यक्रम की रूपरेखा के लिए सिद्धान्तों की रचना करना।

(IV) शैक्षिक व्यवहारों से सम्बन्धित सभी अन्तिम ''क्यों'' प्रकार के प्रश्नों का उत्तर देना।

3. प्रयोजनवाद की प्रकृति करणवादी है, क्योंकि

(A) यह शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का उपकरण मानता है।

(B) छात्रों के अधिगम के संवर्धन के लिए यह प्रचुर मात्रा में शिक्षण-सहायक सामग्रियों के उपयोग पर बल देता है।

(C) लोकतंत्र द्वारा शिक्षा का प्रयोग अपने उपकरण के रूप में किया जाता है।

(D) यह ज्ञान तथा मूल्यों को साधन मानता है, साध्य नहीं।

उत्तर- (B) व्याख्या प्रयोजनवाद की प्रकृति करणवादी है क्योंकि यह छात्रों के अधिगम के संवर्धन के लिए यह प्रचुर-मात्रा में शिक्षण-सहायक सामग्रियों के उपयोग पर बल देता है। प्रयोजनवादी विज्ञान व तकनीकी की शिक्षा पर बल देते थें उनका मत था कि शिक्षा का सम्बन्ध मनुष्य के वास्तविक जीवन से होना चाहिए। वे शिक्षण विधि में प्रयोगशाला विधि को महत्वपूर्ण स्थान देते थे इसलिए प्रयोजनवाद को प्रयोगवाद के नाम से भी जाना जाता है।

4. संवैधानिक मूल्य के रूप में समाजवाद का निहितार्थ _________ के लिए शिक्षा है।

(A) सामाजिक साम्या (B) सामाजिक समानता

(C) सामाजिक पुनर्निर्माण (D) सामाजिक गतिशीलता

उत्तर- (B) व्याख्या संवैधानिक मूल्य के रूप में समाजवाद का निहितार्थ सामाजिक समानता के लिए शिक्षा है। समाजवाद व धर्म निर्पेक्षता ये दो शब्द भारतीय संविधान में 1976 में हुए 42 वें संशोधन में जोड़े गए। मूल संविधान में ये शब्द नहीं थे।

5. प्रकृतिवाद में विश्वास रखने वाला शिक्षक क्या नहीं करेगा?

(A) अपने छात्रों को उन्मुक्त क्रियाकलापों की अनुमति देना।

(B) उच्चतर मूल्यों को विकसित करने की हिदायत देना।

(C) ज्ञानेन्द्रियों को विकसित करने वाले अनुभवों के प्रति उद्भासित करना।

(D) निर्धारित पाठ को पढ़ाने से पहले छात्रों के परिपक्व होने की प्रतीक्षा करना।

उत्तर- (B) व्याख्या प्रकृतिवाद में विश्वास करने वाला शिक्षक अपने छात्रों को उच्चतर मूल्यों को विकसित करने की हिदायत नहीं देना क्योंकि प्रकृतिवादी शिक्षा के निम्नलिखित उद्देश्य हैं- प्रकृतिवाद जीवन के आध्यात्मिक मूल्यों में विश्वास नहीं करता है।

(I) प्रजातीय एकता की प्राप्ति

(II) जातीय गुणों का विकास

(III) वैयक्तिकता का स्वतंत्र विकास

(IV) जीवन संघर्ष के लिए बालक को तैयार करना

(V) बालकों में वातावरण से अनुकूलन की क्षमता उत्पन्न करना

(VI) व्यक्ति का बौद्धिक विकास

(VII) आत्म संरक्षण व आत्म संन्तोष

6. **तार्किक विश्लेषण की अंतर्वस्तु क्या है?**

(A) आनुभविक सत्य (B) वैज्ञानिक सत्य
(C) संज्ञानात्मक ज्ञान (D) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (D)/ व्याख्या तार्किक विश्लेषणवाद दर्शन की एक ऐसी विचारधारा है जो इस ब्रह्माण्ड के उन्हीं विचारों, वस्तुओं को सत्य मानता है जो इन्द्रियों द्वारा अनुभूत किए जा सकें और जिसमें वैज्ञानिकता हो।
तार्किक विश्लेषण की अन्तर्वस्तु निम्न हैं-
(A) आनुभाविक सत्य
(B) वैज्ञानिक सत्य
(C) संज्ञानात्मक ज्ञान

7. **''मैं शरीर, मन तथा बुद्धि का प्रतिरूप नहीं हूँ''– भारतीय दर्शन की किस विचारधारा में यह कहा गया है?**

(A) जैन दर्शन (B) बौद्ध दर्शन
(C) सांख्य दर्शन (D) इस्लाम

उत्तर- (C)/ व्याख्या सांख्य दर्शन में यह कहा गया है कि- 'मैं शरीर, मन तथा बुद्धि का प्रतिरूप नहीं हूँ'' क्योंकि सांख्य दर्शन का मानना है कि मनुष्य प्रकृति और पुरुष के योग से बना है। ये मनुष्य को मन, शरीर और जीवात्मा का योग माना है। किन्तु मनुष्य का विकास प्रकृति और पुरुष नामक दो तत्वों पर ही निर्भर है सांख्य दर्शन ने मानव विकास की तीन दिशाएं बतायी है- शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक।

8. **विवेकानन्द के अनुसार निम्नलिखित में से कौन शिक्षा का लक्ष्य नहीं है?**

(A) अंतर्जात पूर्णता को उद्भासित करना।
(B) आध्यात्मिकता एवं विज्ञान का एकीकरण।
(C) राष्ट्रीय चरित्र विकसित करना।
(D) सामाजिक प्राणी के रूप में युवा छात्रों को विकसित करना।

उत्तर- (D)/ व्याख्या सामाजिक प्राणी के रूप में युवा छात्रों को विकसित करना विवेकानन्द की शिक्षा का उद्देश्य नहीं था। उनके शिक्षा का उद्देश्य इस प्रकार है-
(I) अन्तर्जात पूर्णता को उद्भाषित करना।
(II) आध्यात्मिकता व विज्ञान का एकीकरण करना।
(III) राष्ट्रीय चरित्र विकसित करना।
(IV) विश्वबंधुत्व की भावना का विकास करना।
(V) नैतिक एवं चारित्रिक विकास
(VI) व्यावसायिक विकास
(VII) धार्मिक शिक्षा एवं आध्यात्मिक विकास

9. **''वरण-स्वातंत्र्य व्यक्ति के लिए सर्वोच्च मूल्य है।'' इस विचार से तात्पर्य क्या है?**

(A) यदि आप स्वतंत्र नहीं हैं, आप वरण नहीं कर सकते।
(B) विचार की स्वतंत्रता के बिना उत्तम जीवन असम्भव है।
(C) स्वतंत्र वरण वास्तविक वरण है।
(D) मनुष्य के जीवन में सभी प्रकार के अज्ञान से मुक्ति से महत्तर और कुछ नहीं है।

उत्तर- (B)/ व्याख्या वरण स्वातंत्र्य व्यक्ति के लिए सर्वोच्च मूल्य है, इस विचार का तात्पर्य है कि विचार की स्वतंत्रता के बिना उत्तम जीवन असम्भव है। इसीलिए भारतीय संविधान द्वारा नागरिकों को अपने विचारों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी है।

10. **मार्क्सवाद इनमें से किसमें विश्वास नहीं रखता?**

(A) उत्पादकता के लिए शिक्षा
(B) धार्मिक शिक्षा
(C) समानता तथा साम्या के लिए शिक्षा
(D) जन-शिक्षा

उत्तर- (B)/ व्याख्या मार्क्सवाद धार्मिक शिक्षा में विश्वास नहीं करता है। इसका मत है कि धर्म एक अफीम है। इसलिए मार्क्सवादी शिक्षा के उद्देश्यों में धार्मिक शिक्षा में विश्वास नहीं करता है। ये उत्पादनशील शिक्षा देने के पक्ष में थें। मार्क्स एक वर्गहीन समाज की स्थापना शिक्षा द्वारा करना चाहते थे।
अत: मार्क्सवादी निम्नलिखित की शिक्षा में विश्वास करते हैं-
(I) उत्पादकता के लिए शिक्षा
(II) समानता तथा साम्य के लिए शिक्षा
(III) जन शिक्षा
(IV) वर्गहीन समाज की स्थापना

11. **यथार्थवाद के लिए अंतिम सत्ता क्या है?**

(A) विचार (B) अनुभूति
(C) सामाजिक संबंध (D) वस्तुनिष्ठ जगत्

उत्तर- (D)/ व्याख्या वस्तुनिष्ठ जगत को यथार्थवादी अन्तिम सत्ता के रूप में स्वीकार करते हैं। इनके अनुसार यह भौतिक संसार ही सत्य है और इसके परे कोई आध्यात्मिक संसार नहीं है। भौतिक संसार के पीछे कोई विचारों का जगत नहीं है।

12. **सूची-I के मदों की सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए:**

सूची-I	सूची-II
(I) जैन दर्शन	(1) ज्ञान की अनिर्धार्यता
(II) बौद्ध दर्शन	(2) आनुमानिक ज्ञान
(III) इस्लाम	(3) कार्य-कारण का सिद्धांत
(IV) सांख्य दर्शन	(4) व्यक्तिगत व्याख्या की अपर्याप्तता

कूट:

	I	II	III	IV
(A)	1	4	2	3
(B)	4	2	1	3
(C)	1	3	4	2
(D)	2	3	4	1

उत्तर- (D)/ व्याख्या

	सूची-I		सूची-II
(A)	जैन दर्शन	(2)	आनुमानिक ज्ञान
(B)	बौद्ध दर्शन	(3)	कार्य-कारण का सिद्धान्त
(C)	इस्लाम दर्शन	(4)	व्यक्तिगत व्याख्या की अपर्याप्तता
(D)	सांख्य दर्शन	(1)	ज्ञान की अनिर्धार्यता

13. निम्न विद्याशाखाओं में से कौन सा मानवीय व्यवहार के नैतिक पतन से सम्बन्धित है?

(A) मानव विद्या (B) नीति शास्त्र
(C) दर्शन शास्त्र (D) समाज शास्त्र

उत्तर- (B)/ व्याख्या मानवीय व्यवहार के नैतिक पतन का संम्बन्ध नीतिशास्त्र से है। नीतिशास्त्र को व्यवहार दर्शन अथवा आचार शास्त्र भी कहा जाता है यह दर्शन की एक शाखा है। अच्छा और बुरा, सही और गलत, गुण और दोष, न्याय और जुर्म जैसी अवधारणाओं को परिभाषित करके नीतिशास्त्र मानवीय नैतिकता के प्रश्नों की सुलझाने का प्रयास करता है। बौद्धिक समीक्षा के क्षेत्र में यह नैतिक दर्शन वर्णनात्मक नीतिशास्त्र और मूल्य सिद्धान्त के क्षेत्रों से भी संम्बन्धित है।

14. सामाजिक उत्क्रान्ति में आधुनिक समाज के समकालीन सोपान को निम्नलिखित में से कौन सा उपयुक्त रूप से निरूपित करता है?

(A) धर्मशास्त्रीय-सेना सोपान
(B) तत्त्वमीमांसा-विधिशास्त्रीय सोपान
(C) प्रत्यक्षवादी-औद्योगिक-पदार्थवादी सोपान
(D) प्रत्यक्षवादी-औद्योगिक सोपान

उत्तर- (C)/ व्याख्या सामाजिक उत्क्रान्ति विकासवादी जीवविज्ञान की एक उपशाखा है। जो सामाजिक व्यवहार से सम्बन्धित है। सोशल सिस्टम और सामाजिक विकास को प्राय: सामाजिक मानव विज्ञान का क्षेत्र माना गया है। सामाजिक उत्क्रान्ति में आधुनिक समाज के समकालीन सोपान को उपयुक्त तरीके से इस प्रकार निरूपित किया जा सकता है- प्रत्यक्षवादी - औद्योगिक - पदार्थवादी सोपान।

15. महिलाओं का किस तरह का सशक्तिकरण ज्यादा टिकाऊ होगा?

(A) शिक्षा द्वारा महिलाओं का सशक्तिकरण।
(B) व्यक्तित्व विकास के द्वारा महिलाओं का सशक्तिकरण।
(C) कोई व्यवसाय के प्रावधान द्वारा महिलाओं का सशक्तिकरण।
(D) सरकारी व निजी क्षेत्रों में अध्यक्षीय स्थान पर नियुक्त करके महिलाओं का सशक्तिकरण।

उत्तर- (C)/ व्याख्या महिलाओं का सशक्तिकरण का सबसे टिकाऊ उपाय उनका व्यावसायिक विकास करना है अर्थात् महिलाओं को किसी उद्योग, कला, कौशल में निपुणता प्रदान किया जाय जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकें। डॉ. रीता चौहान के अनुसार, जब तक महिलाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं बनेंगी तब तक इनके सशक्तिकरण की कल्पना नहीं की जा सकती है।

अत: कोई व्यवसाय के प्रावधान द्वारा महिलाओं का सशक्तिकरण ज्यादा टिकाऊ होगा।

16. निम्न में से कौन से रीति-रिवाज लोगों के सामाजिक व्यवहारों के नियमन करने में सबसे प्रबल है?

(A) सरल, ग्रामीण समाज
(B) संकुल, शहरी समाज
(C) औद्योगिक समाज
(D) अति-आधुनिक समाज

उत्तर- (B)/ व्याख्या संकुल, शहरी समाज के रीति-रिवाज लोगों के सामाजिक व्यवहार के नियमन में सबसे प्रबल है। प्राय: देखा जाता है कि शहरी समाज में लोग आचार - विचार, त्यौहार आदि जो भी मानते हैं ग्रामीण परिवेश समेत आबादी का एक बड़ा हिस्सा उसे शीघ्रता से अपना लेते हैं। उपभोक्तावादी रीति-रिवाज का प्रचलन शहरी समाज से ही प्रारम्भ होता है।

17. शिक्षा संस्कृति से किस प्रकार जुड़ी है? सर्वोत्तम उत्तर का चयन करें।

(A) शिक्षा पुरानी संस्कृति की सुरक्षा बनाये रखती है।
(B) शिक्षा नई संस्कृति का सृजन करती है।
(C) शिक्षा पुरानी संस्कृति को टिकाये रखती है तथा नई संस्कृति का सृजन करती है।
(D) शिक्षा व संस्कृति पारस्परिक रूप से एक दूसरे को समर्पित करते हैं।

उत्तर- (D)/ व्याख्या शिक्षा व संस्कृति पारस्परिक रूप से एक दूसरे को समर्पित करते हैं। इनके संम्बन्ध को निम्न प्रकार से देख सकते हैं-

संस्कृति का शिक्षा पर प्रभाव-
(I) संस्कृति शिक्षा के उद्देश्यों पर अपच प्रभाव डालती है।
(II) संस्कृति शिक्षा की पाठ्यचर्या को प्रभावित करती है।
(III) संस्कृति शिक्षण विधि को प्रभावित करती है।
(IV) संस्कृति, शिक्षा में अनुशासन का स्वरूप निर्धारित करती हैं।
(V) संस्कृति विद्यालय के स्वरूप को निर्धारित करती है।

शिक्षा का संस्कृति पर प्रभाव:-
(I) शिक्षा संस्कृति का हस्तान्तरण करती है।
(II) शिक्षा संस्कृति का संरक्षण करती है।
(III) शिक्षा संस्कृति का विकास करती है।
(IV) शिक्षा संस्कृति को सहिष्णु बनाती है।

18. निम्न में से कौन किसी संस्था का निरूपण नहीं करता?

(A) चुनाव आयोग द्वारा राष्ट्रीय दल के रूप में अमान्य राजनैतिक दल
(B) कला महाविद्यालय का विद्यार्थी संघ
(C) एन्जेलीक गिरजाघर
(D) परिवार

उत्तर- (A)/ व्याख्या सामूहिक हितों को ध्यान में रखकर समाज के ही कुछ शिक्षित एवं जागरुक लोगों द्वारा गठित संगठन जो सभी सदस्यों की भागीदारी से कार्य करता है संस्था कहलाती है।

अत: चुनाव आयोग द्वारा अमान्य राजनैतिक दल संस्था के अर्न्तगत नहीं आता।

संस्था के कुछ प्रमुख उदाहरण इस प्रकार है-
(I) कला महाविद्यालय का विद्यार्थी संघ
(II) एन्जेलीक गिरजाघर
(III) परिवार आदि

19. भारतीय परिप्रेक्ष्य में शारदा अधिनियम क्यों महत्त्वपूर्ण है?
(A) क्योंकि यह बाल मजदूरी को रोकता है।
(B) क्योंकि यह लड़कियों में बाल विवाह को रोकता है।
(C) क्योंकि यह लड़कियों को मुफ्त अध्ययन सामग्री देने की अनुशंसा करता है।
(D) क्योंकि यह बालिकाओं की विद्यालय तक की मुफ्त शिक्षा की अनुशंसा करता है।

उत्तर- (B)/ व्याख्या भारतीय परिपेक्ष्य में शारदा अधिनियम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह लड़कियों के बाल विवाह को रोकता है। हरविलास शारदा (1867-1955) के अथक प्रयासों से तत्कालीन ब्रिटिश सरकार द्वारा सन् 1929 में बाल विवाह निरोधक कानून पारित किया गया। इस एक्ट के पास करवाते हुए हर बिलास शारदा ने कहा कि बाल विवाह से लड़की के स्वाभाविक विकास में बाधा उत्पन्न होती है। और वह स्वस्थ सन्तान भी पैदा नहीं कर सकती है। इस एक्ट द्वारा लड़की के शादी की उम्र 18 वर्ष और लड़के की शादी की उम्र 21 वर्ष निर्धारित की गई थी।

20. निम्न में से कौन सा एक संगठन का निरूपण नहीं करता है?
(I) दिल्ली परिवहन निगम के चालक
(II) फुटबाल मैच के दर्शक
(III) दिल्ली में आये विदेशी
(IV) जेल

कूट : (A) I व II (B) III व IV (C) II व IV (D) II व III

उत्तर- (A)/ व्याख्या संगठन वह सामाजिक व्यवस्था या युक्ति है जिसका लक्ष्य एक होता है, जो अपने कार्यों की समीक्षा करते हुए स्वयं का नियन्त्रण करती है तथा अपने पर्यावरण से इसकी अलग सीमा होती है यह अनेक प्रकार की होती है। निम्न कथनों में दिल्ली परिवहन निगम के चालक तथा फुटबाल मैच के दर्शक संगठन के अन्तर्गत नहीं आएगें क्योंकि इनके ऊपर संगठन की दी गयी विशेषता नहीं पायी जाती हैं। जबकि दिल्ली में आए विदेशी तथा जेल एक संस्था के उदाहरण हैं।

21. राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली के वह दो कौन से कार्य अति आवश्यक हैं?
(A) परंपरा का संरक्षण व वृद्धि को बढ़ावा देना।
(B) माध्यमिक शिक्षा के सोपान की समाप्ति पर अंत करना व तैयारी करना।
(C) सूचना व ज्ञान का समुच्चय करना व भावी पीढ़ी को संक्रमित करना।
(D) आजीविका प्राप्ति हेतु व ज्ञान प्राप्ति हेतु अध्यताओं की सहायता करना।

उत्तर- (A)/ व्याख्या राष्ट्रीय प्रणाली के दो प्रमुख कार्य हैं- परम्परा का संरक्षण व वृद्धि को बढ़ावा देना। राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का कार्य शिक्षा का निरन्तर विकास करना तथा उसे समाजोपयोगी बनाना है। इसके अलावा शिक्षा द्वारा राष्ट्र व समाज की संस्कृति व सभ्यता का हस्तांन्तरण एवं उन्नयन करना है।

22. निम्न में से कौन सा भारत में ऊर्ध्वाधर गतिशीलता का प्रबल अवरोधक है?
(A) व्यवसाय (B) वेतन और आय के अन्य स्रोत
(C) जाति विभेदीकरण (D) राष्ट्रीय भाषाओं का अज्ञान

उत्तर- (C)/ व्याख्या उर्ध्वाधर गतिशीलता से तात्पर्य किसी व्यक्ति अथवा समूह के एक पद से दूसरे पद पर पहुँचने से है जैसे- एक सांसद का मन्त्रिपरिषद में स्थान (पद) दिया जाना इसे शीर्षात्मक गतिशीलता के नाम से भी जाना जाता है। जाति विभेदीकरण इसके मार्ग में सबसे प्रबल अवरोधक हैं।

23. समाजीकरण से क्या अभिप्राय है?
(A) समाज सेवा में सहभागिता
(B) ग्रामीण समाज को ये सिखाना कि उनके घर व सड़कें कैसे साफ सुथरी रखें।
(C) समाज के सदस्यों के बीच चलती अन्तःक्रिया की प्रक्रिया एवं सामाजिक मूल्यों का अधिग्रहण
(D) बच्चों को विद्यालय में भेजने के लिए सामाजिक संगठनों के द्वारा अशिक्षितों, ग्रामीण समुदायों पर पड़ता प्रभाव।

उत्तर- (C)/ व्याख्या समाजीकरण से अभिप्राय समाज के सदस्यों के बीच चलती अन्त: क्रिया की प्रक्रिया एवं सामाजिक मूल्यों का अधिग्रहण से है। वास्तव में सामाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति एवं व्यक्ति,व्यक्ति एवं समाज के बीच अन्त: क्रिया होती है और व्यक्ति समाज की भाषा , रहन-सहन-खान-पान एवं आचरण की विधियाँ और रीति रिवाज सीखता है और इस प्रकार उस समाज में समायोजन करता है।

24. निम्न में से कौन सा माध्यमिक स्कूल का प्राथमिक कार्य नहीं है?
(A) मानवीय अनुभवों का पुनःसंगठन व पुनर्रचना
(B) बच्चों को स्वावलम्बी बनाना
(C) व्यक्तित्व का विकास
(D) संस्कृति की प्रगति

उत्तर- (B)/ व्याख्या माध्यमिक स्कूल का प्राथमिक कार्य बच्चों को स्वावलम्बी बनाना नहीं हो सकता क्योंकि इस आयु वर्ग के बच्चों का सर्वांगीण विकास किया जाना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है।

अत: माध्यमिक स्कूलों का प्राथमिक कार्य निम्न हैं-
(I) मानवीय अनुभवों का पुन: संगठन
(II) व्यक्तित्व का विकास
(III) संस्कृति की प्रगति
(IV) भाषा ज्ञान
(V) कला व साहित्य ज्ञान
(VI) लोकतांत्रिक मूल्यों का निर्माण आदि

25. नीचे दो सूचियाँ दी गई हैं। सूची-A में मनोवैज्ञानिकों के नाम हैं तथा सूची-B में उनसे संबंधित पद हैं। उन्हें सुमेलित कीजिए।

सूची-A	सूची-B
(i) आलपोर्ट	(1) कल्पित हेतुवाद
(ii) युंग	(2) विश्लेषणात्मक मनोविज्ञान
(iii) आइजैंक	(3) लिंग
(iv) एडलर	(4) कार्यात्मक स्वायत्तता
	(5) व्यक्तित्व के आयाम

कूटः

	i	ii	iii	iv
(A)	1	2	3	5
(B)	4	5	2	1
(C)	4	2	5	1
(D)	2	3	4	5

उत्तर- (C)/ व्याख्या/

मनोवैज्ञानिक	-	संम्बन्धित नियम / सिद्धान्त
(A) आलपोर्ट	-(4)	कार्यात्मक स्वयत्तता
(B) युंग	-(2)	विश्लेषणात्मक मनोविज्ञान
(C) आइजैंक	-(5)	व्यक्तित्व के आयाम
(D) एडलर	-(1)	कल्पित हेतुवाद

26. निम्नलिखित में से कौन सा किसी प्रेरक का सर्वोत्तम वर्णन करता है?

(A) सामाजिक समर्थन की इच्छा

(B) एक वस्तु या अवस्थिति जिस का प्रयोग वांछनीय व्यवहार उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है।

(C) वह पदार्थ जिस की ओर कोई जीव अपनी आवश्यकता की पूर्ति हेतु खिंचा चला जाता है।

(D) किसी विशेष व्यवहार के प्रति आंतरिक प्रेरण।

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ एक वस्तु या अवस्थिति जिसका प्रयोग वाँछनीय व्यवहार उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है, प्रेरक कहलाते हैं। जेम्स ड्रेवर ने इसे परिभाषित करते हुए कहा है कि- ''प्रेरण एक भावात्मक क्रियात्मक कारक है जो चेतन अथवा अचेतन ढंग से निर्धारित परिणाम अथवा लक्ष्य की ओर व्यक्ति के व्यवहार की दिशा को निर्धारित करने के लिए क्रियाशील होता है।

27. आत्म संप्रत्यय के विकास के लिए निम्नलिखित में कौन सा सर्वोत्तम रूप में उत्तरदायी है?

(A) व्यक्ति की समर्थन के लिए आवश्यकता

(B) आत्म-संप्रत्यय की ओर जन्मजात आभासी प्रेरणा

(C) 'अच्छा' और 'बुरा' के प्रति एक जन्मजात आभासी भाव

(D) अपने व्यक्तित्व में द्वंद्व के परिहार के लिए एक जन्मजात आभासी प्रेरणा

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ ''अच्छा'' और ''बुरा के प्रति एक जन्मजात आभाषी भाव आत्म सम्प्रत्यय के विकास के लिए सर्वोत्तम रूप से उत्तरदायी है। आत्म संम्प्रत्यय अपने आपके बारे में विश्वास का एक संग्रह है जिसमें लिंग भूमिकाओं और कामुकता और जातिय पहचान किया जाता है। आमतौर पर आत्म-सम्प्रत्यय ने 'मैं कौन हूँ?' इस जवाब का प्रतीक है।

28. किसी बच्चे को अधिगम (सीखना) के लिए अभिप्रेरित करने की सर्वोत्तम विधि है :

(A) उसके आत्म गौरव व आत्म सम्मान के भाव को आकर्षित करना।

(B) उन प्रेरकों, जो उसके पास पहले से विद्यमान हैं, को पुनः प्रणालित करना।

(C) असफलता तथा दंड का डर दिखाना

(D) उसे प्रशंसा के लिए ललचाना

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ सीखने में अभिप्रेरणाओं का बहुत महत्वपूर्ण स्थान होता है। मनोवैज्ञानिक इसे आन्तरिक अभिप्रेरणा तथा बाह्य अभिप्रेरणा में विभाजित करते हैं। बच्चों को अभिप्रेरित करने से उनका अधिगम स्तर काफी बढ़ जाता है। अभिप्रेरण की अनेक विधियाँ है जिसके माध्यम से अभिभावक व अध्यापक उन्हें अधिगम के लिए अभिप्रेरित कर सकते हैं। शिक्षकों के लिए सर्वोत्तम विधि के रूप में - उन प्रेरकों, जो उसके पास पहले से विद्यमान है को पुन: प्रणालित करना एक सर्वोत्तम विधि है।

29. अधिकतम प्रबलन प्रभाव के लिए पुरस्कार

(A) अनुक्रिया के तुरंत पश्चात् दिया जाए

(B) अनुक्रिया के तुरंत पहले दिया जाए

(C) अनुक्रिया के साथ साथ दिया जाए

(D) अनुक्रिया के पर्याप्त विलम्ब के पश्चात् दिया जाए

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ अधिकतम प्रबलन प्रभाव के लिए पुरस्कार अनुक्रिया के तुरन्त पश्चात् दिया जाय। सी. एल. हल. ने अपने अधिगम संम्बन्धी नियम में पुनर्बलन को विशेष महत्व दिया है। उसके अनुसार सीखने की तब ही घटित होती है जब प्राणी चालक या वंचन की स्थिति में होता है। हल की मान्यता थी कि अनुक्रिया के तुरन्त बाद पुनर्बलन देना ज्यादा प्रभावशाली होता है।

30. अधिगमान्तरण के घटित होने की गति अत्यधिक तीव्र होगी यदि दोनों अवस्थितियों के मध्य ___________ हैं।

(A) सहचारी संकेत

(B) समरूप तत्त्व

(C) तार्किक संबंध

(D) निश्चर संबंध

उत्तर- (B)/ व्याख्या/ अधिगम अन्तरण के घटित होने की गति अत्यधिक तीव्र होगी यदि दोनों अवस्थितियों के मध्य समरूप तत्व हैं। जब पूर्व अर्जित ज्ञान, नवीन ज्ञान से समरूपता रखता है तो वह नवीन ज्ञान को अर्जित करने में सहयोग देता है। इसे अधिगम का धनात्मक अन्तरण कहते है। धनात्मक अन्तरण में पूर्व ज्ञान, अनुभव अथवा प्रशिक्षण नई बातों को सीखने में सहायता प्रदान करता है।

31. डर की प्रतिक्रिया में सम्मिलित एक अनिवार्य तत्त्व है :

(A) संभावित खतरा

(B) वैयक्तिक अपर्याप्तता

(C) असुरक्षा

(D) डर-उद्दीपनों की प्रभावोत्पादक स्थितियाँ

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ डर की प्रतिक्रिया में डर- उद्दीपकों की प्रभावोत्पादक स्थितियां एक अनिवार्य तत्व है। जब तक स्वाभाविक उद्दीपक शक्तिशाली नहीं होगा तब तक बालक या व्यक्ति स्वाभाविक अनुक्रिया नहीं करेगा।

अत: डर अनुक्रिया के लिए डर उद्दीपक का प्रभावोत्पादक होना एक अनिवार्य शर्त है।

32. शेखी बघारना निम्नलिखित में से किसका रूप है?

(A) क्षतिपूर्ति (B) प्रक्षेपण

(C) यौक्तिकीकरण (D) ऊर्ध्वीकरण

उत्तर- (B)/ व्याख्या शेखी बघारना प्रक्षेपण का एक रूप है। प्रक्षेपण एक प्रकार की रक्षा युक्ति है। इसमें लोग अपनी असफलता का दोष अन्य लोगों या चीजों पर डाल देते हैं। नाच न आवे आँगन टेढ़ा की कहावत को चरितार्थ करते हैं। जैसे कोई बालक परीक्षा में असफल होने पर अपनी असफलता का सारा दोष परीक्षक या प्रश्न पत्र पर डाल देता है।

33. एक दमित तथा अतिसंरक्षी बालक की निम्नलिखित में कैसा होने की संभावना है?

(A) आक्रामक
(B) अपराधी
(C) झगड़ालू
(D) विलग

उत्तर- (D)/ व्याख्या एक दमित तथा अतिसंरक्षी बालक की विलग होने की संम्भावना प्रबल होती है। इसमें बालक अपनी इच्छाओं व कामनाओं का दमन कर लेता है तथा दु:खद व तनाव उत्पन्न करने वाली परिस्थितियों से अपने को अलग कर लेता है किन्तु आगे चलकर बालक को समायोजन करने में कठिनाई होती है।

34. परामर्श किस प्रकार की प्रक्रिया है?

(A) व्यक्ति के गुण अनुसार उसे मार्ग दिखाना
(B) सामाजिक अपेक्षाओं के प्रति बच्चों का अभिमुखीकरण
(C) स्वः निदेशन की ओर बच्चों की सहायता करना
(D) निदान और उपचार

उत्तर- (C)/ व्याख्या परामर्श एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें स्व: निर्देशन की ओर बच्चों की सहायता की जाती है। परमर्श की प्रक्रिया में परामर्शकर्त्ता किसी बच्चे के उसकी व्यक्तिगत समस्याओं के सन्दर्भ में एक ऐसी सूझ उत्पन्न करता है जिसमें बालक स्वयं निर्णय करने के योग्य बन जाता है। इसमें परामर्शदाता एक प्रकार से बच्चों को अपने स्व-के बारे में सूझ विकसित से करता है जिसमें बालक स्वयं की प्रकृति एवं गुण दोषों के बारे में जान पाता है।

35. यौक्तिकीकरण एक ऐसी अवधारणा है जिसमें व्यक्ति

(A) सत्य कारणों की बजाए वास्तविक कारणों को देने का प्रयास करता है।
(B) वास्तविक कारणों की बजाए सत्य कारण देने का प्रयास करता है।
(C) वास्तविक तथा सत्य दोनों कारण देता है।
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (A)/ व्याख्या यौक्तिकीकरण (Rationalization) एक प्रकार की रक्षा युक्ति है। यह अंगूर खट्टे हैं की कहावत को चरितार्थ करता है। जब व्यक्ति किसी क्षेत्र में असफल होता है तो वास्तविक कारण की अपेक्षा ऐसे कारण ढूँढ निकालता है जो कम दु:खद हो। जैसे बालक विद्यालय में देर से पहुँचने पर अध्यापक से कहता है कि घड़ी लेट चल रही थी इसलिए देरी हो गयी। स्वयं को दोष न देकर मानसिक तनाव को दूर करने का प्रयास करता है।

36. विद्यार्थियों में समस्या समाधान योग्यता के पोषण का एक महत्त्वपूर्ण तरीका हैः

(A) विमर्शक अभिवृत्ति निर्माण को उत्प्रेरित करना।
(B) उन समस्याओं पर बल देना जो उनके लिए वास्तविक हैं।
(C) औपचारिक तर्कणा तकनीक का प्रशिक्षण देना।
(D) सर्वमान्य उत्तर देने या स्वीकार करने से इन्कार करना।

उत्तर- (A)/ व्याख्या विमर्शक अभिवृत्ति (Critical Attitude) निर्माण को उत्प्रेरित करना, विद्यार्थियों में समस्या समाधान योग्यता के पोषक का एक महत्वपूर्ण तरीका है। यह चेतनात्मक अभिवृत्ति है। इसमें बालक तर्क के माध्यम से अपने समस्या के बारे में पूर्ण विचार करता है तथा उसका समाधान ढूँढता है।

37. ANOVA की सीमाबद्धता इस बात में है कि यह __________ बताने में अक्षम है।

(A) अध्ययन किए जा रहे चरों में परस्पर क्रिया
(B) अध्ययन किए जा रहे चरों का प्रभाव
(C) चरों में परस्पर संबंध
(D) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (D)/ व्याख्या ANOVA का अर्थ है (Analysis of Variance) प्रसरण विशलेषण। इसके द्वारा शोधकर्त्ता दो या दो से अधिक समूहों के माध्यों के अन्तर की सार्थकता की जाँच करता है। इसे F टेस्ट या F परीक्षण के नामों से भी जाना जाता है। इसकी कुछ सीमाएं हैं जो निम्न हैं-

(I) अध्ययन किए जा रहे चरों में परस्पर क्रिया।
(II) अध्ययन किए जा रहे चरों का प्रभाव।
(III) चरों में परस्पर संम्बन्ध।

38. आपको दो कथन दिए गए हैं :

(a) अनुसंधान में सर्वदा नए तथ्यों की खोज करनी चाहिए।
(b) अनुसंधान सर्वदा नई अवस्थिति में परिणामों की वैधता जाँचे।

शैक्षिक अनुसंधान में से निम्नलिखित में से कौन सा उत्तर सबसे अधिक सही है?

(A) केवल (a) सही है।
(B) केवल (b) सही है।
(C) (a) तथा (b) दोनों सही हैं।
(D) दोनों में से कोई भी सही नहीं है।

उत्तर- (C)/ व्याख्या दोनों कथन सत्य है। अनुसंधान का उद्देश्य नवीन तथ्यों की खोज करना तथा पुराने ज्ञान को परिमार्जन करना है। अनुसंधान में हमेशा नई परिस्थितियों में परिणामों की वैधता की जाँच किया जाना चाहिए।

39. यदि कोई अनुसंधानकर्ता किसी मानकीकृत परीक्षण के प्राप्तांकों में लिंग भेद व नृजातिभेद के सही सामान्यीकरण के परिणाम जानना चाहता है तो उसके लिए किस प्रकार का प्रतिदर्श सबसे अधिक उपयुक्त प्रतिदर्श होगा?

(A) स्तरित प्रतिदर्श
(B) समानुपातिक प्रतिदर्श
(C) सांयोगिक प्रतिदर्श
(D) अत्यंतिक व्यक्ति प्रतिदर्श

उत्तर- (B)/ व्याख्या यदि कोई अनुसंधानकर्त्ता किसी मानकीकृत परीक्षण के प्राप्तांकों में लिंगभेद व नृजातिभेद के सही सामान्यीकरण के परिणाम जानना चाहता है तो उसके लिए समानुपातिक प्रतिदर्श सबसे उपयुक्त रहेगा। क्योंकि समानुपातिक प्रतिदर्श में न्यादर्श जनसंख्या का सही प्रतिनिधित्व करते हैं। इसमें सम्पूर्ण जीवसंख्या को कुछ ज्ञात गुण या विशेषता के आधार पर कई स्तरों में बाँट लिया जाता है फिर एक निश्चित अनुपात में प्रत्येक स्तर से न्यादर्श का चयन एक निश्चित अनुपात में किया जाता है। इसमें जीवसंख्या के गुणों पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

40. कारण-तुलनात्मक अनुसंधान को क्यों प्रायोगिक अनुसंधान नहीं कहते?

(A) यह चरों के मध्य संबंधों का अध्ययन करते हैं।

(B) यह मात्र एक सह-संबंध तरह का अध्ययन है।

(C) इसकी विधि तुलनात्मक व विश्लेषणात्मक है।

(D) यह न तो बाह्य चरों पर नियंत्रण करता है और न ही स्वतंत्र चरों को प्रचालित करता है।

उत्तर- (D)/ व्याख्या प्रयोगात्मक अनुसंधान की दो महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं- चरो में जोड़ तोड़ तथा बाह्य चरों पर पूर्ण नियन्त्रण। कारण तुलनात्मक अनुसंधान को इसीलिए प्रयोगात्मक अनुसंधान नहीं कहा जाता है क्योंकि न तो इसमें स्वतंत्र चरों में जोड़-तोड़ होता है न ही बाह्य चरों पर नियंत्रण।

41. कोई वक्र प्लाटीकर्टिक होगी यदि

(A) $K_U = 0.263$ (B) $K_U > 0.263$

(C) $K_U < 0.263$ (D) $K_U = 0.236$

उत्तर- (B)/ व्याख्या जब कुकुदता या वक्र का मूल्य .263 होता है तो समझा जाता है कि वितरण या वक्र सामान्य या मध्य कुकुदता (Meso Kurtic) है। जब कुकुदता का मान .263 से अधिक होता है तो इसका अर्थ है कि वह वितरण या वक्र चिपिट कुकुदता (Platy kurtic) है। और जब कुकुदता का मान .263 से कम होता है तो इसका अर्थ है कि वह वितरण या वक्र तुंग कुकुदता (Lecto kurtic) है।

42. यदि शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है जबकि यह सही है तो यह ________ दर्शाती है।

(A) परिदर्श त्रुटि

(B) Type-II त्रुटि

(C) मानक त्रुटि

(D) Type-I त्रुटि

उत्तर- (D)/ व्याख्या शून्य परिकल्पना के स्वीकृत या अस्वीकृत करते समय दो तरह की त्रुटिया प्राय: हो जाती है जिन्हें टाइप-I त्रुटि तथा टाइप-II त्रुटि के नाम से जाना जाता है। जब शोधकर्त्ता सत्य शून्य परिकल्पना को अस्वीकृत कर देता है तो वहां पर टाइप-I त्रुटि (Error) हो जाता है। इसे अल्फा त्रुटि के नाम से भी जाना जाता है।

43. सूची-I में दिए गए पदों को सूची-II में दिए पदों से जोड़ मिलाएँ:

सूची-I	सूची-II
(i) पूर्वानुमानिक वैधता	(1) सैद्धांतिक प्रक्रियाओं का मापन
(ii) संगामी वैधता	(2) उचित विषय वस्तु का मापन
(iii) कान्स्ट्रेक्ट वैधता (संप्रत्यय वैधता)	(3) उत्पाद / निष्पादन का मापन
	(4) ज्ञात परिणामों से सहमति का मापन

कूटः

	i	ii	iii
(A)	2	3	1
(B)	4	2	1
(C)	3	4	2
(D)	3	4	1

उत्तर- (D)/ व्याख्या

	सूची-I	-	सूची-II
(A)	पूर्वानुमानिक वैधता	-(3)	उत्पाद / निष्पादन का मापन
(B)	संगामी वैधता	-(4)	ज्ञात परिणामों से सहमति का मापन
(C)	संम्प्रत्यय वैधता	-(1)	सैद्धान्तिक प्रक्रियाओं का मापन

44. एक शोधकर्त्ता बुद्धि के संदर्भ में उपलब्धि का अध्ययन करना चाहता है। इसके लिए उसे चुनना है :

(a) एक चर नामिक मापनी में से व दूसरा अंतराल मापनी में से

(b) एक चर अनुपात मापनी में से व दूसरा नामिक मापनी में से।

(c) दोनों चर अंतराल मापनी में से।

(d) दोनों चर अनुपात मापनी में से।

उत्तर- (C)/ व्याख्या बुद्धि एवं उपलब्धि का मापन अन्तराल मापनी पर किया जाता है क्यों कि इसमें आभासी शून्य होता है। शैक्षिक एवं मनोवैज्ञानिक मापनी के लिए अन्तराल मापनी के आंकड़े सबसे शुद्ध एवं विश्वसनीय होते हैं। इसमें जोड़ व घटाना जैसी गणितीय संक्रियाएं भी की जा सकती हैं।

45. निम्नलिखित तकनीकों में से कौन सी तकनीक एक शोधकर्त्ता उपयोग करेगा, यदि वह आकार, नृजातीय व सामाजिक-आर्थिक स्थिति के संदर्भ में शिशुओं की अभिप्रेरणा का अध्ययन करना चाहे।

(a) काई-स्क्वेर

(b) क्रसकस-वालिस परीक्षण

(c) बहुआयामी समाश्रयण

(d) द्वि-चर ANOVA

उत्तर- (C)/ व्याख्या यदि आकार, नृजातिय व सामाजिक, आर्थिक स्थिति के सन्दर्भ में बालकों की अभिवृत्ति, अभिप्रेरणा का अध्ययन यदि कोई शोधार्थी करता है तो उसके लिए आवश्यक है कि वह बहु आयामी (Multi Dimention) का प्रयोग करे। क्योंकि इसमें अध्ययन लिए जाने वाले चरों (variables) की संख्या अधिक होती है।

46. किसी अनुसंधान कर्त्ता को सहसंबंध अध्ययन में 17 व्यक्तियों से r का मान प्राप्त हुआ। निम्नलिखित दिए गए मानों में से r का न्यूनतम मान कितना हो कि प्राप्त r 0.01 स्तर पर सार्थक हो?
(दिया गया : $d_f = 17, r_{0.01} = 0.575$;
$d_f = 16, r_{0.01} = 0.590$;
$d_f = 15, r_{0.01} = 0.606$ और $d_f = 14$,
$r_{0.01}=0.623$)

(a) 0.606 व अधिक
(b) 0.590 व अधिक
(c) 0.575 व अधिक
(d) 0.623 व अधिक

उत्तर- (A)/ व्याख्या Degree of Freedom $= n - 1$
$= 17 - 2 = 15$
Value of Co-relation is .606 Then if r is greater and equal to .606 at .01 level of significance of two tailed will be significant

47. अनुसंधानकर्त्ता ने उत्तरों को अंक देते समय 3 अंक सभी को अधिक देने की गलती की। ऐसे में समूह मध्यमान कैसे प्रभावी होगा?

(a) मान 3 बढ़ जाएगा।
(b) मान 3 घट जाएगा।
(c) तीन की वृद्धि को समूह की संख्या से भाग देने पर आया भागफल।
(d) इस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

उत्तर- (A)/ व्याख्या किसी भी प्रदत्त के प्रत्येक अंक में 3 की वृद्धि करने पर माध्य (Mean) माध्यिका (Median) में परिवर्तन होकर 3 अंक की वृद्धि होगी जबकि माध्य विचलन में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

48. निम्नलिखित पूर्वधारणा में से कौन सी पूर्वधारणा का अनुसंधान परिकल्पना द्वारा परीक्षण संभव नहीं है?

(a) बुद्धि की वृद्धि आयु व प्रशिक्षण पर आश्रित नहीं है।
(b) पूर्वाग्रह से ग्रसित व्यक्ति में किसी अरूचिपूर्ण विषय के प्रति ऋणात्मक अभिवृत्ति विकसित होती है।
(c) शैक्षणिक उपलब्धि में शैक्षिक अभिक्षमता एक सहायक कारक है।
(d) अग्रिम संगठक अधिगम को सुसाध्य बनाता है।

उत्तर- (A)/ व्याख्या बुद्धि की वृद्धि, आयु व प्रशिक्षण पर आश्रित नहीं है उपर्युक्त पूर्वधारणा का अनुसंधान प्राकल्पना (Research Hypothesis) द्वारा परीक्षण सम्भव नहीं है।

49. एक शोधकर्त्ता ने एक व्यक्तित्व तालिका का विकास किया। उसने सामान्य व असामान्य व्यक्तियों से व्यक्तित्व तालिका के पदों से सहमत या असहमत के रूप में आँकड़े एकत्र किए। पद विभेदीकरण के लिए निम्नलिखित तकनीक में से कौन सी तकनीक सर्वाधिक उपयुक्त है?

(A) टेट्राकोरिक
(B) पाई-गुणांक
(C) प्वाइंट-बाइ सीरियल (बिन्दु द्विश्रेणी)
(D) बाई सीरियल (द्वि श्रेणी)

उत्तर- (C)/ व्याख्या उपर्युक्त अनुसंधान कार्य में पद विभेदीकरणके लिए प्वाइन्ट बाई सीरियल (बिन्दु द्वि-श्रेणी) का प्रयोग किया जाएगा। जब दो चरों में से किसी एक चर को दो भागों में विभाजित कर दिया जाता है और यह विभाजन काल्पनिक न होकर वास्तविक होता है तो वह बिन्दु द्वि-श्रेणी (Paint Biserial) कहलाता है। उपर्युक्त शोध में भी शोधकर्त्ता ने एक चर को दो वास्तविक भागों में बँटा है अत: यहाँ बिन्दु द्विश्रेणी का ही प्रयोग होगा।

50. निम्नलिखित में से गुणात्मक शोध का निश्चयात्मक गुण कौन सा है?

(A) शोधकर्त्ता का आत्मलक्षी विमर्शन
(B) साक्षात्कार का उपयोग एक मुख्य तकनीक के रूप में
(C) सामान्यीकरण में अस्पष्टता
(D) सुविधाजनक प्रतिदर्श

उत्तर- (B)/ व्याख्या गुणात्मक शोध में साक्षात्कार विधि का उपयोग एक मुख्य तकनीकी के रूप में किया जाता है। गुणात्मक शोध में प्रदत्त को गुणों व विशेषताओं के आधार पर विभिन्न श्रेणियों में विभक्त कर शोध के निष्कर्ष तक पहुँचने का प्रयास किया जाता है।